सूर्योदय : 5:28
सूर्यास्त : 6:38
अधिकतम तापमान : 34.0
न्यूनतम : 28.0

RNI NO : UPHIN/2010/31173

डाक पंजीकरण संख्याः
SSP/LW/NP-422/2014-2016

वर्ष-19 अंक-16 पेज-16
मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, गुरुवार, 03 जुलाई 2025
07 मोहर्रम 1447 हिजरी

हिन्दी दैनिक अवधनामा

www.avadhnama.com

ड्रग्स तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़

■ चार महाद्वीपों के 10 से अधिक देशों में फैला नेटवर्क, दस लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने एशिया, यूरोप, अमेरिका और आस्ट्रेलिया चार महाद्वीपों के 10 से अधिक देशों में फैले अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी के नेटवर्क का खुलासा किया है। एनसीबी से मिली जानकारी के आधार पर भारत के साथ-साथ अमेरिका और आस्ट्रेलिया में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है और अन्य कई देशों में नेटवर्क से जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई चल रही है।

गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने एनसीबी व अन्य एजेंसियों को इतने बड़े नेटवर्क के भंडाफोड़ के लिए बधाई देते हुए कहा कि मोदी सरकार हर ड्रग कार्टेल, चाहे वे कहीं से भी संचालित हो रहे हों, को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। अमित शाह ने इसे देश के विभिन्न एजेंसियों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय का बेहतरीन उदाहरण बताते हुए कहा कि इस आपरेशन के दौरान अमेरिका व आस्ट्रेलिया में ड्रग की पांच बडी खेप की बरामदगी के साथ ही आस्ट्रेलिया में एक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट को भी ध्वस्त करने में सफलता मिली है। नेटवर्क के वित्तीय लेन-देन और सप्लाई चैन को संभालने वाले सरगना की भी पहचान की जा चुकी है, जो यूएई में रह रहा है। एनसीबी उसकी गिरफ्तारी के लिए यूएई के अधिकारियों के साथ संपर्क में है।

इस पूरे नेटवर्क का खुलासा दिल्ली के मंडी हाउस के पास एक कार से दो युवकों की गिरफ्तारी के साथ हुआ, जो नोएडा स्थित एक निजी विश्वविद्यालय के छात्र थे। इनकी गिरफ्तारी 25 मई को मंडी हाउस के पास हुई और उनके पास से 3.7 किलोग्राम ट्रामाडोल टैबलेट जब्त किया गया। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे एक बड़ी आनलाइन बी2बी प्लेटफार्म के वेंडर प्रोफाइल का काम देखता है, जिसके माध्यम से पूरे अमेरिका, यूरोप और आस्ट्रेलिया में फार्मास्यूटिकल गोलियां सप्लाई की जाती है। उससे पूछताछ के आधार पर एसीबी रूड़की के स्टाकिस्ट तक पहुंची और मयूर विहार से उसके एक अन्य सहयोगी को गिरफ्तार किया।

एनसीबी के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार पूरे नेटवर्क में सभी लोगों के काम अलग-अलग बंटे थे और सभी को 10 से 15 फीसद कमीशन मिलता था। थोक वेंडर से संपर्क और उनके आर्डर के संभालने का काम उडुपी स्थित काल सेंटर से किया जाता था। एक बार आर्डर कंफर्म हो जाने के बाद क्रिप्टोकैरेसी में एडवांस पेमेंट लिया जाता था। 10-15 फीसद कमीशन काटने के बाद बाकी रकम सप्लायर को भेज दिया जाता था।

दिल्ली से अलबामा तक जुड़े तार

मयूर विहार से गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ के आधार पर एनसीबी कर्नाटक के उडुपी पहुंची, जहां एक काल सेंटर में अमेरिका से थोक आर्डर बुक किये जाते थे। इस काल सेंटर में 10 लोग काम करते थे। यहां से ड्रग की 50 ऐसी अंतरराष्ट्रीय खेप का पता चला जिसकी डिलिवरी अमेरिका, आस्ट्रेलिया, इस्टोनिया और स्वीटजरलैंड में होनी थी। आपरेशन मेड मैक्स बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की संलिप्तता को देखते हुए एनसीबी ने आपरेशन मेड मैक्स शुरू किया। इसके बाद विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय के साथ शुरु हुए आपरेशन में अमेरिका की ड्रग इंफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन (डीईए) ने अलबामा से जोएल हाल नाम एक आरोपी को गिरफ्तार किया, जो अलबामा में बड़े पैमाने पर ड्रग्स सप्लाई का काम करता था।

सोनिया-राहुल गांधी की बढ़ीं मुश्किलें, ईडी ने अधिग्रहण में फर्जी लेन-देन का किया दावा

नेशनल हेराल्ड मामला

■ 2000 करोड़ रुपये की कंपनी का 90 करोड़ के कर्ज के बदले किया गया अधिग्रहण

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मामले में सोनिया गांधी और राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। दरअसल ईडी ने अदालत में दावा किया है कि एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के अधिग्रहण में फर्जी लेन-देन किया गया। असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ईडी की तरफ से अदालत में पेश हुए। एसवी राजू ने बताया कि यंग इंडियन नामक कंपनी ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड का अधिग्रहण किया। एजेएल की संपत्ति 2000 करोड़ रुपये है। एजेएल के अधिग्रहण के लिए ही यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड को बनाया गया था।

एसवी राजू ने बताया कि एजेएल के निदेशक ने ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी को पत्र लिखा था, जिसमें कहा गया कि वे कर्ज चुकाने में सक्षम नहीं हैं क्योंकि अखबार का प्रकाशन बंद हो चुका है और उनके पास आय का कोई नियमित साधन नहीं है। एसवी राजू ने कहा कि यंग इंडियन में सोनिया गांधी, राहुल गांधी, सुमन दुबे और सैम पित्रोदा प्रबंधकीय पदों पर थे। राजू ने कहा कि कंपनी एजेएल के पास करीब 2000 करोड़ रुपये की संपत्ति है, जिसका 90 करोड़ रुपये के कर्ज के बदले अधिग्रहण कर लिया गया। यह एक धांधली है, जिसमें कोई असल लेन-देन नहीं हुआ। एजेएल का अधिग्रहण कांग्रेस ने नहीं किया बल्कि यंग इंडियन ने किया। यह एक साजिश के तहत किया गया।

ईडी ने कहा कि कांग्रेस ने न ही ब्याज दिया और न ही जमानत और 90 करोड़ रुपये के कर्ज को सिर्फ 50 लाख रुपये में बेचा गया। सोनिया गांधी और राहुल गांधी के इशारे पर यह साजिश रची गई। एसवी राजू ने कहा कि यंग इंडियन में राहुल गांधी और सोनिया गांधी के 76 प्रतिशत शेयर हैं।

नेशनल हेराल्ड की स्थापना पूर्व पीएम पंडित जवाहर लाल नेहरू ने 1938 में की थी। इसे कांग्रेस का अखबार माना जाता था। साल 2008 में इसने कर्ज में फंसने के चलते काम बंद कर दिया। साल 2012 में भाजपा नेता सुब्रमण्यन स्वामी ने शिकायत दर्ज कराई, जिसमें आरोप लगाया कि कांग्रेस नेतृत्व ने यंग इंडियन लिमिटेड कंपनी के जरिए धोखाधड़ी से एजेएल की संपत्ति का अधिग्रहण किया है। इसके बाद ईडी ने इसकी जांच शुरू की।

सरकार की लापरवाही से जरूरी खाद की किल्लत से जूझ रहा देश : राहुल गांधी

केंद्र पर साधा निशाना

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को केंद्र सरकार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि देश के किसान उर्वरकों की भारी कमी से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी कोई मदद नहीं कर रही है। उन्होंने दावा किया कि चीन से आने वाले खास उर्वरकों की आपूर्ति रुकने के बावजूद सरकार ने कोई वैकल्पिक तैयारी नहीं की। राहुल गांधी ने इसे किसानों के साथ अन्याय करार दिया।

राहुल गांधी ने कहा कि भारत कृषि प्रधान देश है और किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। लेकिन ये रीढ़ अब विदेशी निर्भरता के कारण कमजोर हो रही है। उन्होंने बताया कि भारत 80 फीसदी विशेष खाद चीन से आयात करता है और अब चीन ने इनकी सप्लाई रोक दी है, जिससे किसानों के सामने बड़ा संकट खड़ा हो गया है। कांग्रेस नेता ने केंद्र सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार को पहले से पता था कि चीन कभी भी आपूर्ति रोक सकता है, इसके बावजूद न तो घरेलू उत्पादन बढ़ाने के लिए कोई नीति बनाई गई और न ही कोई ठोस योजना पर काम हुआ।

राहुल गांधी ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि किसान पहले ही महंगे बीज, खाद और डीजल की कीमतों से परेशान हैं। ऊपर से समय पर खाद न मिलने से उनकी फसलें बर्बाद हो रही हैं। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि एक तरफ मोदी जी खाद की बोरियों पर अपनी फोटो छपवा रहे हैं, दूसरी तरफ देश के किसान मेड इन चाइना पर निर्भर होते जा रहे हैं।

जरूरी उर्वरकों की भी भारी कमी

राहुल ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब देश में जरूरी उर्वरकों की कमी हुई हो। पहले भी किसान डीएपी और यूरिया की कमी से परेशान रहे हैं। अब चीन से आने वाले स्पेशल फर्टिलाइजर की आपूर्ति बंद होने के बाद हालात खराब हो गए हैं।

21 जुलाई से चलेगा संसद का मॉनसून सत्र राष्ट्रपति ने दी मंजूरी

नई दिल्ली। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होगा, जो कि 21 अगस्त तक चलेगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसकी जानकारी संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को दी। इस बार का मानसून सत्र 22 दिन चलने वाला है। पहलगाम हमले के बाद हो रहा यह सत्र काफी हंगामेदार होने वाला है।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने ट्वीट कर जानकारी दी कि भारत के माननीय राष्ट्रपति ने 21 जुलाई से 21 अगस्त, 2025 तक संसद का मानसून सत्र बुलाने के सरकार के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर 13 और 14 अगस्त को कोई बैठक नहीं होगी। उन्होंने बताया कि संसद के दोनों सदन तीन महीने से अधिक समय के अंतराल के बाद 21 जुलाई को सुबह 11 बजे से शुरू होने वाले हैं।

पीड़ितों के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाएं : योगी

जनता दर्शन

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात की। ध्यान से सबकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं का निराकरण शीघ्रता और पारदर्शिता शीघ्रता से किया जाए।

इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की हर समस्या का समाधान सरकार की प्राथमिकता है।

बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खुद पहुंचे और एक-एक करके सबकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने करीब 200 लोगों से मुलाकात की।

उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि हर व्यक्ति को न्याय दिलाया जाएगा। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। सीएम ने अफसरों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे, उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी। उनके प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि इलाज से जुड़ी प्रक्रिया को जल्द पूर्ण करा कर शासन में उपलब्ध कराया जाए।

पांच देशों की यात्रा पर मोदी रवाना कहा- मजबूत होंगे हमारे संबंध

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को अफ्रीकी, कैरेबियाई और दक्षिण अमेरिका के पांच देशों की यात्रा के लिए रवाना होने से पूर्व कहा कि उनकी इस यात्रा से दक्षिणी गोलार्ध के विकासशील देशों के साथ भारत के संबंधों को और बल मिलेगा। मोदी ने घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्रा की आठ दिन की यात्रा पर सुबह घाना के लिए प्रस्थान किया और वह नामीबिया होकर लौटेंगे। इस दौरान वह ब्राजील के रियो डी जनेरियों में होने जा रही ब्रिक्स शिखर बैठक में भाग लेंगे और ब्रिक्स देशों के शासनाध्यक्षों और राष्ट्राध्यक्षों के साथ अलग से भी बातचीत करेंगे।

राजधानी से प्रस्थान करने से पूर्व एक वक्तव्य में मोदी ने कहा, आज मैं 02 से 09 जुलाई 2025 तक घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की पाँच देशों की यात्रा पर जा रहा हूँ। उन्होंने कहा मुझे विश्वास है कि पाँच देशों की मेरी इस यात्रा से वैश्विक दक्षिणी देशों के साथ हमारी मित्रता को और बल मिलेगा, अंध महासागर के दोनों किनारों पर हमारी साझेदारी मजबूत होगी।

जर्मनी को पीछे छोड़ भारत बनने जा रहा तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

■ 27 करोड़ से अधिक नागरिकों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला गया

नई दिल्ली। आईएएनएस। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि 2030 तक जर्मनी को पीछे छोड़कर भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। पिछले 11 वर्षों में भारत ग्यारहवीं से दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

हरदीप सिंह पुरी ने यहां इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के 77वें स्थापना दिवस को संबोधित करते हुए कहा, हमारी जीडीपी 2014 में 2.1 ट्रिलियन डॉलर से दोगुनी से अधिक बढ़कर 2025 में 4.3 ट्रिलियन डॉलर हो गई है। मंत्री ने वैश्विक चुनौतियों के दौरान साहसिक सुधारों, व्यापक सामाजिक कल्याण योजनाओं और सुदृढ़ वित्तीय प्रबंधन द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

पुरी ने कहा कि प्रमुख सामाजिक पहलों के तहत 27 करोड़ से अधिक नागरिकों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकाला गया है, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगभग चार करोड़ घरों को मंजूरी दी गई है और 15.4 करोड़ ग्रामीण परिवार अब जलजीवन मिशन के माध्यम से पाइप से पानी का आनंद ले रहे हैं।

पेट्रोलियम मंत्री ने कहा, आयुष्मान भारत ने 5 लाख रुपये के बीमा लाभ के साथ 70 करोड़ से अधिक व्यक्तियों को स्वास्थ्य कवरेज का विस्तार किया है, जो समावेशी विकास के लिए भारत की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। हरदीप सिंह पुरी ने वैश्विक निवेश को आकर्षित करने में भारत की सफलता पर जोर दिया, जिसमें 2014 से 2025 के बीच 748 अरब डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) हुआ।

कांवड़ यात्रा पर सियासत, दिग्विजय-एसटी हसन के बयानों पर भाजपा का पलटवार

■ एसटी हसन ने धार्मिक पहचान पूछने पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। कांवड़ यात्रा को लेकर देश की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एसटी हसन के बयानों पर भाजपा ने कड़ा पलटवार किया है। भाजपा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने दोनों नेताओं पर हिंदू विरोधी मानसिकता फैलाने का आरोप लगाया। वहीं एसटी हसन ने कांवड़ यात्रा के दौरान दुकानदारों की धार्मिक पहचान पूछे जाने की घटनाओं की तुलना आतंकवाद से कर दी।

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कांवड़ यात्रा को लेकर कहा कि यात्रा में अगर राज्य सरकारें सुविधाएं देती हैं तो कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन जब इस यात्रा का इस्तेमाल नफरत फैलाने के लिए किया जाता है, तब दिक्कत होती है। उन्होंने कहा कि किसी भी सभ्य समाज में नफरत फैलाने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन ने दावा किया कि उत्तराखंड में कांवड़ यात्रा मार्ग पर कुछ हिंदू संगठनों द्वारा होटल कर्मियों और स्थानीय दुकानदारों की धार्मिक पहचान पूछी जा रही है। उन्होंने कहा कि किसी से नाम पूछना और कपड़े उतरवाकर धर्म पहचानना भी एक तरह का आतंकवाद है। एसटी हसन ने कहा कि जिस तरह आतंकवादियों ने पहलगाम में धर्म पूछकर लोगों को निशाना बनाया था, यह भी वैसा ही है।

दोनों नेताओं के बयानों की सोच एक जैसी : सुधांशु

नई दिल्ली। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने दोनों नेताओं पर तीखा हमला करते हुए कहा कि इनके बयानों की सोच एक जैसी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी विदेश में डिस्मैंटलिंग ग्लोबल हिंदुत्व जैसी बैठकों में हिस्सा लेते हैं, चेन्नई में सनातन धर्म के उन्मूलन की बातें होती हैं और उसी सोच से ये दोनों नेता प्रभावित नजर आते हैं।

सुधांशु त्रिवेदी ने दिग्विजय सिंह पर आरोप लगाया कि उनके लिए जाकिर नाइक शांति का दूत हैं, ओसामा बिन लादेन को ओसामा जी कहते हैं और हाफिज सईद को हाफिज साहब। लेकिन कांवड़ यात्रा में ही इन्हें सांप्रदायिकता नजर आती है। उन्होंने सवाल किया कि एसटी हसन बताएं कि वो उन लोगों के साथ क्यों खड़े हैं जो अपना नाम और पहचान छुपाते हैं। एसटी हसन ने उत्तराखंड सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि सरकार आंखें मूंदे बैठी है और ऐसे कृत्यों को मूक समर्थन दे रही है। उन्होंने कहा कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है और इस तरह की घटनाएं शर्मनाक हैं। हसन ने सरकार से तुरंत कार्रवाई की मांग की। हर साल सावन में कांवड़ यात्रा को लेकर राजनीति गरमा जाती है। जहां भाजपा और हिंदू संगठनों के लिए यह आस्था का विषय है, वहीं विपक्षी दल इसे राजनीति से प्रेरित बताकर सवाल उठाते हैं।

नाराजगी आम आदमी पार्टी ने दिल्ली सरकार पर साधा निशाना

पुराने वाहनों को हटाने को लेकर विवाद

■ कार कंपनियों को लाभ पहुंचाने का काम कर रही दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। वायु प्रदूषण को कम करने के लिए केंद्र सरकार ने 10 वर्ष से पुराने डीजल वाहनों और 15 वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों को सड़कों से हटाने का निर्णय लिया है। दावा है कि इससे अकेले दिल्ली में 62 लाख वाहनों पर असर पड़ेगा। दिल्ली सरकार ने इसे पुरजोर तरीके से लागू करते हुए दिल्ली के सभी पेट्रोल पंपों पर पुराने वाहनों को ईंधन न देने का आदेश जारी कर दिया है। ऐसे वाहनों को मौके पर जब्त किया जा रहा है। इन वाहनों के मालिकों पर दस हजार का जुर्माना भी किया जा रहा है।

जाहिर है कि इससे लोग अपने पुराने वाहनों का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। लोगों को नए वाहनों को खरीदना पड़ेगा और इसका सीधा लाभ कार-मोटरसाइकिल बनाने वाली कंपनियों को होगा। सरकार के इस फैसले से लोगों में नाराजगी है, वहीं सरकार के इस दावे पर विपक्ष ने भी हमलावर रुख अपनाया है।

आम आदमी पार्टी नेता मनीष सिसोदिया ने बुधवार को कहा कि वाहनों को केवल उनके पुराने होने के आधार पर प्रदूषण पैदा करने वाला करार नहीं दिया जा सकता। यह गाड़ियों की स्थिति पर निर्भर होती है। कई बार उचित देखरेख न होने पर नई गाड़ियों से भी प्रदूषण होने लगता है, वहीं अच्छी देखरेख में रखने पर पुराने वाहन भी प्रदूषण नहीं करते। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने कार कंपनियों को जानबूझकर लाभ पहुंचाने के लिए इस तरह का निर्णय लिया है। उन्होंने इसे लोगों के हितों के साथ समझौता बताया। मनीष सिसोदिया ने कहा कि सरकार के इस आदेश से दिल्ली की सड़कों से 62 लाख वाहनों को हटना पड़ेगा। इसमें 40 लाख से ज्यादा दो पहिया और 20 लाख चार पहिया वाहन शामिल हैं। गरीब लोग अपने निजी इस्तेमाल के लिए छोटे वाहन रखते हैं। उन्हें पांच-दस किलोमीटर तक यात्रा करनी होती है, लेकिन सरकार के इस आदेश से इन परिवारों पर एक से दस लाख रूपये तक का बोझ डाल दिया है।

सरकार का यह आदेश निराधार और तर्कहीन

पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी मारलेना ने कहा कि बीजेपी सरकार का यह आदेश निराधार और तर्कहीन है। किसी गाड़ी की उम्र और उसके द्वारा हो रहे प्रदूषण से कोई लेना-देना नहीं है। अगर गाड़ियों को अच्छे से मेंटेन किया जाए, तो वे पुरानी होने के बावजूद प्रदूषण नहीं करतीं। गाड़ी पुरानी होने का मतलब यह नहीं कि वह अधिक इस्तेमाल की गई है। कई गाड़ियां सात साल में तीन लाख किलोमीटर चल चुकी होती हैं, जबकि कई 15 साल में भी 50,000 किलोमीटर से ज्यादा नहीं चली हों। ऐसे में सरकार का यह आदेश पूरी तरह गलत है।

नीतीश के चेहरे पर नहीं जीत सकते, मोदी को आगे किया : राजद

गया जी। बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही प्रदेश की राजनीति में सरगर्मी तेज हो गई है। राजनीतिक दल एक-दूसरे पर निशाना साधने में जुट गए हैं। इसी कड़ी में गया शहर के अलग-अलग चौक-चौराहों और दीवारों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बड़े-बड़े पोस्टर लगाए गए हैं। पोस्टरों पर स्लोगन लिखा गया है सोच दमदार, काम असरदार फिर एक बार एनडीए सरकार। माना जा रहा है कि एनडीए गठबंधन ने पोस्टर लगाकर बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है।

इन पोस्टरों पर राजद विधायक सह पार्टी प्रवक्ता सतीश दास ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि एनडीए को अब समझ में आ गया है कि नीतीश कुमार के चेहरे पर बिहार विधानसभा चुनाव नहीं जीता जा सकता है, इसलिए अब नरेंद्र मोदी जी को आगे किया जा रहा है।

डीएम की अध्यक्षता में हुई जिला परिषद की बैठक, 11 प्रस्तावों पर चर्चा

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी । प्रादेशिक मुख्य आयुक्त डॉ. प्रभात कुमार के निर्देशन में भारत स्काउट एंड गाइड की जिला परिषद की बैठक बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता डीएम एवं परिषद की अध्यक्ष दुर्गा शक्ति नागपाल ने की। बैठक की शुरुआत स्काउट प्रार्थना के साथ हुई और सभी सदस्यों व स्काउट-गाइड पदाधिकारियों का परिचय कराया गया। इस दौरान उन्होंने वार्षिक कार्यक्रम पत्रिका का विमोचन भी किया।डीएम ने कहा कि भारत स्काउट एंड गाइड केवल एक संगठन नहीं, बल्कि यह बच्चों में नैतिक मूल्यों, सेवा, नेतृत्व और राष्ट्रीय चरित्र निर्माण की नींव रखता है। विद्यालयों में सक्रिय स्काउट गाइड बच्चों के माध्यम से हम जनहित के मुद्दों को सीधे समुदाय तक पहुंचा सकते हैं। पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति, महिला सशक्तिकरण और स्वच्छता जैसे विषयों पर जागरूकता फैलाने में स्काउट गाइड की भूमिका निर्णायक होगी। एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने कहा कि स्काउट-गाइड के छात्र अनुशासन, सेवा और नेतृत्व के प्रतीक हैं। उनकी भागीदारी से समाज में जनजागरूकता के अभियान प्रभावी ढंग से संचालित किए जा सकते हैं बैठक में वर्ष 2024-25 के आय-व्यय अनुमोदन, वार्षिक आयव्यय प्रस्तुतीकरण, वर्ष 2025-26 के प्रशिक्षण व कार्यक्रमों के अनुमोदन समेत कुल 11 एजेंडा बिंदुओं पर चर्चा और अनुमोदन किया गया। जिला कार्यकारिणी द्वारा पारित प्रस्तावों को अनुमोदन प्रदान किया गया। बैठक का संचालन जिला सचिव डॉ केसी मिश्रा एवं पर्यवेक्षण सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त लखनऊ मंडल पूनम संधू ने किया। पूनम संधू ने बैठक की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता बताई बैठक में एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह, सहायक प्रादेशिक संगठन आयुक्त लखनऊ मंडल पूनम संधू, जिला विद्यालय निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र, स्काउट सचिव केसी मिश्र सहित परिषद के अन्य सदस्य मौजूद रहे। सभी ने स्काउट-गाइड गतिविधियों के विस्तार और सामाजिक अभियानों में सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया।

सीडीओ ने किया कक्षा 1 से 3 तक की किताबों का सत्यापन

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी । जिलेभर में संचालित परिषदीय विद्यालयों में कक्षा एक से तीन तक की कक्षाओं की पाठ्य पुस्तको का बुधवार को सीडीओ अभिषेक कुमार ने अफसरों की टीम संग सत्यापन किया। उन्होंने किताबों का भौतिक सत्यापन कर वितरण व्यवस्था की जानकारी ली सीडीओ ने स्पष्ट कहा कि अगले दो दिनों के भीतर सभी विद्यालयों में पाठ्यपुस्तकों का वितरण हर हाल में सुनिश्चित किया जाए, ताकि बच्चों के पठन-पाठन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि अगर पुस्तकों की सप्लाई समयबद्ध रूप से नहीं हुई तो जवाबदेही तय की जाएगी। सीडीओ ने कहा कि शैक्षणिक सत्र की सुचारू शुरुआत के लिए किताबों की समय से आपूर्ति आवश्यक है। उन्होंने बीएसए को निर्देशित किया कि वितरण के उपरांत उसकी रिपोर्ट भी उपलब्ध कराई जाए सत्यापन के दौरान उपायुक्त उद्योग उज्जवल सिंह, बीएसए प्रवीण तिवारी और डीपीआरओ विशाल सिंह भी मौजूद रहे। अधिकारियों की टीम ने गोदाम से लेकर विद्यालय तक पुस्तक वितरण की प्रक्रिया का जायजा लिया।

किसानों को मिलेगी राहत : 2640 मीट्रिक टन उर्वरक की रैक पहुंचेगी गोला

लखीमपुर खीरी। (अवधनामा संवाददाता) जनपद में उर्वरक की सुचारु उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सीडीओ अभिषेक कुमार ने बुधवार को संबंधित अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान सीडीओ ने केंद्रवार ऑनलाइन स्टॉक की स्थिति की जांच करते हुए अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए बैठक की अध्यक्षता करते हुए सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि जिन केंद्रों पर उर्वरक की उपलब्धता कम है, वहां प्राथमिकता के आधार पर आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कम से ज्यादा स्टॉक वाले केंद्रों पर इस प्रकार वितरण किया जाए कि किसी भी स्थान पर खाद की किल्लत न हो उन्होंने कहा कि गुरुवार को गोला में जनपद लखीमपुर खीरी के लिए 2640 मीट्रिक टन की एक रैक (उर्वरक खेप) प्राप्त हो रही है, जो शाम तक जिले में पहुंच जाएगी। सीडीओ ने अधिकारियों को डेप्लॉयमेंट प्लान के अनुसार कार्य करने और हर केंद्र पर वितरण की सटीक योजना बनाने के निर्देश दिए।सीडीओ अभिषेक कुमार ने किसानों से अपील की कि वे केंद्रों से केवल आवश्यकता अनुसार ही खाद प्राप्त करें, अनावश्यक भंडारण से बचें। उन्होंने कहा कि जिले में पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध है और किसी भी प्रकार की किल्लत नहीं है। उन्होंने किसानों को भ्रामक सूचनाओं या अफवाहों से बचने की सलाह देते हुए भरोसा दिलाया कि प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद और सतर्क है बैठक में सहायक आयुक्त एवं निबंधक (सहकारिता) रजनीश प्रतापसिंह, जिला कृषि अधिकारी सूर्य प्रताप सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों को केंद्रवार निगरानी बढ़ाने और किसानों से लगातार संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

वन विभाग के रवैये के कारण ग्रामीणों में रोष व्याप्त

तेंदुआ देखे जाने की बात सुनकर भी गांव में नहीं पहुंचे वन विभाग के अधिकारी

लखीमपुर-खीरी। (अवधनामा संवाददाता) महेशपुर रेंज की बिलहरी बीट के अंतर्गत बिझौली और लखैया गांव के बीच में जायका के जंगल में इन दिनों तेंदुए का आतंक चल रहा है, जिसके पगचिह्न खेतों में देखे गए हैं ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग के अधिकारी तेंदुआ देखे जाने की बात सुनकर भी गांव में नहीं पहुंचे हैं। वन विभाग के रवैये के कारण ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने कहा कि कई बार वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों ने मांग की है कि जल्द ही तेंदुए को पकड़ा जाए नहीं तो तेंदुआ किसी को भी अपना शिकार बना सकता है। लोगों का कहना है कि अक्सर सड़क पार करते तेंदुआ देखा गया है, जिससे जंगल से सटे में गांवों में तेंदुए का खतरा बना हुआ है ।

जिले के हुक्मरानों ने किया कांवड़ मार्ग का निरीक्षण

बिजनौर।(अवधनामा संवाददाता) डीएम साहिबा व पुलिस कप्तान ने शुरू होने वाली आगामी कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत थाना कोतवाली शहर, मंडावर एवं नांगल क्षेत्रान्तर्गत कांवड मार्गो का जायज़ा लेकर सुरक्षा, यातायात व्यवस्था, रूट डायवर्जन व अन्य व्यवस्थाओं के संबंध मे सर्व संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गए। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर, यातायात सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

पनीर फैक्ट्रियों पर मारा छापा, कारोबारियों में मचा हड़कम्प

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। अपर आयुक्त प्रशासन रमेश यादव के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा विभाग व विधुत विभाग की टीमों के कस्बे के कई पनीर फैक्ट्रियों में की छापेमारी से पनीर कारोबारियों में हड़कंप मचा रहा।

छापे के दौरान खाध सुरक्षा विभाग की टीम की मौजूदगी में लगभग दस कुंतल पनीर गायब होने से एक ओर जहां विभाग की कार्य शैली पर सवालिया निशान लग गया। वहीं दूसरी ओर एक पनीर फैक्ट्री में बिजली की चोरी भी पकड़ी गई। सहारनपुर मंडल के अपर आयुक्त प्रशासन रमेश यादव के नेतृत्व में मुजफ्फरनगर व शामली के उपजिलाधिकारी, सहायक खाद्य सुरक्षा आयुक्त प्रथम अशोक शर्मा, सहायक खाद्य सुरक्षा आयुक्त द्वितीय मनोज कुमार वर्मा, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी धनंजय शुक्ला, खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुजफ्फर नगर वैभव शर्मा, सुनील कुमार, मनोज कुमार, व शामली के खाद्य सुरक्षा अधिकारी कंवरपाल ने पुलिस टीम के साथ घासौती रोड पर छापेमारी की। इसके बाद टीम ब्लाक रोड स्थित एक भाजपा नेता के घेर मे संचालित पनीर फैक्ट्री में पहुंची तथा वहां से लगभग 11 कुन्तल सिंथेटिक पनीर को अपने कब्जे में ले लिया तथा वहां कुछ खाद्य सुरक्षा अधिकारियो को छोड़कर टीम बाईपास रोड स्थित इरशाद पनीर फैक्ट्री पहुंची, तो वहां बिना लाइसेंस पनीर फैक्ट्री संचालित मिली, तो टीम ने वहां से भारी मात्रा में पनीर को अपने कब्जे में ले लिया। मौके पर बिजली चोरी मिलने की सूचना पर विद्युत विभाग के अधिशासी अभियन्ता विजय कुमार व उपखण्ड अधिकारी संजीव कुमार भी मौके पर पहुंचे तथा फैक्ट्री संचालक के खिलाफबिजली चोरी का मामला भी दर्ज कराया। इरशाद पनीर फैक्ट्री पर छापा मारकर टीम पुनः नेशनल पनीर फैक्ट्री पहुंची, तो मौके से दस कुन्तल पनीर गायब होने पर अपर आयुक्त रमेश यादव ने नाराजगी जताई तथा मौके पर मौजूद पनीर को तहसीलदार रामपुर मनिहारान जितेन्द्र कुमार सिंह व नायब तहसीलदार संजीव कुमार की देखरेख में नगर पंचायत की टीम को बुलाकर नष्ट कराया। उधर, छापेमारी के दौरान नेशनल पनीर फैक्ट्री से दस कुन्तल पनीर गायब होना। कही न कही खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्यशैली पर भी प्रश्न चिन्ह लगाता है। बताया जाता है कि रामपुर मनिहारान में बड़े पैमाने पर सिंथेटिक पनीर बनाने की शिकायत मुख्यमंत्री से की गई थी, जिसके चलते आज अपर आयुक्त प्रशासन रमेश यादव के नेतृत्व में टीमो का गठन किया गया था।

विभिन्न थाना क्षेत्रों से हुई वारंटी अभियुक्तो की गिरफ्तारी

लखीमपुर-खीरी। (अवधनामा संवाददाता) थाना फूलबेहड़ पुलिस द्वारा, मु0सं0 4420/14, अ0सं0 1277/08 धारा 60 आबकारी अधि0 में वारंटी अभियुक्त हरिवंश सिंह पुत्र धीरजा को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार वारंटी अभियुक्त का चालान न्यायालय भेजा जा रहा है थाना मैलानी पुलिस द्वारा, वारंटी अभियुक्त इन्तियाज पुत्र रहमतुल्ला को गिरफ्तार किया गया।

गिरफ्तार वारंटी अभियुक्त का चालान न्यायालय भेजा जा रहा है थाना मैलानी पुलिस द्वारा, मु0अ0सं0 241/2025 धारा 191(2)/115(2)/352/351(2)/109 बीएनएस मे वांछित अभियुक्त 1.जानकी प्रसाद पुत्र प्रसादी लाल व मु0अ0सं0 243/2025 धारा 109/118(1)/191(2)/115(2)/352/351(2) बीएनएस में वांछित अभियुक्तों 1. दिनेश कुमार पुत्र रामस्वरूप व 2. डेविड पुत्र दिनेश कुमार को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार वांछित अभियुक्तों का चालान न्यायालय भेजा जा रहा है थाना मैगलगंज के नेतृत्व में आज दिनांक-02.07.2025 को थाना मैगलगंज पुलिस द्वारा, मु0सं0 6217/24, अ0सं0 217/24 धारा 60 आबकारी अधि0 में वारंटी अभियुक्त सोनू पुत्र शिव प्रसाद को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार वारंटी अभियुक्त का चालान न्यायालय भेजा जा रहा है।

रोटरी क्लब सहारनपुर हार्मोनी ने प्राप्त किए 13 प्रतिष्ठित पुरस्कार

रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर राजपाल सिंह ने किया सम्मानित

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। रोटरी इंडिया डिस्ट्रिक्ट 3080 की भव्य एवार्ड सेरेमनी बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर रोटरी क्लब सहारनपुर हार्मोनी ने अपने अध्यक्ष रोटेरियन अनिल कुमार भारद्वाज के कुशल नेतृत्व में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक 13 प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त कर जिले एवं क्लब का नाम गौरवान्वित किया।

रोटरी इंडिया डिस्ट्रिक्ट 3080 की भव्य एवार्ड सेरेमनी यमुनानगर में बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुई। जिसमें डिस्ट्रिक्ट 3080 के विभिन्न जिलों से 150 से भी अधिक क्लबो ने भाग लिया। इस दौरान क्लब को डिस्ट्रिक्ट 3080 के सबसे प्रतिष्ठित एक्सीलेंट क्लब अवार्ड÷ से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही क्लब को पूरे जोन में ÷बेस्ट ज़ोनल एक्सीलेंट क्लब÷ का खिताब भी प्रदान किया गया, यह दोनों पुरस्कार क्लब की उत्कृष्ट कार्यशैली, सामाजिक सरोकारों और समर्पण का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

रोटरी क्लब सहारनपुर हारमोनी को डिस्ट्रिक्ट में सर्वाधिक सदस्यता वृद्धि के लिए भी पुरस्कृत किया गया, जो अध्यक्ष अनिल भारद्वाज की दूरदर्शिता, नेतृत्व क्षमता और सभी सदस्यों की एकजुटता का परिणाम है। साथ ही क्लब द्वारा संचालित विशाल जनहितैषी प्रोजेक्ट कंबल वितरण को डिस्ट्रिक्ट का बेस्ट प्रोजेक्ट घोषित किया गया। क्लब के सचिव रोटेरियन राकेश मेहता को पूरे जोन में ÷बेस्ट सेक्रेटरी अवार्ड÷ से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त क्लब के 8 सक्रिय रोटेरियन्स - रोटेरियन पूनम भारद्वाज, रोटेरियन राकेश सपरा, रोटेरियन संदीप गर्ग, रोटेरियन संजीव अग्रवाल, रोटेरियन विनीत चौहान, रोटेरियन ज्योति मेहता, रोटेरियन राधिका छावड़ा एवं रोटेरियन लोकेश चौहान को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं हेतु ÷मोस्ट एक्टिव रोटेरियन के खिताब से नवाजा गया। उल्लेखनीय है कि यह सभी पुरस्कार रोटरी इंडिया डिस्ट्रिक्ट 3080 के गवर्नर रोटेरियन राजपाल सिंह द्वारा प्रदान किए गए।

इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन अनिल कुमार भारद्वाज ने गवर्नर रोटेरियन राजपाल सिंह का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्रेरणादायक नेतृत्व और प्रोत्साहन से ही आज क्लब को इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है।

अधिकारी गरीबों के लिए उठी मेरी आवाज को दबा नहीं सकते : बाबूराम तोमर

अवधनामा संवाददाता

किरतपुर। भारत एक लोकतांत्रिक देश है और देश के संविधान ने हमें अपनी और अपने समाज के हकों की बात रखने और गलत का विरोध करने के लिए आंदोलन करने का संवैधानिक अधिकार है। टोल कर्मियों की गुंडागर्दी और अवैध वसूली के खिलाफ हमने एस0 डी0 एम0 नजीबाबाद और एन एच ए आई अधिकारियों से कई बार मिलकर और कई बार फोन करके शिकायत की परन्तु प्रशासनिक अधिकारियो ने टोल ठेकेदार को क्षेत्रीय जनता से खुली लूट मचाने की छूट दे रखी है तो हमें मोर्चा खोलना पड़ा और जिस कमर्शियल वाहन की टोल से फ्री निकालने की बात की जा रही थी उस ट्रैक में किसान के खेत में बाग लगाने के लिए पौध भरी हुई थी अगर आगे भी किसान की फसल भरे किसी भी वाहन से टोल वसूलने की शिकायत मिली तो फिर से आंदोलन किया जाएगा। मैं बाबा टिकैत जी की भाकियू का समर्पित सिपाही होने के साथ शिक्षामित्र के पद भी तैनात हूं तो मैं भाकियू के बैनर पर समाज हित के मुद्दों पर हमेशा आंदोलन में विद्यालय से अवकाश लेकर अपने पर्सनल समय में से हिस्सा लेता हूं जिसके लिए मेरे वेतन से रुपए भी कटते हैं। अधिकारी जांच और एफ आई आर का डर दिखाकर किसान की आवाज को नहीं दबा सकते, पूर्व में भी किसान मजदूरों के हक के लिए आंदोलन किए हैं और भविष्य में भी किसान मजदूरों के शोषण के खिलाफ आंदोलन जारी रहेंगे।

पलिया-भीरा मार्ग पर अतरिया रेलवे क्रॉसिंग के पास रेलवे लाइन के नीचे से पानी का रिसाव जारी

लखीमपुर खीरी। (अवधनामा संवाददाता) पलियाकलां में पलिया-भीरा मार्ग पर अतरिया रेलवे क्रॉसिंग के पास रेलवे लाइन के नीचे से पानी का रिसाव जारी है। दिन रेलकर्मी व कार्य सेवक जुटे रहे। इस बीच एसएसबी के जवानों ने भी मोर्चा संभाला, लेकिन रिसाव बंद नहीं हुआ है। बोरियों में मौरंग भरकर जाल में ठेकरों के जरिए पानी के रिसाव को रोकने का कार्य किया जा रहा है। कार्य सेवकों का हौसला बढ़ाने के लिए महंगापुर गुरुद्वारे के संत बाबा गुरनाम सिंह भी पहुंचे और श्रमदान के जरिए जल्द से जल्द रेल लाइन की मरम्मत किए जाने की बात कही। बुधवार को भी काम जारी है। कार्य में जुटे लोगों के लिए बुधवार को गुरुद्वारा से लंगर, पानी आदि की व्यवस्था कराई गई।

ग्रामीणों व किसानों ने रेल कर्मचारियों पर धीमी गति से काम करने का आरोप लगाया है। चेतावनी दी है कि अगर दो दिनों में कार्य तेज रफ्तार से नहीं होता है तो पलिया, संपूर्णानगर समेत अन्य जगहों से पलिया में चक्काजाम किया जाएगा। बताया जा रहा है कि इसी प्रकार अगर रिसाव जारी रहा तो पुलिया भर जाने से सड़क पर भी पानी चल सकता है। रेलवे ट्रैक के नीचे से बह रहा पानी रविवार को अतरिया रेलवे क्रॉसिंग के आगे रेलवे ट्रैक के नीचे से पानी का रिसाव शुरू हुआ था।

इसे रोकने के लिए किसानों व ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन किया था। सोमवार को पूरे दिन बरसात होने के बाद भी कारसेवक व रेलकर्मी मौके पर डटे रहे और कार्य को करने में जुटे रहे। रातभर कार्य होता रहा और मंगलवार को भी दिनभर काम होता रहा, लेकिन अब तक पानी का रिसाव बंद नहीं हुआ है।

अन्तर्राज्जीय बोर्डर एवं कन्ट्रोल रुम में संयुक्त टीमें की जाएं नियुक्तः अपर पुलिस महानिदेशक

कम्यूनिकेशन प्लान बनाएं बेहतर, त्वरित हो सूचनाओं का आदान-प्रदान

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। अपर पुलिस महानिदेशक भानू भास्कर ने कहा कि कांवड यात्रा एक धार्मिक त्यौहार है। यह आस्था का पर्व है। उन्होने कहा कि कांवड यात्रा को सफल एवं बेहतर बनाने के लिए यह अन्तर्राज्यीय एवं अन्तर्जनपदीय समन्वय बैठक की गई है। इसका उद्देश्य सर्वप्रथम सुरक्षा बनाए रखना है। इसके लिए पुलिस एवं प्रशासन सतर्कता से कार्य करे यह बहुत जरूरी है। अपर पुलिस महानिदेशक भानू भास्कर आज यहां सर्किट हाउस सभागार में कांवड़ यात्रा के पर्व पर कानून व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में मंडलायुक्त अटल कुमार राय, पुलिस उप महानिरीक्षक सहारनपुर अभिषेक सिंह, उप महानिरीक्षक मेरठ कलानिधि नैथानी, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल, जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर उमेश मिश्रा की उपस्थिति में अन्तर्राज्यीय एवं अन्तर्जनपदीय समन्वय बैठक में दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि शिवभक्तों द्वारा एक पहचान पत्र रखना आवश्यक है। पुलिस द्वारा निरंतर वैरीफिकेशन और चैकिंग करना आवश्यक है। कांवड यात्रा के दौरान बेहतर यातायात प्रबंधन के लिए समन्वय तथा आपातकालीन स्थिति के लिए कंटीजेंसी रूट एवं प्लानिंग भी जरूरी है। त्वरित रूप से सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए व्हाटसएप ग्रुप बनाया जाए। शिवभक्तों को कोई असुविधा न हो उसके लिए सरल शब्दों में बडे पोस्टर, बैनर, साइनेज लगाकर जानकारी दी जाए। अन्तर्राज्जीय बोर्डर पर संयुक्त टीमें नियुक्त होकर कार्य करेंगी। कन्ट्रोल रूम में भी संयुक्त टीमें रहेंगी। उन्होने कहा कि डीजे की ऊंचाई अधिकतम 10 फीट तथा चौड़ाई गाडी से ज्यादा न हो। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों का सभी प्रदेश पालन करें। उन्होने शिवभक्तों से अपील करते हुए कहा कि यह एक त्याग का पर्व है इसलिए भक्ति भाव के साथ लोगों के बीच हाव-भाव एवं क्रियाविधि से अच्छा संदेश दें। सोशल मीडिया में किसी भी प्रकार की अफ्वाह न फैलाई जाए। इसके लिए सोशल मीडिया टीमें एक्टिव है। अफ्वाह एवं भ्रामक खबरें फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहारनपुर आशीष तिवारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर संजय कुमार वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक शामली रामसेवक गौतम ने पीपीटी के माध्यम से अपने-अपने जनपद में कांवड यात्रा को बेहतर करने के लिए कार्ययोजना दिखाई। इसके अतिरिक्त हरियाणा एवं उत्तराखण्ड के विभिन्न जनपदों से आए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने भी अपने सुझाव साझा किए। इसके साथ ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मेरठ विपिन ताड़ा, एसपी हापुड़ ज्ञानंजय सिंह, डीसी सोनीपत सहित अन्य प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी वर्चुअल माध्यम से बैठक से जुडे।

तालाब में डूबने से महिला की मौत, तीन दिन बाद मिला शव, पैर फिसलने से हुआ था हादसा

धामपुर। धामपुर क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई है। ग्राम पुराना धामपुर की 60 वर्षीय प्रकाशो देवी की तालाब में डूबने से मौत हो गई। प्रकाशो देवी शौच के लिए घर से निकली थीं और वापस नहीं लौटीं।परिजनों ने उनकी काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। बुधवार सुबह गांव के कुछ लोगों ने जंगल की ओर जाते समय तालाब में एक शव तैरते हुए देखा। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया।मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को तालाब से बाहर निकलवाया। शिनाख्त में शव की पहचान प्रकाशो देवी के रूप में हुई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि शौच के दौरान पैर फिसलने से वह तालाब में गिर गईं। इस हादसे में उनकी डूबने से मौत हो गई, पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

नौशाद अखूतर सैफी पर 77 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप

नजीबाबाद। नजीबाबाद के समाजसेवी नौशाद अखूतर सैफी और उनकी पत्नी के खिलाफ़ 77 लाख रुपये की धोखाधड़ी का गंभीर आरोप दर्ज हुआ है। यह मामला राधा अग्रवाल पत्नी संजय अग्रवाल द्वारा दायर किया गया है, जिन्होंने इस संबंध में माननीय न्यायालय की शरण ली।स्रढ्ढक्र के अनुसार, राधा अग्रवाल ने पहले नजीबाबाद थाना और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में शिकायत पत्र दिया था, लेकिन कोई ठोस कार्यवाही नहीं होने पर उन्होंने अदालत का दरवाज़ा खटखटाया। अदालत के आदेश के बाद नजीबाबाद पुलिस ने नौशाद अखूतर सैफी और उनकी पत्नी के खिलाफ़ संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। अब इस मामले की जांच थाना नजीबाबाद पुलिस को सौंपी गई है, पुलिस विवेचना के बाद ही पूरी तरह से इस मामले की सच्चाई सामने आएगी।

जनपद न्यायाधीश, जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने जिला कारागार का किया निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

उरई (जालौन)। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जनपद न्यायाधीश अचल सचदेव ने आज जिला कारागार उरई का मासिक/त्रैमासिक भ्रमण किया। उन्होंने विभिन्न बैरकों का भ्रमण किया और वहां निरूद्ध बन्दियों से पूछ-तांछ करते हुये उनकी समस्यों को जाना समझा तथा जेल प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। इस मौके पर जिला मजिस्ट्रेट श्री राजेश कुमार पाण्डेय, अपर जिला जज/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती पारुल पँवार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री अभिषेक खरे, पुलिस अधीक्षक डॉ0 दुर्गेश कुमार एवं जेल प्रशासन के अधिकारीगण मौजूद थे।

निरीक्षण में माननीय जिला जज महोदय ने बन्दियों के मुकदमों की पैरवी, उनको दी जाने वाली विधिक सहायता/सलाह और महिला बन्दी व उनके साथ रह रहे बच्चों की चिकित्सा व खान-पान इत्यादि के बारे में जाना-परखा। उन्होंने कई बन्दियों से अलग-अलग जानकारी ली एवं जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि कोई भी ऐसा बन्दी जिसका निजी अधिवक्ता न हो अथवा विधिवत् ढंग से न्यायालयों में पैरवी न हो पा रही हो, को विधिक सहायता दिलाये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। यदि किसी विचाराधीन बन्दी को पैरवी हेतु सरकारी खर्चे पर अधिवक्ता की आवश्यकता हो तो सम्बन्धित न्यायालय में बन्दी की ओर से प्रार्थनापत्र दिलवाया जाना सुनिश्चित करें ताकि एमाइकस क्यूरी (न्यायमित्र) की सुविधा उपलब्ध हो सके। इसीप्रकार जो बन्दी दोषसिद्ध हो चुके हैं, की अपील न हो पाने की स्थिति में नियमानुसार जेल अपील करायी जाये। इसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से आवश्यक समन्वय बनाकर ऐसे प्रकरणों का निर्धारित समयावधि में निस्तारण किया जाये ताकि अपील की मियाद समाप्त न होने पाये। जेल अपील कराये जाने में यदि कोई विधिक समस्या आ रही है तो उसको सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संज्ञान में लाते हुये द्वारा उचित माध्यम माननीय उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति से यथा आवश्यक पत्राचार किया जाये। जिला कारागार में स्थित चिकित्सालय का निरीक्षण करते समय दवाओं की जाँच की गयी, जिसमें सभी दवायें ठीक पायी गयी। मा0 जनपद न्यायाधीश के द्वारा जेल अधीक्षक को निर्देशित किया कि जिन विचाराधीन बन्दियों की जमानत सक्षम न्यायालय से हो चुकी हैं एवं जमानतगीर के अभाव में जेल में रिहा नहीं हो पा रहे हैं, ऐसे बन्दियों की सूची कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को अविलम्ब उपलब्ध कराये जिससे कि उनकी रिहाई सम्भव हो सके।

इस अवसर पर जेल अधीक्षक श्री नीरज देव, कारापाल श्री प्रदीप कुमार, उप कारापाल श्री अमर सिंह, जेल चिकित्सक डॉ0 राहुल बर्मन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जालौन के लिपिक श्री शुभम् शुक्ला उपस्थित रहे।

सरकारी अस्पताल व मेडिकल कालेज के चिकित्सक कर रहे निजी प्रेक्टिस

अवधनामा संवाददाता

महकमे के अफसरों ने परिजनों के नाम पर निजी नर्सिंग होम खोल रखे

अम्बेडकरनगर। जनपद के जिला अस्पताल और सद्दरपुर मेडिकल कॉलेज के कई सरकारी चिकित्सक खुलेआम निजी अस्पतालों और नर्सिंग होमो में मरीज देख रहे हैं – और जिम्मेदार अधिकारी आंख मूंदे बैठे हैं।शहर के दर्जनों नर्सिंग होम, पैथालॉजी और डायग्नोस्टिक सेंटर धड़ल्ले से मानकों को ताक पर रखकर संचालित हो रहे हैं।

सूत्र बताते हैं कि खुद स्वास्थ्य महकमे के अफसरों ने अपने परिवारजनों के नाम पर निजी नर्सिंग होम खोल रखे हैं – कोई रिश्तेदार के नाम पर तो कोई खुद ही मौके पर पहुंच मरीज देख रहा है।हालात यह हैं कि दर्जनों मेडिकल स्टोर भी अस्पताल में तब्दील होकर मरीजों को भर्ती कर इलाज कर रहे हैं। सवाल यह है कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य महकमे के जिम्मेदार आखिर कब इन पर लगाम लगाएंगे? जिलाधिकारी ने अवैध नर्सिंग होमो पर नकेल कसने के लिए टीमों का गठन किया जरूर है, लेकिन अपवादस्वरूप एकाध छापेमारी के अलावा कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आई। चर्चा है कि जिन सीएचसी अधीक्षकों और प्रभारी चिकित्सकों को जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है – वही अफसर खुद अपने या रिश्तेदारों के नर्सिंग होम के रक्षाकवच बने हुए हैं। ऐसे में कार्रवाई की उम्मीद करना बेमानी है। सूत्र बताते हैं कि कई फर्जीवाड़े तो ऐसे हैं जहां पंजीयन किसी योग्य चिकित्सक के नाम पर है लेकिन हकीकत में मरीज कोई और 'डॉक्टर साहब' देख रहे हैं। मानक, उपकरण, क्वालिटी – सब हवा में।जनता का सवाल बिल्कुल सीधा है – पहले सरकारी चिकित्सकों की निजी प्रैक्टिस पर लगाम लगे, फिर गांव-नगर तक फैले मानकविहीन अस्पतालों पर गाज गिरे। वरना कागजों में छापेमारी और निरीक्षण की खानापूर्ति चलती रहेगी – और लोग लुटते-बिमार पड़ते रहेंगे।

फिर वही सवाल — कब जागेगा सिस्टम?

राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम का भारी हर्षोल्लास के साथ मना जन्मदिन

देवरिया। विधानसभा सलेमपुर के भरौली स्थित दलित बस्ती में राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम का जन्मदिन मनाया गया। जहाँ महिलाओ एवं बच्चो की भारी भीड़ मंत्री जी का जन्मदिन मनाने के लिए एकत्रित हो गयी। कार्यक्रम में दलित महिला द्वारा केक काटकर बस्ती के सभी महिला,पुरुष और बच्चों को मिठाई खिलाई गई। उनलोगो ने माननीय राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम जी को जन्मदिन की आत्मीय बधाई देते हुए ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य, सुदीर्थ और यशस्वी जीवन कामना की।साथ ही वृक्षारोपण भी किया गया।

भाजपा नेता अवधेश यादव ने कहा कि भाजपा का मूल मंत्र है सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास इस मूल मंत्र को ध्यान मे रखते हुए आज दलित बस्ती मे केक काटकर राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम का जन्मदिन मनाया गया है।

जिला मिडिया प्रभारी किसान मोर्चा अजय दूबे वत्स ने कहा कि राज्यमंत्री विजयलक्ष्मी गौतम ने अपने वर्तमान कार्यकाल में गांव को सड़कों से जोड़कर ग्रामीणों सुविधा प्रदान की है। उन्होंने सड़कों का जाल बिछाकर ऐतिहासिक कार्य किया है। विधानसभा सलेमपुर मे भाजपा की केंद्र व राज्य सरकार ने तमाम जनकल्याणकारी योजनाएं चलाकर समाज के प्रत्येक वर्ग को राहत प्रदान किया है उक्त अवसर पर आदित्य पटेल, अमित गुप्ता, दिलीप विधान, फैज आलम, अशोक कुमार आदि मौजूद रहे।

कृषि रक्षा अधिकारी द्वारा कीटनाशक व्यापारियों को निर्देश जारी

अवधनामा संवाददाता

कृषि रक्षा रसायनों का विक्रय करते समय बिल कृषकों को दिया जाए

उरई (जालौन)। जिला कृषि रक्षा अधिकारी विकास शुक्ला ने बताया कि समस्त पंजीकृत कीटनाशक विक्रेताओं को निर्देशित किया है। कीटनाशक व्यापार करने हेतु अपने प्रतिष्ठान पर आप द्वारा जिस कंपनी अथवा थोक विक्रेता से कृषि रक्षा रसायन क्रय किया जाता है तो उससे संबंधित कंपनी अथवा थोक विक्रेता से बिल अनिवार्य रूप से लिया जाए एवं अपने पास सुरक्षित रखें ताकि निरीक्षण के समय निरीक्षणकर्ता अधिकारी द्वारा बिल मांगे जाने पर प्रस्तुत किया जा सके।

समस्त कीटनाशक विक्रेता केवल उन्हीं कीटनाशक रसायनों की खरीद अथवा बिक्री करेंगे जिनका प्राधिकार पत्र (पी0सी0) उनके कीटनाशी लाइसेंस पर अंकित है। साथ ही समस्त कीटनाशी विक्रेताओं द्वारा कृषि रक्षा रसायनों का विक्रय करते समय बिल केस मेमो कृषकों को अनिवार्य रूप से दिया जाए एवं ग्रो सेफ फूड अभियान के अंतर्गत संबंधित पोस्टर फ्रेमिंग कर अपने प्रतिष्ठान के मुख्य द्वार पर चस्पा अनिवार्य करें। कृषि रक्षा रसायन के साथ अन्य उत्पाद की जबरन टैगिंग तथा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर विक्रय ना किया जाए। साथ ही यह भी निर्देशित किया जाता है कि सभी विक्रेताओं के द्वारा स्टॉक रजिस्टर तथा विक्रय रजिस्टर एवं केस मेमो पूर्ण कर प्रतिष्ठान पर रखना अनिवार्य है तथा प्रतिष्ठान पर प्रतिबंधित रसायनों की बिक्री पूर्णत वर्जित है। यदि कोई भी विक्रेता का प्रतिबंधित रसायनों की बिक्री करता पाया जाता है तो संबंधित के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए संबंधित विक्रेता स्वयं उत्तरदायी होंगे।

प्रभारी निरीक्षक टांडा के प्रयास से पास्को एक्ट का अपराधी गिरफ्तार

टांडा अंबेडकर नगर। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली टांडा दीपक रघुवंशी के प्रयास मुकदमा अपराध संख्या 183/25 धारा धारा137(2) 87/64(1) भारतीय न्याय संहिता 3/4 पास्को एक्ट के मुलाजिम मोहम्मद इरफान उर्फ चांद पुत्र अम्रुल्लाह उर्फ छोटू राइन निवासी मोहल्ला छज्जापुर चटोरी गली कोतवाली टांडा जनपद अंबेडकर नगर द्वारा दिनांक 11/6/ 25 को/ पड़ोस की ही रहने वाली दूसरे संप्रदाय की एक नाबालिक लड़की को बहला फुसला कर भाग ले गया था जिस पर पुलिस द्वारा मुकदमा पंजीकृत कर जांच कर रही थी जिस पर मुकदमा की जानकारी होने पर अभियुक्त पुलिस के डर से भाग गया कोतवाली टांडा पुलिस इस मामले में बहुत संभाल कर कदम रख रही थी पुलिस जांच में पुलिस को या भी पता चला था कि उक्त नाबालिक बालिका को भगाने में लड़के की मां का भी सहयोग था।

योगी सरकार के खिलाफ आम आदमी पार्टी का ज़ोरदार प्रदर्शन

निशांत त्रिवेदी संवाददाता

फर्रुखाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कम छात्र संख्या वाले प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने के निर्णय के विरोध में आज आम आदमी पार्टी ने फतेहगढ़ स्थित जिला कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व आम आदमी पार्टी जिलाध्यक्ष इंजीनियर नीरज प्रताप शाक्य ने किया। बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और आम नागरिक इस विरोध में शामिल हुए।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने ÷मधुशाला नहीं, विद्यालय चाहिए÷, ÷शिक्षा विरोधी सरकार नहीं चलेगी÷ जैसे गगनभेदी नारे लगाए। आम आदमी पार्टी ने प्रदेश सरकार के 16 जून 2025 को जारी उस शासनादेश को तुरंत वापस लेने की मांग की, जिसके तहत 27,000 परिषदीय विद्यालयों को बंद करने की योजना है जिलाध्यक्ष नीरज प्रताप शाक्य ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि एक ओर योगी सरकार रिकॉर्ड संख्या में मदिरालय खोल रही है–सिर्फ 2024 में 27,308 शराब की दुकानें खोली गईं–वहीं दूसरी ओर प्राथमिक विद्यालयों को बंद किया जा रहा है। अब तक 26,000 से अधिक स्कूल बंद हो चुके हैं और अब 27,000 और स्कूल बंद करने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि प्रदेश को पाठशाला चाहिए या मधुशाला?

उन्होंने बताया कि शासनादेश में कहीं भी यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि कितने छात्रों वाले विद्यालय बंद किए जाएंगे। कहीं 10 से 20, तो कहीं 20 से 50 छात्रों वाले स्कूल बंद किए जा रहे हैं, यहां तक कि 50 से अधिक छात्रों वाले विद्यालय भी सूची में हैं। यह पूरी प्रक्रिया शिक्षा के अधिकार अधिनियम और बाल अधिकार अधिनियम का उल्लंघन है, जिनमें एक किलोमीटर की दूरी पर विद्यालय होने की अनिवार्यता है।

आम आदमी पार्टी ने आरोप लगाया कि सरकार सरकारी स्कूलों को बंद कर निजी स्कूलों को बढ़ावा दे रही है, जिनमें से कई बिना मान्यता के चल रहे हैं। इसके साथ ही लाखों टीईटी पास बेरोजगार युवा, जो शिक्षक बनने की उम्मीद में हैं, निराशा और अवसाद में जा रहे हैं।शाक्य ने कहा कि यदि आम आदमी पार्टी दिल्ली और पंजाब में सरकारी शिक्षा व्यवस्था को मॉडल बना सकती है, तो उत्तर प्रदेश सरकार ऐसा क्यों नहीं कर सकती? उन्होंने सरकार से मांग की कि 16 जून का आदेश तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाए, अन्यथा आम आदमी पार्टी प्रदेश भर में जन आंदोलन छेड़ेगी।धरने में अधिवक्ता प्रकोष्ठ, महिला विंग, आईटी सेल, युवा प्रकोष्ठ सहित कई संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

प्रमुख रूप से अधिवक्ता जितेंद्र सिंह, देवेंद्र सिंह, कंचन यादव, अंकुर सिंह चौहान, हरिओम राजपूत, सचिन यादव, प्रेम प्रकाश सक्सेना, विकास राठौड़, अंजलि शाक्य, कल्पना राजपूत, साहब सिंह, के. पी. सिंह, राघवेंद्र सिंह यादव, कौशलेंद्र सिंह, रुद्र प्रताप शाक्य, जगतपाल सिंह आदि लोग उपस्थित रहे। आम आदमी पार्टी ने स्पष्ट किया कि शिक्षा का अधिकार संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकार है, और इसे खत्म करने का प्रयास किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पार्टी ने कहा कि यदि सरकार पीछे नहीं हटी, तो आंदोलन सड़क से संसद तक जाएगा।

डीएम ने प्राथमिक विद्यालय मूसा खिरिया का औचक निरीक्षण किया

समीउल्लाह खान ब्यूरो चीफ

फर्रूखाबाद। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी द्वारा प्रा0वि0 मूसाखिरिया विकास खंड कमालगंज का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण में विद्यालय में बच्चों का पंजीकरण काफी कम पाया गया व पंजीकरण के सापेक्ष उपस्थिति भी कम पाई गई जिलाधिकारी द्वारा इस पर नाराजगी जताई गई व प्रधानाध्यापक को पंजीकरण व उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश दिये गये व चेतावनी दी गई यदि पंजीकरण व उपस्थिति में सुधार न हुआ तो दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी, विद्यालय में मिड डे मील बनता हुआ पाया गया।

मिशन शक्ति अभियान-5 के अन्तर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

अवधनामा संवाददाता

अलीगढ़। जनपद में गठित मिशन शक्ति टीमों के द्वारा महिलाओं/बालिकाओं के सुरक्षार्थ चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान-5÷ के अंतर्गत समस्त थाना क्षेत्रों में कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु शक्ति दीदी के माध्यम से महिला सम्मान, सुरक्षा व जागरूकता हेतु अभियान चलाया जा रहा है।

मिशन शक्ति फेज-05 के विशेष अभियान (शक्ति दीदी) के तहत थानों में नियुक्त महिला बीट अधिकारियों, समस्त थानों पर गठित महिला सुरक्षा विशेष दल द्वारा *गाँवों/कस्बों/मोहल्लों में जन चौपाल लगाकर तथा बस स्टैंड/बाजार/ गांव/कस्बा/स्कूल/ कालेज/कोचिंग सेंटर इत्यादि सार्वजनिक एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर बालिकाओं/ महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जागरूक करते हुए शक्ति दीदी के रुप में महिलाओं/ बालिकाओं से जुड़ कर उन्हे सक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है । शक्ति दीदी अभियान के तहत महिलाओं/ बालिकाओं को शासन/ यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएं जैसे *वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, साइबर सम्बन्धी एवं सीयूजी नम्बरों* के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरुक किया जा रहा है । महिलाओ एवं बालिकाओं से वार्ता कर उनके अन्दर आत्मविश्वास को बढ़ाने का प्रयत्न किया जा रहा है।

डीएम द्वारा डीपीएस इंटर कॉलेज मूसा खिरिया में वृक्षारोपण किया गया

एम ए इदरीसी सवांददाता

फर्रूखाबाद। वन महोत्सव 2025 के अवसर पर प्रभागीय वन अधिकारी फरुखाबाद के निर्देशन में फ्रेंड फरुखाबाद के द्वारा डीपीएस इंटर कॉलेज मूसा खिरिया जहानगंज फरुखाबाद में वृहत वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिसमें जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी, सर्वेश सिंह कटियार विद्यालय प्रबंधक, शिव ओम द्विवेदी प्रधानाचार्य, श्री सर्वेश कुमार ग्राम प्रधान मूसा खिरिया, बहन विधि सिंह दुर्गा वाहिनी विश्व हिंदू परिषद, श्री श्याम मोहन तिवारी विश्व हिंदू परिषद, अभिषेक शाक्य बजरंग दल एवं विद्यालय के बच्चों के साथ वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

खैर रोड पर जलनिकासी में बाधक अतिक्रमण को महाबली ने किया ध्वस्त

अलीगढ़। बारिश में जल निकासी को प्रभावी बनाने के लिए प्रयासरत नगर निगम ने खैर रोड पर पिछले काफी दिनों से हो रहे जल भराव को देखते हुए जल निकासी में बाधक रैंप, स्लैब आदि अतिक्रमण को ध्वस्त करने की जमकर कार्यवाई की। इन स्थाई अतिक्रमण की वजह से खैर रोड पर नाला सफाई और जल निकासी बाधित हो रही थी स्थानीय लोगों ने विरोध किया परंतु नगर निगम की टीम के आगे एक न चली।

बुधवार सुबह 10ः00 बजे सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह के नेतृत्व में नगर निगम प्रवर्तन टीम द्वारा खैर रोड पर दोनों साइडों पर अवैध अतिक्रमण को हटाने का अभियान चलाया गया। अतिक्रमण करने वालों को नगर निगम ने चेतावनी दी की दोबारा अतिक्रमण करने पर नगर निगम द्वारा कानूनी कार्रवाई करेगा। नगर आयुक्त ने बताया अतिक्रमण हटाने के पश्चात वीडियोग्राफी कराई गई है जो लोग दोबारा जल निकासी और नाला सफाई में बाधा डालने के उद्देश्य से अतिक्रमण करेंगे उनके विरुद्ध कानूनी कार्यवाई की जाएगी।

तीन स्कूल वाहन सीज कर 9 किया चालान व 162000 का लगा जुर्माना

अल्ताफ उल्लाह खान संवाददाता

फर्रुखाबाद। जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी के निर्देशानुसार शासन के आदेशों के क्रम में एआरटीओ प्रवर्तन सुभाष राजपूत द्वारा मोहम्मदाबाद क्षेत्र तथा फर्रुखाबाद नगर में स्कूल वाहनों के विरुद्ध सघन चेकिंग अभियान चलाया गया । तीन स्कूली वाहनों में गंभीर कमियां पाए जाने पर उन्हें थाना कादरी गेट में सीज कर दिया गया तथा उन पर ?50000 का जुर्माना लगाया गया। इसके अतिरिक्त नगर में संचालित स्कूलों के पांच वाहनों के चालान किए गए तथा उन पर ?70000 का जुर्माना लगाया गया । मोहम्मदाबाद थाना क्षेत्र में चार स्कूली वाहनों का चालान किया गया तथा उन पर रुपये 42000 का जुर्माना लगाया गया। परिवहन विभाग का यह चेकिंग अभियान 15 जुलाई तक संचालित रहेगा उसके उपरांत भी यदि वाहन कमियों के साथ संचालित पाए जाएंगे तो उन पर कार्यवाही की जाएगी ।

परिवहन कार्यालय की सूचना के अनुसार जनपद में 80 स्कूली वाहन ऐसे हैं जिनकी फिटनेस समाप्त है ,ऐसे में सभी स्कूल संचालकों को निर्देशित किया गया है कि अपने वाहनों के प्रपत्रों की जांच कर ले अन्यथा वाहन संचालित पाए जाने पर सीज कर दिया जाएगा । जिन स्कूलों के वाहनों के फिटनेस प्रमाण पत्र एवं परमिट समाप्त है उन स्कूलों की सूचना उनको मान्यता प्रदान करने वाले शिक्षा बोर्ड तथा जिला विद्यालय निरीक्षक को प्रेषित की जा रही है ताकि छात्रों का जीवन संकट में डालने वाले विद्यालयों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही हो सके।

साइबर सेल टीम द्वारा जाकिर हुसैन सीनियर सेकेण्डरी स्कूल थाना में साइबर सेमिनार का किया गया आयोजन

अवधनामा संवाददाता

अलीगढ़। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण में पुलिस अधीक्षक अपराध के नेतृत्व मे मिशन शक्ति फेस 5 के अन्तर्गत साइबर सेल टीम द्वारा जाकिर हुसैन सीनियर सेकेण्डरी स्कूल थाना सिविल लाइन जनपद अलीगढ में साइबर जागरुकता सेमिनार आयोजित की गई।

अध्ययनरत छात्र व छात्राएँ व अध्यापकगण को वर्तमान में होने वाले विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों जैसे लोन एप के माध्यम से फोन का एक्सेस लेकर पैसे मांगना ,परिचित बनकर खातें मे पैसे डालने का बहाना बनाकर आनलाईन ठगी करना,लॉटरी व उपहार का लालच देकर आनलाईन ठगी करना ,मोबइल सिम व खाते को अपडेट करने के बहाने खाते व ए टी एम की जानकारी लेकर आनलाईन ठगी करना ,गूगल से कस्टमर केयर का न0 सर्च कर बात करने पर ठगी होना ,फेसबुक व व्हाट्सएप पर दोस्ती कर वीडियो कॉल के द्वारा अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करना ,ओ एल एक्स तथा फेसबुक पर सामान बेचने व खरीदने के बहाने से ठगी करना के बारे मे जानकारी दी गई तथा साइबर अपराध से बचने के तरीको जैसे किसी अन्जान नम्बर से परिचित बनकर आने वाली फोन कॉल पहले अपने फोन से उक्त परिचित से बात कर लेने से इस प्रकार की घटना से बचा जा सकता है तथा अपने फोन पर सिम व खाते को अपडेट कराने वाली फोन कॉल से बचें। यदि आपको कभी भी किसी कम्पनी के कस्टमर केयर न0 की आवश्यकता होती है तो सदैव उस कम्पनी की वास्तविक साइट पर जाकर फोन न0 प्राप्त करें। साइबर अपराधियों द्वारा आवाज को कापी कर व वीडियो काल पर परिचित का चैहरा लगाकर ,ढ्ढ (आर्टीफिशियल इन्टेलीजेन्स) के द्वारा सगे सम्बन्धियों से साइबर ठगी की जाती है, साइबर जागरूकता कार्यक्रम में साइबर अपराधों के अतिरिक्त सम्बन्धित जानकारी भी दी गयी। जिससे बचने के लिए सम्बन्धी व्यक्ति से बात कर पूर्ण पुष्टि कर लेनी चाहिए तथा साइबर ठगों द्वारा नकली पुलिस अधिकारी बनकर पीडित को फोन पर बताया जाता है कि आपके नाम से एक शिकायत दर्ज हुई है।

झूठे मामले को लेकर पीडित को पहले काफी डराया धमकाया जाता है इसके बाद घर से बाहर निकलने से मना कर देते है और यह कहते है कि आपको डिजीटल अरेस्ट किया जाता है। पुलिस द्वारा इस प्रकार डिजीटल अरेस्ट नही किया जाता है अगर किसी के पास ऐसी काल आती है तो वह फॉड काल है इसे इग्नोर करें। इस प्रकार वर्तमान समय मे होने वाली साइबर अपराध की घटनाओं से बचा जा सकता है।

समाजवादियों ने अखिलेश यादव का जन्मदिन केक काटकर जन्मदिन मनाया

उरई (जालौन)। पीडीए के नायक राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी एवं प्रदेश अध्यक्ष मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड अनीस राजा जी के जन्मदिन के अवसर पर मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड नि जिलाध्यक्ष छोटू टाईगर कोंच की अगुवाई में गरीबों निर्धन बेसहारों मजलूमों असहाय लोगों को भोजन कराया एव केक काटकर जन्मदिन मनाया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री/विधायक हरिओम उपाध्याय, विशिष्ट अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष सपा व्यापार सभा अनिल वैद, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष गुलाब सिंह जाटव, वरिष्ठ सपा नेता यासीन राईन चाय वाले, सफल संचालन नि विधानसभा अध्यक्ष प्रतिपाल सिंह गुर्जर बट्टू भईया ने किया।

सम्बन्ध विच्छेद

मैं रमेश चंद पुत्र श्री हरकेश चंद नि. न्यू आज़ाद मार्किट, चंद्र विहार कॉलोनी, शूगर मिल,सहारनपुर ने अपने पुत्र सोनू को गलत आचरण एवं संगत के कारण अपनी कुल चल अचल संपत्ति से बे दखल कर उससे सभी संबंध विच्छेद कर लिये हैं भविष्य में अपने किसी भी लेन देन एवं कार्य हेतु सोनू खुद ज़िम्मेदार होगा।

कोर्ट नोटिस

न्यायालय अपर सिविल जज जू.डि. चतुर्थ सहारनपुर। निष्पादन वाद संख्या 3 सन 2024 शशी कुमार बनाम तुलसी राम आदिनोटिस बनाम 1- प्रेमनाथ पुत्र स्व. बुद्धराम 2- कुलदीप पुत्र स्व. बुद्धराम निवासीगण मोहल्ला अहाता विहारीलाल खलासी लाइन सहारनपुर। आपको सूचना दी जाती है कि दिनांक 25 डिक्रीदार ने उक्त वाद से इस न्यायालय के समक्ष आवेदन उपस्थित किया था कि न्यायालय उसके नीचे विर्निदिष्ट स्थांतरण सम्पत्ति को विक्रय विलेख जिसका प्रारूप इसके साथ उपाबन्ध है. से आपकी ओर से निष्पादित करे और तारीख 4-7-2025 तथा उक्त आवेदन की सुनवाई के लिए नियत है और आप उक्त दिनांक उपस्थित होने के लिए और उस प्रारूप के विरुद्ध आक्षेप लिखित रूप से देने के लिए स्वतन्त्र विवरण सम्पत्ति जिसका बैनागा होना है कोर्ट हाता जिसमें एक कमरा कडी पोश खण्डहर हालत में है मय मलबा मय सहन मय एक आराजी तहती रकबई 40 वर्ग गज यानि 33.44 वर्ग मीटर पैमायश पूरब 24 फिट पश्चिम 24 फिट उत्तर 15 फिट दक्षिण 15 फिट मुतालिका नगरपालिका नम्बर 1/1577/8 वाके अहाता बिहारीलाल, सहारनपुर मय जुमला हक हकूक हर किसम मुतालिका उसके महदूदा जैल पूरब मकान गोविन्द पश्चिम मकान श्यामलाल उत्तर- मकान सोहनलाल दक्षिण- रास्ता गली 10 फिट चौडा।

आज्ञा से सिविल जज (जू.डी.) चतुर्थ, कोर्ट नम्बर-33
सहारनपुर दिनांक 2.7.25

सार्वजनिक सूचना

एतद्द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि न्यू आजाद सेवा समिति, अरूण गारमेन्ट कबाड़ी बाजार? जिला-शामली, पत्रावली सं..6195 .. एस के विघटन हेतु संस्था द्वारा कार्यालय में दि . 26.09.2024 को प्रपत्र प्रस्तुत किया गया है, जिसके अनुसार संस्था के पास कोई चल-अचल सम्पत्ति नही है, न ही कोई देनदारी बाकी है, का उल्लेख किया गया है। यदि किसी भी सदस्य या अन्य किसी व्यक्ति को उक्त के सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो वह सूचना प्रकाशित होने के दिनांक से 30 दिनों के अन्दर अपनी आपत्ति प्रमाणों सहित अधोहस्ताक्षरी के समक्षः प्रस्तुत करें निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति पत्र पर विचार किया जाना सम्भव न होगा और गुण-दोष के आधार पर अग्रेतर कार्यवाही सुनिश्चित कर ली जायेगी।

सहायक रजिस्ट्रार, फर्म्स, सोसायटीज तथा चिट्स, सहारनपुर।

तीन लाख की ठगी और मार्केट पर कब्जे की साजिश में साथी की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। कोतवाली क्षेत्र की घटना का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। तीन लाख रुपये की ठगी और मार्केट पर कब्जे की नीयत से एक युवक ने अपने पुराने साथी की नींद की गोलियां खिलाकर हत्या कर दी। फिर इसे आत्महत्या दिखाने के लिए उसके हाथ की नस काट दी। पुलिस ने इस हत्या का पर्दाफाश करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सिविल लाइन स्थित पुलिस सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बताया कि प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या मनोज कुमार शर्मा के नेतृत्व में गठित टीम ने वांछित अभियुक्त धर्मवीर सिंह पुत्र राजेश्वर सिंह उम्र लगभग 25 वर्ष निवासी ग्राम नसीरुद्दीनपुर थाना खानपुर, जनपद गाजीपुर को 02 जुलाई 2025 को सुबह 10:30 बजे महोबरा अंडरपास बूथ संख्या-04 जाने वाली सर्विस लेन से गिरफ्तार किया। एसएसपी ने बताया मृतक राजेश कुमार सिंह, महोबरा चौराहा पर ज्ञानेश चन्द्र श्रीवास्तव की मार्केटिंग से जुड़े व्यवसाय में कार्यरत थे। अभियुक्त धर्मवीर सिंह भी पहले उनके साथ काम करता था और दोनों आसपास किराये के कमरे में रहते थे। वर्ष 2024 में धर्मवीर ने राजेश को ?3 लाख उधार दिए थे, जो वापस नहीं मिल रहे थे।

इसी विवाद के चलते दोनों के बीच कहासुनी और धमकियां शुरू हो गईं।इसके बाद आरोपी ने सुनियोजित योजना के तहत राजेश के खाने में नींद की तीन गोलियां मिला दीं। जब वह गहरी नींद में चला गया तो अंगौछे से उसका गला घोंट कर हत्या कर दी। इसके बाद चाकू से हाथ की नस काट दी, ताकि यह आत्महत्या प्रतीत हो। पुलिस की विवेचना में यह भी सामने आया कि मृतक राजेश सिंह ने संबंधित मार्केट में 15 से 20 लाख रुपये का निवेश कर रखा था। इसकी जानकारी केवल आरोपी को थी। मृतक द्वारा आरोपी को काम से हटाए जाने के बाद उसने यह खौफनाक कदम उठाया। प्रकरण में मृतक की पत्नी द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली अयोध्या में मु0अ0सं0 371/25 धारा 103(1) बीएनएस के तहत अभियुक्त धर्मवीर सिंह और उसकी मां रम्भा के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर सामान बरामद किया एक पत्ता नींद की गोली तीन गोली शेष, तीन प्रयोग की गई,एक अदद चाकू, एक अदद अंगौछा।पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत कर दिया है।

बाढ़ से बचाव की तैयारियों को लेकर सक्रिय प्रशासन

अयोध्या। (अवधनामा संवाददाता) बाढ़ संभावित क्षेत्रों में सुरक्षा कार्यों की प्रगति का जायजा लेने पहुंचे जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने आज तहसील सदर के अंतर्गत सरयू (घाघरा) नदी के दाएं तट पर स्थित ग्राम समूह - रामपुर पुवारी माझा में चल रही परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया। यह परियोजना बाढ़ से संभावित कटान को रोकने के उद्देश्य से चलाई जा रही है, जिसमें 21 अदद जियो बैग स्टड का निर्माण और 849.60 मीटर लंबाई में तीन पंक्तियों में पखयूपाइन लगाए जाने का कार्य शामिल है। इस परियोजना की कुल लागत ?6.34 करोड़ (?63440259.50) निर्धारित है।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य में तेजी लाते हुए इसे समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए, ताकि आगामी बाढ़ सीजन से पहले क्षेत्र को संरक्षित किया जा सके। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर भी विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत जिलाधिकारी ने किया पौधरोपण

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे ने बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह के साथ एक पेड़ मां के नाम÷ पौधरोपण महाअभियान 2025 के अंतर्गत विकासखंड पूराबाजार के ग्राम ददेरा एवं ग्राम समैसा में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।इस अवसर पर ग्राम ददेरा में जिलाधिकारी ने अशोक का पौधा, जबकि मुख्य विकास अधिकारी ने छितवन का पौधा रोपित किया। वहीं ग्राम समैसा में जिलाधिकारी ने सागौन का पौधा लगाकर अभियान में अपनी भागीदारी निभाई। पौधरोपण के दौरान उन्होंने लगाए गए पौधों की उपयोगिता, देखभाल व पर्यावरणीय लाभों के बारे में जानकारी भी प्राप्त की।जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधानों को निर्देशित किया कि ग्राम स्तर पर वृहद स्तर पर पौधरोपण अभियान चलाया जाए तथा बरसात से पूर्व अधिक से अधिक पौधे रोपित किए जाएं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि पौधों की रक्षा हेतु टी-गार्ड अनिवार्य रूप से लगाए जाएं ताकि पशुओं आदि से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।इस कार्यक्रम में डीसी मनरेगा, वन विभाग के अधिकारीगण, ग्राम प्रधान, तथा अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे।जिलाधिकारी ने सभी नागरिकों से अपील की कि ÷एक पेड़ मां के नाम÷ जैसी मुहिम से जुड़कर पर्यावरण की रक्षा में सहयोग दें और इस अभियान को जन आंदोलन बनाएं।

भेंट करती गोसाईगंज नगर पंचायत अध्यक्ष विजयलक्ष्मी जायसवाल

गोसाईगंज-अयोध्या। (अवधनामा संवाददाता) नगर पंचायत गोसाईगंज की अध्यक्ष विजय लक्ष्मी जायसवाल ने नगर क्षेत्र की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं को लेकर जिलाधिकारी अयोध्या निखिल टीकाराम फुंडे को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में नगर के नागरिकों को लंबे समय से हो रही समस्याओं को चिन्हित करते हुए तत्काल समाधान की मांग की गई।आधार कार्ड सेवा की अनुपलब्धता, जिससे नागरिकों को जरूरी दस्तावेज बनवाने के लिए दूरदराज जाना पड़ता है।प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना के तहत आमजन को लाभ न मिल पाने की शिकायत।बाईपास मार्ग पर जल निकासी की गंभीर समस्या, जिससे वर्षा के दौरान मार्गों पर जलभराव हो जाता है।

मुख्य मार्गों पर नाली और फुटपाथ निर्माण में हो रही विलंबता, जिससे नागरिकों को आवागमन में परेशानी होती है।नगर में पौधारोपण की कमी, जो पर्यावरणीय असंतुलन को बढ़ावा दे रही है।विजय लक्ष्मी जायसवाल ने विशेष रूप से तमसा नदी की बिगड़ती स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नदी की दशा दिवस-प्रतिदिन बदतर होती जा रही है, जिससे स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। उन्होंने मांग की कि त्योहारों से पूर्व नदी की तह्ली झाड़ सफाई करवाई जाए, ताकि श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सके और जल प्रदूषण को रोका जा सके।

महिला की शिकायत पर एसडीएम ने 25 वर्ष पूर्व से बाधित खड़ंजे पर लगवाया इंटरलॉकिंग

अयोध्या। (अवधनामा संवाददाता) जनपद के बीकापुर तहसील के सवधीर गांव की है. जहां निवासिनी महिला उमा पांडे पत्नी गया प्रसाद पांडेय ने बीते 2 जून को उप जिलाधिकारी बीकापुर विकासधर दुबे से मिलकर गांव में लगभग 25 वर्ष पूर्व से लगाए गए खड़ंजा मार्ग पर हो रही दुश्वारियां से अवगत कराया. महिला ने आरोप लगाया कि मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं पूरे गांव में आरसीसी सड़क बन रही है परंतु गांव को जोड़ने वाले कलौंजी मार्ग पर कुछ लोगों द्वारा निर्माण कार्य करने से रोका जा रहा है. मामले को गंभीरता से लेते हुए उप जिलाधिकारी के निर्देश पर बीते मंगलवार को इंटरलॉकिंग कार्य कराया गया लगभग 40 मीटर लंबे सड़क पर इंटरलॉकिंग होने के उपरांत ग्रामीणों में खुशी की लहर व्याप्त है. वही शिकायतकर्ता महिला उमा पांडेय ने बताया कि इतने वर्षों बाद सड़क पर बनी बड़े-बड़े गड्ढो से अब जाकर निजात मिली है। उप जिलाधिकारी बीकापुर को महिला ने धन्यवाद ज्ञापित किया है। मामले में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि राजेश तिवारी ने उप जिलाधिकारी बीकापुर विकासधर द्विवेदी व पुलिस प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित किया है जिनके प्रयास से उक्त सड़क पर पुनः इंटरलॉकिंग कार्य हो सका।

ब्लड मैन आकाश गुप्ता ने रोहतक में किया 52 वां रक्तदान, अब तक सात राज्यों में किया रक्तदान, मिल चुका है वर्ल्ड रिकॉर्ड सम्मान

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। देशभर में रक्तदान के क्षेत्र में प्रेरणा बन चुके ब्लड मैन आकाश गुप्ता ने हरियाणा के रोहतक जिले स्थित पंडित भगवत दयाल शर्मा पीजीआईएमएस में अपना 52वां रक्तदान कर एक और मिसाल कायम की। रेयर ब्लड ग्रुप क्र्नेगेटिव के रक्तदाता आकाश गुप्ता को इस पुनीत कार्य के लिए ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. वैभव शर्मा ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया और युवाओं से उनके योगदान से प्रेरणा लेने की अपील की। आकाश गुप्ता अब तक उत्तर प्रदेश, हरियाणा, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, झारखंड और पश्चिम बंगाल समेत सात राज्यों में रक्तदान कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य देश के सभी राज्यों में रक्तदान कर रक्त की कमी से होने वाली मौतों को रोकना है।आकाश गुप्ता, जो मूलतः अयोध्या जिले के पूरा बाजार कस्बे के निवासी हैं, रामकृष्ण सेवा फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष भी हैं। यह संस्था 2016 से अब तक लगभग 150 रक्तदान शिविर आयोजित कर चुकी है और 10,000 से अधिक मरीजों को रक्त उपलब्ध करा चुकी है। पिछले छह वर्षों से लगातार अयोध्या में संस्था रक्तदान क्षेत्र में प्रथम स्थान पर बनी हुई है।आकाश ने कहा, ÷हमारा संकल्प है कि अयोध्या में कोई भी व्यक्ति खून की कमी के कारण दम न तोड़े। हमारी टीम दिन-रात सक्रिय रहती है, और एक कॉल पर रात में भी रक्तदान के लिए तैयार रहती है।आकाश गुप्ता ने बताया कि उन्हें सेवा की प्रेरणा अपने पिता स्व. कृष्णा लाल गुप्ता से मिली, जिनकी हत्या 12 अप्रैल 1991 को पंजाब में आतंकवादियों द्वारा कर दी गई थी। उसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए वे अब न सिर्फ रक्तदाता हैं बल्कि अंगदान, नेत्रदान और ब्लड स्टेम सेल डोनर के रूप में भी पंजीकृत हैं।

आकाश गुप्ता को रक्तदान के क्षेत्र में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन सहित देश के दस से अधिक राज्यों में सम्मानित किया जा चुका है। साथ ही वे आकाशवाणी पर रक्तदान विषयक परिचर्चाओं में भी सक्रिय भागीदारी करते हैं।उच्च शिक्षित आकाश गुप्ता वर्तमान में बिहार में फिजिकल टीचर के पद पर कार्यरत हैं। उनका मूल नाम शीतला प्रसाद गुप्ता है। वे अपने प्रयासों से देशभर के युवाओं को रक्तदान के लिए जागरूक कर रहे हैं।

एवीबीपी साकेत महाविद्यालय ईकाई ने नए सत्र के विद्यार्थियों के लिए लगाया हेल्प डेस्क

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अयोध्या महानगर की साकेत महाविद्यालय ईकाई द्वारा कॉलेज में नए सत्र में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की सहायता के लिए ‘रूड्ड4 द्ध ॥द्गद्यश्च ड्डद्गह्य’ हेल्प डेस्क की स्थापना की गई। इस पहल के माध्यम से छात्रों को विभागों, कक्षाओं, मेरिट लिस्ट, और आवश्यक दस्तावेजों से संबंधित जानकारी प्रदान की गई, जिससे उन्हें दाखिले की प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

हेल्प डेस्क पर एबीवीपी कार्यकर्ता पूरे समय सक्रिय रहे और छात्रों व उनके अभिभावकों को सहयोग प्रदान करते दिखे।इसी क्रम में साकेत महाविद्यालय ईकाई की एक बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें 9 जुलाई को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय

विद्यार्थी दिवस को लेकर चर्चा हुई। इस दिन को विद्यार्थी सप्ताह के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। कार्यक्रमों की रूपरेखा इस प्रकार तय की गई वृक्षारोपण अभियान,स्वच्छता अभियान ,स्वामी विवेकानंद पर चित्रकला प्रतियोगिता,प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता संगोष्ठी आदि।इस बैठक में महानगर सहमंत्री आदर्श चतुर्वेदी, जिला संयोजक जय श्री रावत, प्रियांशु तिवारी, ईकाई अध्यक्ष अनुराग शुक्ला, मंत्री नीलम गोस्वामी, उपाध्यक्ष यश पाठक, ज्ञानेंद्र पांडेय, विकास यादव, देव प्रकाश मिश्रा, शिवम् शुक्ला, अभिषेक पांडेय, अमन तिवारी, अनुराग पांडेय, विभाग संगठन मंत्री अंकित भारतीय, एवं जिला विस्तारक उदय मिश्रा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जल्द शुरु होगी जैदपुर से सीधी बाराबंकी रोडवेज बस सेवाः विधायक गौरव रावत

बाराबंकी। (अवधनामा संवाददाता) जिला मुख्यालय के लिए कस्बा जैदपुर समेत आसपास के हजारों लोगों को रोडवेज की बस सफदरगंज से होकर बाराबंकी पहुंचाती है जिससे मुख्यालय की दूरी अधिक हो जाती है और ज्यादा स्टॉपेज के कारण अधिक समय के साथ जनता को ज्यादा कीमत भी चुकानी पड़ती है इस समस्या को जैदपुर टाउन एरिया की बोर्ड की बैठक में विधायक गौरव रावत और अध्यक्ष प्रतिनिधि दाऊद अलीम के समक्ष छोटी बाजार से सभासद मोहम्मद कासिम ने प्रमुखता से उठाया जिस पर बोर्ड ने सर्वसम्मति से सभासद मोहम्मद कासिम द्वारा जनहित के प्रस्ताव पर सहमति जाहिर की 7 जिस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए दिनांक 2 जुलाई को ही जैदपुर विधायक गौरव कुमार रावत ने प्रमुख सचिव परिवहन विभाग को पत्र भेज कर अवगत कराया और जल्द से जल्द जैदपुर की आवाम को आश्वस्त किया कि जल्द ही लाखों लोगों के समय और पैसों की बचत के साथ जैदपुर से बाराबंकी सीधी बस सेवा शुरू की जाएगी। हमारे संवाददाता से बात करने पर जैदपुर विधायक गौरव कुमार रावत जी ने कहा जैदपुर विधानसभा के विकास के लिए हम तत्पर हैं, कई वर्षों से बाराबंकी से जैदपुर होते हुए सुबेहा मार्ग जो अत्यंत जर्जर हो चुका था हमने अपने प्रयासों से उसका पुनः निर्माण कराया और अब हमारे प्रयास से इस रोड का चौडीकरण भी किया जाएगा.

गुप्तारघाट का बढ़ेगा आकर्षण, ओपन एयर थियेटर लगाएगा चार चांद

अयोध्या। (अवधनामा संवाददाता) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में रामनगरी अयोध्या को सांस्कृतिक और आध्यात्मिक वैभव का केंद्र बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। अयोध्या के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व को और अधिक निखारने के लिए गुप्तारघाट के सौंदर्यीकरण को और भी बढ़ावा दिया जा रहा है। यह परियोजना निश्चित ही पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करेगी। यहां राम दरबार का स्ट्रक्चर और ओपन एयर थियेटर लोगों को खूब भाएगा। गुप्तारघाट भगवान श्रीराम के जल समाधि लेने की पौराणिक कथा से जुड़ा है। अयोध्या के प्रमुख घाटों में से एक है। योगी सरकार ने इस घाट को एक आकर्षक पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के लिए तीसरे चरण के सौंदर्यीकरण कार्य को गति दी है। इस परियोजना पर लगभग 16.57 करोड़ रुपये की लागत से कार्य चल रहा है, जिसमें से 78 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है। अगस्त 2025 तक इस परियोजना को पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे गुप्तारघाट का आकर्षण और भी बढ़ेगा। इस प्रोजेक्ट के तहत राम दरबार स्ट्रक्चर और ओपन एयर थियेटर जैसे महत्वपूर्ण कार्य प्रगति पर हैं, जो न केवल सौंदर्य को बढ़ाएंगे, बल्कि सांस्कृतिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन देंगे। पार्किंग एवं पाथवे का कार्य पूर्ण। टिकट घर/गार्ड रूम, किचन एवं टायलेट ब्लक के फिनिशिंग का कार्य प्रगति पर। इण्टरप्रीटेशन वाल, जटायू स्ट्रक्चर, रावण वध स्ट्रक्चर, राम दरबार स्ट्रक्चर, सीता कुटिया स्ट्रक्चर, राम सेतु, बाउण्ड्रीवाल एवं ऑपन एयर थियेटर का कार्य प्रगति पर। फ्लोर स्लैब का कार्य पूर्ण एवं अग्रेतर कार्य प्रगति पर। हार्टिकल्चर कार्य के लिए बाहर से वूड अर्थ कार्यस्थल स्थल पर उपलब्ध करा दी गयी है, जिसकी लेबलिंग का कार्य प्रगति पर है।

या अली अकबर बाराबंकी में छः मोहर्रम को शहीद-ए-आज़म के नूरे नज़र के ग़म में डूबा शहर

जगह-जगह मजलिसें, मातम और नज़्रो नियाज़ का सिलसिला

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। मोहर्रम की छठी तारीख़ को पूरा जिला ग़म और अज़ादारी में डूबा रहा। शहीद-ए-आज़म हज़रत इमाम हुसैन (अ) के नूरे नज़र, हमशक्ले-पयम्बर, जाँबाज़ और बहादुर बेटे हज़रत अली अकबर (अ) की शहादत पर शहर की फ़िज़ा मातम और नौहे में सराबोर हो गई। हर गली, हर मोहल्ला और हर अज़ाखाना इमामे वक्त की यादों से भरा रहा। देवा रोड स्थित गुलाम अस्करी हॉल में मौलाना मुराद रज़ा साहब ने फ़रमाया कि ÷नेकी में सबक़त करो, नमाज़, रोज़ा, हज, ज़कात और अली हक़ हैं।÷ उन्होंने अली अकबर (अ) के मसायब पढ़े, जिसे सुनकर मोमिनीन की आंखें छलक पड़ीं। कार्यक्रम का आगाज़ अली मियां रिज़वी की तिलावत से हुआ और शायरों ने नज़राने अकीदत पेश किए। इस मौक़े पर सिकंदर रिज़वी और मोमिनीन बाराबंकी द्वारा लंगर व सबील का आयोजन भी किया गया जो पहली मोहर्रम से जारी है। कटरा- कटरा बाराबंकी के इमामबाड़ा मीर मासूम अली में मौलाना जाबिर जौरासी साहब ने अशरे की छठी मजलिस को ख़िताब करते हुए कहा, हराम से बचना और वाजिब अमल करना ही असल बंदगी है।÷ उन्होंने हज़रत अली (अ) की विलायत को ईश्वरीय इनाम बताया। कलीम रिज़वी ने शायरी के माध्यम से अपने जज़्बात पेश किए, जबकि अन्जुमन गुंचये अब्बासिया और अंजुमन इमामियां ने नौहाख्वानी व सीना ज़नी की। आग़ा फ़य्याज़ मियाँ जानी के अज़ाखाने में मौलाना क़मर अब्बास ख़ान साहब ने कहा, ÷जो भी अली (अ) के मुक़ाबिल आया, वो हक़ पर नहीं था।÷ उन्होंने कहा कि इंसान को अल्लाह ने तमाम नेमतें दी हैं, लेकिन सबसे बड़ी नेमत ÷विलायत-ए-आले मोहम्मद (अ)÷ है जिसका हिसाब लिया जाएगा। इस मौक़े पर अली मेंहदी, अहमद रज़ा और मोहम्मद हुसैन काज़मी ने नज़्में पेश कीं। रसूलपुर- मोहसिन नक़वी साहब के अज़ाखाने में मौलाना आलिम मेहदी जैदपुरी साहब ने फ़रमाया, ÷अली (अ) का ज़िक्र खुदा का ज़िक्र और इबादत है। उन्होंने तालीमाते आले-मोहम्मद (अ) को अपनाने और लोगों को इज़्ज़त व सरबलंदी की राह बताई। उन्होंने इस्लामी उसूलों की अहमियत पर रोशनी डाली।अहमद रज़ा, हाजी सरवर अली कर्बलाई, अंजुमन व हुजैफा और मो. हुसैन ने भी नज़रानाये अक़ीदत पेश किया। जिलेभर में मजलिसों का, कर्बला सिविल लाइन्स, अज़ाखाना रिफ़ाक़त हुसैन रिज़वी, इमामबाड़ा वक्फ़ नवाब अमजद अली ख़ान, बेगमगंज इमामबाड़ा जनाब-ए-ज़ैनब (स.अ), अज़ाखाना मरहूम सय्यद शरीफ़ुल हसन ज़ैदी, अज़ाखाना मरहूम अतहर हुसैन एडवोकेट, अज़ाखाना हैदर हाउस, कंपनीबाग, अज़ाखाना नाज़िम साहब, लाइन पुरवा, अज़ाखाना तकीउल हसन ज़ैदी, रफ़ी नगर, अज़ाखाना नासिर साहब, अज़ाखाना नवाब में देर रात तक चलता रहा। इन तमाम जगहों पर देर रात तक मजलिसों, मातम और नौहाख्वानी का सिलसिला जारी रहा।

उद्देश्य बने युवा उद्योग व्यापार मंडल के जिला कोषाध्यक्ष

अवधनामा संवाददाता

नौतनवा (महराजगंज)। क्षेत्र स्थित कोल्हुई बाजार निवासी उद्देश्य मद्धेशिया को उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल ने जनपद महाराजगंज का जिला कोषाध्यक्ष मनोनीत किया है।इसकी जानकारी उत्तर प्रदेश युवा उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष प्रिन्स जायसवाल ने दिया। श्री जयसवाल ने बताया कि संगठन के पदाधिकारियों के आम सहमति से उनका मनोनयन इस पद पर किया गया है।जैसे ही यह जानकारी उनके शुभचिंतकों व व्यापारियों को। इस दौरान उद्योग व्यापार मंडल प्रदेश उपाध्यक्ष कन्हैया अग्रवाल ,जिलाध्यक्ष सुरेश कुमार रुंगटा, जिला महामंत्री प्रमोद जायसवाल,वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष नदीम अहमद अब्बासी,जिला उपाध्यक्ष अमित गुप्ता,जिलाउपाध्यक्ष पारावाले, युवा जिला महामंत्री बृजकिशोर जायसवाल, युवा वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष श्याम बदन त्रिपाठी,आईटी सेल के जिलाध्यक्ष योगेश जायसवाल,विधि प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष गोविंद सोनी, सोनौली नगर अध्यक्ष विजय रौनियार, सहित उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों और व्यापारियों ने बधाई दी।

चेकिंग के दौरान पुलिस ने चार युवकों को गिरफ्तार, मार्फिन बरामद

अवधनामा संवाददाता

मसौली बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के निर्देश पर चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे मसोली पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए 4 युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 281 ग्राम मार्फीन बरामद की अभियुक्तों के विरुद्ध एन डी पी एस एक्ट की कार्यवाही कर जेल भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार सिंह की अगुवाई मे चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे चौकी प्रभारी अभिनंदन पांडेय, उपनिरीक्षक अभय गुप्ता, उमेश प्रसाद ने चेकिंग के दौरान धरौली तिराहे पर कस्बा मसौली के मोहल्ला मस्ताना नगर निवासी मो सालिम पुत्र मो आदिल उम्र , कटरा मसौली निवासी मैनुद्दीन उर्फ सारिक पुत्र फखरुद्दीन कस्बा शहाबपुर निवासी मो0 कैफ पुत्र निसार वारिस उम्र व मोहम्मद फजल पुत्र अब्दुल

जब्बार को गिरफ्तार कर 281 ग्राम मार्फिन बरामद की। पुलिस पूछताछ मे अभियुक्तों ने बताया कि अपने निजी शौक पूरे करने के लिए तस्करी का किया जा रहा था पुलिस ने अभियुक्तों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट का मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।

बीज भण्डार विक्रेता पर अज्ञात हमलावरों ने चाकू से किया घायल

मसौली बाराबंकी। (अवधनामा संवाददाता) दुकान बंद कर घर वापस जा रहे बीज़ भंडार विक्रेता पर अज्ञात हमलावरों ने चाकू से हमलाकर गंभीर रूप से घायल कर दिया जिसे सीएचसी बड़ागांव मे भर्ती कराया गया है। बताते चले कि थाना क्षेत्र के ग्राम निजामपुर निवासी चंद्रशेखर रावत उर्फ (कन्हैया) पुत्र श्री पाल कस्बा त्रिलोकपुर मे बीज़ भंडार की दुकान चलाते है। मंगलवार कन्हैया अपनी दुकान बंद कर घर जा रहे थे। तभी निजामपुर चुरुलिया मोड़ पर अवस्थी के खेत के पास अज्ञात लोगों द्वारा चाकू से सीने पर जानलेवा हमला कर लहुलुहान कर दिया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने कन्हैया को बेहोश हालत में खून से लथपथ सड़क पर पाया।

दो लेखपाल सस्पेंड, रिश्वतखोरी और अनुपस्थिति बना कारण

बीकापुर -अयोध्या। (अवधनामा संवाददाता) बीकापुर तहसील क्षेत्र के गोविंदपुर में तैनात राजस्व लेखपाल राजेश श्रीवास्तव का रिश्वत लेते हुए वीडियो वायरल होने पर प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की है। उप जिलाधिकारी (एसडीएम) विकास धर दुबे ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए लेखपाल को निलंबित कर दिया है।जानकारी के अनुसार, एक व्यक्ति से संबंध प्रमाण पत्र बनवाने के एवज में रिश्वत लेते हुए लेखपाल का वीडियो बुधवार सुबह सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इसके बाद प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। एसडीएम दुबे ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं और जांच की जिम्मेदारी नायब तहसीलदार शाहगंज रामखेलावन को सौंपी गई है।हालांकि, लेखपाल राजेश श्रीवास्तव ने खुद पर लगे आरोपों को निराधार बताया है और कहा है कि उन्हें साजिश के तहत फंसाया गया है।

प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मानित किए गए सफल अभ्यर्थी

अवधनामा संवाददाता

सिसवा बाजार(महराजगंज)। सिसवा कस्बा स्थित अवंतिका मैरेज हॉल में आरपीआईसी स्कूल द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के इंटरमीडिएट व हाईस्कूल के सफल अभ्यर्थियों को मेडल, स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला विद्यालय निरीक्षक प्रदीप शर्मा व बेसिक शिक्षा अधिकारी रिद्धि पांडेय ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख पुष्प अर्पित व दीप प्रज्वलित कर किया गया। उन्होंने कहा कि शिक्षा पाने लक्ष्य केवल निजी या सरकारी विभाग में उच्च पदों पर आसीन होना नहीं है, बल्कि श्रेष्ठ समाज की रचना में सक्रिय भूमिका का निर्वहन करना है। सम्मान से छात्रों में प्रति प्रतिस्पर्धा बढ़ती है। कार्यक्रम में इंटरमीडिएट की मोहिनी सिंह, पूजा वर्मा, अभिषेक मद्धेशिया, शुभम कुशवाहा व हाईस्कूल में आंशिका सिंह, शालिनी सिंह, शिवम कुशवाहा, चंदन चौरसिया ल, आदित्य कुमार व अभय जायसवाल को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आये हुए अतिथियों का विद्यालय के निदेशक डॉक्टर पंकज तिवारी व धीरज तिवारी ने आभार प्रकट किया। इस दौरान पंडित अवधेश चौबे, विवेक चौरसिया, शिवजी सोनी, कृष्ण मुरारी सिंह, प्रमोद जायसवाल, देवेन्द्र शुक्ला प्रतीक श्रीवास्तव सहित नगर के अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सादगी और भाईचारे के साथ मिलजुलकर मनाएं त्यौहार : जिलाधिकारी

मोहर्रम, श्रावण, कावड़ यात्रा को लेकर पीस कमेटी की बैठक संपन्न

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। आगामी त्यौहार मोहर्रम, श्रावण मास, कावड़ यात्रा के मद्देनजर जनपद में कानून एवं शान्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर व पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों, विभिन्न सम्प्रदाय के धर्मगुरूओं एवं जनपद के प्रतिष्ठित नागरिकों के साथ पीस कमेटी की बैठक किया।

बैठक में जिलाधिकारी ने समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायतों को नगरीय क्षेत्रों तथा जिला पंचायतराज अधिकारी को ग्रामीण तथा में तथा उसके आसपास निर्धारित स्थलों पर साफ-सफाई एवं विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निर्धारित स्थलों पर उन्होंने अधिशासी अभियंता विद्युत को विद्युत सप्लाई की व्यवस्था सुचारू रूप से निर्बाध आपूर्ति करने तथा ढीले तारों को ठीक कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मोहर्रम एवं कांवड़ यात्रा त्यौहार को पारिवारिक माहौल में मनाए जाने हेतु जनपदवासियों से अपील की। उन्होंने कहा कि हम सभी लोगों को एक साथ मिलकर कार्य करना है, उन्होंने बड़े बुजुर्गों/प्रबुद्ध जनों से अपेक्षा करते हुए कहा की बच्चों को समझाएं और आपस में मिल जुल कर कार्य करें। जिलाधिकारी ने कहा कि सुरक्षा के साथ किसी प्रकार का कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने ढीले तारो को लेकर अधि. अभि. विद्युत को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने आगामी त्योहारों पर सभी को शुभकामना देते हुए कहा कि आशा है सभी लोग आपसी सौहार्द एवं आपसी सामंजस्य से त्योहार को सकुशल मनाएंगे।

बैठक में पुलिस अधीक्षक ने कहा कि मोहर्रम, श्रावण मास कावड़ यात्रा, आदि त्यौहारों के दृष्टिगत पुलिस और प्रशासन की ओर से समस्त व्यवस्थाओं को समय से पहले सुनिश्चित कर लिया जायेगा। आप सभी से अपेक्षा है कि सुरक्षित वातावरण में खुशियों के साथ अपने त्योहारों को मनाए। सोशल मीडिया पर विशेष रूप से नजर रखी जाए। अनावश्यक एवं भड़काऊ पोस्ट शेयर करने वालों को चिन्हित कर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

बृजेश बने विश्व हिन्दू महासंघ के गोरखपुर मंडल प्रभारी

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। विश्व हिन्दू महासंघ उत्तर प्रदेश के लोकप्रिय प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति ने देवरिया के जिलाध्यक्ष बृजेश कुमार तिवारी की

कार्यशीलता, कर्मठता, संगठन के प्रति समर्पितभाव को देखते हुए उन्हें गोरखपुर मंडल प्रभारी का दायित्व सौंपे जाने की घोषणा की है। बृजेश कुमार तिवारी को गोरखपुर मंडल प्रभारी बनाए जाने की घोषणा होते ही संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर दौड़ गई। सिर्फ गोरखपुर ही नहीं बल्कि प्रदेश के विभिन्न जनपदों के कार्यकर्ताओं, प्रदेश पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। श्री तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि आदरणीय प्रदेश अध्यक्ष श्री भिखारी प्रजापति जी ने मुझ पर विश्वास करते हुए गोरखपुर मंडल प्रभारी का दायित्व दिया है, उसे पूरी निष्ठा एवं समर्पण भाव से निभाऊंगा और गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्यचरन महाराज जी के हिन्दू राष्ट्रवाद को जन जन तक पहुंचाने में संलग्न रहूंगा। उन्होंने सभी शुभचिंतकों और समर्थकों का आभार व्यक्त किया।

कांवर यात्रा के दौरान टांडा झारखंडी के पास की सड़क की हालत बदतर

अम्बेडकरनगर। श्रावण मास का पावन पर्व जैसे-जैसे निकट आ रहा है, वैसे-वैसे अम्बेडकर नगर में जिला प्रशासन की तैयारियों पर सवाल उठने लगे हैं। जनपद से हर वर्ष लाखों की संख्या में श्रद्धालु कांवड़ यात्रा पर निकलते हैं, लेकिन इस बार उनकी राह आसान नहीं दिख रही।

माया बाजार से लेकर टांडा तक की सड़क के दोनों ओर फूटपाथ को चौड़ीकरण के नाम पर तो तोड़ दिया गया है, लेकिन महीनों बाद भी मरम्मत का काम अधूरा पड़ा है। ठेकेदार द्वारा केवल छोटी स्टोन चिप्स डालकर काम को अधर में छोड़ दिया गया, जिससे न केवल वाहन चालकों को बल्कि कांवड़ियों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। स्कांवड़ यात्रा के दौरान सबसे व्यस्त और महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि यहीं से होकर हजारों श्रद्धालु अयोध्या से पवित्र सरयू जल लेकर अपने-अपने क्षेत्रों के शिव मंदिरों तक पैदल यात्रा करते हैं और 'देवों के देव महादेव' का जलाभिषेक करते हैं।

सुरेश कमल दूसरी बार बनाए गए बहुजन समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष

मिशन-2027की तैयारी में बसपा ने कैडर कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी बढाई

अमेठी। मिशन-2027की तैयारी में जुटी बहुजन समाज पार्टी ने संगठन में काफी परिवर्तन किया है। दिलीप कुमार कोरी की जगह अब कोरी समाज के पुराने मिशनरी कार्यकर्ता और पूर्व जिला अध्यक्ष रहे सुरेश कमल को जिला अध्यक्ष बनाकर पार्टी संगठन की कमान सौंपी गई है। अयोध्या मंडल में सेक्टर और बूथ कमेटियों के पुनर्गठन के काम की निगरानी के लिए प्रदेश अध्यक्ष विश्व नाथ पाल के साथ पूर्व एम एल सी भीमराव अम्बेडकर, और प्रदीप भारती को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बुधवार को लखनऊ में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान बसपा सुप्रीमो बहन मायावती जी ने संगठन में आंशिक फेरबदल करते हुए ?पुराने लोगों को संगठन की जिम्मेदारी दी है।

सुरेश कमल, तिलोई विधानसभा की सैंम्बसी ग्राम पंचायत के निवासी हैं और बसपा के स्थापना काल से संगठन में सक्रिय रहे हैं। छत्रपति शाहूजी महाराज नगर जिले के गठन के बाद अनिल गौतम के हटने के बाद वे दूसरे जिला अध्यक्ष बनाए गये थे।

2012के पहले सुरेश कमल तिलोई विधानसभा के अध्यक्ष रहे।2012से2018तक जिला अध्यक्ष रहे।2018में तत्कालीन जोनल कोआर्डिनेटर त्रिभुवन दत्त और अशोक कुमार गौतम ने एक बैठक में उनके स्थान पर अमेठी के पूर्व विधानसभा अध्यक्ष रहे दिलीप कुमार को जिला अध्यक्ष बनाया था। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्व नाथ पाल ने पार्टी मुखिया की ओर से लिए गए फैसले की जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक आरती सिंह द्वारा थाना नवाबगंज का औचक निरीक्षण

जया उल्लाह खान संवाददाता

क्षेत्र के अपराधियों के बारे में विस्तार से जानकारी हासिल की

फर्रुखाबाद। पुलिस अधीक्षक आरती सिंह द्वारा थाना नवाबगंज का औचक निरीक्षण कर थाने की साफ-सफाई, अभिलेखों के रख-रखाव, CCTNS कार्यालय, हवालात, मैस, बैरकों आदि का निरीक्षण किया गया।

तथा थाना क्षेत्र में पड़नें वाले एच0एस, सक्रिय अपराधी, टॉप 10 अपराधियों के बारे में जानकारी कर थाना क्षेत्र के अधिकारी/ कर्मचारीगण को बीट प्रणाली, शस्त्र का भौतिक सत्यापन व यातायात के सम्बन्ध में विस्तृत रुप से आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

शुद्ध वायुमंडल के लिए वृक्षारोपण जरूरी

देवरिया। भाजपा महिला मोर्चा ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत टाऊन हाल परिसर में स्थित पार्क में वृक्षारोपण कर पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक होने का संदेश दिया । भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष भारती शर्मा के नेतृत्व में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष अलका सिंह ने फलदार पौधों का रोपण किया तथा लोगों को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक होने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि पेड़ ऑक्सीजन देकर पृथ्वी के वायुमंडल को सुरक्षित व शुद्ध रखते हैं जो मानव सहित प्रत्येक जीव जंतु के लिए आवश्यक व उपयोगी हैं । अभियान की संयोजक डॉ अर्चना पांडे ने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए सभी को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए। इस अवसर पर जिला महामंत्री श्रीनिवास मणि त्रिपाठी, सीमा जायसवाल, मिन्ती सिंह, मधु जायसवाल, प्रियंका वर्मा, बबिता, सुनीता आदी महिलाऐं उपस्थित रहीं ।

बारिश ने खोली लापरवाही की पोल ग्रामीण सम्पर्क मार्ग बदहाल

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। बारिश के मौसम में ग्रामीण सम्पर्क मार्गो का बुरा हाल है। गड्ढा मुक्त अभियान और पैच मरम्मत के दौरान ठेकेदारों की ओर से की गई। लापरवाही खुलकर सामने आ रही है।

अमेठी - दुर्गापुर मार्ग से घोरहा गांव को जाने वाले सम्पर्क मार्ग का बुरा हाल है। गड्ढों में जमा बारिश का पानी रास्ता चलना मुश्किल कर रहा है। अमेठी विकास खंड में महमूदपुर गो आश्रय स्थल को जाने वाला रामनगर सम्पर्क मार्ग भी अपना स्वरूप खो चुका है। गुंगवाछ-कमासिन मंडौली सम्पर्क मार्ग जगह जगह क्षतिग्रस्त हो गया है।

रामनगर -नहर सम्पर्क मार्ग, भूपति पुर-रामदयपुर सम्पर्क मार्ग,अरसहनी-भेंटुआ सम्पर्क मार्ग आदि सम्पर्क मार्गो की स्थिति भी खराब है। ये सभी सम्पर्क मार्ग प्रांतीय खंड के सेवित क्षेत्र में अमेठी विधानसभा में स्थित हैं।

अब एक ही छत के नीचे पीड़ित महिलाओं की सुनवाई करेगी पुलिस

जामों थाने में जिले की पहली महिला चौकी स्थापित की गई

अवधनामा संवाददाता

जामों। बुधवार को थाना परिसर में जिले की पहली महिला सहायता चौकी की स्थापना की गई है। डी एम संजय चौहान और पुलिस अधीक्षक अर्पणा रजत कौशिक ने महिला सहायता चौकी का उद्घाटन किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि महिला सहायता चौकी की स्थापना से अब एक ही छत के नीचे महिलाओं/बालिकाओं की शिकायतों के निस्तारण के साथ ही उन्हें शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए महिला सहायता चौकी पर पुलिस के साथ ही प्रशासनिक अधिकारियों जो महिला कल्याण विभाग से जुड़े हैं उनकी उपस्थिति भी सप्ताह में एक दिन सुनिश्चित कराई जाएगी, जिससे महिलाओं/बालिकाओं के लिए सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी उन्हें आसानी से मिल सके। उन्होंने कहा कि इस चौकी की स्थापना से अब महिलाएं अपनी बात खुलकर कह सकेंगी, पुलिस चौकी पर सभी स्टाफ महिला होंगे, इससे महिलाओं को अपनी बात कहने में हिचकीचाहट नहीं होगी। उन्होंने कहा कि आप अपने परिवार व समाज में किसी प्रकार का मतभेद हो तो सबसे पहले पुलिस की मदद लें, जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी महिलाओं से आवाह्न किया कि आप लोग इस महिला सहायता चौकी के बारे में अपने-अपने क्षेत्र में महिलाओं को जागरूक करें जिससे जो पीड़ित महिलाएं हैं वह अपनी समस्या इस चौकी पर दर्ज करा सके जिससे उनका निस्तारण कराया जा सके। उन्होंने कहा कि यह पहल निश्चित ही महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी, आने वाले समय में इससे बहुत ही सकारात्मक परिणाम मिलेंगे।

मोतीगंज पुलिस ने जाली मुद्रा चलाने वाले अभियुक्त को किया गिरफ्तार

अवधनामा संवाददाता

गोण्डा। पुलिस अधीक्षक गोण्डा विनीत जायसवाल के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहा है अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) मनोज कुमार रावत व क्षेत्राधिकारी सदर के निकट पर्यवेक्षण में थाना मोतीगंज पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 64/2025, धारा 179,180 बीएनएस से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त संजय सिंह उर्फ अरविन्द सिंह पुत्र तिलकूराम सिंह को झिल्लाही से मनकापुर जाने वाले मार्ग से गिरफ्तार किया गया।

दिनांक 10.05.2025 को थाना मोतीगंज पुलिस द्वारा ग्राम हड़हवा भवरियापारा से एक अभियुक्त को जाली भारतीय मुद्रा के साथ गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से कुल ?3600 मूल्य की नकली भारतीय मुद्रा बरामद की गई, जिसके सम्बन्ध में थाना मोतीगंज पर अभियुक्त के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर जेल भेजा गया था।

आज दिनांक 01.07.2025 को विवेचना के दौरान प्रकाश में आये आरोपी अभियुक्त संजय सिंह उर्फ अरविन्द सिंह को झिल्लाही से मनकापुर जाने वाले मार्ग से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी अभियुक्त के विरूद्ध थाना मोतीगंज पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय रवाना किया गया।

आँखों की रोशनी बचाना है तो अपनाये ये तरीका

अंबेडकरनगर। बदलती दिनचर्या और घंटों मोबाइल-स्क्रीन पर आंखें गड़ाए रहने की आदत से लोगों की नजरें तेजी से कमजोर हो रही हैं। इसी को लेकर मेडिकल कॉलेज सद्दरपुर में नेत्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अमित पटेल ने लोगों को आंखों को सुरक्षित रखने के आसान लेकिन असरदार तरीके बताए।

डॉ. पटेल ने कहा कि आजकल बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी स्क्रीन टाइम बढ़ा चुके हैं, जिससे आंखों में जलन, सूखापन और नजर कमजोर होने की शिकायतें बढ़ रही हैं। इससे बचने के लिए '20-20-20 रूल' बेहद जरूरी है। इसके तहत हर 20 मिनट पर अपनी नजरें स्क्रीन से हटाकर 20 फीट दूर किसी वस्तु को कम से कम 20 सेकंड तक देखना चाहिए।उन्होंने बताया कि आंखों की सेहत के लिए संतुलित भोजन में हरी सब्जियां, गाजर, बादाम और पर्याप्त पानी शामिल करें। साथ ही तेज धूप में सीधे सूरज की रोशनी से बचने के लिए सनग्लासेज़ जरूर पहनें।

छठी मोहर्रम की मजलिसों मे उमड़ा अज़ादारों का हुजूम

अवधनामा संवाददाता

जलालपुर अम्बेडकरनगर। कर्बला के 72 शहीदो की याद में मनाया जाने वाला माह मुहर्रम की छठी तारीख को मजलिसों में अजादारो का हुजूम उमड़ रहा है। शिया बहुल इलाकों में नौहा मातम की सदाओं से माहौल गमगीन हो गया है। जाफराबाद स्थित मासूमिया इमाम बाड़े में मौलाना अशफाक हुसैन ने मजलिस को खिताब किया। उन्होंने मजलिस को खिताब करते हुए कहा कि हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम शरीअत के पासदार हैं।

इसके अलावा जैनुल आबेदीन, डाक्टर अबरार शहादत हुसैन के आवास पर आयोजित मजलिसों में अजादारो का हुजूम उमड़ा। छोटे इमाम बाड़ा में इंतजार हुसैन ने कर्बला की दास्तान गमगीन माहौल में पढ़ी।अंजुमन जाफरिया ने नौहा ख्वानी पेश किया।

देर रात बड़े इमाम बाड़े में मौलाना असगर एजाज कायमी ने मजलिस को खिताब किया। जमजलिस में अंजुमन जुलफेकारिया,अंजुमन अब्बासिया, अंजुमन काजिमया आदि ने नौहा मातम कर कर्बला के शहीदों की याद को ताजा किया।

नगर के उर्दू बाज़ार से निकला छठी मोहर्रम का जुलूस

अवधनामा संवाददाता

जलालपुर अम्बेडकरनगर। छठी मुहर्रम को नगर के उर्दू बाजार स्थित दरोगा चौक से मौलाना मोहम्मद रज़ा मशरकैन की मजलिस के बाद शान-शौकत के साथ मातमी जुलूस बरामद हुआ। जुलूस बरामद होने के पूर्व मजलिस को खिताब करते हुए मौलाना ने कहा कि हज़रत इमाम हुसैन का बलिदान महज एक जाति व धर्म के लिए नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए था।

जुलूस में अलम व दुलदुल जहां आकर्षण का केंद्र रहा वहीं सूबे की नामचीन अंजुमनों में शामिल अंजुमन रजा-ए- हुसैन नई बाजार व अंजुमन फ़िदा-ए- हुसैन नीमतल,अंजुमन जाफरिया रजिस्टर मुस्तफाबाद, अंजुमन इमामिया नगपुर ने उर्दू बाजार में नौहा ख्वानी पेश कर कर्बला के जांबाज सिपाहियों को नमन किया। जुलूस दोपहर बाद उर्दू बाजार से सरायचौक के लिए कूच किया जहां देर रात तक अंजुमन रौनक-ए-अजा,अंजुमन अजा-ए -हुसैन, अंजुमन हुसैनिया जाफराबाद, अंजुमन अब्बासिया,अंजुमन जुल्फेकारिया ने नौहा ख्वानी कर कर्बला के शहीदों को याद किया। अंजुमन जाफरिया छोटा इमामबाड़ा की नौहा ख्वानी के साथ रौजा-ए-हजरत कासिम परिसर में जुलूस देर रात समाप्त हुआ।

इसी कड़ी में नगर के वाजिद पुर में स्वर्गीय मोहम्मद अली के आवास से मातमी जुलूस निकला।जो देर रात बाबा शाह फरीद के आस्ताने पर समाप्त हुआ। जुलूस की निगरानी कोतवाल संतोष कुमार सिंह पुलिस बल के साथ करते रहे। उक्त अवसर पर इजहारूल हसन , सादिक अब्बास, शाहिद अब्बास, वज़ीर हसन गुलाम मेंहदी, जावेद हैदर, जफर अब्बास,अली अहमद, लाडले समेत अन्य मौजूद रहे।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान को गंभीरता से ले : एसडीएम

अवधनामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। एक जुलाई से चल रहे विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान को सभी गंभीरता से लेते हुए कार्य करने का आवाह्न नवागत उपजिला अधिकारी राजेश कुमार द्वारा दिया गया। उपजिला अधिकारी द्वारा संबंधित विभागों से अपील की अभियान में अपनी अपनी विभाग की जिम्मेदारी ईमानदारी से निभाएं और दिमागी बुखार को पनपने ना दें साथ ही साफ सफाई जरूर रखें। तहसीलदार रवि कुमार द्वारा निवेदन किया कि बुखार में देरी पड़ेगी भारी, किसी भी प्रकार का बुखार हो उसको तुरंत स्वास्थ्य केंद्र ले जाएं वही बीएमसी यूनिसेफ शोएब अख्तर द्वारा उप जिलाधिकारी महोदय को पिछले अभियान की फीडबैक विभागवार अवगत कराया गया।

कोटेदार द्वारा खाद्यान्न न देने पर प्राथमिक विद्यालय पर नही बन रहा भोजन

लोटन सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड लोटन अन्तर्गत ग्राम पंचायत अभयपुर के प्राथमिक विद्यालय पर खाद्यान्न न मिलने के कराण बच्चो के खाने के लिए भोजन नही बन पा रहा है।

ग्राम प्रधान धर्मेन्द्र कुमार श्रीवास्तव व ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि ग्रामीणों से अंगुठा लगाकर कोटेदार द्वारा राशन नही दिया जा रहा है ग्रामीण भी परेशान रहते है हर माह एसा ही कोटेदार द्वारा किया जा रहा है कुछ एसे गरीब परिवार के लोग है जो राशन के भरोसे ही रहते है। वही ईचार्ज प्रधानाध्यापक मोहम्मद शकील ने सप्लाई इंस्पेक्टर को फोन द्वारा सुचना दिया है उसके बाद भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है। 4कुन्तल 50किलो गेहूं और 7कुन्तल 50किलो चावल कुल 12कुन्तल कोटेदार द्वारा स्कूल पर देना है कई बार सरकारी गल्ले की दुकान पर जाने के बाद भी कोटेदार राम औतार के द्वारा खाद्यान्न नही दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि खाद्यान्न विघालय मे उपलब्ध न होने के कारण बच्चो का भोजन नही बन पा रहा है।

डीएम ने किया फसल बीमा योजना हेतु लगाये गये कैम्प का निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 द्वारा ग्राम पंचायत सिरवत, विकास खण्ड नौगढ़ में आयोजित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना हेतु लगाये गये कैम्प का बुधवार को निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत फसलों का बीमा अवश्य कराये। बीमा करने की अन्तिम तिथि 31 जुलाई 2025 है। बीमा हेतु आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड, बैंक खाता, सम्बन्धित प्रपत्र भूमि स्वामित्व सम्बन्धी प्रपत्र, बटाई प्रमाण पत्र, फसल बुआई का प्रमाण पत्र एवं मोबाइल नम्बी होना आवश्यक है। इस योजना के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए टोलफ्री नम्बर 14447 पर सम्पर्क कर जानकारी प्राप्त कर सकते है। जिलाधिकारी ने जिला कृषि अधिकारी एवं बीमा कम्पनी के एजेन्ट को निर्देश दिया कि अधिक से अधिक किसानों का बीमा कराये जिससे किसानो को लाभ प्राप्त हो। इस अवसर पर उपकृषि निदेशक राजेश कुमार, जिला कृषि अधिकारी मु0 मुजम्मिल, अपर जिला सूचना अधिकारी विमलेश कुमार व अन्य सम्बन्धित उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण कर मनाया गया सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन

अवधनामा संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले के आलापुर विधानसभा के समाजवादी पार्टी विधायक त्रिभुवन दत्त ने बीते दिनांक 1 जुलाई को अपने जन्मदिवस के पावन अवसर पर एक सराहनीय और प्रेरणास्पद पहल करते हुए वृक्षारोपण कर अपना जन्मदिन मनाया। यह आयोजन न केवल पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, बल्कि यह भी सिद्ध करता है कि वे अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक और समर्पित जनप्रतिनिधि हैं।इस अवसर पर उन्होंने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के चित्र के समक्ष केक काटकर उनका भी जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया।

उन्होंने कहा कि यह दिन विशेष इसलिए भी है क्योंकि यह हमारे मार्गदर्शक, प्रेरणास्त्रोत और प्रगतिशील विचारधारा के संवाहक नेता अखिलेश यादव का जन्मदिन भी है। उन्होंने उनके दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि वे सदैव हम सभी का मार्गदर्शन करते रहें।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में क्षेत्रीय नागरिक, शुभचिंतक, समर्थक और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने विधायक त्रिभुवन दत्त को गुलदस्ते भेंट कर एवं पुष्पवर्षा कर हार्दिक बधाइयां दीं। चारों ओर एक उत्सव और उत्साह का वातावरण व्याप्त था। अपने संबोधन में विधायक ने भावुक होते हुए कहा यह जन्मदिन मेरे लिए केवल एक व्यक्तिगत अवसर नहीं है, बल्कि यह दिन जनता के प्रति मेरी सेवा, प्रतिबद्धता और विश्वास को दोहराने का दिन है। जो भी जनसेवक, कार्यकर्ता या आम जनमानस हमारे साथ चार कदम चलेगा, हम उसके साथ चालीस कदम चलने को तत्पर हेंगे। यह मेरा वादा है, क्योंकि मेरा जीवन पूरी तरह से जनसेवा को समर्पित है। इस गरिमामयी कार्यक्रम का आयोजन विधायक जी के सुपुत्र राहुल दत्त जी के प्रयासों से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। विधायक ने कार्यक्रम के समापन पर अपने पुत्र का विशेष रूप से आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह आयोजन उनकी भावनाओं और नेतृत्व क्षमता का प्रतीक है।

आतंकवाद से समझौता नहीं

शंघाई कारपोरेशन आर्गनाइजेशन की स्थापना इस लिये की गई थी कि सेवियत संघ के विघटन के बाद शान्ती और सुरक्षा बनी रहे। चीन और पाकिस्तान ने संगठन के मूल भावना के खिलाफकाम किया है। या पाकिस्तान की ओर से कोशिश की गई कि बलूचिस्तान में हुई घटनाओं को और वहां की स्थिति को संयुक्त बयान में शामिल किया जाये। यह सोची समझी चाल है, एससीओ का अध्यक्ष चीन है उसकी जिम्मेदारी बनती है कि बैठक में सन्तुलन बनाये रक्खे। पर चीन ने पाकिस्तानी एजेन्डा को आगे बढ़ाया। पर भारत की रूख से उसे झटका लगा और सम्मिलित संयुक्त बयान जारी नहीं हो सका किसी बैठक के बाद संयुक्त बयान जारी न हो पाना संगठन के लिये बड़ा झटका होता है।

सम्मेलन में रक्षा मंत्री ने स्पष्ट कहा आतंकियो और उनके समर्थक फन्डिग करने वालो और सीमा पार से आतंक फैलाने वालो को जवाबदेह ठहराना जरूरी है। जब भारत ने सुझाव दिया कि पहलगाम में हुये आतंकी हमले को बयान में शामिल किया जाये तो चीन और पाक ने विरोध किया।

पाकिस्तान की ओर से कोशिश की गई थी बलूचिस्तान में मानवी संकट को छिपा जाये और भारत पर झूठा आरोप लगा कर अन्तरराष्ट्रीय सहानुभूति बटोरी जाये। चीन पाक कदम का समर्थन कर रहा था। चीन और पाक आतंक के खिलाफ भारत की लड़ाई के कमजोर करने में लगे है उसी के अनुरूप बैठक में कदम उठा रहे थे। पर रक्षामंत्री ने संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर न करके उन्हें बड़ा झटका दिया। राजनाथ की कूटनीतिक भारत की दृढ़ता और आत्मविश्वास का परिचायक है। रक्षा मंत्री ने बैठक में बराबर जोर देते रहे आतंकवाद पर कोई समझौता नहीं होगा।

भारत ने दल विहीन कई कमेटियां बनाकर विश्व में अपने मकसद को आतंकवाद के खिलाफस्पष्ट किया और अपनी मजबूती दिखाई। अन्तराष्ट्रीय समुदाय सही मासले को समझा और भारत के दृढता को समर्थन दिया। चीन और पाक का इससे बड़ा झटका लगा। भारत के कूटनीतिक का पूरा विश्व मुरीद है। इसीलिये अन्य बैठको में भारत को बुलाया जाता है। हमारे रक्षा मंत्री और प्रधानमंत्री की बड़ी उपलब्धियां है।

जब कोई संगठन अपने मूल सिद्धान्तों से भटकने लगता है तो उसके मकसद और गरिमा को झटका लगता है उसका महत्व और उपयोगिता तरह तरह के वैश्विक संगठन बना कर विश्व की पेचीदा समस्याओं का हल निकालना विश्व की पुरानी परम्परा है। इसे विखन्डित करने में लगे देशो को समझना होगा। और सबक सिखाना भी जरूरी हो जाता है। पाक और चीन मानसिक रूप से अनुसन्तुलित है वहां लोक तन्त्र तो है नहीं तानाशाही है उनकी सारी शक्ति जनता को दबाये रखने और लोकतन्त्र को कमजोर करने में लगी रहती है। ये देश मानवता के लिये खतरा है। चीन पाक की चाल को समझना होगा और उन्हें विफ्ल करते रहना है। उनका सिद्धान्त है हमतो डूबे है सनम तुम्हें भी ले डूबेगे।

42 लाख किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर केबल, जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी का 11 गुना है, अब दूरस्थ गांवों को भी जोड़ रही है। भारत का 5 फीसदी रोलआउट विश्व में सबसे तेज़ रोलआउट्स में से एक है, और मात्र दो वर्षों में 4.81 लाख बेस स्टेशंस स्थापित किए गए हैं। हाई-स्पीड इंटरनेट अब शहरी केंद्रों से लेकर अग्रिम सैन्य चौकियों तक जैसे गलवान, सियाचिन और लद्दाख पहुँच चुका है। इंडिया स्टैक, जो हमारा डिजिटल बैकबोन है, ने पीआई जैसे प्लेटफार्म को सक्षम बनाया है।

डिजिटल इंडिया का एक दशक

नरेंद्र मोदी

दस साल पहले, हमने एक ऐसे क्षेत्र में पूर्ण विश्वास के साथ ऐसी यात्रा शुरू की थी, जहां पहले कोई नहीं गया था। जहाँ दशकों तक यह संदेह किया गया कि भारतीय तकनीक का उपयोग कर पाएंगे की नहीं, हमने उस सोच को बदला और भारतीयों की तकनीक का उपयोग करने की क्षमता पर विश्वास किया। जहाँ दशकों तक सिर्फ यह सोचा गया कि तकनीक का उपयोग अमीर और ग़रीब के बीच की खाई को और गहरा करेगा, हमने उस मानसिकता को बदला और तकनीक के माध्यम से उस खाई को खत्म किया। जब नीयत सही होती है, तो नवाचार वंचितों को सशक्त करता है। जब दृष्टिकोण समावेशी होता है, तो तकनीक हाशिए पर खड़े लोगों के जीवन में परिवर्तन लाती है।

यही विश्वास डिजिटल इंडिया की नींव बना- एक ऐसा मिशन जो सभी के लिए पहुंच को लोकतांत्रिक (आसान) बनाने, समावेशी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने और अवसरों को उपलब्ध कराने के लिए शुरू हुआ। 2014 में, इंटरनेट की पहुंच सीमित थी, डिजिटल साक्षरता कम थी, और सरकारी सेवाओं की ऑनलाइन पहुंच बेहद सीमित थी। कई लोगों को संदेह था कि भारत जैसा विशाल और विविध देश वास्तव में डिजिटल बन सकता है या नहीं। आज, इस प्रश्न का उत्तर डेटा और डैशबोर्ड में नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के जीवन के माध्यम से दिया जा चुका है। शासन से लेकर शिक्षा, लेन-देन और निर्माण तक, डिजिटल इंडिया हर जगह है।

डिजिटल डिवाइड को पाटते हुए : 2014 में भारत में लगभग 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे। आज यह संख्या बढ़कर 97 करोड़ से अधिक हो चुकी है। 42 लाख किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर केबल, जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी का 11 गुना है, अब दूरस्थ गांवों को भी जोड़ रही है। भारत का 5 फीसदी रोलआउट विश्व में सबसे तेज़ रोलआउट्स में से एक है, और मात्र दो वर्षों में 4.81 लाख बेस स्टेशंस स्थापित किए गए हैं। हाई-स्पीड इंटरनेट अब शहरी केंद्रों से लेकर अग्रिम सैन्य चौकियों तक जैसे गलवान, सियाचिन और लद्दाख पहुँच चुका है। इंडिया स्टैक, जो हमारा डिजिटल बैकबोन है, ने पीआई जैसे प्लेटफार्म को सक्षम बनाया है, जो अब सालाना 100 बिलियन से अधिक लेन-देन करता है। विश्व में होने वाले कुल रियल-टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन में से लगभग आधे भारत में होते हैं।

डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के माध्यम से 44 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे नागरिकों को हस्तांतरित की गयी

है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और 3.48 लाख करोड़ रुपये की लीकेज रोकी गई है। स्वामित्व जैसी योजनाओं ने 2.4 करोड़ से अधिक प्रॉपर्टी कार्ड्स जारी किए हैं और 6.47 लाख गांवों को मैप किया है, जिससे वर्षों से चली आ रही भूमि संबंधी अनिश्चितता का अंत हुआ है।

सभी के लिए अवसरों का लोकतंत्रीकरण : भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था अब पहले से कहीं अधिक एमएसएमई और छोटे उद्यमियों को सशक्त बना रही है। ओएनडीसी (ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स) एक क्रांतिकारी प्लेटफॉर्म है जो विक्रेताओं और खरीदारों के विशाल बाजार से सीधा संपर्क स्थापित कर नए अवसरों की खिड़की खोलता है। जेम (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) आम आदमी को सरकार के सभी विभागों को सामान और सेवाएं बेचने की सुविधा देता है। इससे न केवल आम नागरिक को एक विशाल बाजार मिलता है बल्कि सरकार की बचत भी होती है।

कल्पना कीजिए : आप मुद्रा लोन के लिए ऑनलाइन आवेदन करते हैं। आपकी क्रेडिट योग्यता को अकाउंट एग्रीगेटर फ्रेमवर्क के माध्यम से आंका जाता है। आपको लोन मिलता है, आप अपना व्यवसाय शुरू करते हैं। आप जेम पर पंजीकृत होते हैं, स्कूलों और अस्पतालों को सप्लाई करते हैं और फिर ओएनडीसी के माध्यम से इसे और बड़ा बनाते हैं। ओएनडीसी ने हाल ही में 20 करोड़ लेन-देन का आंकड़ा पार किया है- जिसमें पिछले 10 करोड़ सिर्फ 6 महीनों में हुए हैं। बनारसी बुनकरों से लेकर नागालैंड के बांस शिल्पियों तक, अब विक्रेता बिना बिचौलियों के पूरे देश में ग्राहक तक पहुँच रहे हैं। जेम ने 50 दिनों में एक लाख करोड़ रुपये का जेम पार किया है, जिसमें 22 लाख विक्रेता शामिल हैं, जिनमें 1.8 लाख से अधिक महिला संचालित एमएसएमई हैं, जिन्होंने 46,000 करोड़ रुपये की आपूर्ति की है।

डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर : भारत का वैश्विक योगदान- भारत का डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर - जैसे आधार, कोविन, डिजिलॉकर, फास्टैग, पीएम-वानी, और वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन- को अब वैश्विक स्तर पर पढ़ा और अपनाया जा रहा है।

कोविन ने दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान को सक्षम किया, जिससे 220 करोड़ क्यूआर-सत्यापित सर्टिफिकेट जारी हुए। डीजी लॉकर, जिसके 54 करोड़ उपयोगकर्ता हैं, 775 करोड़ से अधिक दस्तावेजों को सुरक्षित और निर्बाध तरीके से होस्ट कर रहा है। भारत ने अपनी जी-20 अध्यक्षता के दौरान ग्लोबल डीपीआई रिपॉजिटरी और 25 मिलियन का सोशल इम्पैक्ट फंड लॉन्च किया, जिससे अफ्रीका और दक्षिण एशिया के देश समावेशी डिजिटल इकोसिस्टम अपना सकें।

स्टार्टअप पॉवर और आत्मनिर्भर भारत : भारत अब विश्व के शीर्ष 3 स्टार्टअप इकोसिस्टम में शामिल है, जिसमें 1.8 लाख से अधिक स्टार्टअप हैं। लेकिन यह सिर्फ एक स्टार्टअप आंदोलन नहींहै, यह एक टेक्नोलॉजी पुनर्जागरण है। भारत में युवाओं के बीच एआई स्किल्स और एआइटैलेंट के मामले में बड़ी प्रगति हो रही है। 1.2 बिलियन इंडिया एआइ मिशन के तहत भारत ने 34,000 जीपयूएस की पहुँच ऐसे मूल्य पर सुनिश्चित की है जो वैश्विक स्तर पर सबसे कम है –1 से भी कम प्रति जीपीयू ऑवर इससे भारत न केवल सबसे सस्ता इंटरनेट इकोनॉमी, बल्कि सबसे किफायती कंप्यूटिंग हब बन गया है। भारत ने मानवता-पहले एआई की वकालत की है। नई दिल्ली डिक्लेरेशन ऑन एआई जिम्मेदारी के साथ नवाचार को बढ़ावा देता है। देशभर में एआई सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जा रहे हैं।

ट्रंप का वन बिग ब्यूटीफुल बिल सीनेट में पारित बनाम मस्क की नई राजनीतिक पार्टी 'अमेरिका पार्टी'

किशन भावनानी

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ देख रही थी कि पिछले कुछ महीनो से कैसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनियाँ में चल रहे अनेको युद्धों को रोकने के लिए रुचि दिखा रहे हैं, जिसमें शामिल हैउनके 12 बार दोहराना कि भारत-पाक युद्ध विराम उन्होंने करवाया,सीरिया से प्रतिबंध हटाना,रूस यूक्रेन युद्ध विराम में रुचि,ईरान इजरायल में युद्ध विराम सहित इस दिशा में अनेकों कार्य कर रहे हैं। हालांकि इसके बावजूद युद्ध विराम देशों में तनाव तल्ख़ बढ़ी हुई है, परंतु उनकी कोशिशों को रेखांकित करना होगा, उनको नोबेल शांति पुरस्कार की उम्मीद को भी रेखांकित करना होगा। हालांकि इस पुरस्कार के दावेदार अनेकों लोग अनेकों वर्षों से वैश्विक शांति पर काम कर रहे हैं, जिसमें उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी समर्पित कर दी है।अभी 1जुलाई 2025 को अमेरिका में एक तरह से ट्रंप-मस्क के बीच भिड़ंत जुबानी शाब्दिक जंगबाजी एक तरह से गृहयुद्ध से गिर गए हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि जिस दोस्ती के साथ ट्रंप-मस्क चुनाव में जनता का विश्वास अर्जित कर जीत हासिल किए व अमेरिका को मेकिंग ग्रेट अमेरिका अगेन के वादे के विपरीत तगड़ी भिड़ंत कर जुबानी जंग बाजी कर अमेरिका के मतदाताओं का विश्वास भंग करके माहौल खराब करने की ओर अग्रसर कर अमेरिका की राजनीतिक, आर्थिक स्थिति सहित अपने रुतबे को कम कर दुनियाँ में कम करने से बेहतर रहेगा कि आपसी समझौता कर स्थिति को गंभीरता की ओर जाने से बचने की जरूरत है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,ट्रंप-मस्क की लड़ाई,अमेरिकी राजनीति, अर्थव्यवस्था और वैश्विक प्रभाव के लिए महत्वपूर्ण दुष्टपरिणाम ला सकती है-जनहित में मतभेद सुलझाना जरूरी।

साथियों बात अगर हम ट्रंप-मस्क के टकराव को राजनीतिक आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो, यह एक दिलचस्प प्रश्न है !अमेरिका में ट्रंप और मस्क के बीच का विवाद एक राजनीतिक और आर्थिक शक्ति के टकराव का प्रतीक है।डोनाल्ड ट्रंप, एक शक्तिशाली राजनीतिक व्यक्तित्व हैं, जिनके पास एक मजबूत समर्थक आधार है। उनकी राजनीतिक शक्ति और प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। दूसरी ओर, मस्क एक सफल उद्योगपति और व्यवसायी हैं,जिनके पास अरबों डॉलर की संपत्ति है। उनकी कंपनियां, जैसे कि टेस्ला और स्पेसएक्स, विश्व स्तरपर प्रसिद्ध हैं और उनके पास एक मजबूत आर्थिक आधार है। इस विवाद में, यह कहना मुश्किल है कि किसकी शक्ति अधिक प्रभावी होगी। लेकिन यहाँ कुछ बातें हैं जिन पर विचार किया जा सकता हैट्रंप की राजनीतिक शक्ति और समर्थक आधार उनके लिए एक मजबूत पक्ष हो सकता है।मस्क की आर्थिक शक्ति और उनकी कंपनियों की वैश्विक पहुंच उनके लिए एक मजबूत पक्ष हो सकती है।हालांकि, यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि अमेरिका में न्यायपालिका और मीडिया की स्वतंत्रता भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है इस विवाद के निपटारे में।ट्रंप और मस्क के बीच विवाद का अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है (1) बाजार की अस्थिरता- टेस्ला और अन्य कंपनियों के शेयरों की कीमतों में उतार-चढ़ाव हो सकता है,जिससे बाजारकी अस्थिरता बढ़ सकती है। (2) निवेश पर प्रभाव- यदि विवाद बढ़ता है, तो निवेशकों का विश्वास कम हो सकता है,जिससे निवेश में कमी आ सकती है।(3) आर्थिक विकास पर प्रभाव- यदि विवाद का समाधान नहीं निकलता है, तो यह अमेरिकी अर्थव्यवस्था के विकास को प्रभावित कर सकता है। (4) रोजगार पर प्रभाव- यदि टेस्ला जैसी कंपनियों को नुकसान होता है, तो इससे रोजगार के अवसरों पर भी प्रभाव पड़ सकता है हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था बहुत बड़ी और विविध है, और एक विवाद का इसके समग्र प्रदर्शन पर बहुत अधिक प्रभाव नहीं पड़ने की संभावना है। साथियों बात अगर हम ट्रंप-मस्क की तगड़ी भिड़ंत व जुबानी जंगबाजी की करें तो,मस्क और ट्रम्प के बीच कर छूट और खर्च में कटौती को लेकर वाकयुद्ध फिर से शुरू हो गया है। मस्क का कहना है कि वह एक नई राजनीतिक पार्टी बना सकते हैं। ट्रम्प ने टेस्ला के सीईओ पर इलेक्ट्रिक वाहन सब्सिडी को लेकर हमला बोला है। मस्क ने रिपब्लिकन सीनेटरों द्वारा पारित किए गए,बिल की आलोचनाकी। उनका कहना है कि इससे नौकरियां खत्म हो जाएंगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तकदीस फ़ातिमा रिज़वी ने ग्रुप-5 प्रकाशन, 55-बी, वज़ीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित कराकर प्रथम तल, मस्जिद नूर महल, साकेत पल्ली, नरही, लखनऊ से प्रकाशित किया।

किसी भी लेख में कोई विवाद के लिए 'अवधनामा' जिम्मेदार नहीं होगा, इसकी जिम्मेदारी लेखक की है। किसी भी समाचार के विवाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही होगा।

पोलिटिकल एडीटर : एम.एम. मोहसिन

स्थानीय संपादक

मोहम्मद आलम रिज़वी

RNI No UPHIN/2010/31173

टेली फैक्स नं. : 2288091, 4065716

avadhnamahindi@gmail.com,

पुराने हादसों से सबक क्यों नहीं?

अकेला पुरी नहीं है, देश के अनेक तीर्थ और धर्मस्थलों पर इस तरह के हादसे लगातार होते रहते हैं और कमोबेश सभी में एक कारण तो समान ही होता है और वे हैं- भीड़ का दबाव बढ़ना, श्रद्धालुओं के आने या जाने का कोई रास्ता कुछ समय के लिए रोक देना या प्रवेश में वीआईपी को प्राथमिकता देना आदि। ऐसे कारणों में से कोई भी एक कारण भीड़ नियंत्रण में बाधक बन सकता है। हैरत की बात यह है कि नियम-कायदों की लम्बी-चौड़ी कसरत के बावजूद इस तरह के हादसे होने लगे हैं।

डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी

पर्व त्योहारों पर प्रशासन की लापरवाही और पूर्व में हुई दुर्घटनाओं से सबक नहीं लेते हुए लोगों की मौत का सिलसिला थमता नज़र नहीं आ रहा है। हम आज की घटनाओं पर अगर नज़र डालें तो अलग अलग घटनाओं से एहसास होगा की कैसे लापरवाही ने कई लोगों को काल कवलित कर दिया और पर्व त्योहार और उल्लास का वातावरण कैसे मातमी माहौल में तब्दील हो गया। बात पुरी में जगन्नाथ यात्रा के दौरान मची भगदड़ की। इस भगदड़ में 3 लोगों की मौत और 50 से ज्यादा लोगों के घायल के बाद पूरा देश ये सवाल पूछ रहा है कि आखिर हम क्यों पुराने हादसों से सबक नहीं लेते। आखिर क्यों हमारी सरकारों के लिए आम आदमी की जिंदगी की कोई कीमत नहीं होती। आखिर क्यों ऐसे हादसों के बाद सिर्फ कागजी कार्रवाई होती है, कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता।

यह घोर निराशाजनक और दुख की बात है कि तमाम तैयारियों, सुरक्षा तथा भीड़ नियंत्रण के दावों के बावजूद पुरी में रथयात्रा के समय भगदड़ मच गई और कई लोग हताहत हो गए। यह घटना इसलिए अधिक क्षुब्ध करने वाली है, क्योंकि इससे यही पता चल रहा है कि न तो बीते जनवरी में हिंदू आस्था के केंद्र तिरुपति बालाजी मंदिर में, प्रयागराज में कुंभ मेले में और न ही नई दिल्ली रेलवे स्टेशन भगदड़ से कोई सबक सीखा गया और न ही अभी हाल में बेंगलुरु में आईपीएल विजेता आरसीबी की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ से। जगन्नाथ रथयात्रा थी तो लाखों की संख्या में लोगों का जुटना लाजमी था। यानी हादसों की गुंजाइश को ध्यान में रखते हुए प्रशासन को चाक चौबंद व्यवस्था करनी चाहिए थी। लेकिन आखिर गलती कहां हुई वो गलती जिसकी कीमत 03 लोगों ने जान देकर चुकाई। आखिर कौन है इस घटना के दर्द का गुनाहगार। क्यों नहीं लेते हम पिछले हादसों से सबक।

यह घटना अधिक शर्मनाक व चिंताजनक इसलिए भी है क्योंकि सैंकड़ों साल से इस रथ यात्रा का आयोजन हो रहा है। भगदड़ से जुड़े ऐसे हादसों से सबक नहीं लेने का ही नतीजा है कि पुरी में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति हो गई। हर साल लाखों श्रद्धालु रथयात्रा में शामिल होते हैं। श्रद्धालुओं को कैसे सुविधा व सुरक्षा के साथ दर्शन कराए जाएं इसकी तैयारी से जुड़ी बैठकें महीनों पहले हो जाती है। पुलिस-प्रशासन से जुड़े लोगों को संभावित भीड़ का अंदाजा भी रहता है। आयोजनों में आने वाली वीआईपी को लेकर भी अलग व्यवस्थाएं रहती आई हैं। इसके बावजूद पुरी में यह हादसा होना इंतजामों पर सवाल खड़े करता है। अकेला पुरी नहीं है, देश के अनेक तीर्थ और धर्मस्थलों पर इस तरह के हादसे लगातार होते रहते हैं और कमोबेश सभी में एक कारण तो समान ही होता है और वे हैं- भीड़ का दबाव बढ़ना, श्रद्धालुओं के आने या जाने का कोई रास्ता कुछ समय के लिए रोक देना या प्रवेश में वीआईपी को प्राथमिकता देना आदि। ऐसे कारणों में से कोई भी एक कारण भीड़ नियंत्रण में बाधक बन सकता है। हैरत की बात यह है कि नियम-कायदों की लम्बी-चौड़ी कसरत के बावजूद इस तरह के हादसे होने लगे हैं। बड़ी वजह यह है कि इन नियम-कायदों को बनाकर जिम्मेदार भूल जाते हैं।

जांच एजेंसियों की रिपोर्ट में भगदड़ के कारणों का खुलासा होगा लेकिन प्रारंभिक स्तर पर जो कारण सामने आ रहा हैं उसके मुताबिक श्रद्धालुओं के आने-जाने का एक ही रास्ता बनाना माना जा रहा है। इतना ही नहीं, रास्ते पर भी वीआईपी को प्रवेश करवाने के लिए निकास द्वार बिना किसी पूर्व सूचना के बंद कर दिया गया। इस व्यवस्था को लागू करने से पहले वैकल्पिक इंतजाम भी नहीं किए गए। ऐसे में भीड़ का दबाव बढ़ा और भगदड़ मच गई जिसकी परिणति के तौर पर यह घटना हुई। भारत भगदड़ के लिए भी जाना जाने लगा है। अपने देश में धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐसे ही अन्य आयोजनों में रह-रहकर भगदड़ मचती रहती है। भगदड़ की इन घटनाओं में लोग मारे जाते हैं। जब कोई बड़ी घटना घटती है तो शोक व्यक्त करने से लेकर जिम्मेदार लोगों की पहचान कर उन्हें दंडित करने और सबक सीखने की बड़ी-बड़ी बातें की जाती हैं, लेकिन होता कुछ नहीं है। कभी-कभी कुछ अधिकारियों को निलंबित कर दिया जाता है और मुआवजा देने की घोषणा कर दी जाती है। इस मामले में जो स्थिति राज्य सरकारों की है, वही केंद्र सरकार की भी। यह एक तथ्य है कि निजी स्तर पर भीड़ भरे आयोजन करने-कराने वाले भी भीड़ प्रबंधन को लेकर लापरवाही का ही परिचय देते हैं।

जाहिर है, भगदड़ के इतने मामले सामने आ चुकने के बाद अब हम सबको जागना होगा। महाराष्ट्र का अनुकरण करते हुए देश के सभी जगहों पर सार्वजनिक आयोजन से पहले भीड़ प्रबंधन की योजना बनानी होगी। इसमें पुलिस-प्रशासन के साथ आयोजकों की भी सक्रियता होनी चाहिए।भीड़ प्रबंधन के लिए 2014 का नेशनल फ्रेमवर्क है, लेकिन उस पर अमल नहीं होता। उस पर अमल होना चाहिए. इसके अलावा लोगों को भी भीड़ प्रबंधन के बारे में सजग होना चाहिए। अगर आयोजन से पहले योजना बनायी जाए, भीड़ को आयोजन स्थल की क्षमता से कम रखा जाए, भीड़ के आने और उसके निकलने के लिए अलग-अलग दरवाजे रखे जाएं, भीड़ प्रबंधन के लिए स्वयंसेवक रखे जाएं और भीड़ में बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं और बीमार लोगों को जाने देने से हतोत्साहित किया जाए, तो भगदड़ से बचा जा सकता है। यह ठीक है कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाला देश है और कभी-कभी आम लोग भीड़ में संयम एवं अनुशासन का परिचय देने के प्रति सतर्क नहीं रहते, लेकिन आखिर शासन-प्रशासन भी क्यों सतर्क नहीं रहता? क्या वह भी आम जनता की तरह व्यवहार करेगा।पुरी में भगदड़ के लिए ओडिशासरकार ने इस प्रकरण में लापरवाही मानते हुए कलेक्टर, एसपी, डीसीपी-कमांडेंट पर कार्रवाई की भी है। मृतकों के लिए 25-25 लाख रुपए के मुआवजे का ऐलान भी किया है। लेकिन इतना करना ही काफी नहीं होगा। हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों और घायल हुए श्रद्धालुओं को जो जख्म मिले हैं उन पर मरहम तब ही लगेगा जब इस तरह की दुर्घटनाओं से जुड़े तमाम संभावित कारणों को हमेशा के लिए दूर कर दिया जाएगा। ओडिशा के मुख्यमंत्री ने क्षमा मांग ली, लेकिन आवश्यकता इसकी है कि भगदड़ के कारणों की तह तक जाया जाए और जरूरी सबक सीखने में देर न की जाए। सबक केवल ओडिशा सरकार को ही नहीं, सभी सरकारों को भी सीखना होगा।

बड़ी चुनौती है फैक्ट्री के धमाकों को रोकना

निदेशालय जनरल फैक्ट्री एडवाइस सर्विस एंड लेबर इंस्टीट्यूट्स की रिपोर्ट, 2022 के अनुसार 2021 में, महाराष्ट्र में 6,492 खतरनाक फैक्ट्रियों में से केवल 1,551 का निरीक्षण किया गया, जिससे 23.89 प्रतिशत निरीक्षण दर प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त, 39,255 पंजीकृत फैक्ट्रियों में से केवल 3,158 का निरीक्षण किया गया। इससे 8.04 प्रतिशत निरीक्षण मिली। अन्य प्रमुख औद्योगिक राज्यों में भी यह प्रवृत्ति दिखाई देती है।

अशोक मधुप

तेलंगाना के संगारेड्डी जिले के पासमैलारम फेज एक इलाके में सोमवार को एक केमिकल फैक्टरी में हुए विस्फोट में 34 कर्मचारियों की मौत हो गई । तीन दिन पहले उत्तर प्रदेश के नोएडा के थाना फेस वन क्षेत्र स्थित डी-93 सेक्टर-दो स्थित शाम पेंट इंडस्ट्रीज केमिकल की कंपनी में भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि लपटें आसमान तक छूती नजर आई। करीब ढाई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। फायर ब्रिगेड टीम ने इस आग की घटना में किसी प्रकार के जानमाल के नुकसान न होने की बात कही है। इसी 16 जून को उत्तर प्रदेश के अमरोहा जनपद के रजबपुर थाना क्षेत्र के गांव अतरासी से करीब दो किलोमीटर दूर यह फैक्ट्री चार महिलाओं की मौत हो चुकी थी। नौ घायल मजदूरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।आरोप है कि फैक्ट्री संचालक ने पटाखे बनाने के लिए आसपास की रहने वाली महिलाओं को कम मजदूरी पर रखा था। उन्हें केवल 300 रुपये दिहाड़ी दी जाती थी। मजदूरों को न कभी ट्रेनिंग दिलाई और नही आपातस्थित से निपटने का कोई प्रशिक्षण दिया गया। फैक्ट्री में दुर्घटनाएं होने पर कुछ दिन शोर मचता है। मृतकों और घायलों के लिए मुआवजे की घोषणा होने के बाद सब शांत हो जाता है।दुर्घटनाएं रोकने की कोई योजना नही बनती।नही फैक्ट्री के श्रमिकों को दुर्घटना होने के समय की चुनौती बताई जाती हैं। दुर्घटना होने के समय की चुनौती के समय के लिए प्रशिक्षित भी नही किया जाता।दुर्घटना होने पर क्या किया जाए इसका भी प्रशिक्षण नही दिया जाता। फैक्ट्री लगती है किंतु उनका तकनीकि निरीक्षण नही होता। निरीक्षण करने वाली अधिकारी पैसे के बल पर अपने आफिस में ही बैठकर रिपोर्ट बना देते है। सही मायने में फैक्ट्रियों में होने वाली दुर्घटनाओं और उनमें होने वाली मौत का जिम्मेदार वह अमला भी है जो समय -समय पर इनके सुरक्षा तंत्र का निरीक्षण करता है।

श्रम और रोजगार मंत्रालय के महानिदेशालय फ़ैक्ट्री सलाह सेवा और श्रम संस्थान (ष्ठत्नस्न्रस्ङ्क) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत के पंजीकृत फ़ैक्ट्रियों में दुर्घटनाओं के कारण हर दिन औसतन तीन मज़दूरों की मौत हुई है और 11 घायल होते हैं।नवंबर 2022 में आरटीआई जवाब के अनुसार, भारत में रजिस्टर्ड फ़ैक्ट्रियों में हर साल होने वाली दुर्घटनाओं में 1,109 वर्करों की मौत हो गई और 4,000 से अधिक वर्कर घायल हुए। ये 2017 से 2020 के बीच आंकड़ों के आधार पर है।वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि यह संख्या और भी ज्यादा है क्योंकि बड़े पैमाने पर असंगठित क्षेत्रों में होने वाले हादसों की रिपोर्ट दर्ज ही नहीं की जाती है। निदेशालय जनरल फैक्ट्री एडवाइस सर्विस एंड लेबर इंस्टीट्यूट्स की रिपोर्ट, 2022 के अनुसार 2021 में, महाराष्ट्र में 6,492 खतरनाक फैक्ट्रियों में से केवल 1,551 का निरीक्षण किया गया, जिससे 23.89 प्रतिशत निरीक्षण दर प्राप्त हुई। इसके अतिरिक्त, 39,255 पंजीकृत फैक्ट्रियों में से केवल 3,158 का निरीक्षण किया गया। इससे 8.04 प्रतिशत निरीक्षण मिली। अन्य प्रमुख औद्योगिक राज्यों में भी यह प्रवृत्ति दिखाई देती है। तमिलनाडु में सामान्य निरीक्षण दर 17.0 प्रतिशत और खतरनाक फैक्ट्रियों की निरीक्षण दर 25.39 प्रतिशत थी। गुजरात में सामान्य निरीक्षण दर 19.33 प्रतिशत और खतरनाक फैक्ट्रियों की निरीक्षण दर 19.81 मिली।। 2021 के लिए अखिल भारतीय आंकड़े सामान्य निरीक्षणों के लिए 14.65 प्रतिशत और खतरनाक फैक्ट्रियों के लिए 26.02 प्रतिशत थे। उपर्युक्त विवरण से लिया गया है। खराब निरीक्षण दरों का एक कारण कर्मचारियों की कमी है। महाराष्ट्र में निरीक्षकों की नियुक्ति दर केवल 39.34 प्रतिशत थी। इसमें 122 स्वीकृत अधिकारियों में से केवल 48 कार्यरत थे। गुजरात में नियुक्ति दर 50.91 प्रतिशत रही , तो तमिलनाडु में यह 53.57 प्रतिशत थी। अखिल भारतीय नियुक्ति दर 67.58 प्रतिशत थी। स्वीकृत पदों की संख्या पंजीकृत फैक्ट्रियों की संख्या के सापेक्ष वार्षिक निरीक्षण सुनिश्चित करने के लिए अपर्याप्त रही है। 2021 में, अखिल भारतीय स्तर पर 953 स्वीकृत निरीक्षकों में से प्रत्येक को वार्षिक रूप से 337 पंजीकृत फैक्ट्रियों का निरीक्षण करना पड़ता है।

मई 2024 में, महाराष्ट्र इंडस्ट्री डेवलपमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष ने एक मीडिया रिपोर्ट में स्वीकार किया कि सुरक्षा निरीक्षण और प्रमाणन अक्सर ऑडिटरों और फैक्ट्री मालिकों या प्रबंधकों के बीच समझ के आधार पर किए जाते थे। यह संकेत देता है कि नियोक्ता भी श्रम निरीक्षकों के समान ही दोषी हैं, और भ्रष्ट प्रथाओं की आपूर्ति पक्ष को संबोधित करना मांग पक्ष के सुधार के समान ही महत्वपूर्ण है। प्रदेश सतर पर विशिष्ट सीमा मात्रा के साथ खतरनाक रसायनों और ज्वलनशील गैसों की एक सूची स्थापित की जानी चाहिए। प्रत्येक राज्य को प्रमुख खतरे वाले कार्यस्थलों की सूची बनाए रखनी चाहिए। समें सुविधा का प्रकार, उपयोग किए गए रसायन और संग्रहीत मात्रा का विवरण हो। खतरनाक सामग्री की सूची और इन्वेंट्री को एक केंद्रीकृत डेटाबेस में संग्रहीत करें, जिस तक नियामक निकाय, आपातकालीन प्रतिक्रियाकर्ता, और जनता आसानी से पहुंच सकें।निरीक्षण प्रणाली को उदार बनाने के बजाय, सरकारों को आईएलओ सम्मेलन के प्रावधानों का पालन करके मजबूत श्रम बाजार शासन सुनिश्चित करना होगा। प्रौद्योगिकी में तेजी से प्रगति और खतरनाक और रासायनिक पदार्थों के उपयोग को देखते हुए, सख्त निरीक्षणों की आवश्यकता है। औद्योगिक आपदाओं की पुनरावृत्ति सरकार की विफलता को दर्शाती है कि उसने पिछले घटनाओं से सबक नहीं सीखा है। सुधारों और कमजोर शासन के नाम पर, राज्य अपने मूल कर्तव्य से पीछे नहीं हट सकता कि वह एक सुरक्षित कार्य और जीवन सुनिश्चित करे। एक प्रभावी और नैतिक श्रम निरीक्षण प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए सार्थक सुधारों की आवश्यकता है जो श्रमिकों और समुदाय की सुरक्षा और कल्याण को प्राथमिकता दें। इसके साथ ही फैक्ट्री श्रमिकों का आपदा के समय सुरक्षा के उपाए, कैसे बचाव करें आदि का बार -बार प्रशिक्षण देना होगा। सभी उद्योगों के निरीक्षण के लिए तकनीकि विशेषज्ञों की टीम बनानी होगी।

आकाशीय बिजली से गौवंश हानि रोकने के लिए डीएम ने दिये निर्देश

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। वर्षा कालीन मौसम में आकाशीय बिजली गिरने से निराश्रित एवं पालित गोवंश की होने वाली क्षति को रोकने के लिए जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने आज समस्त संबंधित अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। इस दौरान सीडीओ, सभी खंड विकास अधिकारी, पशु चिकित्सा अधिकारी, जिला पशुपालन अधिकारी, डीपीआरओ एवं अन्य संबंधित जिला स्तरीय अधिकारियों ने भाग लिया। डीएम ने कहा कि वर्षा ऋतु में विशेषकर खेतों एवं खुले मैदानों में चारा चरने गए गोवंश पर आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं लगातार सामने आती हैं, जिससे न केवल पशुपालकों को आर्थिक क्षति होती है, बल्कि समाज में असंतोष की भावना भी जन्म लेती है। इस संवेदनशील विषय पर प्रभावी

रोकथाम और राहत कार्य के लिए उन्होंने सभी अधिकारियों को समयबद्ध कार्ययोजना तैयार कर तत्काल प्रभाव से क्रियान्वयन के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि वह आकाशीय बिजली गिरने के अधिक प्रभावित क्षेत्र व गौशाला में आकाशीय बिजली कुचालक संयंत्र/डिवाइज लगवाना सुनिश्चित करें। गौशालाओं में संरक्षित गोवंश के भरण-पोषण, चिकित्सा सुविधा, साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु सख्त निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गौशाला में पर्याप्त मात्रा में चारे, पानी, शेड एवं बिजली की वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके। इसके साथ ही निराश्रित गोवंश को सड़क एवं खेतों से चिन्हित कर गौशालाओं में लाने के लिए संबंधित ग्राम पंचायत सचिवों एवं ग्राम प्रधानों को भी जिम्मेदार बनाया गया है।

बैठक का समापन करते हुए जिलाधिकारी ने विश्वास जताया कि समन्वित प्रयासों से न केवल गोवंश की हानि को रोका जा सकेगा, बल्कि जिले में गौसंवर्धन एवं पशु कल्याण की दिशा में एक अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया जाएगा।

■ गौशालाओं की व्यवस्थाओं को लेकर भी जारी किये निर्देश

बिजली गिरने की घटनाओं से बचाव हेतु दिशा-निर्देश

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि पशुपालकों को जागरूक करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जाए, जिसमें आकाशीय बिजली से बचाव के उपायों की जानकारी दी जाए। जैसे कि मौसम खराब होने की स्थिति में गोवंश को खुले स्थानों में न छोड़ा जाए, बिजली गिरने की संभावना वाले समय में गोवंश को पेड़ों के नीचे या ऊँचे स्थानों पर न बांधा जाए, पशुओं के पीने का पानी धातु से बने बर्तन में ना रखा जाए। उन्होंने ग्राम स्तर पर मुनादी एवं पम्पलेट वितरण के माध्यम से इस विषय में जानकारी प्रसारित करने के भी निर्देश दिए।

मुड़िया पूर्णिमा मेले में 2 करोड़ श्रद्धालुओं को आने की संभावना : डीएम

मथुरा। गोवर्धन में 4 से 11 जुलाई तक लगने वाले राजकीय मुड़िया पूर्णिमा मेले की तैयारी को लेकर जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार ने अधिकारियों के साथ बैठक की। जिलाधिकारी ने बताया कि 21 किलोमीटर की गिरिराज जी की परिक्रमा में 2 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं की आने की संभावना है। डीएम और एसएसपी ने सभी अधिकारियों को श्रद्धालुओं के साथ अच्छा व्यवहार करने और हर संभव सहायता करने के निर्देश दिए सुपर जोन,जोन और सेक्टर के अधिकारियों के बीच बेहतर संबंध पर विशेष जोर दिया गया। सभी अधिकारियों को अन्य विभागों विशेषकर विद्युत विभाग के अधिकारियों के फोन नंबर रखने को कहा- एसएसपी ने पुलिस कर्मियों को खराब मौसम में भी ड्यूटी सुचारू रूप से निभाने के लिए रेनकोट और छाता साथ रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चलती भीड़ को नहीं रोका जाए बिछड़े हुए व्यक्तियों की मदद के लिए खोया पाया केंद्र का सहयोग दिया जाए।

प्रधानाचार्य व लिपिक मिले अनुपस्थित, शिक्षक नहीं कर रहे थे शिक्षण कार्य

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। आज जिला विद्यालय निरीक्षक रवीन्द्र सिंह बलदेव के श्रीमती कैलाशी देवी अग्रवाल इण्टर कालेज पचावर के अचानक निरीक्षण करने के लिए पहुंच गए । उनके निरीक्षण के समय प्रधानाचार्य व एक लिपिक अनुपस्थित मिले। कोई भी शिक्षक कक्षाओं में शिक्षण कार्य नहीं कर रहे थे। आपस में बातचीत में व्यस्त थे। डीआईओएस को देखकर उनमें हड़कंप मच गया।

डीआईओएस ने बताया कि उन्होंने आज 11.50 बजे श्रीमती कैलाशी देवी अग्रवाल इण्टर कालेज पचावर का निरीक्षण किया जिसमें प्रधानाचार्य प्रेमवीर सिंह रावत व लिपिक यशपाल सिंह अनुपस्थित पाये गये। विद्यालय में किसी भी शिक्षक द्वारा क्लास में शिक्षण कार्य नहीं किया जा रहा था, कोई भी शिक्षक कक्षा कक्षों में उपस्थित नहीं था। आपस में बातचीत में सभी शिक्षक व्यस्त थे।

■ कैलाशी देवी अग्रवाल इंटर कालेज के प्रधानाचार्य सहित सभी स्टाप का एक दिन का वेतन रोका

उनके द्वारा उक्त विद्यालय के पूर्व में तीन निरीक्षणों के समय भी विद्यालय में यही स्थिति पायी गयी थी। यह स्थिति अत्यन्त खेदजनक व शिक्षण कार्य के प्रति घोर लापरवाही व उदासीनता का द्योतक है, बार-बार निरीक्षण के समय विद्यालय में शिक्षकों का कक्षा कक्षों में उपस्थित न होना यह दर्शाता है कि विद्यालय में पठन-पाठन सुचारू रूप से नहीं किया जा रहा है।

अब उन्होंने श्रीमती कैलाशी देवी इण्टर कालेज पचावर के समस्त शैक्षिक स्टाफ का एक दिन का वेतन काटने हेतु आदेश एकाउंट आफीसर को दिए हैं। ताकि भविष्य में यदि उक्त स्थिति की पुनरावृत्ति पायी जाती है तो शिक्षकों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

कम छात्र संख्या वाले जिले के 74 विद्यालय हुए समाप्त

मथुरा (अवधनामा संवाददाता)। जनपद के 10 ब्लाकों के 20 या 20 से कम छात्र संख्या वाले 74 विद्यालयों को समाप्त करके समीप के विद्यालयों में अटैच कर दिया है। जिससे शिक्षकों में हड़कंप मच गया है। प्रभारी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कैलाश चंद्र शुक्ला ने बताया कि शिक्षा निदेशक के आदेश के अनुसार जनपद के फरह ब्लाक के तीन, मथुरा ब्लाक के चार, नौहझील ब्लाक के 9, गोवर्धन ब्लाक के 15, राया ब्लाक के 6, मांट ब्लाक के 14 विद्यालयों सहित कुल 74 प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों की छात्र संख्या 20 या उससे कम होने के कारण समीप के विद्यालयों से संबद्ध कर दिया गया है। उन्होंने उक्त विद्यालयों के शिक्षकों, प्रधानाध्यापक, इंचार्ज प्रधानाध्यापकों से कहा कि वे अपने छात्र-छात्राओं सहित उक्त विद्यालयों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं।

चन्दौसी के अधिवक्ता ने जीती अपनी लड़ाई

अवधनामा संवाददाता

संभल। चंदौसी निवासी अधिवक्ता विष्णु मिश्रा एडवोकेट ने हिताची इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित एक एयर कंडीशनर एसी चंदौसी स्थित शिवहरि इलेक्ट्रॉनिक से 23 जुलाई 2018 को क्रय की थी शुरू से ही उसमें निर्माण संबंधी दोष व्याप्त थे जिसकी शिकायत कई बार उन्होंने दुकानदार और कंपनी से की जो मरमत उपरान्त शुरू हो जाती थी और पुनः खराब हो जाती थी।

बार-बार शिकायत आने पर जब शिकायत दूर नहीं हुई तो उन्होंने उपभोक्ता मामलों के विशेषज्ञ अधिवक्ता लव मोहन वार्ष्णेय से संपर्क किया और अपनी व्यथा बताई उनकी बातों को लव मोहन वार्ष्णेय एडवोकेट द्वाराआयोग में रखा आयोग ने दुकानदार और हिताची कंपनी को तलब किया तलब करने

■ अधिवक्ता की ए सी को बदलें अथवा उसका क्रय मूल्य वापस करे : उपभोक्ता आयोग

के उपरांत सभी ने अपने पक्ष रखें आयोग ने दोनों पक्षों को सुना और सुनने की उपरांत विपक्षी हिताची इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को आदेशित किया कि वह परिवादी विष्णु मिश्रा को प्रश्नगत ए सी हिताची मॉडल नंबर सीएसडी 318 को बदलकर उसी मेक व मॉडल का नया ए सी अंदर दो माह में प्रदान करें अथवा ए सी का क्रय मूल्य मुबलिग 42900 उस पर परिवाद संस्थान की तिथि से 7 फीसदी वार्षिक ब्याज सहित अदा करें इसके अलावा परिवादी को मुबलिग 10000 मानसिक कस्ट एवं आर्थिक हानि के मद में तथा 5000 बाद व्यय के मद में भी अदा करेंगे।

घर से भागा बालक मुंबई से बरामद, बाल कल्याण समिति ने परिजनों को सौंपा

चंदौसी/संभल। थाना कुढ़ फतेहगढ़ क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव बिचेटा निवासी 12 वर्षीय सुनील स/ह अर्जुन आठ माह पूर्व अचानक घर से लापता हो गया था। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई सुराग नहीं लग पाया था। इस बीच वह किसी तरह मुंबई पहुंच गया, जहां वह रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध अवस्था में मुंबई पुलिस को मिला।पुलिस द्वारा पूछताछ के दौरान जब उसने अपना नाम, गांव व पिता का नाम बताया तो तुरंत बाल संरक्षण कानूनों के तहत उसे बालगृह में भेज दिया गया। पिछले आठ माह से वह मुंबई के एक बालगृह में रह रहा था। बातचीत के दौरान पता चला कि बच्चा सम्भल जिले का है तो मुम्बई पुलिस ने बाल कल्याण समिति सम्भल से सम्पर्क किया,बाल कल्याण समिति के अथक प्रयास के बाद जब उसकी पहचान पूरी तरह से सुनिश्चित हो गई, तो मुंबई पुलिस उसे लेकर बाल कल्याण समिति सम्भल पहुंची।

मोहर्रम की 5 तारीख को कदीमी मेहंदी का जुलूस बरामद हुआ

अवधनामा संवाददाता

हरदोई। बिलग्राम मोहल्ला सैय्यद वाड़ा बिलग्राम मेहंदी का जुलूस लाल मोहम्मद के यहां से उठाया गया यह जुलूस इमाम हुसैन के भतीजे जनाबे कासिम इमाम हसन की याद में उठाया जाता है आपको बताते चलें कि कर्बला के मैदान में जब इमाम हुसैन दुश्मनों में गिरे हुए थे उस वक्त इमाम हुसैन के भाई इमाम हसन की वसीयत पर रोजे आशूर अमल किया गया इमाम हुसैन को उन्न के भाई ने वसीयत की थी मेरे बाद वह वक्त आएगा की जब यज़ीद आपसे बैअत का सवाल करेगा आपके इंकार पर नाना का मदीना छोड़ने पर आप को मजबूर किया जाएगा और जब कर्बला के मैदान में आप को घेर लिया जाए तो मेरे बेटे कासिम की शादी अपनी बेटी से कर दीजिएगा यही वजह है कर्बला के मैदान में सिर्फ अपने भाई की वसीयत

■ बिलग्राम अन्जुमन आजाए हुसैन अंजुमन हैदरिया ने मातम व नोहाख्वानी कर जुलूस को उठाया

पर अमल किया गया जब जनाबे कासिम अपने चाचा से मरने की इजाजत मांगने आए और साथ में एक अपने बाप की लिखा हुआ ताबीज लेकर आए जो इमाम हुसैन को पेश किया जिसमें लिखा हुआ था ए भाई हुसैन कर्बला के मैदान में मैं तो मौजूद ना हूँगा लेकिन मेरे बेटे को मेरी जानिब से मरने की इजाजत दे दीजिएगा जब जनाबे कासिम के ताबीज को इमाम हुसैन ने देखा तो रो पड़े और कहा मेरे लाल कासिम तुमने मुझे इजाजत देने पर मजबूर कर दिया लेकिन मेरे भाई ने मुझे भी एक वसीयत की थी मैं चाहता हूं उस वसीयत पर भी अमल हो जाए और इस ताबीज पर भी अमल हो जाए यह कहकर जनाबे कासिम को खमे में ले गए और तमाम औरतों को जमा किया।

संक्षिप्त समाचार

स्माइल योजना के तहत रूकेगी भीक्षावृत्ति

मथुरा (अवधनामा संवाददाता)। जनपद में बढ़ती भीक्षावृत्ति के रोकथाम के लिए समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित स्माइल योजना के तहत जिला प्रशासन भिक्षुकों के विरूद्ध कार्रवाई करके उनका पुर्नवास करेगा। जिसके तहत राजीव भवन स्थित सीडीओ कार्यालय में मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना की अध्यक्षता में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित स्माइल योजना के अंतर्गत जनपद में भीक्षावृत्ति की रोकथाम हेतु स्वयंसेवी संस्थाओं के चयन हेतु जनपद स्तरीय चयन समिति की बैठक हुई। जनपद स्तर पर संस्थाओं के चयन हेतु अपनाई गई प्रक्रिया के तहत पांच संस्थाओं के प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। सीडीओ ने बताया कि मंगलवार को हुई बैठक में पांच संस्थाओं में से चार संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने प्रतिभाग किया, जिनका साक्षात्कार जनपद स्तरीय चयन समिति के द्वारा किया गया। पांच संस्थाओ में से किसी एक संस्था का चयन जनपद में भीक्षावृत्ति की रोकथाम हेतु संचालित स्माइल योजना के अंतर्गत किया जाएगा। बैठक में समिति में अन्य सदस्य अपर पुलिस अधीक्षक, उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी, अपर नगर आयुक्त, जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं जिला समाज कल्याण अधिकारी उपस्थित थे।

40 श्रद्धालुओं का जत्था पवित्र अमरनाथ यात्रा के लिए हर्षोल्लास के साथ रवाना

हरदोई (अवधनामा संवाददाता)। बिलग्राम नगर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से 40 श्रद्धालुओं का जत्था पवित्र अमरनाथ यात्रा के लिए हर्षोल्लास के साथ रवाना हुआ। यात्रा से पहले सभी श्रद्धालु बाबा मंशनाथ मंदिर में एकत्रित हुए, जहां ढोल-नगाड़ों की गूंज और भक्ति भरे माहौल में उन्हें फूल-मालाओं से सम्मानित किया गया। इसके बाद, श्रद्धालुओं को बस के माध्यम से हरदोई रेलवे स्टेशन तक विदाई दी गई, जहां से वे ट्रेन द्वारा जम्मू के लिए रवाना हुए। यह जत्था जम्मू से बस के जरिए पवित्र अमरनाथ धाम की ओर बढ़ेगा और 10 दिन की इस आध्यात्मिक यात्रा को पूर्ण कर वापस लौटेगा। यात्रियों में लल्ला गुप्ता, अखिलेन्द्र यादव, सजल गुप्ता, मनोज सोनी, सुनील शुक्ला, दिनेश गुप्ता सहित 40 श्रद्धालु शामिल हैं, जो बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए उत्साहित हैं। नगर के सैकड़ों लोगों ने इस अवसर पर उत्साह दिखाया। अचल गुप्ता, अंकुर प्रजापति, पप्पी शुक्ला, नमो नारायण, रवि यादव और अन्य ने श्रद्धालुओं को फूल-मालाएं पहनाकर और शुभकामनाएं देकर विदाई दी।

डीएम की अध्यक्षता में हुई रोगी कल्याण समिति की बैठक

हरदोई (अवधनामा संवाददाता)। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में रोगी कल्याण समिति की बैठक हुई। जिलाधिकारी ने रोगी कल्याण समिति के बजट दस्तावेजों को देखा। उन्होंने कहा कि रोगी कल्याण समिति में धनराशि जुटाने के लिए अतिरिक्त प्रयास किये जाएं। मरीजों के लिए सुविधाओं को बेहतर बनाया जाये। संस्थागत प्रसव की संख्या बढ़ाई जाये। विभिन्न प्रकार की सर्जरी के लिए प्रत्येक सर्जन का एक लक्ष्य निर्धारित किया जाये। 100 बेड अस्पताल में बेरा जाँच की संख्या बढ़ाई जाये। मरीजों के लिए पेयजल, शौचालय व अन्य सुविधाओं का विस्तार किया जाये। मरीजों के लिए सूचना डेस्क स्थापित की जाये। आयुष्मान कार्ड के लिए एक अलग हेल्प डेस्क बनवाया जाये। जिला अस्पताल के सभी सीसीटीवी कैमरों की सक्रियता सुनिश्चित की जाये।

बालश्रम से मुक्त कराये गये किशोर श्रमिक

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। बाल श्रम प्रतिषेध एवं विनियमन अधिनियम 1986 यथा संशोधित बाल एवं किशोर श्रम प्रतिषेध एवं विनियमन अधिनियम 2016 के अन्तर्गत खतरनाक, गैर खतरनाक व्यवसाय, प्रक्रियाओं में नियोजित बाल एवं किशोर श्रमिक पाये जाने पर नगर क्षेत्र की 03 दुकानों में नियोजित 03 बाल/किशोर श्रमिक चिन्हित किये गये और उन्हें बाल श्रम से मुक्त कराया गया। राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग एवं जिलाधिकारी के निर्देशन में बाल श्रम के विरूद्ध अभियान चलाया गया। श्रम प्रवर्तन अधिकारी अनिल कुमार ने जानकारी दी गयी कि संज्ञान में आया है कि शादी-विवाह समारोह कार्यक्रमों में यदि कोई भी बाल, किशोर, श्रमिक, कर्मचारी टेन्ट, केटरिंग, ढोल, इत्यादि कार्यों में किसी भी प्रकार का श्रमिक, कर्मचारी के रूप में कार्य करता पाया गया तो तत्काल मैरिज हॉल संचालक के विरूद्ध कठोरतम, दण्डात्मक

■ श्रम विभाग ने तीन दुकानदारों को थमाया नोटिस

कार्यवाही की जायेगी। जहां बाल श्रम कराया जा रहा है वहां प्रत्येक माह बाल श्रम रोकने के उद्देश्य से निरीक्षण किया जायेगा। जनपद को बाल श्रम मुक्त कराये जाने हेतु निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं एवं बाल श्रम कानून का उल्लंघन करने पर सम्बन्धित सेवायोजकों, दुकानदारों के विरूद्ध नोटिस भेजने के उपरान्त प्राभियोजन दायर करने की कार्यवाही की जायेगी, यह कार्य निरन्तर किया जायेगा और शासन के आदेशानुसार प्रत्येक माह कार्यवाही की जायेगी। जिसमें 20 से 70 हजार तक जुर्माना व 6 माह से 02 साल तक की सजा अथवा दोनो का प्रावधान है। निरीक्षण टीम बाल श्रम मुक्त कराने हेतु निरन्तर प्रयास कर रही है। निरीक्षण के समय श्रम प्रवर्तन अधिकारी अनिल कुमार, क्षेत्राधिकारी आर.के.श्रीवास्तव, मानव तस्कर रोधी थाना प्रभारी हरिशंकर सिंह, उपनिरीक्षक राजकुमार यादव, महिला हे.का.सीता देवी, श्रम विभाग कुलदीप गुप्ता, रामप्रताप सिंह उपस्थित रहे।

काशीराम बाबा के निधन पर श्रद्धांजलि सभा

ललितपुर। समाजसेवी साहू समाज की संरक्षक काशीराम बाबा की एक गार्डन में श्रद्धांजलि सभा एवं प्रसादी वितरण का कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसमें सर्वप्रथम उनके चित्र की समक्ष साहू समाज के अध्यक्ष एवं उनके परिजनों नेदीपक जलाकर पुष्प अर्पित किए। इसके ठीक बाद कार्यक्रम का संचालन उनकी अभिन्न साथी रामस्वरूप भाई एड एवं सत्यनारायण भाई एड. ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान सुबह 11 बजे से दे रात्रि 11 बजे तक नगर के संभ्रांत युवा समाज सेवी संगठनों राजनीतिक दलों के नेताओं ने बाबाजी की साथ बीते पलों को साझा किया। बताते चलें कि स्व.काशीराम बाबाजी वैसे तो दिल से वह कांग्रेसी थे लेकिन सभी दलों में उनको बहुत सम्मान मिलता था। वह 94 साल की उम्र के बाद भी कहीं जाने में थकते नहीं थे। उन्होंने जीवन भर एक कच्चे मकान मेंअपने बच्चों के साथ बिताया है। आपने कभी पैसे की कामना नहीं की, जो कुछ था, संतोष किया और अपने बच्चों को भी यही शिक्षा दी।

पेट्रोल पम्प पर दबंगों ने किया हमला, एफआईआर दर्ज

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। कोतवाली पुलिस ने पेट्रोल पंप पर हुए हमले के मामले में तीन आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की है। घटना बीती 01 जुलाई को रात करीब 9.30 बजे लक्ष्मीपुरा स्थित एक पेट्रोल पंप पर घटित हुई।

शिकायतकर्ता संजय जायसवाल ने बताया कि वह अपने चचेरे भाई संजीव जायसवाल और कर्मचारी रवि रजक के साथ पेट्रोल पंप पर मौजूद थे। तभी रोहित पटेल (निवासी चौकाबाग) अपने साथियों के साथ मोटरसाइकिल से वहां पहुंचा और पेट्रोल पंप के कमरे में एक बैग रखने लगा। जब कर्मचारी ने उसे मना किया, तो रोहित और उसके साथियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। इसके बाद उन्होंने संजय, संजीव और रवि पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे सभी को शारीरिक चोटें आईं। हमलावरों ने जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पीड़ितों की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 352, 351(3) के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान शुरू कर दिया है। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस से क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। पीड़ित परिवार ने न्याय की उम्मीद जताई है।

बालाजी विद्या मंदिर प्रांगण में हुआ वृक्षारोपण

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर (जखौरा) । वन विभाग रेंज जखौरा द्वारा बालाजी विद्या मंदिर स्कूल परिसर में मंगलवार के दिन रेंज अधिकारी जखौरा शहजादा इस्लामुद्दीन के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने वृक्षारोपण किया। इस दौरान रेंज अधिकारी ने कहा कि हम सभी को एक-एक पौधा अपने जीवन काल में अवश्य लगाना चाहिए।

बालाजी विद्या मंदिर के प्रबंधक अरुण ताम्रकार ने कहा कि हम सभी का दायित्व बनता है कि यदि प्रकृति हमें इतना सब कुछ देती है तो हमें भी उसको कुछ वापिस करना चाहिए और वृक्ष लगाना उसका सही उदाहरण है । अमरेश सिंह लोधी गोरा ने कहा कि हम सभी अपनी जिंदगी में चाहे एक पौधा लगाए लेकिन कोशिश होनी चाहिए कि उस पौधे की देखरेख तब तक करें जब तक वह वृक्ष न बन जाए । इस दौरान मंसाराम नायक कल्याणपुर, वन दरोगा विनोद कुमार, वनरक्षक अनामिका, फूल सिंह प्रभारी वीट जखौरा, आशाराम प्रभारी वीट ननौरा, पप्पू, कैलाश कुशवाहा, शिशुपाल सिंह, शारदा ग्राम पंचायत सदस्य जखौरा एवं विद्यालय का परिवार वृक्षारोपण के द्वौरान मौजूद रहा।

पत्नी की बेवफाई की भेंट चढ़ा एक और पति

मथुरा । पति को परमेश्वर की तरह पूजने वाले देश में पत्नियां धीरे धीरे बेरहम होती जा रही है आए दिन घटनाएं सामने आ रही हैं जिसके चलते पुरुषों में बेचैनी पनपने लगी है देश में बीते कुछ दिनों में ऐसे तमाम किस्सों ने देश की आत्मा को झकझोर कर रख दिया है ऐसा ही एक मामला मथुरा जनपद के कोसीकलां के गांव ऐंच में देखने को मिला है जहां एक युवक की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। मृतक के परिजन हत्या का आरोप पत्नी के प्रेमी पर लगा रहे हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।जानकारी के अनुसार गांव का गोविंद मंगलवार की शाम 6 बजे शराब पीकर गांव से निकला था। देर रात तक जब वह घर नहीं लौटा, तो परिजन उसे खोजने निकले। गांव से करीब 500 मीटर दूर एक भट्टे के पास गोविंद का शव खून से लथपथ मिला। ग्रामीणों ने रात करीब 11:30 बजे पुलिस को सूचना दी। प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार निर्वाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

विकास परियोजनाओं का हो रहा बंदरबाट

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। दो सांसद,5 विधायक जिसमें एक केबिनेट मंत्री साथ ही एमएलसी और जिला पंचायत अध्यक्ष तक पर भाजपा का कब्जा बरकरार है, प्रदेश सहित मथुरा जनपद में विकास परियोजनाओं की लगातार बड़ी बड़ी घोषणाएं आए दिन सुनाई दे रही है तमाम सरकारी भवनों का भी निर्माण कार्य जोरशोर से हो रहा है चाहे उनकी किसी को जरूरत हो या ना हो पर बन कर खड़े हो रहे हैं, वहीं आम जनता को भाजपा सरकार में ना तो जीते जी सकून की श्वास मिल पा रही है, वही मरने के बाद उसके अंतिम संस्कार का भी फ़जीता होता दिखाई दे रहा है, योगी आदित्यनाथ बार बार सरकारी कार्यालय और सार्वजनिक मंचों से लाख घोषणाएं कर रहे है पर धरातल पर उनकी ही सरकार में उनके अधीनस्थों को उनकी बात समझ नहीं आती दिखाई दे रही है। गांवों में

■ जरूरत के संसाधनों पर नहीं कोई सरकारी बाबुओं का ध्यान

श्मशान स्थल बनवाने के लिए सरकार जहां गंभीर है तो वहीं मथुरा के एक गांव में बारिश के बीच तिरपाल तानकर महिला का अंतिम संस्कार करना पड़ा। गांव में श्मशान स्थल नहीं है। ग्रामीणों के सामने इस तरह से अंतिम संस्कार करने के अलावा कोई चारा नहीं रह गया था। जबकि सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ जहां श्मशान स्थलों को अतिक्रमण मुक्त और चहारदीवारी करने के आदेश दे रहे हैं, वहीं अधिकारी लापरवाही बरत रहे हैं।

फरह थाना क्षेत्र के गांव पींगरी निवासी अनिल की पत्नी भूरी देवी (22) कई साल से कैंसर से पीड़ित थीं। मंगलवार सुबह उनकी मौत हो गई। तेज बारिश होने के कारण परिजनों को अंतिम संस्कार में परेशानी हुई। काफी इंतजार करने के बाद भी जब बारिश नहीं रुकी तो खेत में तिरपाल तानकर शव का अंतिम संस्कार किया।

ग्राम प्रधान थान सिंह ने बताया कि तत्कालीन डीपीआरओ किरन चौधरी एवं बीडीओ सहित कई अधिकारियों को गांव में श्मशान घाट बनाने के लिए पत्र लिखे, लेकिन अधिकारियों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। श्मशान स्थल न होने के कारण बारिश के दिनों में ग्रामीणों को शव का अंतिम संस्कार करने में काफी परेशानी होती है। खुले आसमान के नीचे खेत में ही शव का अंतिम संस्कार करना पड़ता है।

डीपीआरओ धनंजय जायसवाल ने बताया कि 495 ग्राम पंचायतों में से 90 ग्राम पंचायतों में श्मशान स्थल आवंटित किए गए हैं। जहां जरूरत होगी वहां का प्रस्ताव भेजकर श्मशान स्थल बनवाया जाएगा। गांव पींगरी के प्रधान से प्रस्ताव लेकर गांव में श्मशान स्थल बनवाया जाएगा।

एआइपीएमएम के प्रतिनिधिमंडल ने बिहार के राज्यपाल से की भेंट

अवधनामा संवाददाता

पटना। विगत 1 जुलाई, 2025 को पटना, बिहार में ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज़ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष शारिक़ अदीब अंसारी के नेतृत्व में आल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज का एक प्रतिनिधिमंडल पटना स्थित राजभवन में बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद ख़ान से भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में उपस्थित सभी सदस्यों का एक-एक कर परिचय कराया गया,जिसके पश्चात राज्यपाल ने सभी को अपने साथ नाश्ते पर आमंत्रित किया और सौहार्द्रपूर्ण वातावरण में संवाद हुआ। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को बिहार में पसमांदा समाज की शिक्षा में पिछड़ापन, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी, सरकारी योजनाओं में पसमांदा भागीदारी का अभाव, तथा राजनीतिक प्रतिनिधित्व की उपेक्षा जैसे महत्त्वपूर्ण मुद्दों से अवगत कराया गया। साथ ही पसमांदा आंदोलन की दिशा, उद्देश्य और देशभर में चल रही गतिविधियों की भी जानकारी दी गई। पसमांदा समाज के हितों की रक्षा एवं उत्थान हेतु राज्य स्तर पर प्रभावी कदम उठाए जाने की अपील करते हुए एक ज्ञापन भी सौंपा गया। राज्यपाल ने ध्यानपूर्वक सभी बातें सुनीं और संबंधित मुद्दों पर संवेदनशीलता जताई। यह भेंट पसमांदा समाज की आवाज़ को राज्य स्तर पर पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कड़ी रही।

दंगल प्रतियोगिता: महिला पहलवानों की कुश्ती देखने के लिए उमड़ी दर्शकों की भीड़

■ मां मदारन देवी मंदिर परिसर चरखारी में आयोजित हुई दंगल प्रतियोगिता

अवधनामा संवाददाता

महोबा। तहसील चरखारी क्षेत्र के मां मदारन देवी मंदिर में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिवस पर दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दंगल प्रतियोगिता में पुरुष के अलावा महिला पहलवानों के मध्य भी कुश्तियां हुई, जिसे देखने के लिए क्षेत्र के ग्रामीण अंचलों से लोगों की खासी भीड़ जुटी। दंगल में देश के कई शहरों के पहलवानों ने प्रतिभाग करते हुए अपने दांवपेच दिखाकर दर्शकों का मनोरंजन किया।दंगल प्रतियोगिता का उद्घाटन पूर्व मंत्री दद्दू प्रसाद यादव ने किया, इसके बाद पहलवानों के हाथ मिलाकर कुश्ती का आगाज कराया। प्रतियोगिता में कानपुर से आए पहलवान आशीष और प्रयागराज के अंशुल के मध्य पहली कुश्ती का मुकाबला हुआ, जिसमें दोनो पहलवानों ने अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए एक दूसरे को पटखनी देने की कोशिश की, लेकिन आखिर तक कोई निर्णय नहीं निकल सका और यह कुश्ती बराबर रही। इसके बाद इटावा के शिवा व फिरोजाबाद के सत्येंद्र के बीच भी कुश्ती हुई और यह मुकाबला भी ड्रॉ हो गया। पुरुष वर्ग का आखिरी मुकाबला गाजियाबाद के हैप्पी यादव और फिरोजाबाद के सत्येंद्र के मध्य हुआ, जिसमें हैप्पी यादव ने सत्येंद्र को हराकर 11 हजार रुपये का पुरस्कार जीता। दंगल प्रतियोगिता के अंत में महिला वर्ग की कुश्ती में दिल्ली की वैशाली और इटावा की पूनम के बीच कराया गया। दोनो महिला पहलवानों ने एक दूसरे को हराने के लिए काफी देर तक जोर आजमाईश की, लेकिन कोई निर्णय न निकलने के बाद रैफरी द्वारा कुश्ती बराबर रही। महिला पहलवानों की कुश्ती देखने के लिए सर्वाधिक दर्शकों की भीड़ रही। कार्यक्रम का आयोजन सपा छात्र सभा के जिलाध्यक्ष गंगा सिंह यादव और अंकित सिंह पटेल ने किया। इस मौके पर सपा जिलाध्यक्ष शोभालाल यादव, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि पप्पू कुशवाहा सहित कई सपा नेता मौजूद रहे। कार्यक्रम में अखिलेश यादव के जन्मदिन पर केक काटा गया। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री ने कहा कि खेलों से आपसी भाईचारा बढ़ता है और समाजवादी पार्टी युवाओं को खेलों से जोड़ने का काम कर रही है।

लहचूरा बांध के फाटक खोल कर 45.500 क्यूसेक पानी छोड़ा

■ खतरे के निशान के ऊपर पानी आने पर बांध के आस पास के छह गांव को किया अलर्ट

अवधनामा संवाददाता

महोबा। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित लहच्यूरा बांध में पानी का स्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। मध्य प्रदेश में हो रही भारी बारिश और पहाड़ी क्षेत्रों से आ रहे पानी के कारण बांध लबालब भर गया है। सिंचाई विभाग ने बांध के पांच फाटक खोलकर धसान नदी में 45.500 क्यूसेक पानी छोड़ा है। बांध की अधिकतम जल संग्रहण क्षमता 182.30 मीटर है। सुखनई नदी और आसपास के जल स्रोतों से भी पानी की भारी आवक हुई है। सिंचाई विभाग ने धसान नदी किनारे बसे छह गांवों में मुनादी कराकर अलर्ट जारी कर दिया है। ग्रामीणों को नदी के पास न जाने की हिदायत भी दी गई है।बांध में तेजी से बढते जल स्तर को देखते हुए सिंचाई विभाग ने अर्जुन सहायक नहर में 1.200 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। यह पानी चरखारी तहसील के अर्जुन बांध तक पहुंचेगा। जिससे खाली पड़े अर्जुन बाध का जल स्तर बढेगा और सिंचाई के मौसम में किसानों को अर्जुन बांध से सिंचाई में मदद मिलेगी। लहच्यूरा बांध के अवर अभियंता रामआसरे का कहना है कि एमपी में हो रही तेज बारिश के चलते बांध का जल स्तर बढता देख जलस्तर को नियंत्रित करने के लिए फाटक खोले गए हैं। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। बांध पनर सिंचाई विभाग के कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी गई है, जो दिन रात ड्यूटी करके बांध के बढते जल स्तर की वस्तु स्थिति से अवगत करा रहे है। प्रशासन की चेतावनी और तैयारी से संभावित खतरा टला है। जलभराव वाले इलाकों में रह रहे लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

विवाहिता को प्रताड़ित कर तीन तलाक देकर घर से निकाला

उन्नाव। कोतवाली बांगरमऊ के गंजमुरादाबाद क्षेत्र में दहेज की मांग को लेकर एक विवाहिता को न केवल शारीरिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ा, बल्कि उसे तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया गया। इस मामले में पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया कि उसके दामाद और ससुराल वालों ने उसकी बेटी के साथ दहेज के लिए न केवल मारपीट की, बल्कि उसे मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान भी किया। बांगरमऊ थाना क्षेत्र के गांव रघुरामपुर की है, जहां फैयाज पुत्र मुन्ने ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। फैयाज ने बताया कि उसकी बेटी चांदनी का विवाह डेढ़ साल पहले आसीवन थाना क्षेत्र में हुआ था। विवाह के बाद से ही ससुराल पक्ष ने अतिरिक्त दहेज की मांग शुरू कर दी थी। पीड़िता के ससुराल वालों ने दो लाख रुपए नगद और एक कार की मांग की, जिसके न पूरे होने पर चांदनी को लगातार प्रताड़ित किया जा रहा था। फैयाज के मुताबिक, इस मुद्दे को लेकर कई बार सुलह की कोशिशें की गई, लेकिन ससुराल वाले नहीं माने। 20 जून को चांदनी को मारपीट कर घर से निकाल दिया गया। इसके बाद, 29 जून को जब चांदनी अकेली थी, तो उसके पति शाह आलम और देवर शाहनवाज ने घर में घुसकर उसे धमकाया और पुलिस से की गई।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर स्कूली वाहनों की चेकिंग

■ अलग अलग स्कूल मार्गों पर जाकर यातायात पुलिस ने की सघन चेकिंग

अवधनामा संवाददाता

महोबा। पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह के निर्देशन में जिले मं यातायात प्रभारी सुनील कुमार सिंह ने यातायात पुलिस टीम के साथ बुधवार को शहर के विभिन्न मार्गों में स्कूली वाहनों की चेकिंग के लिए सघन चेकिंग अभियान चलाया। एक एक स्कूली बस को रोककर वाहनों की बारीकी से जांच की गई। चेकिंग अभियान के दौरान स्कूली बसों, वैन एवं अन्य वाहनों में स्कूली बच्चों को लाने.ले जाने वाले वाहनों की फिटनेस, वैध परमिट, चालक का वैध ड्राइविंग लाइसेंस, बीमा, फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र, इमरजेंसी गेट, सिटिंग कैपेसिटी आदि की भी जांच की गई। चेकिंग अभियान के दौरान एक के एक मार्ग में जाकर स्कूली वाहनों को चेक किया। कई स्कूली वाहनों में सुरक्षा मानकों में कमी पाए जाने पर सम्बन्धित वाहन स्वामियों एवं विद्यालय प्रबंधनों को सख्त हिदायत दी गई कि भविष्य में किसी प्रकार की लापरवाही पाई गई तो उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।साथ ही सुरक्षा मानकों की कमी को दूर करने पर की भी बात कही।

व्यापार की सफलता के लिए कडी मेहनत एवं मिष्ठा जरूरी है : शमीम

गुरसहायगंज, कन्नौज। समधन हाईवे पर एक प्रतिष्ठान का भारतीय किसान यूनियन प्रदेश उपाध्यक्ष शमीम सिद्दीकी ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि व्यापार में सफलता के लिए परिश्रम एवं निष्ठा जरूरी है। इसलिए व्यापारी को पूरी ईमानदारी के साथ निष्ठा पूर्वक कार्य करना चाहिए। बीते दिन हिंदुस्तान भोजनालय का फीता काटकर उद्घाटन करने के उपरांत भाकियू प्रदेश उपाध्यक्ष शमीम सिद्दीकी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश में व्यापार की स्थिति दयनीय है। किसानों एवं व्यापारियों के लिए इस सरकार में कुछ नहीं है। भारतीय किसान यूनियन हमेशा सरकार की जन एवं किसान विरोधी नीतियों का विरोध करती आ रही है। किसानों का अधिकार सरकार के बिचौलिए ले रहे हैं। महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष कुसुम चौहान ने कहा व्यापारियों को व्यापार के प्रति पूरी निष्ठा के साथ कार्य करना चाहिए। इससे पूर्व मुख्य अतिथि का आयोजको द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। अवसर पर उनके साथ समधन नगर अध्यक्ष मुइन खान, इरशाद अली, फकरे आलम, जैनुल अंसारी, राजा अनमोल सिंह चौहान, राहुल कुमार आदि मौजूद रहे।

सपा कार्यालय में मना राष्ट्रीय अध्यक्ष का जन्मदिन

अवधनामा संवाददाता

उन्नाव। समाजवादी पार्टी कार्यालय सिविल लाइंस में पीडीए के जननायक एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का जन्मदिन जनपद के सपा नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर बड़ी ही धूमधाम एवं पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर सभी ने केक काटकर एवं मिठाई बाँटकर राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट करते हुए उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की मंगल कामना की और साथ ही सभी ने 2027 में अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प भी लिया। आज का यह कार्यक्रम न केवल अपने नेता के प्रति आस्था व सम्मान का प्रतीक था बल्कि समाजवादी विचारधारा में निहित सेवा,समर्पण एवं सामुदायिक भावना का सजीव उदाहरण भी रहा। जन्मदिवस समारोह मे वरिष्ठ सपा नेता पूर्व विधायक उदयराज यादव व जिला अध्यक्ष राजेश यादव ने केक काटकर सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का जन्मदिन मनाया इस दौरान पूर्व विधायक सुन्दरलाल लोधी, पूर्व विधायक सुन्दरलाल कुरील, हेमंत पाल,सी के त्रिपाठी, राजेश कुमार उर्फ़ साधू, शिवशंकर गौतम, धीरेन्द्र यादव, हाजी सैय्यद इरफ़ान, रामबहादुर यादव, रमन पटेल, मुकेश रावत, अमन अंजुम, अंकित यादव, लकी यादव, राहुल अग्निहोत्री, राजेन्द्र कुमार, बिंदेस्वरूप यादव, रजनीकांत श्रीवास्तव, राहुल गौतम, पंकज लोधी, सैफ ख़ान, नियाज ख़ान, जितेंद्र कुशवाहा, नितिन पटेल, अफ़ज़ाल अहमद, बालेंद्र सिंह, अखिलेश यादव शीलू, मनीष सैनी, मोहित लोधी, लवकेश श्रीवास्तव, अजय यादव, निर्भय यादव, छोटेलाल भारतीय आदि नेतागण व पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

मोहर्रम के छठे दिन औनो मौहम्मद के शबीहे ताबूत बरामद

संभल। मोहर्रम के छठे दिन औनो मौहम्मद के शबीहे ताबूत बरामद किये गये अजॉदारो ने गमगीन माहौल मे नोहे पढकर मातम किया ! कर्बला सन 60 हिजरी मैं के दसवे दिन इमाम हुसैन की बहन जनाबे जैनब के बेटे औनो मौहम्मद ने मामूजान इमाम हुसैन की खिदमत मे हाजिर हो कर मैदाने जंग मे जाने की इजाजत मांगी इजाजत मिलने पर हजारों के लशकर के साथ जंग करते हुए दोनो बच्चे शहीद हो गये तीन दिन के भूखे प्यासे बच्चों के लाशो को इमाम हुसैन खेमे के करीब ले कर आये तो अहलेहरम में कोहराम मंच गया अपने मामू जान पर अपनी जान को फिदा करने वाले बच्चों की याद मे मोहर्रम के छठे दिन मातम किया जाता है ! शहर के मुहल्ला नूरियो सराय हुसैन खॉ सराय मे औनो मुहम्मद की याद मे शबीहे ताबूत बरामद किये गये शबीहे ताबूतो की अजॉदारो ने जियारत करके मातम और नोहाख्वानी बरपा की कल आज संभल मे ऐतिहासिक अलमो का जुलूस बरामद किया जायेगा जिसके लिए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किये है इस के साथ निर्देश दिये है कि ना बालिग बच्चो के हाथों मे अलम न दे और गम का पर्व गमगीन माहौल मे मनाये नूरियो सराय मे रात 12 बजे मेहंदी का मातमी जुलूस बरामद किया जायेगा।

कोटेदार ने हड़पा गरीबों का निवाला

अवधनामा संवाददाता

■ शिकायत लेकर एसडीएम की चौखट पर पहुंचे ग्रामीण

उन्नाव। बांगरमऊ क्षेत्र के ग्राम आलमऊ सरांय के कोटेदार ने राशनकार्ड धारकों के अंगूठे पास मशीन पर लगवा लिए किंतु उन्हें राशन वितरण न कर कोटेदार द्वारा लाखों रुपए कीमत का राशन हड़प लिया गया। कार्डधारकों ने आज तहसील में उपजिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर कोटेदार के खिलाफकार्यवाही की मांग उठाई है। ग्राम आलमऊ सरांय निवासी सुनील कुमार, जुम्मन खां, रामविलास, प्रकाश राठौड़, अजीत सिंह, रामदुलारी व ऊदन सहित करीब आधा सैकड़ा राशनकार्ड धारक तहसील कार्यालय पहुंचे और गांव के कोटेदार बालमुकुंद के खिलाफ एसडीएम शुभम यादव को शिकायती पत्र सौंपा। शिकायती पत्र में कहा गया है कि कोटेदार द्वारा करीब एक हफ्ता पूर्व अपनी राशनकार्ड धारकों को दुकान पर राशन आवंटित करने के लिए बुलाया और अपनी पास मशीन पर सभी का अंगूठा लगवा लिया। अंगूठा लगवाने के बाद कहा कि अगले दिन राशन आवंटित करेंगे। किंतु एक हफ्ता से अधिक समय बीत जाने के बावजूद कोटेदार द्वारा कार्डधारकों को राशन आवंटित नहीं किया जा सका है। कार्डधारकों को यह भी पता चला है कि अंगूठा लगवाने के बाद कोटेदार बालमुकुंद की कोटे की दुकान निलंबित कर दी गई है। ऐसी स्थिति कोटेदार द्वारा गरीब कार्ड धारकों का लाखों रुपए कीमत का राशन बिक्री कर हड़प लिया गया है। कार्ड धारकों ने एसडीएम से राशन आवंटित कराने की मांग उठाई। एसडीएम शुभम यादव ने कार्ड धारकों से राशन आवंटित कराने और कोटेदार के खिलाफ कार्यवाही का आश्वासन दिया है।

संक्षिप्त समाचार

नवीन सत्र में विद्यालय पहुंचे छात्रो का हुआ स्वागत

उन्नाव, अवधनामा संवाददाता। शिक्षा सत्र 2025-2026 के द्वितीय सत्र में आज विद्यालय खुलने पर रोली चंदन लगाकर विद्यार्थियो का स्वागत किया गया। विकास खण्ड नवाबगंज के उच्च प्राथमिक विद्यालय अजगैन में शिक्षकों ने बच्चों का तिलक, फूलमाला, माल्यार्पण करके स्वागत किया तथा सभी बच्चों को पहले ही दिन कक्षा में नैतिक शिक्षा का पाठ पढ़ाया एवम स्मार्ट क्लास में तक्षशिला नालंदा जैसे विश्वविद्यालयों और गुरुकुल प्रणाली की शिक्षा की डॉक्यूमेंट्री दिखाई गई। प्रफुल्लित बच्चो ने प्रसन्न मन से विद्यालय में प्रवेश कर क्राफ्ट वर्क की एक्टिविटी के रूप मे स्कूल चलो अभियान एवं संचारी रोग की रोकथाम की रैली निकालने के साथ ही स्कूल क्यों आवश्यक है, की थीम पर स्लोगंस भी लिखे। इस अवसर पर शिक्षक हर्ष कुमार एवं शिक्षिका नीतू चौहान, शिक्षिका सनेहिल भी मौजूद रही। विकास खण्ड, बिछिया, सफीपुर, फतेहपुर-84, सिकंदरपुर कर्ण, सुमेरपुर के विद्यालयों में भी स्कूल आने पर विधार्थियो का अभिनंदन किया गया।

कोठरी तोड़ खन्ती में गिरा कंटेनर, बड़ा हादसा टला

उन्नाव, अवधनामा संवाददाता। तिरपाल लादकर जा रहा कंटेनर रोड पर पड़ी डाल से बचने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पुल के समीप बनी एक कोठरी को तोड़ते हुए खन्ती में चला गया। घटना में किसी तरह के जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है चालक व परिचालक बाल बच गए। उत्तराखंड से तिरपाल लादकर चेन्नई जा रहा कंटेनर बीतीरात लगभग साढ़े दस बजे थाना क्षेत्र के अंतर्गत उन्नाव-हरदोई मार्ग पर काली मिट्टी चौराहे तथा जवाहर नवोदय विद्यालय के बीच स्थित खड़हरा नाला पर बने पुल के पास मार्ग पर टूटी पड़ी डाली से बचने के प्रयास में अनियंत्रित होकर पुल के समीप बने हनुमान मंदिर के समीप स्थित एक कोठरी को तोड़ते हुए खाई में चला गया। परिचालक कृष्णा पुत्र श्रीराम सिंह उम्र 23 वर्ष ने बताया कि वह अपने भाई चालक सत्येंद्र पुत्र श्रीराम सिंह (40) के साथ बाजपुर सितारगंज उत्तराखंड से प्लास्टिक लादकर चेन्नई जा रहा था बीतीरात लगभग 10.30 बजे सड़क पर पेड़ की एक डाल पड़ी थी, सामने से डंफर आ रहा था जिसको बचाने के लिए कंटेनर सड़क से नीचे उतारा गया जिससे कंटेनर पेड़ की डाल व कोठरी तोड़ते हुए नीचे उतर गया। घटना में चालक व परिचालक को मामूली चोटे आई है।

केक काटकर मनाया राष्ट्रीय अध्यक्ष का जन्मदिन

छिबरामऊ/कन्नौज, अवधनामा संवाददाता। सपा महिला मोर्चा ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखलेश यादव का 52 वां जन्मदिन केक काट कर बहुत ही धूमधाम से मनाया। बीते दिन सपा महिला मोर्चा जिला महासचिव अनामिका अग्रवाल ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखलेश यादव का 52 वा जन्मदिन केक काट कर एक दूसरे को खिलाकर मुंह मीटा करवानें के उपरान्त कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर महिलाओं को स्त्री समृद्धि योजना लागू की जाएगी। इसी के साथ ही हर गरीब महिला के खाते में 3000 रुपए भेजे जाएंगे। विद्या धन योजना भी लागू की जाएगी। इस मौके पर रीता सक्सेना, विमला पाल, ममता सक्सेना, जिला सचिव रंजन सक्सेना, पूजा, सविता शाक्य, जूली सक्सेना, बविता शाक्य, राजन, पवन गुप्ता सहित कई महिला सभा की महिलाएं शामिल रही।

कृषि उद्यमिता का तेरह दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

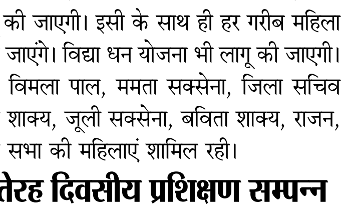

ललितपुर। पीएनबी आरसेटी द्वारा बेरोजगारों के लिये चलाये जा रहे विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों की श्रृंखला में आरसेटी से 13 दिवसीय कृषि उद्यमी बनने का प्रशिक्षण दिया। समापन पर निदेशक सतीशचन्द्र ने एलडीएम रंजीत कुमार का स्वागत किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को कृषि उद्यमी के द्वारा अधिक से अधिक लाभ पहुंचाना ट्रेनिंग का उद्देश्य हैं। कार्य शुरू करने में यदि बैंक सहयोग द्वारा किसी भी प्रकार की समस्या आने पर वह सदा ही सभी के लिये तत्पर तैयार रहेगे। कृषि द्वारा अपनी आय मे इजाफा कर अपने व परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत करना ही एक सफल कृषि उद्यमी का उद्देश्य होना चाहिए। समापन पर आरसेटी निदेशक ने बताया कि बेरोजगार ग्रामीण युवक/युवतियों को रोजगार प्रदान करने के उद्देश्य को लेकर भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वरोजगार योजना के अन्तर्गत जनपद के बेरोजगारों को रोजगार हेतु प्रशिक्षण प्रदान करना आरसेटी की प्राथमिकता है, जिसका निर्वाह हम विभिन्न विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर कर रहे हैं। वरिष्ठ फैकल्टी ने कहा कि प्रशिक्षण प्राप्त लाभार्थी नाबार्ड व अन्य सरकारी योजनाओं के अन्तर्गत अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत कर बैंक से ऋण सहायता लेकर उद्यमिता विकास में अपने कदम आगे बढ़ायें। असेसर रामकुमार वर्मा, अशोक कुमार गौर भी उपस्थित रहे। निदेशक द्वारा प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किये गये। संचालन रूपेन्द्र श्रीवास्तव ने किया। इस दौरान आकांक्षा खरे, नंदकिशोर, सुनील कुमार, राजीव कुमार उपस्थित रहे।

शहीदे कर्बला हुसैन के नारों से गूंजी फिज़ा

अवधनामा संवाददाता

अमरोहा। अंजुमन-ए-तहफ्फुजे अजादारी की तदर्थ कमेटी के तत्वावधान में छह मोर्हरम का जुलूस मौहल्ला काली पगड़ी स्थित अजाखाना मुसम्मात नूरन से बरामद हुआ। जिसमे दाराब ज़ैदी ने मरसिया पढ़ा '' आजशाहे बेकस की आखरी सवारी है'' इस ग़मगीन माहौल में जुलूस निकला और हुसैन हुसैन की सदाये बुलंद हुई। जुलूस में अजादाराने हुसैन नंगे पैर, नंगे सिर नौहा पढ़ते हुए सफों में चल रहे थे। अंजुमने रजाकाराने हुसैनी की एक एम्बुलेंस जुलूस के साथ चल रही थी जिसमें मुख्य चिकित्साधिकारी अमरोहा द्वारा नियुक्त चिकित्सक दवाई देते हुए चल रहे थे। जुलूस में शामिल लोग अलग-अलग अजाखानों, घरों में की गई नियाज़ नजर में शामिल होते हैं। आज के जुलूस की विशेष्ता यह है कि आज का बाजा बहुत अलग होता है इसमें लगभग 22 बैंण्ड होते हैं। छह मोहर्रम के जुलूस में शामिल होने वाले अजादारान की तादादत बढ़ जाती है। आज दुलदुल व तख्त पर छतरी चलती है। जुलूस मच्छरट्टा, मण्डी चैब, दरबारे कलां, कटकुई, काली पगड़ी, घेर करम अली खां, लकड़ा, सट्टी, हक्कानी, जाफरी, काजी गली,पचदरा, क़ाज़ी ज़ादा, सद्दो, नकशबी, दरबार मीरा खाँ, चाहगोरि, मजापोता, कोट, दानिशमन्दान, बगला, शफातपोता, कटरा गुलाम अली, गुज़री होते हुए नूरन के अजाखाने पर आकर समाप्त हुआ। जुलूस इमाम हुसैन के इस संदेश को प्रचारित व प्रसारित करते हैं कि आतंकवाद के खिलाफ जंग करो। इमाम हुसैन ने कर्बला में अपनी जान कुर्बान कर दी लेकिन अपने नाना हजरत मोहम्मद सल्लाहोअलेहे व सल्लम के दीन इस्लाम को बचा लिया। यह जुलूस हमे आपस में मिलने का अवसर प्रदान करते हैं। इन जुलूसों का सामाजिक पहलू है कि हम एक दूसरे से विचारों का आदान-प्रदान कर सकें। तथा इस जुलूस का मकसद शान्ती का सन्देश देना है। अमरोहा की पहचान बाहर शहरों और मुल्कों में शान्ती और अमन के लिये आज तक बनी हुई है। नगर के हर मोहल्ले से जुलूस गुजरता है और वहां रहने वाले नागरिक जुलूस को चाय शर्बत पिलाते हैं जुलूस में जिलाधिकारी अमरोहा द्वारा जुलूस अजा के लिए नामित अंजुमन तहफ्फुजे अजादारी की तदर्थ समिति के सदस्य लियाक़त अली, ज़िया एजाज़, बाक़र रज़ा नक़वी, नदीम नक़वी, शेज़ाद रज़ा, क़ासिम ज़ैदी आदि मौजूद थे। जुलूस का संचालन अंजुमन रजाकाराने हुसैनी ने किया। रजाकारान काईद गुलाम सज्जाद, शाने मुज्तबा, हुसैनी,कमर रजा सलीम,जाफर रजा, काशिफ़ जैदी आदि ने कियाजलूस में कई जगह नज़र (चाय) का आयोजन किया गया शहर में आज छः मुहर्रम के जलूस में आई एम इंटर कॉलेज ओल्ड बॉयज एसोसिएशन की जानिब से कोट चोहराया पर, खुर्रम सरफराज उस्मानी की जानिब से सर्वत स्कूल चाहगौरी में, आई एम इंटर कालेज ओल्ड बॉयस फाउंडेशन की जानिब से बगला में और सैयद रज़ा तहसीन की जानिब से विशेष रूप से चाय का आयोजन किया गया। इसके अलावा भी बहुत बड़ी संख्या में नज़र का आयोजन किया गया था। जिसमें पंडित भुवन शर्मा, सैय्यद महबूब हुसैन ज़ैदी,खुर्शीद अनवर, इकरार अंसारी, हाजी ओवेस रिज़वी, इस्लाम आलमी, गुमान हुसैन मन्ना, शैबान कादरी, युनुस ज़ैदी आदि ने हिस्सा लिया।

त्योहारों पर अराजकता फैलानें पर होगी कार्रवाई: विनोद

अवधनामा संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करानें के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने भारी पुलिस बल के साथ नगर में पैदल भ्रमण कर जहां एकओर नागरिकों को सुरक्षा का अहसास कराया। वहीं दूसरी ओर त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मनानें एवं अफ्वाहों पर ध्यान न देने की अपील करते हुये कहा कि त्योहार पर अराजकता फैलाने वालों को बख्सा नहीं जाएगा।

बुधवार को मोहर्रम और सावन के महीने के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार नें सदर क्षेत्राधिकारी अभिषेक प्रताप अजेय, प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार दुबे, निरीक्षक चन्द्र प्रकाश तिवारी, कस्वा प्रभारी दीपक सिंह सहित भारी पुलिस बल के साथ नगर के प्रमुख मार्गो पर पैदल भ्रमण किया। उन्होनें नागरिकों से मोहर्रम पर निकलने वाले ताजिया के जुलूस और कावड़ यात्रा को लेकर जानकारी लेने के उपरान्त कहा कि सभी लोग शांत पूर्ण ढंग से त्योहार मनाए। अफ्वाहों पर ध्यान ना दें। सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक पोस्ट ना डालें और ऐसा करने वाले पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ताजिया के जुलूस और कावड़ यात्रा के रूटों की जानकारी ली और ताजिया कमेटी के सदर से भी जानकारी ली। उन्होनें अधीनस्थों को समुचित सुरक्षा व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उधर शहर काजी हाफिज़ जुम्मन, समाजसेवी आसिफ जमाल खान, मुनीर कुरैशी से एसपी ने जानकारी लेकर त्योहारों को शांति एवं सौहार्दपूर्ण मनाए जाने की अपील की है।

■ एसपी ने पुलिस बल के साथ पैदल भ्रमण कर की त्योहारों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील

मार्ग दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत

उन्नाव। अजगैन थाना अंतर्गत सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई जबकि साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। सोहरामऊ क्षेत्र के भल्ला फार्म के पास तेज़ रफ्तार से आ रहे कंटेनर ने विवेक और उसके साथी को टक्कर मार दी। इस हादसे में विवेक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक विवेक 18 निवासी कुसुंभी अजगैन अपने साथी के साथ मामा के घर जा रहा था। कंटेनर चालक टक्कर मारने के बाद मौके से फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने कंटेनर और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है। थाना सोहरामऊ के प्रभारी शरद ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है।

दिव्यांगों के साथ मनाया सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का जन्मदिन

अवधनामा संवाददाता

गुरसहायगंज, कन्नौज। पूर्व मुख्यमंत्री/कन्नौज सांसद एवं सपा सुप्रीमों अखिलेश यादव के 52 वें जन्मदिवस पर सलोवा राष्ट्रीय सचिव अरूण शर्मा एवं छिबरामऊ विधानसभा प्रभारी सुनैना चौहान ने कार्यकर्ताओं के साथ दिव्यांगों बीच पहुंचकर केक काटकर एक दूसरे को खिलानें के उपरान्त दिव्यांगों को फ्ल एवं मिठाइयाँ वितरित कर उनके चेहरों पर मुस्कान लाने का प्रयास किया। नगर के मोहल्ला आलादनगर स्थित लकी हेल्थ डेवलपमेंट और सोशल वेलफेयर सोसाइटी में सलोवा राष्ट्रीय सचिव अरूण शर्मा एवं छिबरामऊ विधानसभा प्रभारी सुनैना चौहान ने दिव्यांगों संग केक काटकर पीडीए महानायक अखिलेश यादव के दीर्घायु एवं स्वास्थ्य की कामना करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा से ही समाज के कमजोर वर्ग, दिव्यांगजनों एवं जरूरतमंदों के हक की लड़ाई लड़ती रही है और आगे भी लड़ती रहेगी। पूरे आयोजन के दौरान दिव्यांग विद्यालय में उत्सव जैसा माहौल बना रहा और सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की। इस दौरान युवा सपा नेता उत्कर्ष गुप्ता, रंजु पाल, पिंटू यादव, डॉ. रविदत्त यादव, रामसेवक बाथम, शिल्पी यादव, मोहित पाठक, मनी गुप्ता गुफरान सिद्दीकी, रसकेंद्र यादव, धर्मवीर यादव, अभय सिंह, राहुल शर्मा, आकाश शर्मा, हिमांशु शर्मा सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

एक बार बैगन का अचार खा लिया तो बार-बार खाएंगे, जानें बनाने का तरीका

अचार के साथ खाना खाने में मजा ही आ जाता है। अचार अपने चटपटे और टेस्टी स्वाद और फ्लेवर के कारण अचार खाने से खाना का स्वाद भी डबल हो जाता है। पराठा, पूड़ी, दाल-चावल के साथ अचार बड़े ही स्वाद से खाया जाता है। आइए आपको बैगन के अचार की रेसिपी के बारे में बताते हैं।

हर भारतीय घरों में खाना के साथ अचार बड़े ही चाव से खाया जाता है। आप सभी के घर में आम, नींबू, मूली, गाजर के अचार जरुर होंगे। अचार खाने को स्वाद को डबल कर देता है। अब सवाल यह कि आप ने कभी बैंगन का अचार खाया है? बैंगन एक ऐसी सब्जी जिसका स्वाद हर किसी को पसंद नहीं आता है। बैंगन की सब्जी खाते समय सभी लोग मुंह बनाते हैं। तो चलिए इस लेख में हम आपको बताने जा रहे हैं बैंगन के अचार की रेसिपी, इसे आप घर में जरुर बनाएं।

बैंगन के अचार खाने से फायदे

बैंगन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। इसके सेवन से डायबिटीज, हार्ट, एनीमिया दूर होती है। बैंगन में कई पोषक तत्व पाएं जाते हैं, जैसे कि कैल्शियम, आयरन, फाइबर, कॉपर, कैल्शियम और ढेर सारे विटामिन मिनरल से भरपूर बैंगन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होती है।

बैंगन का अचार बनाने की सामग्री

- 2 टेबलस्पून विनेगर
- 2 टेबलस्पून चीनी
- 2 टेबलस्पून तेल और स्वादानुसार नमक
- 4 से 5 खड़ी लाल मिर्च
- 1 टेबलस्पून जीरा
- 1 टी स्पून पीली सरसों
- 5 से 6 लहसुन की कलियां
- 5 से 6 कूचे हुए लहसुन
- 2 इंच अदरक

बैंगन का अचार बनाने की विधि

- बैंगन का अचार बनाने के लिए सबसे पहले आप बैंगन को अच्छे से धो लें। इसके बाद टुकड़ों को काट लें।
- इसके बाद सभी सामग्री को पीस लें और इसमें नींबू का जूस मिलाएं।
- अब तेल को कढ़ाई में डालें और गर्म करें। फिर सरसों का तड़का दें।
- फिर इसमें कुटे हुए लहसुन डालें। करी पत्ता और कटे हुए बैंगन डाल कर फ्राई करें।
- बैंगन जब हल्का सुनहरा होने लगे तब इसमें मसाले को पेस्ट को डालें।
- इसके बाद आधा कप पानी डालें और इसे ढंक दें।
- फिर इसे 5 मिनट के लिए पकने दें।
- अब ढक्कन हटाएं और चीनी और विनेगर मिलाएं।
- अच्छे से ड्राई होने तक पकाएं।
- फिर इसको आप रोटी, पराठे और चावल के साथ खा सकते हैं।

रात की बची दाल से बच्चों के लिए बनाएं 2 टेस्टी ब्रेकफास्ट, बेहद आसान है रेसिपी

क्या आप जानती हैं कि आप बचे हुए खाने जैसे चावल, दाल और रोटी से बहुत ही टेस्टी नाश्ता तैयार कर सकती हैं। वहीं सर्दियों के मौसम में इन्हें खाने का स्वाद ही अलग होता है। आप चाहें तो इन ब्रेकफास्ट को बच्चों के टिफिन में रख सकती हैं।

हम सभी घर में कितना ही हिसाब से खाना बना लें लेकिन कुछ न कुछ बच ही जाता है। जिसमें सब्जी और दाल तो जरूर थोड़ी-बहुत रह जाती है। ऐसे में इतनी महंगाई में इन चीजों को फेंकने में भी बहुत दुख होता है। वहीं हमारे शास्त्रों में भी अन्न की बर्बादी को बुरा बताया गया है। इसलिए हमें खाना फेंकने से बचना चाहिए। बहुत सारे लोग बचे हुए खाने को या तो फेंक देते हैं या फिर किसी जानवर को खिला देते हैं।

लेकिन क्या आप जानती हैं कि आप बचे हुए खाने जैसे चावल, दाल और रोटी से बहुत ही टेस्टी नाश्ता तैयार कर सकती हैं। वहीं सर्दियों के मौसम में इन्हें खाने का स्वाद ही अलग होता है। आप चाहें तो इन ब्रेकफास्ट को बच्चों के टिफिन में रख सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको दाल से बनने वाले दो बेहद टेस्टी ब्रेकफास्ट की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

दाल के चीले की रेसिपी

आपको बची हुई कोई भी मूंग, चना, मसूर या अरहर की दाल लेनी है।

अब मिक्सी के जार में दाल डालें और ऊपर से बेसन और चावल का आटा मिक्स करें।

दोनों चीजों को अच्छे से पीसकर स्मूद बेटर बना लें।

अब इस बेटर को एक बाउल में निकालकर इसमें बारीक कटा प्याज, हरा धनिया और हरी मिर्च डालें।

फिर इसमें हल्का नमक, कश्मीरी लाल मिर्च और चाट मसाला डालकर अच्छे से मिक्स करें।

इसके बाद नॉन स्टिक पैन पर इस मिश्रण को डालकर फैलाएं और दोनों तरफ घी या तेल लगाकर सेक लें।

दोनों तरफ से सिक जाने के बाद आप अंदर पनीर घिसकर भी डाल सकती हैं।

इस तरह से आपको स्वादिष्ट दाल चीला बनकर एकदम तैयार है।

दाल से बनाएं वेजिटेबल चीज पैनकेक

रात की बची दाल को मिक्सी जार में बिना पानी डाले पीस लें।

फिर इस पिसी हुई दाल में आधा कटोरी बेसन और सूजी डालकर फिर पीसें।

जब स्मूद बेटर बन जाए तो इसको बड़े बाउल में निकाल लें।

अब ऊपर से गाजर, पत्ती गोभी, लौकी, फूल गोभी और शिमला मिर्च आदि सब्जियां कद्दूकस करके डालें।

इसके बाद इस मिश्रण को अच्छे से स्पैटुला की मदद से मिक्स करें।

साथ ही चाट मसाला, नमक और हरा धनिया डालकर दोबारा मिला लें।

फिर पैनकेक वाला पैन या फिर किसीनॉन स्टिक तवापर घी लगाकर छोटे-छोटे पैनकेक डालें।

अब इस पर चीज घिस दें और अच्छे से ढककर सिकने दें।

आप चाहें तो किसी गहरे पैन में इस बेटर को डालकर उस पर चीज घिसे और ढककर सेंकने के बाद प्लेट में निकाल लें।

अब आप इसको अपने हिसाब से चौकोर या गोल शेप में काट लें।

इस तरह से गर्मागर्म टेस्टी पैनकेक बनकर तैयार है।

आप इसको टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

स्वादिष्ट और जायकेदार शादी वाला खाना घर में बनाना चाहती हैं, तो इन टिप्स को फॉलो करें

शादी का खाना की तो अलग ही बात होती हैं। कई लोगों को घर खाना बिल्कुल पसंद नहीं होता है। अगर आप भी इन्हीं में से हैं, तो हम आपको कुछ टिप्स बताने वाले हैं, जिसकी मदद से आप भी घर पर ही टेस्टी खाना बना सकते हैं।

किसी भी पार्टी या शादी में चले जाएं, वहां का खाना खाकर घर में भी वैसा ही खाना खाने का मन हम सभी का जरुर करता है। अब चाहे वह शाही पनीर की रिच ग्रेवी हो, दम बिरयानी की खुशबूदार महक हो या फिर गरमा-गरम पूरियां और स्वादिष्ट मिठाइयां। हर एक डिश को खाने का अलग ही मजा होता है। कई बार तो लगता है कि बस दोबारा शादी में जाकर खाना खाकर आ जाएं। अब आपको यह सब करने की कोई जरुरत नहीं है। यदि आप भी चाहते हैं कि घर में बना खाना शादी के

मेन्यू जैसा स्वादिष्ट खाना बनाएं, तो आप इन कुछ खास टिप्स को फॉलो करें।

हर एक डिश का अलग टेस्ट होता है

जैसा कि शादी के खाने में ग्रेवी वाली सब्जियों को खास महत्व होता है। पनीर बटर मसाला, शाही पनीर, मटर मलाई, दम आलू जैसी डिशेज में ड्राई फ्रूट्स, काजू-पेस्ट और क्रीम का प्रयोग किया जाता है। जिससे टेस्ट और भी गाढ़ा हो जाता है।

सही मसालों का चयन करें

शादी में जो खाना बनता है उसमें मसाले का प्रयोग किया जाता है। ये मसाले स्वाद के साथ ही खाने में महक और जान डाल देते हैं। सही मसालों के इस्तेमाल करने से शादी के खाने को स्वादिष्ट बनाता है। ग्रेवी मसाले के लिए आप कसूरी मेथी, गरम मसाला, जावित्री और खसखस का पेस्ट इस्तेमाल कर सकते हैं।

ग्रेवी वाली सब्जियों में लाएं शादी के जैसा टेस्ट

शादी के खाने में ग्रेवी वाली सब्जियों को खास महत्व होता है। पनीर बटर मसाला, शाही पनीर, मटर मलाई, दम आलू जैसी डिशेज में ड्राई फ्रूट्स, काजू-पेस्ट और क्रीम का प्रयोग किया जाता है। जिससे टेस्ट और भी गाढ़ा हो जाता है। ग्रेवी बनाते समय इसके टेक्सचर का जरुर ध्यान रखें। इसके बाद आप ग्रेवी में कसूरी मेथी और गरम मसाला डालने से शादी वाला फ्लेवर आएगा।

नान और पूरियां कैसे बनाएं

शादी में खाने वाली पूरियां और रोटियां काफी फूली-फूली, नरम और बेहद स्वादिष्ट होती हैं। शादी जैसी खास बेड़मी पूरियां बनाने के लिए आटे में बेसन, अजवाइन और हल्दी मिला सकते हैं। इसके अलावा, आटे में थोड़ा दही और तेल मिलाने से रोटियां शादी जैसी मुलायम बन जाती है। आटे को गुनगुने पानी से ही गूंथे और 20-30 मिनट के लिए ढककर रखें और इससे रोटियां नरम बनेंगी। आप चाहे तो इसमें आटें में थोड़ा सा दूध और घी मिला सकते हैं।

आज ही घर पर लाएं किचन के जरूरतमंद आइटम

अगर आप भी किचन के लिए जरुरतमंद आइटम तलाश कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आप ऑनलाइन या ऑफलाइन कहीं से भी खरीद सकते हैं। चलिए आपको बताते हैं अमेजन पर मिलने वाले बेस्ट किचन आइटम, जिन्हें आप खरीद सकते हैं।

हमारे किचन में रोजमर्रा के जरूरतमंद आइटम की बहुत जरूरत होती है। ऐसे में किचन की जरूरत के समान सभी किचन में जरूर होने चाहिए। चलिए इस लेख के माध्यम से आज हम रोजमर्रा के किचन के जरूरतमंद आइटम के बारे में बताएंगे।

अब पर घर की जरूरत है सब्जियों को चॉप करने के लिए चॉपर की। बिना किसी झंझट के चॉपर की मदद से झट से सब्जियाँ कटे वो भी बेहद कम समये में। पेश है Pigeon हैंडी चॉपर जो फटा-फट सब्जियाँ कटे। ये हैंडी चॉपर अमेजन पर उपलब्ध है। शार्प स्टेलेस स्टील ब्लेड और एंटी स्किड बेस है जो आसानी से उपयोग करने के लिए सुरक्षित, स्वस्थ और पर्यावरण अनुकूल है। Pigeon हैंडी चॉपर की 6 महीने की निर्माता वारंटी है। इसका प्राइस 199 रूपये है। आज ही खरीदें अमेजन से, लिंक नीचे उपलब्ध है।

किचन सिंक आर्गेनाइजर

किचन के लिए बेहद जरूरी प्रोडक्ट जो काफी मददगार है हमारे किचन के लिए। किचन सिंक आर्गेनाइजर हर घर के लिए जरूरी है। किचन सिंक क्षेत्र के लिए पूरी तरह से तैयार इस स्टैंड के साथ अपने किचन सिंक क्षेत्र को व्यवस्थित करें। डिशवॉशर तरल, ब्रश, कपड़ा, साबुन, स्पंज इत्यादि जैसे सिंक काम के लिए सभी दैनिक आवश्यकताओं को स्टोर करने के लिए बहुत ही मददगर है। इसकी कीमत मात्र 249 रूपये है। अमेजन एप पर आप इसे खरीद सकते है।

kimberly Clark द्वारा Wypall दुनिया के मुख्य वाइपर ब्रांड में से एक है। बहुउपयोगी, वॉशेबल और रीयूज़ेब्ल वाइप हैं। किचन, कार की सफाई या सामान्य उद्देश्य की सफाई के लिए बहुत मददगर है। प्रोडक्ट कागज़ के जितना पतला, हल्के वज़न का और हाई अब्ज़ॉर्बेसी के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस तरह से डिज़ाइन किया गया है की कपड़े से पानी कम टपके। Wypall ×70 वाइप कपड़े नियमित तौलिए और रैग की तुलना में अधिक तेल को अब्ज़ॉर्ब और होल्ड कर सकते हैं। इसकी कीमत मात्र 257 रूपये है। अमेजन एप पर आप इसे खरीद सकते है।

सान्या मल्होत्रा की फिल्म मिसेज में दम पुख्त बिरयानी देखकर आ गया मुंह में पानी, तो अब जान लें इसे बनाने के जरूरी टिप्स

दम पुख्त बिरयानी बनाने के लिए लंबे दाने वाले बासमती चावल का इस्तेमाल करें। ध्यान दें कि पुराना चावल सबसे अच्छा होता है क्योंकि यह फूला हुआ रहता है और गूदा नहीं बनता। चावल को पकाने से पहले कम से कम 30 मिनट के लिए भिगोएं।

हाल ही में सान्या मल्होत्रा की फिल्म मिसेज रिलीज हुई और यह फिल्म हर कोई बेहद पसंद कर रहा है। फिल्म में सान्या मल्होत्रा को डिलिशियस दम पुख्त बिरयानी बनाते हुए दिखाया गया है। उसे देखकर यकीनन आपके मुंह में भी पानी आ गया होगा और अब आप भी उसे खाने का मन बना रहे होंगे। ऐसे में अगर आप भी घर पर दम पुख्त बिरयानी बनाना चाहते हैं तो उसे परफेक्ट तरीके से बनाने के लिए आपको कुछ छोटे-छोटे टिप्स पर खासतौर से ध्यान देना चाहिए। वास्तव में अगर कोई एक डिश है जो शाही अंदाज़ में बनाई जाती है, तो वह है दम पुख्त बिरयानी। धीमी आंच पर पकाई गई बिरयानी स्वाद से भरपूर होती है। जब मीट और चावल अपनी भाप में एक साथ पकते हैं, जिससे हर निवाला बेहद स्वादिष्ट बनता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको दम पुख्त बिरयानी बनाने के कुछ छोटे-छोटे टिप्स के बारे में बता रहे हैं-

सही चावल और मीट का करें चयन

दम पुख्त बिरयानी बनाने के लिए लंबे दाने वाले बासमती चावल का इस्तेमाल करें। ध्यान दें कि पुराना चावल सबसे अच्छा होता है क्योंकि यह फूला हुआ रहता है और गूदा नहीं बनता।

चावल को पकाने से पहले कम से कम 30 मिनट के लिए भिगोएं। इससे चावल अच्छी तरह से पकता है और टूटने से बचता है। वहीं मीट के लिए मटन सबसे अच्छा विकल्प है क्योंकि यह दम पर पकाने से बहुत नरम हो जाता है। लेकिन अगर आप चिकन का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो इसे कम समय के लिए पकाएं, नहीं तो यह सूख सकता है।

सही तरह से करें मैरिनेशन

मीट का सही तरह से मैरिनेशन बहुत अधिक मायने रखता है। मीट को कम से कम 4-6 घंटे के लिए मैरिनेट करें, या हो सके तो रात भर के लिए। मैरिनेशन के लिए दही, तले हुए प्याज़, अदरक-लहसुन पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला, नमक और नींबू का रस इस्तेमाल करें। थोड़ा सा सरसों का तेल या घी डालें। इससे स्वाद और भी बढ़ जाता है।

प्रो की तरह करें लेयरिंग

दम पुख्त बिरयानी बनाते समय उसकी सही तरह से लेयरिंग करना भी उतना ही जरूरी है। सबसे पहले हमेशा भारी तले वाले बर्तन या हांडी का इस्तेमाल करें ताकि वह जले नहीं। साथ ही, पहली परत डालने से पहले नीचे घी लगा लें। पहले मैरिनेट किया हुआ मीट, फिर उबले हुए चावल, फिर तले हुए प्याज, पुदीना, धनिया, केसर मिला हुआ दूध और थोड़ा सा घी डालें। जब तक सारी सामग्री इस्तेमाल न हो जाए, तब तक यही दोहराते रहें। जलने से बचने के लिए सबसे ऊपर चावल होना चाहिए, मीट नहीं।

नींबू के छिलकों से मिनटों में चमक जाएगी गंदी चिमनी, मेहनत के साथ समय की भी होगी बचत

क्या आप जानते हैं कि नींबू के छिलके की मदद से आप चिमनी को आसानी से साफ कर सकते

हैं। बता दें कि नींबू का छिलका न सिर्फ किचन को साफ करने में सहायता करता है, बल्कि यह बर्नर, चिमनी और दूसरी जगहों की सफाई में भी बहुत प्रभावी है।

चमकदार और साफ-सुथरी चिमनी घर की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करता है और यह घर को फ्रेश रखता है। चिमनी के अंदर जमा गंदगी, तेल के दागों और कालिख को साफ करना एक मुश्किल टास्क हो सकता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नींबू के छिलके की मदद से आप चिमनी को आसानी से साफ कर सकते हैं। बता दें कि नींबू का छिलका न सिर्फ किचन को साफ करने में सहायता करता है, बल्कि यह बर्नर, चिमनी और दूसरी जगहों की सफाई में भी बहुत प्रभावी है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से नींबू के छिलके के इस्तेमाल से चिमनी को आसानी से चमका सकते हैं।

क्यों जरूरी है चिमनी के अंदर की सफाई करें

बता दें कि चिमनी के अंदर की सफाई बेहद जरूरी है। क्योंकि चिमनी में ग्रीस, तेल, धुआं और कालिख जमा हो जाता है। जो न सिर्फ किचन में गंदगी पैदा करता है, बल्कि यह घर को भी गंदा कर सकता है।

कैसे करें

चिमनी को सबसे पहले ठंडा होने के लिए छोड़ दें।

अब नींबू के छिलकों को जलती हुई चिमनी में डालें और यह धुआं छोड़ता है। साथ ही यह जमी गंदगी को ढीला करने में मदद करता है।

कुछ मिनट धुआं फैलने दें और अब चिमनी को गीले कपड़े या ब्रश की मदद से साफ कर लें।

चिमनी के बर्नर को ऐसे करें साफ

चिमनी के बर्नर को साफ करने के लिए नींबू के छिलके का इस्तेमाल अच्छा है। नींबू में एसिडिक गुण पाए जाते हैं, जो ग्रीस, तेल और जमी हुई गंदगी हटाने में मदद करता है। वहीं नींबू से चिमनी के बर्नर पर फ्रेशनेस भी आती है।

कैसे करें

सबसे पहले चिमनी के बर्नर को ठंडा होने के लिए छोड़ दें। जिससे कि आराम से आप सफाई कर सकें।

क्योंकि नींबू के छिलके के अंदर नेचुरल तेल और एसिड होते हैं। जो तेल के दागों और ग्रीस को हटाने में सहायता करते हैं।

अब नींबू के छिलकों को हल्के हाथों से रगड़ते हुए बर्नर पर रगड़ें। खासकर उस जगह पर जहां पर दाग या गंदगी है।

फिर इसको 5-10 मिनट के लिए बर्नर पर छोड़ दें। क्योंकि छिलके का एसिड ग्रीस और तेल को ढीला करने में सहायता करेगा।

इसके बाद एक ब्रश या गीले कपड़े से बर्नर को रगड़कर साफ करें। इससे बर्नर की सतह से जमी गंदगी आसानी से हट जाएगी।

सफाई के बाद साफ सूखे कपड़े से इसको अच्छे से पोंछ लें।

नींबू के छिलका आएगा काम

भले ही यह तरीका आपको सुनने में थोड़ा अजीब लगे, लेकिन यह चिमनी के अंदर की सफाई के लिए जरूरी है। खासकर जब चिमनी के अंदर कालिख और गंदगी जमा हो गई हो। आप इस हैक को अपना सकते हैं।

कैसे करें

सबसे पहले चिमनी को ठंडा करें।

फिर नींबू के छिलकों को छोटे टुकड़ों में काटें।

अब इन छिलकों को चिमनी में चलती हुई आग में डाल दें।

जैसे ही चिमनी की आग में नींबू के छिलके जलेंगे, वह धुआं छोड़ेंगे और चिमनी के अंदर जमा गंदगी ढीली हो जाएगी।

फिर कुछ मिनटों तक धुआं फैलने दें और एक ब्रश या गीले कपड़े से चिमनी की दीवरों को साफ कर लें।

नींबू के छिलके और पानी का मिश्रण

बता दें कि नींबू के छिलके और पानी का मिश्रण चिमनी की साफ-सफाई के लिए सबसे अच्छा तरीका है। नींबू का एसिड ग्रीस चिमनी में जमी गंदगी और कालिख को ढीला करता है। वहीं पानी इन तत्वों को साफ करने में सहायक होता है।

कैसे करें

सबसे पहले एक कटोरी में पानी भरकर उसमें नींबू के छिलके डालें।

अब इसको मीडियम आंच पर उबालें और जब पानी उबलने लगेगा तो छिलकों का एसिड पानी में घुल जाएगा। इससे नेचुरल क्लीनर तैयार हो जाएगा।

अब इस पानी को छानकर एक स्प्रे बोतल में भर लें।

फिर इस मिश्रण को चिमनी के अंदर और उसके आसपास स्प्रे करें।

इस मिश्रण को चिमनी के दीवारों और बर्नर पर 10-15 मिनट के लिए छोड़ दें। क्योंकि यह समय नींबू के छिलकों से निकला एसिड गंदगी को ढीला करने के लिए आवश्यक है।

इसके बाद ब्रश या गीले कपड़े की सहायता से चिमनी की दीवारों, बर्नर और सारी जगहों को रगड़कर साफ कर लें।

इससे चिमनी की गंदगी और कालिख आसानी से हट जाएगी और चिमनी साफ हो जाएगी।

फिर सफाई के बाद चिमनी को सूखे कपड़े से पोंछकर अच्छे से सुखा लें।

समिक भट्टाचार्य ने बंगाल भाजपा अध्यक्ष के लिए दाखिल किया नामांकन

सोमवार को भट्टाचार्य ने जेपी नड्डा से मुलाकात की थी

एजेंसी

कोलकाता। भाजपा ने अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने की दिशा में एक और कदम बढ़ा दिया है। पार्टी ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड समेत कई राज्यों में अपने पार्टी अध्यक्षों का का चुनाव कर लिया है। बुधवार को पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष के चुनने की प्रक्रिया शुरू हो गई। भाजपा नेता और राज्यसभा सांसद समिक भट्टाचार्य ने पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष के लिए नामांकन दाखिल किया है।

बंगाल भाजपा के अध्यक्ष अभी सुकांत मजूमदार हैं। उन्हें 2021 में बंगाल भाजपा का अध्यक्ष चुना गया था। अब इस पद के लिए समिक भट्टाचार्य ने नामांकन दाखिल कर दिया गया है। समिक ने बुधवार दोपहर भाजपा के साल्ट लेक कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। उनके साथ पार्टी के वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और विधानसभा में विपक्ष के नेता शुवेंदु अधिकारी साथ मौजूद रहे। उनका बंगाल भाजपा का अध्यक्ष चुना जाना लगभग तय माना जा रहा है।

पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि चूंकि सिर्फ समिक भट्टाचार्य ने ही नामांकन पत्र दाखिल किया है, इसलिए उन्हें बिना किसी मुकाबले के निर्वाचित घोषित किए जाने की संभावना है। प्रदेश भाजपा के एक नेता ने बताया, शाम 4 बजे तक केवल समिक भट्टाचार्य ने ही प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए नामांकन पत्र दाखिल किया है। उनके नाम का एलान आज शाम या कल सम्मान समारोह में किया जाएगा।

2026 के विधानसभा चुनाव बहुत दूर नहीं हैं, इसलिए भाजपा संगठनात्मक बदलाव के लिए कमर कस रही है और भट्टाचार्य की नियुक्ति को उस बड़ी योजना का हिस्सा माना जा रहा है। अगर आज शाम तक कोई और नामांकन दाखिल नहीं किया जाता है, तो भट्टाचार्य राज्य पार्टी प्रमुख के रूप में सुकांत मजूमदार की जगह लेंगे।

पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए नामांकन बुधवार को स्वीकार किए जाएंगे। नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापस लेने की प्रक्रिया भी उसी दिन होगी। अधिसूचना के मुताबिक, उम्मीदवारों की अंतिम सूची बुधवार शाम छह बजे जारी की जाएगी। भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा, अगर एक से अधिक उम्मीदवार मैदान में रहते हैं, तो मतदान गुरुवार को दोपहर 12 बजे से शुरू होगा और नतीजे दोपहर 1.30 बजे तक घोषित कर दिए जाएंगे। हालांकि, पार्टी के कई नेताओं का कहना है कि यह प्रक्रिया महज एक औपचारिकता है और केंद्रीय नेतृत्व की ओर से सर्वसम्मति से चुने गए उम्मीदवार का नाम बिना किसी मुकाबले के घोषित कर दिया जाएगा।

पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष पद की रेस में समिक भट्टाचार्य का नाम लगातार सामने आ रहा था। वहीं पार्टी के कई नेताओं की ओर से भी उन्हें समर्थन मिल रहा है। इससे पहले भट्टाचार्य के सोमवार को दिल्ली में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास का अचानक दौरा करने से अटकलों को बल मिला है। पार्टी के एक सूत्र का कहना है, ऐसी खबरें हैं कि उन्हें (भट्टाचार्य को) आधिकारिक चैनल के माध्यम से आमंत्रित किया गया था और वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद की मौजूदगी में नड्डा के साथ उनकी बैठक हुई, जो बंगाल भाजपा अध्यक्ष चुनाव प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं।

कांवड़ यात्रा पर फिर सियासत तेज, दिग्विजय सिंह और एसटी हसन के बयानों पर भाजपा का पलटवार

एजेंसी

नई दिल्ली। कांवड़ यात्रा को लेकर देश की राजनीति एक बार फिर गरमा गई है। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह और समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एसटी हसन के बयानों पर भाजपा ने कड़ा पलटवार किया है। भाजपा सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने दोनों नेताओं पर हिंदू विरोधी मानसिकता फैलाने का आरोप लगाया। वहीं एसटी हसन ने कांवड़ यात्रा के दौरान दुकानदारों की धार्मिक पहचान पूछे जाने की घटनाओं की तुलना आतंकवाद से कर दी। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कांवड़ यात्रा को लेकर कहा कि यात्रा में अगर राज्य सरकारें सुविधाएं देती हैं तो कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन जब इस यात्रा का इस्तेमाल नफरत फैलाने के लिए किया जाता है, तब दिक्कत होती है। उन्होंने कहा कि किसी भी सभ्य समाज में नफरत फैलाने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन ने दावा किया कि उत्तराखंड में कांवड़ यात्रा मार्ग पर कुछ हिंदू संगठनों द्वारा होटल कर्मियों और स्थानीय दुकानदारों की धार्मिक पहचान पूछी जा रही है। उन्होंने कहा कि किसी से नाम पूछना और कपड़े उतरवाकर धर्म पहचानना भी एक तरह का आतंकवाद है। एसटी हसन ने कहा कि जिस तरह आतंकवादियों ने पहलगाम में धर्म पूछकर लोगों को निशाना बनाया था, यह भी वैसा ही है। भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने दोनों नेताओं पर तीखा हमला करते हुए कहा कि इनके बयानों की सोच एक जैसी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी विदेश में डिस्मैंटलिंग ग्लोबल हिंदुत्व जैसी बैठकों में हिस्सा लेते हैं, चेन्नई में सनातन धर्म के उन्मूलन की बातें होती हैं और उसी सोच से ये दोनों नेता प्रभावित नजर आते हैं।

सुधांशु त्रिवेदी ने दिग्विजय सिंह पर आरोप लगाया कि उनके लिए जाकिर नाइक शांति का दूत हैं, ओसामा बिन लादेन को ओसामा जी कहते हैं और हाफिज सईद को हाफिज साहब। लेकिन कांवड़ यात्रा में ही इन्हें सांप्रदायिकता नजर आती है।

क्विक न्यूज

ईरान नहीं करेगा अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी का सहयोग

तेहरान। इस्राइल-अमेरिका टकराव के बाद ईरान ने बड़ा फैसला किया है। ईरान ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी से संबंध तोड़ दिए हैं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने एक आदेश में कहा है कि ईरान अब अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी का सहयोग नहीं करेगा। यह आदेश ईरान की संसद द्वारा पारित कानून के तहत पारित किया गया है। आदेश को सांविधानिक निगरानी संस्था की मंजूरी भी मिल गई है। हाल ही में अमेरिका और इस्राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया था। इन हमलों का मकसद ईरान के परमाणु कार्यक्रम को बड़ा झटका देना था। हालांकि, अमेरिकी रक्षा एजेंसियों की शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान का मेटल कन्वर्जन प्लांट जरूर तबाह हुआ है, लेकिन बाकी ढांचे को पूरी तरह खत्म नहीं किया जा सका। इन हमलों के बाद ईरान ने आईएईए पर आरोप लगाए थे। ईरान ने कहा था कि उसके परमाणु स्थलों पर हमले अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हैं।

निर्वासन की धमकी के बाद बदले एलन मस्क के सुर

वॉशिंगटन। बिग ब्यूटीफुल बिल को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अरबपति एलन मस्क के बीच विवाद में नया मोड़ आया है। ट्रंप की निर्वासन की धमकी के बाद मस्क के सुर बदल गए हैं। मस्क ने ट्रंप की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने वैश्विक संघर्षों को बेहतर तरीके से हल किया है। एलन मस्क ने ट्रंप की निर्वासन वाली धमकी का भी जवाब दिया। एलन मस्क के बिग ब्यूटीफुल बिल की आलोचना करने पर ट्रंप ने कहा था कि वह मस्क को निर्वासित करने पर विचार कर सकते हैं। उनका प्रशासन टेस्ला प्रमुख की एजेंसी डोगे या सरकारी दक्षता विभाग को उनके खिलाफ ही इस्तेमाल कर सकता है। उन्होंने कहा कि हमें एलन पर डोगे लगाना पड़ सकता है। आप जानते हैं कि डोगे क्या है? डोगे वह राक्षस है, जो वापस जाकर एलन को ही खा सकता है।

स्वेज की खाड़ी में पलटा ऑयल ड्रिलिंग जहाज, चालक दल के चार सदस्यों की मौत

काहिरा। पेट्रोलियम मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह दुर्घटना गैबेल एल-जैत नामक क्षेत्र में हुई। जो स्वेज नहर से लगभग 300 किलोमीटर दक्षिण में एक प्रमुख मिस्र का तेल उत्पादन स्थल है। रेड सी प्रांत के गवर्नर अम्र हनाफी ने इस हादसे के बारे में बताया कि जब ड्रिलिंग जहाज पलटा तो उस वक्त उसमें 30 मजदूर सवार थे। जिसके बाद आनन-फानन में बचाव अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि बचाव दल ने चार लोगों के शव बरामद किये हैं। इसके अलावा, 22 अन्य को बचा लिया गया। वहीं, चार लोग अभी भी लापता हैं। उन्होंने बताया कि चालक दल के चार लापता लोगों की खोज के लिए अभियान रात से जारी है। मिस्र की नौसेना के जहाज इसमें लगे हुए हैं। गौरतलब है कि स्वेज की खाड़ी लाल सागर का उत्तर-पश्चिमी भाग है और यह एक महत्वपूर्ण शिपिंग मार्ग है।

बिहार में पोस्टर पॉलिटिक्स, राजद बोली...नीतीश के चेहरे पर चुनाव नहीं जीत सकते, इसलिए पीएम मोदी को आगे किया

एजेंसी

गया। बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही प्रदेश की राजनीति में सरगर्मी तेज हो गई है। राजनीतिक दल एक-दूसरे पर निशाना साधने में जुट गए हैं। इसी कड़ी में गया शहर के अलग-अलग चौक-चौराहों और दीवारों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बड़े-बड़े पोस्टर लगाए गए हैं। पोस्टरों पर स्लोगन लिखा गया है सोच दमदार, काम असरदार फिर एक बार एनडीए सरकार। माना जा रहा है कि एनडीए गठबंधन ने पोस्टर लगाकर बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है।

इन पोस्टरों पर राजद विधायक सह पार्टी प्रवक्ता सतीश दास ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि एनडीए को अब समझ में आ गया है कि नीतीश कुमार के चेहरे पर बिहार विधानसभा चुनाव नहीं जीता जा सकता है, इसलिए अब नरेंद्र मोदी जी को आगे किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि पोस्टर में दोनों नेताओं की संयुक्त तस्वीर से यह साफ झलक रहा है कि एनडीए गठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं है।

सतीश दास ने कहा कि पहली बार पटना के जदयू कार्यालय में भी प्रधानमंत्री मोदी और सीएम नीतीश कुमार की तस्वीर एक साथ लगाई गई है। इससे साफ है कि जदयू अब भाजपा में विलीन होने की तैयारी में है। पहले तो नीतीश कुमार खुद भाजपा में घुले-मिले थे, अब अपनी पूरी पार्टी को भी भाजपा में मिलाने को तैयार दिख रहे हैं। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव इसी साल अक्टूबर-नवंबर में संभावित हैं। ऐसे में गया सहित पूरे प्रदेश में पोस्टर-पॉलिटिक्स ने चुनावी हलचल को और तेज कर दिया है।

कोविड के बाद अचानक मौतों पर स्टडी, आईसीएमआर का दावा- वैक्सीन से इसका संबंध नहीं

एजेंसी

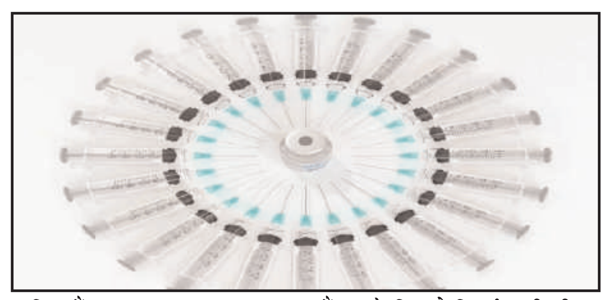

नई दिल्ली। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) और नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ने अपनी स्टडी में बताया कि देश में हार्ट अटैक से होने वाली अचानक मौतों का कोविड वैक्सीन से कोई सीधा संबंध नहीं है।

यह स्टडी 18 से 45 साल के लोगों की अचानक मौत पर आधारित है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को प्रेस रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी। स्टडी में कहा गया है कि भारत की कोविड वैक्सीन सेफ और इफेक्टिव है। इससे होने वाले गंभीर साइडइफेक्ट के मामले रेयर हैं।

स्टडी में बताया गया है कि अचानक हुई मौतों की अन्य वजहें हो सकती हैं। इनमें जेनेटिक्स, लाइफस्टाइल, पहले से मौजूद बीमारी और कोविड के बाद के कॉम्प्लिकेशन शामिल हैं।

भारत में दो कोविड वैक्सीन विकसित हुई थीं। भारत बायोटेक ने आईसीएमआर के सहयोग से कोवैक्सिन का निर्माण किया था। वहीं, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने ब्रिटिश कंपनी एस्ट्राजेनेका के फॉर्मूले से कोवीशील्ड बनाई थी।

मौत की वजह जानने के लिए आईसीएमआर और हृष्टष्ट स्टडी कर रहे आईसीएमआर और एनसीडीसी अचानक होने वाली मौतों की वजह समझने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। इसके लिए दो रिसर्च स्टडी की जा रही हैं। पहली पिछले डेटा पर आधारित थी और दूसरी रियल टाइम इन्वेस्टिगेशन से जुड़ी है।

पहली स्टडी- कोविड वैक्सीन से अचानक मौत का जोखिम नहीं आईसीएमआर के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी ने मई, 2023 से अगस्त, 2023 तक 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 47 अस्पतालों पर स्टडी की।

इसमें ऐसे लोगों का डेटा देखा गया जो स्वस्थ दिख रहे थे, लेकिन अक्टूबर, 2021 से मार्च, 2023 के बीच अचानक उनकी मौत हो गई। नतीजों से पता चला कि कोविड वैक्सीन अचानक मौत का जोखिम नहीं बढ़ाती।

दूसरी स्टडी- अधिकतर मौतों का कारण जेनेटिक म्यूटेशन यह ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस और आईसीएमआर की मदद से की जा रही है। इसका मकसद युवा वयस्कों की अचानक मौतों के कारण पता लगाना है। स्टडी के शुरुआती आंकड़ों से पता चला कि दिल का दौरा या मायोकार्डियल इंफार्क्शन इस उम्र में अचानक मौत का प्रमुख कारण है। अहम बात यह है कि पिछले कई सालों में अचानक मौत के कारणों के पैटर्न में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। अधिकतर मौतों का कारण जेनेटिक म्यूटेशन है। यह स्टडी अभी जारी है। पूरी होने पर अंतिम परिणाम साझा किए जाएंगे।

पांच देशों की यात्रा पर मोदी, घाना के लिए रवाना, ब्रिक्स सम्मेलन में करेंगे शिरकत

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को पांच देशों की यात्रा पर रवाना हो गए हैं। वह दो से नौ जुलाई तक घाना, त्रिनिदाद-टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान छह और सात जुलाई को ब्राजील में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इससे वैश्विक दक्षिण के देशों से भारत के संबंधों को नया आयाम मिलने की उम्मीद है।

पीएम मोदी की यात्रा का अंतिम पड़ाव नामीबिया होगा, जिसे उन्होंने एक भरोसेमंद साझेदार बताया। पीएम मोदी ने कहा कि वह राष्ट्रपति नेटुम्बो नंदी-नदैतवा से मुलाकात और हमारे लोगों, हमारे क्षेत्रों और व्यापक ग्लोबल साउथ के लाभ के लिए सहयोग का एक नया रोडमैप तैयार करने के लिए उत्सुक हैं। वह नामीबियाई संसद के संयुक्त सत्र को भी संबोधित करेंगे।

ब्राजील की यात्रा ब्रासीलिया में एक द्विपक्षीय राजकीय दौरे के साथ जारी रहेगी, जो लगभग छह दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला दौरा होगा। उन्होंने कहा, यह दौरा ब्राजील के साथ हमारी निकट साझेदारी को मजबूत करने और मेरे मित्र राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के साथ ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने का अवसर देगा। पीएम मोदी पोर्ट ऑफ स्पेन से ब्यूनस आयर्स जाएंगे, जो 57 साल में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का अर्जेंटीना का पहला द्विपक्षीय दौरा होगा। अर्जेंटीना को लैटिन अमेरिका में एक प्रमुख आर्थिक साझेदार और जी20 में निकट सहयोगी बताते हुए उन्होंने कहा, मैं राष्ट्रपति जेवियर माइली से मुलाकात का इंतजार कर रहा हूं, जिनसे मैं पिछले साल भी मिला था। हम कृषि, महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा, व्यापार, पर्यटन, प्रौद्योगिकी और निवेश जैसे क्षेत्रों में पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग को बढ़ाने पर ध्यान देंगे।

मनोजीत को नियमों का उल्लंघन कर संविदा कर्मचारी नियुक्त किया गया, दुष्कर्म केस की जांच जासूसी विभाग को

एजेंसी

कोलकाता। कोलकाता लॉ कॉलेज दुष्कर्म के मुख्य आरोपियों में से एक मनोजीत मिश्रा को बुनियादी नियमों का उल्लंघन कर उसी कॉलेज में अस्थायी कर्मचारी के रूप में नियुक्त किया गया था। इस बीच खबर है कि मामले की जांच का जिम्मा जासूसी विभाग संभालने जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक, कुछ महीने पहले जब कॉलेज के पूर्व छात्र मनोजीत की नियुक्ति का प्रस्ताव गवर्निंग बॉडी के सदस्यों के समक्ष रखा गया था तो आठ गवर्निंग बॉडी सदस्यों में से केवल चार ने ही उस नियुक्ति को मंजूरी देने के पक्ष में मतदान किया था। नियम यह है कि अस्थायी नियुक्तियों के लिए गवर्निंग बॉडी के सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत से मंजूरी की आवश्यकता होती है।

सूत्रों के मुताबिक, आठ गवर्निंग बॉडी सदस्यों में से चार मनोजीत की नियुक्ति के खिलाफ थे, क्योंकि मनोजीत का आपराधिक रिकॉर्ड था। उस पर गुंडागर्दी, गंभीर नुकसान पहुंचाना और कॉलेज परिसर में यौन उत्पीड़न जैसे आरोप लग चुके हैं। हालांकि, इसके बावजूद गवर्निंग बॉडी के एक प्रभावशाली सदस्य के आग्रह के बाद उनकी नियुक्ति को मंजूरी दी गई। मनोजीत उस सदस्य को कथित तौर पर चाचा कहकर संबोधित करते थे।

दुष्कर्म का मामला सामने आने के बाद कॉलेज प्रशासन ने मनोजीत की संविदा नियुक्ति को रद्द करने का निर्णय लिया है। यह भी तय किया गया है कि आरोपी को अंतरिम अवधि के दौरान प्राप्त वेतन वापस करना होगा। मामले में दो अन्य आरोपी जैब अहमद और प्रमित मुखोपाध्याय (लॉ कॉलेज के वर्तमान छात्र) को संस्थान से निष्कासित कर दिया गया है। हालांकि, विपक्षी दलों के नेताओं ने सवाल उठाना शुरू कर दिया है कि मनोजीत की नियुक्ति को कैसे मंजूरी दी गई?

मादक पदार्थों के खिलाफ तुर्किये का सबसे बड़ा ऑपरेशन, अब तक 525 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया

एजेंसी

इंस्ताबुल। तुर्की पुलिस ने गुरुवार को राजधानी अंकारा में कार्रवाई करते हुए 525 संदिग्ध ड्रग डीलरों को हिरासत में लिया है। इस कार्रवाई की जानकारी देते हुए आंतरिक मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि यह देश के इतिहास में %सबसे बड़ा नारकोटिक्स ऑपरेशन था। मंत्री के अनुसार इस अभियान में हजारों पुलिस अधिकारी, खोजी कुत्ते, ड्रोन और हेलीकॉप्टर शामिल थे और 625 से ज्यादा जगहों को निशाना बनाया गया। उन्होंने बताया कि ये छापे छह महीने तक हर संदिग्ध की तकनीकी और शारीरिक निगरानी का नतीजा थे। आंतरिक मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से कई पर इंटरनेट आधारित संचार प्लेटफार्मों के माध्यम से मोहल्लों और गलियों में मादक पदार्थों की बिक्री में शामिल होने का संदेह है। मंत्री येरलिकाया ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, %हमने उन जहर बेचने वालों को एक बार फिर बहुत स्पष्ट रूप से दिखा दिया है~जिस सड़क पर आप आए हैं, वह एक बंद गली है। आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि कार्रवाई जारी रहेगी और आने वाले दिनों में और लोगों को हिरासत में लिया जाएगा।

तुर्किये में ये छापेमार कार्रवाई मंगलवार को यूरोप भर में बड़े पैमाने पर चलाए गए अभियान के बाद की गई है। जिसमें अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क को निशाना बनाया गया। नीदरलैंड, तुर्किये, जर्मनी, स्पेन और बेल्जियम में यूरोपोल और पुलिस बलों के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान 230 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिसके दौरान 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर की संपत्ति जब्त की गई।

ब्राजील में हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे जिनपिंग, चीन ने बताया कौन लेगा उनकी जगह

एजेंसी

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ब्राजील में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग नहीं लेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने एक प्रेस कॉफ्रेंस में इस बात की पुष्टि कर दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति जिनपिंग की जगह प्रधानमंत्री ली च्यांग ब्रिक्स शिखर सम्मेलम में चीन का प्रतिनिधित्व करेंगे। हालांकि माओ निंग ने यह नहीं बताया कि जिनपिंग ने इस कार्यक्रम में न शामिल होने का निर्णय क्यों लिया। अब जबकि जिनपिंग के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में न जाने की पुष्टि हो गई है तो पिछले एक दशक में यह पहली बार होगा जब वे ब्रिक्स के सम्मेलन में शामिल नहीं होंगे।

ब्राजील के रियो डी जनेरियो में 6 और 7 जुलाई को आयोजित हो रहे ब्रिक्स देशों का वार्षिक शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस सम्मेलन में पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की जाएगी और आतंकवाद के खिलाफ मिलकर सख्त कार्रवाई की मांग की जाएगी।

इससे पहले रूसी राष्ट्रपति पुतिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा था कि रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ब्राजील में रूस का प्रतिनिधित्व करेंगे। राष्ट्रपति पुतिन वीडियो लिंक के जरिए वर्चुअली इस शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने बीते माह इसकी घोषणा की थी।

बता दें कि इस साल 17वां ब्रिक्स सम्मेलन 6-7 जुलाई को ब्राज़ील के रियो डी जनेरियो में आयोजित किया जाएगा। ब्राज़ील वर्तमान में ब्रिक्स समूह का अध्यक्ष है। इस समूह में ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। हाल ही में इस समूह को विस्तार देकर मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और यूएई को भी सदस्य बनाया गया है।

संघर्षविराम के लिए तैयार, लेकिन पूरी तरह खत्म हो युद्ध

ट्रंप के प्रस्ताव पर हमास की प्रतिक्रिया...

एजेंसी

काहिरा। हमास ने बुधवार को संकेत दिया कि वह इस्राइल के साथ युद्धविराम के लिए तैयार है, लेकिन उसने अमेरिकी समर्थित उस प्रस्ताव को सीधे तौर पर स्वीकार नहीं किया है, जिसका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कुछ घंटे पहले ही एलान किया था। हमास ने फिर से अपना पुराना रुख दोहराया और कहा कि वह ऐसा कोई समझौता तभी मानेगा, जब उससे गाजा में चल रहा युद्ध पूरी तरह खत्म हो।

राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि इस्राइल 60 दिनों के युद्धविराम पर सहमत हो गया है और अब यह हमास पर निर्भर है कि वह हालात और बिगड़ने से पहले प्रस्ताव को स्वीकार करे। ट्रंप इस्राइल और हमास दोनों पर दबाव बना रहे हैं कि वे युद्धविराम और बंधकों के मुद्दे पर कोई समझौता करें, ताकि यह युद्ध खत्म हो सके।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि यह 60 दिन का समय युद्ध को पूरी तरह खत्म करने की कोशिशों के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।हालांकि इस्राइल का कहना है कि वह युद्ध तभी खत्म करेगा, जब हमास पूरी तरह से पराजित हो जाएगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि यह समझौता संभवतः अगले हफ्ते तक तय हो सकता है। लेकिन हमास की प्रतिक्रिया ने इस प्रस्ताव पर संदेह पैदा कर दिए हैं। हमास ने फिर से दोहराया कि वह केवल तभी इस समझौते को मानेगा, जब उससे युद्ध का पूरी तरह से अंत हो।

हमास के एक अधिकारी ताहिर अल-नूनू ने कहा कि उनका पक्ष एक समझौते पर पहुंचने के लिए तैयार और गंभीर है। उन्होंने यह भी कहा कि हमास ऐसी किसी भी पहल को स्वीकार करने को तैयार है, जिससे युद्ध का पूरी तरह से अंत सुनिश्चित हो। मिस्र के एक अधिकारी के मुताबिक, हमास का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को काहिरा में मिस्र और कतर के मध्यस्थों से इस प्रस्ताव पर चर्चा करेगा। इस अधिकारी ने पहचान उजागर न करने की शर्त पर बात की, क्योंकि उसे मीडिया से इस विषय में बात करने की इजाजत नहीं थी।

करीब 21 महीनों से जारी इस युद्ध के दौरान इस्राइल और हमास के बीच कई बार युद्धविराम वार्ता हुई है, लेकिन हर बार यह इस बात पर अटक गई कि क्या युद्ध का अंत समझौते का हिस्सा होना चाहिए या नहीं। हमास का कहना है कि वह बाकी बचे हुए 50 बंधकों को छोड़ने के लिए तैयार है, जिनमें से आधे से कम के जीवित होने की संभावना है, लेकिन बदले में उसे इस्राइल को पूरी तरह से गाजा से हटाना होगा और युद्ध को समाप्त करना होगा।

इस्राइल की शर्त यह है कि वह युद्धविराम तब तक नहीं मानेगा, जब तक हमास आत्मसमर्पण नहीं करता, अपने हथियार नहीं डालता और खुद को गाजा से हटा नहीं लेता और हमास इसके लिए बिल्कुल तैयार नहीं है। इस्राइल के एक अधिकारी ने बताया कि ताजा प्रस्ताव के तहत 60 दिन का एक समझौता होगा, जिसमें इस्राइल आंशिक रूप से गाजा से पीछे हटेगा और वहां मानवीय मदद बढ़ाई जाएगी। मध्यस्थ और अमेरिका यह आश्वासन देंगे कि युद्ध खत्म करने को लेकर बातचीत होगी, लेकिन इस्राइल इस समय युद्ध समाप्त करने की बात पर सहमत नहीं है। इस अधिकारी ने मीडिया से इस योजना के बारे में बात करने की अनुमति न होने की वजह से नाम न जाहिर करने की शर्त पर जानकारी दी।

प्राथमिक शिक्षक संघ का चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान

- जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर 8 जुलाई को धरना
- 6 जुलाई को ट्विटर अभियान चलाकर जनजागरण
- विधायक और सांसदों को कल से सौंपा जाएगा अभिभावक की असहमति का ज्ञापन

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा हजारों विद्यालयों को पेयरिंग के नाम पर बन्द किया जा रहा है। प्रदेश में कम छात्र संख्या वाले प्राथमिक विद्यालय एवं 100से कम छात्र संख्या वाले उच्च प्राथमिक विद्यालयों को प्रधानाध्यापक विहीन करते हुए हजारों प्रधानाध्यापकों को सरप्लस घोषित कर दिया गया है। इसके पूर्व भी एक ही परिसर में स्थित लगभग 20हजार विद्यालयों को संविलिय करके प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के पद समाप्त कर दिये गये हैं। वर्तमान में चल रही मर्जर प्रक्रिया से जहां छात्रों से विद्यालय की दूरी अधिक होगी। वहीं हजारों रसोइयों की सेवा समाप्त हो जायेगी। इस प्रक्रिया को पूर्ण करने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों द्वारा सम्बंधित प्रधानाध्यापकों एवं ग्राम प्रधान /विद्यालय प्रबंधन समिति पर दबाव बना करके नौनिहालों की शिक्षा से खिलवाड़, हजारों प्रधानाध्यापकों के पद एवं रसोइयों की सेवा समाप्ति जैसे निर्दयी एवं कठोर निर्णय की कल्पना नहीं की जा सकती है। ज्ञात हो कि 30जून,2025 प्रदेश के 822 ब्लाकों में संघ पदाधिकारियों, बन्द किये जाने वाले छात्रों के अभिभावकों एवं ग्राम प्रधानों की बैठक में इस निर्णय के विरुद्ध जबरदस्त रोष देखने को मिला। बैठक में उपस्थित शिक्षक एवं जन समुदाय ने एक स्वर से इस निर्णय का विरोध करने का प्रस्ताव पारित किया है। जिलाध्यक्ष अरविंद शुक्ल ने बताया कि प्रदेश के हजारों प्रधानाध्यापकों को सरप्लस घोषित करने तथा हजारों विद्यालयों को बंद करने के निर्णय के विरोध में 03 जुलाई 2025 से 4 जुलाई 2025 तक संघ के बैनर तले शिक्षकों अभिभावकों ग्राम प्रधानों एवं रसोइयों द्वारा संबंधित विधानसभा पब्लिक लोकसभा क्षेत्र के माननीय विधायक /माननीय सांसदों के को संबंधित विषय पर ज्ञापन सौंपा जाएगा। 06जुलाई, 2025 को अपराह्न 01बजे से एक्स/ट्विटर पर हैशटैग अभियान चला कर जन जागरण किया जायेगा और 08 जुलाई,2025 को सम्बंधित जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर धरना देकर जिलाधिकारी के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार को ज्ञापन प्रेषित किया जायेगा। आज इस आशय की सूचना संघ के द्वारा ज्ञापन के माध्यम से नगर मजिस्ट्रेट को दी गई।

विद्यालय मर्जर पेयरिंग के विरोध में शिक्षकों ने किया धरना प्रदर्शन

आजमगढ़। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले अध्यक्ष सुरेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में तथाकथित परिषदीय विद्यालयों में कम छात्र संख्या को आधार बनाकर पेयरिंग/ मर्जन किए जाने के विरोध में शिक्षकों द्वारा धरना प्रदर्शन कर बीसीए को ज्ञापन सौंपा गया। संगठन अध्यक्ष ने बताया कि पूर्व में तैनाती के समय विद्यालयों में शिक्षकों का असमान वितरण कर दिया गया था। जिसके कारण विद्यालयों में आवश्यकता से अधिक शिक्षकों और कुछ विद्यालयों में शिक्षकों की काफी कमी हो गई। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ का कथन है कि कम छात्र संख्या को आधार बनाकर पेयरिंग/मर्जन किये जाने की कार्यवाही शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 एवं बाल शिक्षा अधिकार के सर्वथा विपरीत एवं विधि विरुद्ध है। शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 में प्रावधान किया गया और इसी के अनुरूप पूरे प्रदेश में विद्यालयों की स्थापना की गई। कहा कि यदि सरकार इस अपने इस निर्णय को समाप्त नहीं करेगी तो हम शिक्षक सड़कों पर उतरने को बाध्य होंगे।

'आप' ने किया प्रदर्शन

- सरकारी स्कूलों की स्थिति और शराब नीति के विरोध में उतरे कार्यकर्ता

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश सरकार की शराब नीति और सरकारी स्कूलों को लेकर कथित उपेक्षा के खिलाफ आज आम आदमी पार्टी (आप) ने प्रयागराज में जोरदार प्रदर्शन किया। पार्टी के जिला अध्यक्ष सर्वेश कुमार यादव और जिला महासचिव सौरभ सिंह के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता और पदाधिकारी प्रयागराज जिला कलेक्ट्रेट परिसर (कचहरी) में सुबह 11:45 बजे एकत्रित हुए और मधुशाला नहीं, पाठशाला चाहिए का नारा बुलंद किया। आम आदमी पार्टी का आरोप है कि उत्तर प्रदेश की डबल इंजन सरकार प्रदेश में शराब की दुकानों और बार को बढ़ावा दे रही है, जबकि दूसरी ओर सरकारी स्कूलों की हालत बदतर होती जा रही है।

आप नेताओं ने कहा कि योगी सरकार की नीतियां शिक्षा विरोधी हैं और वह जानबूझकर शिक्षा के अधिकार को कमजोर करने का प्रयास कर रही है।प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने हाथों में प्लेकार्ड और बैनर लेकर जोरदार नारेबाजी की। नेताओं ने कहा कि सरकार का प्राथमिकता क्रम अब स्पष्ट हो गया है - शिक्षा नहीं, शराब की बिक्री उसके एजेंडे में ऊपर है। जिला अध्यक्ष सर्वेश कुमार यादव ने कहा कि जब तक प्रदेश में हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिलती, हम चुप नहीं बैठेंगे। स्कूलों को बंद कर शराब की दुकानें खोलना दुर्भाग्यपूर्ण है। जिला महासचिव सौरभ सिंह ने कहा कि पार्टी हर जिले में इसी मुद्दे पर आंदोलन तेज करेगी और अगर जरूरत पड़ी तो राज्यव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को ज्ञापन भी सौंपा जिसमें सरकारी स्कूलों की बहाली, शिक्षा बजट में बढ़ोतरी और शराब नीति की समीक्षा की मांग की गई।

संक्षिप्त समाचार

08 स्कूली वाहनों पर हुई कार्रवाई

जौनपुर, अवधनामा संवाददाता। परिवहन आयुक्त उ0प्र0 द्वारा एवं जिलाधिकारी के आदेशानुसार 01 जुलाई 2025 से 15 जुलाई 2025 तक स्कूली वाहनों के प्रति विशेष चेकिंग अभियान चलाये जाने के निर्देश दिये गये है। उक्त के अनुपालन में पुलिस विभाग और परिवहन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा 02 जुलाई 2025 को स्कूली वाहनों के विरूद्ध सघन जॉच की गयी जिसमें मानक के अनुरूप न पाये जाने वाले 08 स्कूली वाहनों का चालान/बन्द की कार्यवाही की गयी है। उक्त के साथ जनपद के समस्त स्कूल प्रबन्धकों एवं वाहन स्वामियों को निर्देशित किया गया है कि वाहनों को मानक के अनुरूप कराकर ही संचालन किया जाय। उक्त अवसर पर एआरटीओ सत्येंद्र कुमार सिंह, यातायात निरीक्षक सुशील मिश्रा सहित समस्त प्रवर्तन कार्मिक उपस्थित रहे।

जनरल सर्जन डा. मूलचंद पटेल सीएचसी बदलापुर में संभाला कार्यभार

जौनपुर (बदलापुर) शासन ने सीएचसी बदलापुर में सर्जन पद पर जो जिम्मेदारी सौंपी है उसका निष्ठित भाव से ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करेंगे। यह बातें सीएचसी बदलापुर में सर्जन के पद कार्य भार ग्रहण करने के दौरान मंगलवार को डॉ मूलचंद ने कही। मूलतः सुजानगंज थाना क्षेत्र के मधुपुर गांव निवासी डॉ मूलचंद पटेल बचपन से ही पढ़ाई लिखाई में कुशाग्र थे। उनकी प्रारम्भिक शिक्षा दीक्षा गांव के ही प्राथमिक विद्यालय में हुई थी। मुंगराबादशाहपुर के सर्वोदय इन्टर कालेज से बीएससी करने के बाद वह कानपुर से नीट की परीक्षा उत्तीर्ण कर दिल्ली से एमबीबीएस करने के बाद वहीं से एम एस भी किया। बदलापुर में जनरल सर्जन के पद पर डॉ मूलचंद पटेल की पहली पोस्टिंग है। सर्जन पद पर बदलापुर में नियुक्ति होने से क्षेत्रीय लोगों को अब भारी राहत मिलेगी।

चलती बस में लगी भीषण आग, ड्राइवर की सूझबूझ से बाल-बाल बचे 14 यात्री

जौनपुर, अवधनामा संवाददाता। दिल्ली से वाराणसी जा रही एक प्राइवेट बस में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया जब चलते समय अचानक उसमें आग लग गई। घटना सिकरारा थाना क्षेत्र के प्रतापगंज बाजार के पास जौनपुर-प्रयागराज मार्ग पर हुई। बस में उस वक्त कुल 14 यात्री सवार थे। आग लगने के बाद ड्राइवर ने तुरंत बस को किनारे रोक सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। ड्राइवर की सतर्कता से बड़ा हादसा टल गया, हालांकि यात्रियों का सामान जलकर राख हो गया।स्थानीय ग्रामीणों ने आग बुझाने की कोशिश की लेकिन तब तक बस पूरी तरह जल चुकी थी। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंच गई। आग लगने के कारणों की जांच जारी है।

पंजाब एवं बंगाल के कलाकारों को मिला सम्मान

प्रयागराज। श्री जगन्नाथ जी महोत्सव समिति ट्रस्ट द्वारा प्रयागेस्वर जगन्नाथ मंदिर काशी राजनगर कटघर के प्रांगण में ट्रस्ट के अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद गुप्ता एवं मंत्री गगन दास गुप्ता ने रथ यात्रा महोत्सव में पंजाब जालंधर से आएं कलाकारों के द्वारा शानदार झांकी का प्रदर्शन और महा भंडारे में बंगाल के कलाकारों के द्वारा भगवान जगन्नाथ जी का मनमोहक सोनावेश श्रृंगार किए जाने पर उन्हें भगवान जगन्नाथ जी का प्रतीकात्मक प्रतीक चिन्ह, पुस्तिका एवं अंगवस्त्रम पहनाकर सम्मानित किया। सम्मानित करने वालों में अमर रस्तोगी, राजेश केसरवानी, त्रिलोकी केसरवानी, शुभम अग्रवाल, हैप्पी कसेरा, अजय अग्रहरि, सुनील आदि ट्रस्ट के पदाधिकारी गण रहे।

पेट्रोल टैंकर पलटा, कोई हताहत नहीं

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। बमरौली क्षेत्र के बेगमबाजार में आज सुबह एक बड़ा हादसा टल गया, जब एक पेट्रोल से लबालब भरा टैंकर अचानक तेज रफ्तार में अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। गनीमत रही कि जिस वक्त हादसा हुआ, सड़क पर ट्रैफिक बहुत कम था, जिससे किसी जानमाल की क्षति की खबर नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टैंकर के पलटते ही एक जोरदार आवाज हुई और सड़क पर पेट्रोल फैलने लगा। टैंकर से पेट्रोल लीक होता देख स्थानीय लोग तुरंत सतर्क हो गए और घटनास्थल की ओर दौड़े। लोगों ने आग लगने की आशंका के चलते तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही बेगम बाजार पुलिस चौकी से पुलिस मौके पर पहुंची और आस-पास की पूरी जगह को घेराबंदी कर खाली कराया। इसके बाद दमकल विभाग को भी सूचित किया गया। कुछ ही देर में दमकल की गाड़ियां भी घटनास्थल पर पहुंच गई और सुरक्षा के सभी इंतजाम करते हुए टैंकर से पेट्रोल को ट्रांसफर करने की प्रक्रिया शुरू की गई। दमकल और पेट्रोलियम विभाग की टीम मिलकर पेट्रोल को सुरक्षित तरीके से निकाल रही है, ताकि आग लगने या विस्फोट जैसी कोई दुर्घटना न हो। इसके बाद क्रेन की मदद से टैंकर को सीधा किया जाएगा और सड़क को पूरी तरह से यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। इस हादसे के चलते बेगमबाजार से सटे कुछ इलाकों में ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया है। पुलिस और प्रशासन की मुस्तैदी से एक बड़ी अनहोनी टल गई। फिलहाल घटनास्थल पर स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

गरीब बच्चों को शिक्षा से वंचित करना बंद करो

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय के आह्वाहन पर महानगर प्रयागराज कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप मिश्र अंशुमन के नेतृत्व में आज प्राथमिक एवं जूनियर स्कूलों के मर्ज करने संबंधी कार्य के विरोध में राज्यपाल को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी प्रयागराज को दिया गया। ज्ञापन देने के बाद महानगर प्रयागराज के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप मिश्र अंशुमन ने कहा कि उत्तर प्रदेश की बीजेपी सरकार ने छोटे छोटे बच्चों, युवाओं, छात्रों और बेरोजगारों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। शिक्षा ही किसी भी देश की मजबूती का आधार होती है और योगी जी उसी को समाप्त करने पर आमादा हैं। भारत के संविधान में प्राविधानित है कि 6 वर्ष से 14 वर्ष तक के बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करने का मौलिक अधिकार है सरकार उनके मौलिक अधिकार को छीनने का कार्य कर रही है। स्कूलों के मर्ज करने से ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को 3 किमी से 5 किमी तक दूरी तय करनी पड़ेगी जिसके कारण उन गरीब अभिभावकों को अपने बच्चों को पढ़ाना संभव नहीं होगा। निजी स्कूलों में तो पैसे वाले लोग अपने बच्चों को पढ़ा लेंगे लेकिन उन गरीब अभिभावकों के बच्चों का क्या होगा जो नरेगा में मजदूरी करके अपने बच्चों का पेट पाल रहे हैं। 81 करोड़ लोगों की मुस्त अनाज देकर सरकार स्वयं सिद्ध कर रही है कि हमारे देश में इतने 81 करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे हैं। सरकार समस्या की जड़ में न जाकर शिक्षा को नष्ट कर रही है, यदि स्कूलों में छात्र संख्या कम है और पढ़ाई नहीं हो रही है तो इसके लिए पूरा सिस्टम जिम्मेदार है। सरकार के मुख्यमंत्री, शिक्षामंत्री, शिक्षा निदेशक बेसिक, एडी, जेडी, बीएसए, एबीएसए, संकुल प्रभारी हेड मास्टर क्या कर रहे थे जब छात्र संख्या स्कूलों में कम हो रही थी। सरकार जब शिक्षकों से शौचालय की गिनती करवाएगी, नेताओं और मंत्रियों का स्वागत शिक्षकों से करवाएगी तो शिक्षा कैसे मजबूत होगी। सभी जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए। रिक्त पदों पर शिक्षकों की नियुक्ति की जाय और इमानदारी पूर्वक सभी का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जाए तो न छात्र संख्या कम होगी और न ही पढ़ाई कमजोर होगी न ही स्कूलों को मर्ज करना पड़ेगा।

ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रुप से पू महानगर अध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्र अंशुमन,मो इरफ़ान,देवी पांडेय, लल्लन पटेल, विनय पांडेय, मो असलम, प्रवीण सिंह भोले, अनूप सिंह, इस्तियाक अहमद, अब्दुल कलाम आज़ाद, विवेक पांडेय, श्याम जी शुक्ला, निशात फातिमा, राजीव रंजन, सुशील मिश्रा, कुलदीप गिहार, राजेंद्र मिश्रा समीर, शादाब अहमद, रामलखन यादव, मुन्नू केसरवानी, दिलीप पटेल, राजेंद्र अग्रवाल, प्रदीप वर्मा, राजेंद्र श्रीवास्तव,फोटो देवी, राजू केसरवानी, रेयाज़ अहमद उपस्थित रहे।

ऑटो चालकों से अवैध वसूली करने वाले व्यक्ति के यूनियन ने की कारवाई की मांग

जौनपुर, अवधनामा संवाददाता। ऑटो रिक्शा थ्री व्हीलर चालक यूनियन ने एक व्यक्ति द्वारा की जा रही अवैध वसूली के खिलाफ कार्रवाई के लिए डीएम व एसपी को ज्ञापन सौंपा। यूनियन के जिला अध्यक्ष कमलेश गिरीं ने बताया कि विद्वान नाम का एक व्यक्ति पहले वाहन स्टैंड पर लोडर का काम करता था। वह लोडर के पद का दुरूपयोग कर ऑटो चालकों से यातायात और पुलिस के नाम पर अवैध वसूली करता था। शिकायत के बाद उसे पद से हटा दिया गया। रंजिश वश विद्वान द्वारा यातायात विभाग और यूनियन के खिलाफ फर्जी वीडियो बनाकर ट्विटर पर वायरल करता है। ऑटो चालकों से धन की मांग करता है। यूनियन के लोगों ने मांग की विद्वान के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएं। इस मौके सैकड़ों ऑटो चालक मौजूद रहे।

डॉक्टर डे के अवसर पर स्वास्थ्य जागरूकता कैंप आयोजन किया गया

आजमगढ़, अवधनामा संवाददाता। नेशनल डॉक्टर्स डे के अवसर पर आज सेंट जेवियर्स हाई स्कूल समेदा के प्रांगण में डॉक्टर अजय यादव सीनियर कोऑर्डिनेटर हेड ऑफ़ डिपार्मेंट लाइफ लाइन एजुकेशन इंस्टिट्यूट समेदा आजमगढ़ के तत्वाधान में स्वास्थ्य जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया द्य जिसमें डा वीरपाल, मोहम्मद मेराज, अनुपम भाटी ,प्राना राना, गरिमा यादव ने बच्चों को स्वास्थ्य संबंधित अनेक प्रकार की जानकारियां दी उन्होंने बच्चों को अपने संबोधन में बताया कि हमें जंक फूड का सेवन कभी नहीं करना चाहिए जंक फूड हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं किस फूड को खाने से कौन सी विटामिन मिलती है हमें कार्बोहाइड्रेट की जरूरत होती है तथा किस प्रकार से हम अपनी किडनी और लीवर को स्वस्थ रख सकते हैं हमें अपनी बीमारियों में किस प्रकार से प्राथमिक उपचार करके निवारण मिल सकता है द्य उन्होंने बच्चों को बताया कि जब हमारे शरीर में कोई बीमारी नहीं होगी किसी प्रकार की विटामिन की कमी नहीं होगी तो हमारा शरीर स्वस्थ रहेगा हमारा मन पढ़ने में लगेगा बच्चों ने उनकी बातों को बड़े ध्यान से सुना और जीवन में अमल करने की शपथ ली। जागरूकता कैंप की समाप्ति पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री विनंजय शर्मा जी ने सभी बच्चों को जीवन में स्वास्थ्य के प्रति सदैव जागरूक रहने के लिए प्रोत्साहित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

नशे में धुत युवक ने मां, बच्चों समेत खुद को मारी गोली

जहानागंज/आजमगढ़। यह पूरी घटना जिले के जहानागंज थाना क्षेत्र के चकिया मुस्तफाबाद गांव में घटित हुई है। जहां नीरज पांडे ने अपनी ही मां और दोनों बच्चों समेत खुद को भी गोली से उड़ा दिया। मामले में पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा ने बताया कि पारिवारिक क्लेश के चलते नशे में धुत युवक ने इस घटना को अंजाम दिया है। जिसमें युवक और उसकी मां की मौके पर ही मौत हो गई। घायल बच्चों को इलाज के लिए पहले सीएचसी केंद्र ले गए। वहां से इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर किया गया। जहां चार वर्षीय बालक सार्थक को मृत घोषित कर दिया गया। वही सात वर्षीय बेटी समृद्धि का अभी इलाज चल रहा है। घटना को अंजाम देने वाला युवक वाराणसी में पेट्रोल टंकी पर तेल भरने का काम करता था। कल रात ही घर आया था। पुलिस ने घटना स्थल से एक प्राइवेट पिस्टल बरामद किया है। घटना का सही कारण पता करने के लिए पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुटी हुई है।

चोरी की बाइक के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

जीयनपुर/आजमगढ़। दिनांक 27.06.2025 को आवेदक वृजेश शर्मा पुत्र फूलचन्द्र शर्मा निवासी रामपुर पोस्ट अमुवारी थाना जीयनपुर जनपद आजमगढ उपस्थित थाना आकर प्रार्थना पत्र दिये की दिनांक 28.05.2025 को अपनी मोटरसाइकिल पैशन प्रो P 50 Z ×××× प्राचीन शिव मन्दीर जीयनपुर के सामने गाडी खडी कर सामान लेने गया था कुछ समय वाद वापस आया तो वहा पर मेरी मोटरसाइकल नही थी अपने गाडी कि काफी खोजबीन करता रहा जब मोटरसाइकिल के सम्बन्ध में कोई भी जानकारी नही मिल सकी तो दिनांक 27/06/25 थाना पर प्रार्थना पत्र दिया के सम्बन्ध थाना स्थानीय पर मु0अ0स0 241/2025 धारा 303 (2) BNS बनाम अज्ञात चोर के पंजीकृत हुआ जिसकी उ0नि0अमित कुमार वर्मा द्वारा सम्पादित की जा रही है । विवेचना के क्रम मे गिरफ्तारी का विवरण /घटना का अनावरण- दिनांक 28.06.2025 को उ0नि0 अमित कुमार वर्मा मय हमराह द्वारा मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अभियुक्त राहुल चौहान पुत्र केशव चौहान निवासी मुहल्ला संग्रामपुर राजा उनवल थाना खजनी जनपद गोरखपुर उम्र करीब 21 वर्ष को चोरी की बाइक के साथ समय करीब 00.20 बजे बरामद किया गया।

अब्दुल कय्यूम अंसारी व वीर अब्दुल हमीद के जीवन से सीख ले मुस्लिम समाज : अफजल

- जयंती पर आल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज ने दी श्रद्धांजलि

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। स्वतंत्रता सेनानी बाबा-ए-कौम अब्दुल कय्यूम अंसारी व 1965 के भारत पाक जंग के नायक परमवीर चक्र विजेता वीर अब्दुल हमीद की जयंती आल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज आजमगढ़ की ओर से जिलाध्यक्ष मोहम्मद अफजल इदरीसी के गुरुटोला स्थित कार्यालय पर मनाया गया। सभी लोगों ने इन दोनो महापुरूषों को उनके चित्र पर पुष्पाजंलि अर्पित कर श्रद्धाजंलि अर्पित किया।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्था के अध्यक्ष, सभासद व ज़िला योजना समिति के सदस्य मोहम्मद अफजल इदरीसी ने कहा कि अब्दुल कय्यूम अंसारी आज भले ही हमारे बीच नहीं हैं लेकिन उनके देश प्रेम और योगदान इतिहास के सुनहरे पन्नों में अंकित है। अब्दुल कय्यूम अंसारी 1942 में गांधी जी के भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया था। 1947 में उन्होंने भारत के बंटवारे का जमकर विरोध किया। अफजल ने कय्यूम अंसारी व वीर अब्दुल हमीद के पदचिन्हों पर संकल्प लेने की बात कहते हुए शिक्षित होकर देश के विकास में अपना योगदान देने की अपील किया। आल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज के प्रदेश सचिव परवेज अहमद राईन ने बताया कि अब्दुल कय्यूम ने 1953 ऑल इंडिया बैकवर्ड क्लासेस कमीशन का गठन कराया जो एक बड़ा कदम था। उन्होंने हमेशा देश के कमजोर वर्गो के उत्थान के लिए कार्य किया। वह भारत की हिन्दू मुस्लिम एकता के प्रतीक थे। निशीथ रंजन तिवारी एडवोकेट ने कहा कि वीर अब्दुल हमीद गाज़ीपुर के एक महान योद्धा थे, जिन्होंने 1965 के भारत-पाक युद्ध में अपने अद्वितीय साहस और पराक्रम से भारतीय सेना को विजय की ओर अग्रसर किया। उन्होंने अपने प्राणों की आहुति देते हुए चार पाकिस्तानी पैटन टैंकों को नष्ट कर भारतीय सेना को निर्णायक बढ़त दिलाई। उनकी बहादुरी ने न केवल गाज़ीपुर, बल्कि पूरे देश को गर्व से भर दिया। कार्यक्रम का संचालन कवि, शायर एवं साहित्यकार नामी चिरैयाकोटी ने किया। संचालन करते हुए नामी चिरैयाकोटी ने वीर अब्दुल हमीद के शौर्य, साहस एवं पराक्रम की प्रशंसा करते हुए उन्हें चंद शेरों के माध्यम से अपनी श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर फखरे आलम बंटी इदरीसी, खालीद अंसारी, मुनव्वर इदरीसी सदरे आलम इदरीसी, अकील इदरीसी, नफीस इदरीसी, पप्पू इदरीसी, सैफ अहमद इदरीसी, रजी आलम, शाहनवाज इदरीसी, अब्दुल जैद आलम इदरीसी, रेयाज अहमद इदरीसी, अरविंद चौरसिया मनीष कृष्ण साहिल, रामजनम निषाद लोग लोग उपस्थित थे।

पुरुष आयोग की मांग को लेकर दिल्ली में होगा प्रदर्शन

- जन कल्याण समिति 170 संस्थाओं के साथ जंतर-मंतर पर करेगी विरोध

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। देश में पुरुषों के अधिकारों और सुरक्षा की मांग को लेकर एक नई मुहिम शुरू हो गई है। इलाहाबाद जन कल्याण समिति के बैनर तले देशभर की 170 सामाजिक संस्थाएं एकजुट होकर दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना-प्रदर्शन करने जा रही हैं। इस आंदोलन की अगुवाई समिति के अध्यक्ष मोहम्मद हन्जला उर्फ सद्दाम हुसैन कर रहे हैं।

हन्जला ने कहा कि देश में पशुओं, महिलाओं, बच्चों और कई वर्गों के हित में आयोग और मंत्रालय बने हुए हैं, लेकिन आज तक पुरुषों के लिए न कोई आयोग है और न ही कोई मंत्रालय। यह एक गंभीर सामाजिक असंतुलन है। उन्होंने कहा कि देश में पुरुषों की आबादी अधिक होने के बावजूद उनकी समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि महिला कानूनों का दुरुपयोग बढ़ता जा रहा है। अक्सर प्रभावशाली और संपन्न पुरुषों पर झूठे आरोप, खासकर नाबालिग लड़कियों के साथ दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के तहत लगवाए जाते हैं। फिर पीड़ित को ब्लैकमेल कर समझौते के नाम पर मोटी रकम वसूली जाती है।

हन्जला का कहना है कि झूठे आरोप लगाना कानूनन अपराध है, लेकिन इस पर कड़ी कार्रवाई नहीं होती, जिससे इस प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि जब तक झूठी शिकायतों और मुकदमों पर सख्त कानून नहीं बनते, तब तक कई निर्दोष पुरुषों की जिंदगी बर्बाद होती रहेगी।

समिति ने देश के सभी पुरुषों और समानता में विश्वास रखने वाले नागरिकों से अपील की है कि वे इस मुहिम में कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। हन्जला ने कहा कि न जाने कब किसी निर्दोष पर झूठा आरोप लग जाए और उसकी पूरी जिंदगी तबाह हो जाए। इससे पहले हमें आवाज़ उठानी होगी। समिति का यह आंदोलन पुरुषों को समान अधिकार और न्याय दिलाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि धरने की तारीख और अधिक जानकारी जल्द जारी की जाएगी।

उत्तर रेलवे

प्रथम शुद्धि पत्र

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

निविदा सूचना संख्या 06702025 दिनांक: 17.06.2025

निविदा सूचना सख्या 06702025 दिनांक 17.06.2025 जो दिनॉक 01.07.2025 को निम्नलिखित कार्य हेतु हिन्दी समाचार पत्र में प्रकाशित हुयी थी। जिसमें निविदा बन्द होने की तिथि 09.07.2025 को 15:00 बजे है, में निविदा बन्द होने की तिथि में संशोधन किया गया है जो निम्नलिखित है:–

क्रम संख्या	निविदा संख्या	कार्य का नाम	प्रकाशित निविदा बंद होने की तिथि	संशोधित निविदा बंद होने की तिथि
1	09/Sr. DEN-I/ LKO/ 2025-26	सहायक मण्डल इंजीनियर/ वर्कशॉप/ आलमबाग/लखनऊ के अधीन वरि. खण्ड अभियन्ता/कार्य/ वर्कशॉप/ आलमबाग के खण्ड में पहुंच मार्ग के साथ जीएसडी/ आलमबाग/ लखनऊ के परिसर में स्मार्ट वार्ड और स्वचालित भंडारण और पुनर्प्राप्ति प्रणाली (एएसआरएस) का प्रावधान ।	09.07.2025	22.07.2025
2	10/Sr. DEN-I/ LKO/ 2025-26	सहायक मण्डल इंजीनियर/ वर्कशॉप/ आलमबाग/लखनऊ के अधीन वरि. खण्ड अभियन्ता/कार्य/ वर्कशॉप/ आलमबाग के खण्ड में एसटीसी, बीटीसी, एसटीसी छात्रावास में दीवार प्लास्टर, फर्श, ईंटवर्क, छत, पेंटिंग, ओबीडी पुट्टी, सड़क कार्य, नाली कार्य, एल्यूमीनियम कार्य और निराकरण कार्य की भारी मरम्मत ।	09.07.2025	22.07.2025

अन्य सभी नियम एवं शर्तें प्रकाशित के तदानुसार होगी।

सं.: प्रथम शुद्धिपत्र / 06702025 / Sr.DEN-I/LKO/2025-26 दिनांक 01.07.2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1992/25

कार्यालय अलीगढ़ नगर निगम, अलीगढ़।

कक्ष सं. 308, सेवा भवन, लाल डिग्गी, अलीगढ़

Email ID: gmjalaligarh@gmail.com

पत्रांक : 389/अ0ज0क0वि0/2025-26 दिनांक : 02-07-2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

जलकल विभाग नगर निगम अलीगढ़ द्वारा बापूधाम में जलनिकासी हेतु पम्प हाउस निमार्ण का कार्य हेतु ई-निविदा डबल बिड (टैक्नीकल/फाइनेन्सियल) सिस्टम में आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र उत्तर प्रदेश की ई-प्रिक्योरमेन्ट की वेवसाइट www.etender.up.nic.in से प्राप्त किये जा सकते हैं।

5. निविदा आमंत्रण की अंतिम तिथि 08.07.2025 की अपरान्ह 2:00 बजे तक।
6. निविदा की टैक्नीकल बिड खोले जाने की तिथि 09.07.2025 अपरान्ह 2:00 बजे।
7. फाइनेन्सियल बिड केवल उन निविदादाताओं की खोली जायेगी जो टैक्नीकल बिड में, अर्ह पाये जायेंगे।
8. फाइनेन्सियल बिड खोले जाने का विवरण बेवसाइट www.etender.up.nic.in से ही प्राप्त किया जा सकेगा।

नोटः- अन्य जानकारी व समस्त शर्तें वेवसाइट www.etender.up.nic.in पर देखी जा सकती हैं।

सहायक अभियन्ता (जल)
नगर निगम अलीगढ़।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने दर्ज की अब तक की सबसे बड़ी छमाही बिक्री

लखनऊ। स्कोडा ऑटो इंडिया ने भारत में अपने 25 साल के सफर में अब तक की सबसे ज्यादा छमाही बिक्री दर्ज की है। कंपनी ने 2025 की पहली छमाही में 36,194 से अधिक गाड़ियां बेचने का नया रिकॉर्ड बनाया है। स्कोडा इस साल भारत में अपनी 25वीं और दुनिया भर में 130वीं वर्षगांठ मना रही है और तेज़ी से आगे बढ़ रही है।

इस उपलब्धि के बारे में स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर आशीष गुप्ता ने कहा, "हमारी ऐतिहासिक अर्धवार्षिक बिक्री दिखाती है कि भारत में ग्राहकों ने स्कोडा के प्रोडक्ट्स एवं सेवाओं को मजबूती से अपनाया है। हमारे ग्राहक हर दिन अपने आसपास की दुनिया को एक्स्प्लोर करना पसंद करते हैं। हमारे पोर्टफोलियो में कायलैक को जोड़कर, हम अब 'हर किसी के लिए एक एसयूवी' एवं हमारी सेडान गाड़ियों के जरिये उनके सफर को और बेहतरीन बना रहे हैं। हमारा मकसद भारत में अपने उत्पादों, सेवाओं एवं टचप्वाइंट्स के साथ हमारे ग्राहकों के और करीब आना है। यह उपलब्धि हमें समय पर नए उत्पाद लाकर, अपनी गाड़ियों और सेवाओं को बेहतर बनाकर, और शानदार स्वामित्व अनुभव के साथ ग्राहकों का लगातार विश्वास जीतने पर फोकस करके प्रासंगिक बने रहने के लिए प्रोत्साहित करती है।

2025 की पहली छमाही में 36,194 से अधिक गाड़ियां बेचकर कंपनी भारत में सात शीर्ष ऑटोमोटिव ब्रांड्स में शामिल हो गई है। 2024 की रैंकिंग से इसमें चार पायदान की छलांग देखने को मिली है। इसके अलावा, स्कोडा ऑटो इंडिया ने 2022 की पिछली सर्वश्रेष्ठ अर्धवार्षिक बिक्री 28,899 गाड़ियां के आँकड़े को भी पार कर लिया है।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने 2025 की शुरुआत काइलैक के लॉन्च के साथ की, जो ग्राहकों के लिए इसका पहला 4 मीटर से छोटा एसयूवी है। यह गाड़ी स्कोडा परिवार में एक नया और किफायती विकल्प है, जो बड़े शहरों (टियर 1) में ब्रांड की पहुंच को बढ़ाने और छोटे शहरों (टियर 2 और 3) में विस्तार करने में मदद कर रहा है। इसके बाद दूसरी पीढ़ी का कोडिएक लग्जरी 4×4 लॉन्च किया गया। कुशाक के साथ, स्कोडा के पास अब देश भर में ग्राहकों की अलग-अलग परिवहन जरूरतों को पूरा करने के लिए एसयूवी की व्यापक रेंज है। स्कोडा स्लाविया सेडान के साथ अपनी सेडान गाड़ियों की परंपरा को भी मजबूत कर रहा है और जल्द ही भारत में एक विश्व प्रसिद्ध मॉडल लॉन्च करने वाला है। इसके अलावा, स्कोडा ऑटो इंडिया अपनी सभी गाड़ियों में सबसे आधुनिक ऑटोमैटिक और डायरेक्ट इंजेक्शन टर्बोचार्ज्ड इंजन भी उपलब्ध कराता है। इससे ग्राहकों को गाड़ी चलाने का एक सुविधाजनक, आरामदायक, सुरक्षित और आनंददायक अनुभव मिलता है।

अब बिना अनुमति नहीं कर पाएंगे झींगा और समुद्री मछली पालन, सरकार ने तय किए सख्त नियम

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने झींगा और समुद्री मछली (फिनफिश) पालन को नियंत्रित करने के लिए नई गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत झींगा और मछली की बीज उत्पादन इकाइयों (हैचरी) और फार्मों के संचालन के लिए नियम बनाए गए हैं। इसका मकसद समुद्री और खारे पानी में पाले जाने वाले देशी झींगा और मछलियों के पालन को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाना है।

मछली पालन विभाग ने 26 जून को देशी झींगा के बीज उत्पादन और पालन के लिए हैचरी और फार्म गाइडलाइन 2025 अधिसूचित की। इसके तहत जो भी हैचरी देशी झींगा के बीज उत्पादन में लगी है या लगना चाहती हैं, उनके पास जैव सुरक्षा और क्वारंटीन की सुविधाएं होनी चाहिए। ऐसे हैचरी ही पंजीकरण के लिए आवेदन कर सकती हैं। पंजीकरण कोस्टल एक्वाकल्चर अथॉरिटी एक्ट 2005 और कोस्टल एक्वाकल्चर अथॉरिटी रूल्स 2024 के तहत किया जाएगा। नई गाइडलाइन में साफ कहा गया है कि हैचरी में सिर्फ वही कर्मचारी प्रवेश कर सकेंगे, जिन्हें वहां काम करने की अनुमति होगी। किसी भी बीमारी के प्रकोप की स्थिति में तुरंत प्राधिकरण को सूचना देनी होगी। हैचरी में पानी का संग्रह, उपचार और अपशिष्ट जल के निस्तारण के भी नियम तय किए गए हैं। देशी झींगा पालन करने वाले सभी फार्म को भी प्राधिकरण से अनुमति लेनी होगी। उन्हें केवल अधिकृत हैचरी से परीक्षण और प्रमाणित बीज ही खरीदना होगा। साथ ही, फार्म में सुरक्षा के पूरे इंतजाम करने होंगे, जैसे कि चारदीवारी, जल उपचार के लिए तालाब, पक्षियों से सुरक्षा के उपाय और हर तालाब के लिए अलग उपकरण रखने होंगे। नई गाइडलाइन में स्पष्ट किया गया है कि फार्म का संचालन ऐसे कर्मचारी करेंगे, जिन्हें जैव सुरक्षा प्रबंधन की ट्रेनिंग या अनुभव होगा। इससे झींगा और मछली में बीमारी फैलने की संभावना को कम किया जा सकेगा। इसके अलावा, किसानों को बीज खरीदने वाली हैचरी का पूरा रिकॉर्ड रखना होगा।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस ने भारत में पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 'बिग रीड ग्लोबल चैलेंज' का सातवां संस्करण शुरू किया

लखनऊ। एक हालिया अध्ययन के मुताबिक, भारतीय हर हफ्ते औसतन 10 घंटे 42 मिनट पढ़ने में बिताते हैं। यानी पढ़ने के समय के मामले में भारत दुनिया में सबसे आगे है। लेकिन इसके बावजूद खासकर स्कूली बच्चों में पढ़ी हुई चीज़ों को समझने और गहराई से जुड़ने की क्षमता में अब भी काफी कमी देखी जा रही है।ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस इंडिया के प्रबंध निदेशक सुकांत दास ने कहा, "एनसीएफ 2023 ने पढ़ने को एक बुनियादी योग्यता माना है, जो बाकी सभी विषयों की नींव बनती है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस में हमारा मानना है कि पढ़ना न सिर्फ एक ज़रूरी क्षमता है, बल्कि यह बच्चों में जिज्ञासा, सहानुभूति और स्वतंत्र सोच को भी बढ़ावा देता है।"उन्होंने आगे कहा, "ऑक्सफोर्ड बिग रीड चैलेंज न सिर्फ बच्चों की रचनात्मकता का उत्सव है, बल्कि एक जागरूक और विचारशील पीढ़ी को तैयार करने की दिशा में भी अहम कदम है। यह भारत की सबसे बड़ी रीडिंग प्रतियोगिताओं में से एक है, जो बच्चों को किताबों की दुनिया में झांकने, अपने विचारों को खुलकर रखने और अपनी मौलिक सोच के लिए वैश्विक पहचान पाने का अवसर देती है। हमें गर्व है कि इस सातवें संस्करण की मेज़बानी भारत कर रहा है। यह पहल यकीनन आने वाले कल के पाठकों और विचारकों को आकार देने में मददगार होगी।"स्कूल के बच्चों में पढ़ने की रुचि बढ़ाने और साक्षरता को मजबूती देने के अपने प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस (ओयूपी) ने इस साल फिर से ऑक्सफोर्ड बिग रीड ग्लोबल चैलेंज की शुरुआत की है। इस प्रतियोगिता का यह सातवां संस्करण है, और इसके तहत देशभर के स्कूलों को आमंत्रित किया गया है कि वे अपने प्राइमरी, मिडिल और सेकेंडरी स्तर के छात्रों को इस अंतरराष्ट्रीय रीडिंग कॉम्पिटिशन में भाग लेने के लिए प्रेरित करें।

सैमसंग ने भारत में नए गैलेक्सी फोल्डेबल फोन्स के लिए प्री-रिज़र्व बुकिंग शुरू की

गुरुग्राम। सैमसंग 9 जुलाई को न्यूयॉर्क में अपनी अगली पीढ़ी के फोल्डेबल स्मार्टफोन्स लॉन्च करने जा रहा है। यह नई सीरीज़ एआई-पावर्ड इंटरफेस के साथ आएगी और इसमें एडवांस हार्डवेयर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है, जिससे स्मार्टफोन का अनुभव पहले से कहीं ज्यादा बेहतर और स्मार्ट हो जाएगा।

आधिकारिक लॉन्च से पहले भारत में ग्राहक सिर्फ 2000 रुपए की टोकन राशि देकर इन नए फोल्डेबल स्मार्टफोन्स को प्री-रिज़र्व कर सकते हैं। प्री-रिज़र्व करने वाले ग्राहकों को डिवाइस की खरीद पर 5999 रुपए तक के विशेष लाभ मिलेंगे और साथ ही उन्हें अर्ली डिलीवरी का भी फायदा मिलेगा।

ग्राहक इन डिवाइसों को Samsung.com, सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स, Amazon.in, Flipkart.com और देशभर के प्रमुख रिटेल आउटलेट्स से प्री-रिज़र्व कर सकते हैं।

सैमसंग ने इन डिवाइसों को उपयोगकर्ताओं की असल ज़रूरतों को ध्यान में रखकर डिज़ाइन किया है–बेहतर परफॉर्मेंस, और भी तेज़ कैमरे और स्मार्ट कनेक्टिविटी के साथ।

गैलेक्सी एआई सिर्फ डिवाइस की क्षमता तक सीमित नहीं है, यह इस बात पर आधारित है कि लोग टेक्नोलॉजी के साथ कैसे जुड़ते हैं और उसे अपने जीवन का हिस्सा कैसे बनाते हैं।

माइक्रोसॉफ्ट ने 9000 कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का किया एलान, बड़े अफसर भी छुट्टी पर

नई दिल्ली। दुनिया की जानी-मानी टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट एक बार फिर बड़ी छंटनी करने जा रही है। कंपनी ने बुधवार को पुष्टि की कि वह अपने 9,100 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल रही है। यह कंपनी की 2023 के बाद से सबसे बड़ी छंटनी मानी जा रही है। इससे पहले मई और जून में भी माइक्रोसॉफ्ट ने हजारों कर्मचारियों की छंटनी की थी।

माइक्रोसॉफ्ट के मुताबिक, यह छंटनी कंपनी के कुल कर्मचारियों का करीब 4% हिस्सा है। फिलहाल दुनिया भर में माइक्रोसॉफ्ट के करीब 2.28 लाख कर्मचारी हैं। इसमें से कितने लोग अमेरिका के वॉशिंगटन स्थित ऑफिस से हैं, इस पर कंपनी ने फिलहाल कोई साफ जानकारी नहीं दी है।

मई और जून में भी माइक्रोसॉफ्ट ने दो चरणों में छंटनी की थी। उस दौरान करीब 6,000 कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया गया था। इसमें से 2,300 कर्मचारी वॉशिंगटन के बताए जा रहे हैं। अब जुलाई में एक बार फिर छंटनी से कंपनी के अंदर और बाहर बेचैनी बढ़ गई है।

कंपनी ने कहा कि वह अपने कर्मचारियों की संख्या में कटौती कर कामकाज को ज्यादा प्रभावी बनाना चाहती है। बाजार में मंदी, लागत में कटौती और मुनाफे को बनाए रखने के लिए यह फैसला लिया गया है। टेक सेक्टर में पिछले कुछ समय से छंटनी का यह सिलसिला लगातार जारी है। माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी जुडसन अल्थॉफ ने दो महीने के लिए छुट्टी (सैबेटिकल) पर जाने का फैसला लिया है। कंपनी ने बताया कि यह ब्रेक उन्होंने खुद लिया है, जो कंपनी के वित्तीय वर्ष के अंत के साथ जुड़ा हुआ है। अल्थॉफ सितंबर में अपनी टीम में वापस लौटेंगे। वहीं, माना जा रहा है कि माइक्रोसॉफ्ट की सेल्स टीम में भी आगे छंटनी देखने को मिल सकती है।

वर्ल्ड स्किन हेल्थ डे पर अपनी त्वचा को दें कैलिफोर्निया आमंड्स का पोषण

नई दिल्ली। वर्ल्ड स्किन हेल्थ डे 2025 की थीम इस बार है, त्वचा की सेहत के बिना संपूर्ण स्वास्थ्य संभव नहीं, जो इस बात पर ज़ोर देती है कि स्किन केयर सिर्फ क्रीम और लोशन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी शुरुआत हमारे खान-पान से होती है। कैलिफोर्निया आमंड्स, जो विटामिन ई और हेल्दी फैट्स से भरपूर होते हैं, त्वचा को अंदर से पोषण देकर इसे स्वस्थ और दमकता बनाए रखने में मदद करते हैं।

कैलिफ़ोर्निया आमंड्स 15 ज़रूरी पोषक तत्वों का बेहतरीन स्रोत हैं, जिनमें से कई त्वचा की रंगत और बनावट सुधारने में असरदार माने जाते हैं। इनमें मौजूद विटामिन ई और हेल्दी फैट्स त्वचा को उम्र के असर से बचाने वाले एंटी-एजिंग गुणों से भरपूर होते हैं। रिसर्च से यह भी सामने आया है कि नियमित रूप से बादाम खाने से चेहरे की झुर्रियों को कम किया जा सकता है। यानी ब्यूटी रूटीन में बादाम को शामिल करना आसान और असरदार तरीका हो सकता है। केवल आधुनिक पोषण विज्ञान ही नहीं, बल्कि आयुर्वेद, सिद्ध और यूनानी जैसी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ भी बादाम को त्वचा के लिए लाभकारी मानती रही हैं। सदियों पुरानी इन परंपराओं में बादाम को त्वचा की प्राकृतिक चमक बढ़ाने वाला माना गया है जो आज की वेलनेस सोच से भी पूरी तरह मेल खाता है। हाल की रिसर्च में यह भी पता चला है कि रोज़ाना बादाम का सेवन यूवीबी किरणों से त्वचा को बचाने में मददगार हो सकता है, जो भारत जैसी तेज धूप वाले देशों में और भी उपयोगी है।

बादाम की सबसे बड़ी खासियत है इनका बहुपयोगी और सुविधाजनक होना। आप इन्हें भिगोकर, भूनकर, साबुत या फिर स्मूदी, सलाद, मिठाई और पारंपरिक पकवानों में शामिल कर सकते हैं। इनका पोषण हर रूप में बरकरार रहता है। इसलिए इन्हें रोज़मर्रा की डाइट में शामिल करना आसान भी है और त्वचा की सेहत के लिए फायदेमंद भी।

वर्ल्ड स्किन हेल्थ डे के मौके पर त्वचा की देखभाल के बारे में बात करते हुए स्किन एक्सपर्ट और कॉस्मेटोलॉजिस्ट डॉ. गीतिका मित्तल गुप्ता ने कहा, मैं हमेशा अपने क्लाइंट्स को याद दिलाती हूं कि असली स्किन हेल्थ शरीर के भीतर से शुरू होती है। अच्छी नींद, एक्टिव रहना और पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार, ये सब मिलकर त्वचा को स्वस्थ बनाए रखते हैं। मेरी सबसे ज़रूरी सलाहों में से एक है रोज़ाना बादाम को डाइट में शामिल करना, चाहे स्नैक के रूप में या भोजन में मिलाकर। बादाम विटामिन ई, प्रोटीन, जिंक और कॉपर जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं, जो त्वचा को भीतर से पोषण देते हैं और यूवीबी किरणों से भी बचा सकते हैं। ऐसे छोटे-छोटे लेकिन नियमित बदलाव लंबे समय तक हेल्दी और ग्लोइंग स्किन बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।

बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान ने कहा, एक अभिनेत्री होने के नाते, मेरी त्वचा की सेहत मेरे लिए बेहद ज़रूरी है। हमें लंबे समय तक भारी मेकअप लगाना पड़ता है, जिससे त्वचा पर असर पड़ सकता है।

एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी तिरुचिरापल्ली और डसॉल्ट सिस्टम्स ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया

तिरुचिरापल्ली/दिल्ली। भारत में अग्रणी इंजीनियरिंग संस्थानों में से एक एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, तिरुचिरापल्ली और डसॉल्ट सिस्टम्स ने एक सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया है। यह तंत्र इंजीनियरिंग नवप्रवर्तन को बढ़ावा देगा, कौशल विकास करेगा, स्टार्टअप इनक्यूबेशन करेगा और स्थानीय अनुसंधान को बढ़ावा देगा। इस गठबंधन का लक्ष्य डसॉल्ट सिस्टम्स के 3जी एक्सपीरियंस प्लेटफॉर्म और टेक्नोलॉजी विशेषज्ञता का उपयोग विद्यार्थियों, शिक्षकों और शुरुआती चरण के उद्यमियों को उद्योग प्रासंगिक डिजिटल कौशल और एप्लीकेशंस से युक्त करना है। इस समझौता ज्ञापन के तहत एडवांस्ड डिजाइन और इंजीनियरिंग एप्लीकेशंस को अकादमिक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों में एकीकृत कर विद्यार्थियों को प्रासंगिक डिजिटल क्षमताओं से लैस करके उद्योग के लिए कुशल कार्यबल तैयार करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इसके अलावा, यह विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के नेतृत्व वाले ऐसे स्टार्टअप्स को सपोर्ट प्रदान करता है जो अनूठे उत्पादों और प्रक्रियाओं के विकास पर काम कर रहे हैं जिससे भारत के बढ़ते इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण पारितंत्र में योगदान किया जा सके। यह पहल स्थानीय प्रौद्योगिकियों, प्रणालियों और उपकरणों की डिजाइन पर ध्यान केंद्रित करते हुए इस संस्थान के भीतर अनुसंधान एवं विकास को गति देगा जोकि नवप्रवर्तन एवं आत्मनिर्भरता के भारत के दीर्घकालीन लक्ष्यों के अनुरूप है। दूसरा उद्देश्य ऐसे अनुसंधान एवं विकास की पहल को बढ़ावा देना है जो टेक्नोलॉजीज़, सिस्टम्स और उपकरण की स्थानीय डिजाइन पर ध्यान दे। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नईरामापुरम एवं तिरुचिरापल्ली के चेयरमैन डाक्टर शिवकुमार आर. ने कहा, एसआरएमआईएसटी तिरुचिरापल्ली में हम ऐसे नवप्रवर्तकों को पोषित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो महज अकादमिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि वास्तविक दुनिया की चुनौतियों को हल करने के लिए एप्लीकेशंस एवं सोच से भी युक्त हों। डसॉल्ट के साथ यह गठबंधन हमारे विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए एडवांस्ड डिजिटल टेक्नोलॉजीज़ के साथ नए रास्ते खोलता है जहां वे अत्याधुनिक अनुसंधान कर सकेंगे और प्रभावशाली स्टार्टअप्स का निर्माण कर सकेंगे।

अमेज़न इंडिया ने प्राइम डे 2025 डील्स का किया ऐलान

नई दिल्ली। अमेज़न इंडिया ने आज बहुप्रतीक्षित प्राइम डे 2025 डील्स का ऐलान किया है, जो विशेष रूप से प्राइम मेंबर्स के लिए है। 12 जुलाई की आधी रात 12:00 बजे से लेकर 14 जुलाई की रात 11:59 बजे तक, ग्राहक 72 घंटों की नॉन-स्टॉप शॉपिंग, बेहतरीन डील्स और ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट का आनंद ले सकेंगे। चाहे आप अपना टेक अपग्रेड करना चाहते हों, वार्डरोब या घर को रिफ्रेश करना चाहते हों तो प्राइम डे आपके लिए शानदार बचत के साथ स्मार्टफोन्स, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स, टीवी, अप्लायंसेज, अमेज़न डिवाइसेज़, फैशन और ब्यूटी, होम और किचन, फर्नीचर, डेली एसेंशियल्स और बहुत कुछ लेकर आ रहा है। यह शॉपिंग का एकदम सही समय है, इसलिए अपनी प्राइम मेंबरशिप का अधिकतम लाभ उठाएं और खासतौर पर प्राइम मेंबर्स के लिए तैयार किए गए ऑफर्स का आनंद लें। ग्राहक एसबीआईआईसीआईसीआई बैंक के क्रेडिट और डेबिट कार्ड, एसबीआई क्रेडिट कार्ड और एसबीआईआईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड व एसबीआई क्रेडिट कार्ड पर ईएमआई ट्रांजैक्शन के माध्यम से भुगतान कर 10% तक की बड़ी बचत कर सकते हैं। स्मार्टफोन और एक्सेसरीज़ प्राइम डे प्रीमियर्स के दौरान टॉप स्मार्टफ़ोन ब्रांड्स के नए लॉन्च देखने को मिलेंगे। ग्राहक मोबाइल टेक्नोलॉजी के लेटेस्ट लॉन्च पर हाथ आज़मा सकेंगे, जिनमें नई खूबियां और आकर्षक रेंज शामिल होंगी। इस लाइनअप में सैमसंग गैलेक्सी एम36 5जी, वनप्लस नॉर्ड 5, वनप्लस नॉर्ड सीई5, आईक्यूओओ जेड10 लाइट 5जी, रियलमी नारजो 80 लाइट 5जी, हॉनर एक्स9सी 5जी, ओप्पो रेनो 14 सीरीज, लावा स्टॉर्म लाइट 5जी और आईक्यूओओ 13 आदि शामिल हैं। स्मार्टफोन और एक्सेसरीज़ पर 40% तक की छूट के साथ मिलेंगे रोमांचक ऑफ़र्स, जैसे इंस्टेंट बैंक डिस्काउंट, 24 महीनों तक की नो-कॉस्ट ईएमआई, 60,000 तक के एक्सचेंज ऑफ़र्स और भी बहुत कुछ। सैमसंग गैलेक्सी एस24 अल्ट्रा 5जी, आईफोन 15, वनप्लस 13एस, आईक्यूओओ एनईओ 10आर और अन्य फ्लैगशिप स्मार्टफोन पर आकर्षक डील्स का लाभ उठाएं।

आईएमसी 2025 ने गति बढ़ाई, अग्रणी स्टार्टअप और डेवलपर प्रोग्राम्स की घोषणा की

बेंगलूरू। एशिया के सबसे बड़े डिजिटल टेक्नोलॉजी फोरम इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 की दिशा में गति बढ़ाते हुए आईएमसी ने बेंगलूरू में आज एक रोडशो का आयोजन किया। दूरसंचार विभाग (डीओटी) और सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) द्वारा आयोजित आईएमसी 2025 ने बेंगलूरू में फलते फूलते स्टार्टअप पारितंत्र और डीप टेक के उत्थान में अग्रणी स्थिति को देखते हुए इस शहर को महत्वपूर्ण लांचपैड के तौर पर लिया है। इस वर्ष आईएमसी 2025 ने अपने अग्रणी एस्पायर प्रोग्राम के जरिए स्टार्टअप्स और नवप्रवर्तकों पर विशेष जोर दिया है। यह प्रोग्राम मार्गदर्शन, लाइव पिचिंग और नेटवर्किंग के लिए 500 से अधिक स्टार्टअप्स को अग्रणी निवेशकों, इनक्यूबेटर्स और वैश्विक साझेदारों के साथ जोड़ेगा।

आईएमसी 2025 रोडशो में मंच संभालते हुए संचार एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री डाक्टर चंद्रशेखर पेम्मासानी, दूरसंचार विभाग के सचिव डाक्टर नीरज मित्तल और सीओएआई के चेयरमैन श्री अभिजीत किशोर ने इस आयोजन और आगे चलकर भारत के डिजिटल नेतृत्व के लिए प्रेरणादायी विचार रखते हुए अपना विजन और अंतर्दृष्टि साझा की।

सभा को संबोधित करते हुए संचार एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री डाक्टर चंद्रशेखर पेम्मासानी ने कहा, 1.2 अरब मोबाइल उपभोक्ताओं, एक अरब ब्रॉडबैंड यूज़र्स और भारतनेट के जरिए जुड़े 2.2 लाख से अधिक गांवों के साथ डिजिटल परिवर्तन असाधारण रहा है। हम 40,000 अतिरिक्त ग्राम पंचायतों और 1.5 करोड़ ग्रामीण परिवारों को हाईस्पीड इंटरनेट से जोड़ने के लिए अब 18 अरब डॉलर का निवेश कर रहे हैं। हम मोबाइल उपकरणों का 75 प्रतिशत आयात करते थे और अब हम 1.8 ट्रिलियन रुपये मूल्य का सालाना निर्यात कर रहे हैं। यह मेड फॉर इंडिया से मेड बाय इंडिया की तरफ एक बदलाव है। टेलीकॉम टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट फंड के जरिए, हमने 120 हाईटेक स्टार्टअप्स को करीब 500 करोड़ रुपये का सहयोग किया है।

वेस्टीज ने पेश किया ड्यूगार्डन फ्लाई सैनिटरी नैपकिन 'फ्लाई विद कॉन्फिडेंस' के साथ सशक्त होंगी महिलाएं

नई दिल्ली। भारत की अग्रणी घरेलू डायरेक्ट सेलिंग कंपनियों में शुमार वेस्टीज मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड ने ड्यूगार्डन फ्लाई सैनिटरी नैपकिन लॉन्च करने का एलान किया है। वीमेन हाइजीन कैटेगरी में यह एक क्रांतिकारी कदम है। कैंपेन टैगलाइन 'फ्लाई विद कॉन्फिडेंस' के साथ ब्रांड का लक्ष्य पीरियड केयर को नए सिरे से परिभाषित करना है। इससे महिलाएं कम्फर्ट, फ्रीडम और सेल्फ एश्योरेंस के साथ महीने के हर दिन को गले लगाकर आगे बढ़ सकेंगी।

ड्यूगार्डन फ्लाई को आज की डायनामिक महिलाओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है, फिर बात चाहे फ्रंट से जिम्मेदारी संभालने की हो, नए एडवेंचर तलाशने की हो या बस अपने लिए थोड़े से सुकून के पल तलाशने की हो। इसके कॉटन सॉफ्ट टॉप लेयर, 360 डिग्री लीक-लॉक टेक्नोलॉजी और ब्रिदेबल डिजाइन जैसे एडवांस्ड फीचर्स के साथ बेहतरीन प्रोटेक्शन और ऑल-डे कम्फर्ट मिलता है। इससे सुनिश्चित होता है कि महिलाओं को कभी भी अपने उत्साह को थामना न पड़े या अपनी क्षमताओं से कोई समझौता न करना पड़े। क्योंकि हम मानते हैं कि आपके शरीर, आपकी लय और आपकी आजादी पर आपके पीरियड्स से कोई असर नहीं पड़ना चाहिए।

वेस्टीज मार्केटिंग प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं फाउंडर श्री गौतम बाली ने कहा, 'वेस्टीज में हम सिर्फ प्रोडक्ट्स नहीं बेचते हैं, बल्कि हम समस्याओं का समाधान करते हैं और संभावनाओं पर काम करते हैं। हमारा लक्ष्य हमेशा से समर्थन प्रदान करते हुए और आगे बढ़ने का अवसर देते हुए लोगों, विशेष रूप से महिलाओं को सशक्त करना रहा है। ड्यूगार्डन फ्लाई के साथ हमें एक ऐसा प्रोडक्ट पेश करते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है, जो महिलाओं की बदलती जरूरतों को लेकर हमारी गहरी समझ को दिखाता है। आज की महिलाएं ज्यादा हाइजीन, कॉन्फिडेंस एवं कम्फर्ट चाहती हैं।

ए23 ने विकी कौशल को अपना ब्रांड एम्बेसडर बनाया पहली एपिक पोकर चैंपियनशिप शुरू की

नई दिल्ली। 80 मिलियन से अधिक रजिस्टर्ड खिलाड़ियों के साथ भारत की अग्रणी ऑनलाइन स्किल-गेमिंग कंपनी हेड डिजिटल वर्क्स (ए23) ने एपिक पोकर चैंपियनशिप का लॉन्च किया है, जिसके ब्रांड एम्बेसडर विकी कौशल हैं। उनके इस गठबंधन से प्रीमियम, हाई-रिवार्ड गेमिंग प्रदान करने की कंपनी की प्रतिबद्धता प्रदर्शित होती है। यह गठबंधन एपिक पोकर चैंपियनशिप के साथ शुरू हुआ है। इसमें विकी ए23 के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में आने वाले महीनों में कंपनी की प्रतिष्ठा को आगे बढ़ाने में मुख्य भूमिका निभाते रहेंगे। एपिक पोकर चैंपियनशिप एक 19 दिवसीय मल्टिपल-फॉर्मेट पोकर फेस्टिवल है, जिसमें 28 करोड़ रुपये की भव्य पुरस्कार राशि वितरित की जानी है। इस चैंपियनशिप का समापन गोवा में मेगा फिनाले के साथ होगा।

नई ब्रांड फिल्म में विकी कौशल उच्च दाँव की सैटिंग में अपने सिग्नेचर स्टाइल के साथ ब्रांड की आधुनिक पेशकशों को आगे बढ़ाएंगे। वो एपिक पोकर चैंपियनशिप को रोमांच और रणनीतिक गहराई पेश करेंगे। वो पूरे

भारत में अपनी लोकप्रियता की मदद से ए23 के अनेकों खिलाड़ियों को कनेक्ट करेंगे, और साथ ही ऑनलाइन पोकर का विस्तार करेंगे। यह फिल्म सभी प्रमुख ओटीटी और ओएलवी चैनलों पर हिंदी, कन्नड़, तमिल, और मराठी में पेश की जाएगी।

एपिक पोकर चैंपियनशिप में 3 जुलाई से 21 जुलाई, 2025 के बीच विभिन्न फॉर्मेट्स में आकर्षक ऑनलाइन टूर्नामेंट खेले जाएंगे। इस सीरीज़ का समापन एक ग्लैमरस लाइव फिनाले के साथ होगा, जिसका आयोजन डेल्टिन रोयाल, गोवा में किया जाएगा। इसकी मुख्य ईवेंट में 5 करोड़ रुपये, मिनी मेन ईवेंट में 2 करोड़ रुपये, हाइरोलर में 1 करोड़ रुपये और सुपर वैल्यू में 50 लाख रुपये की गारंटीड पुरस्कार राशि वितरित की जाएगी।

इसमें हर कौशल स्तर के खिलाड़ियों को बढ़ावा दिया जाता है। इस चैंपियनशिप में अतुलनीय खिलाड़ी अनुभव और पुरस्कार राशियाँ प्राप्त होंगी, जिससे देश में पोकर चैंपियनशिप के नए मानक स्थापित होंगे।

सिद्धार्थ शर्मा, सीईओ, हेड डिजिटल वर्क्स ने कहा, "एपिक पोकर चैंपियनशिप में 28 करोड़ रुपये की गारंटीड पुरस्कार राशि है। यह गेमिंग का विश्वस्तरीय वातावरण प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। विकी की मौजूदगी और व्यक्तित्व से इस भव्य कार्यक्रम का रोमांच और प्रतिष्ठा प्रदर्शित होते हैं। हम ए23 के ब्रांड एम्बेसडर के रूप में उनका स्वागत करने के लिए रोमांचित हैं। विकी का स्वाभाविक आकर्षण और विस्तृत अपील हर आयु समूह के लोगों को आकर्षित करते हैं, इसलिए वो ए23 के लिए बिल्कुल उपयुक्त हैं।"

इस नए सफर के बारे में अभिनेता विकी कौशल ने कहा, "मैं रोमांचक और चुनौतीपूर्ण अवसरों की ओर आकर्षित होता हूँ। मैं ए23 जैसे डायनामिक ब्रांड का चेहरा बनकर बहुत उत्साहित हूँ। उनका नाम गेमिंग के क्षेत्र में काफी प्रतिष्ठा रखता है। इस नए सहयोग के साथ हमारा उद्देश्य ब्रांड को आगे ले जाना और आकर्षक कॉन्सेप्ट पेश करना है, जो गेमिंग प्रेमियों की रुचि के अनुरूप हों।"

हर छोटी जीत अब बनेगी बड़ी कहानी: माज़ा ने लॉन्च किया 'मेरी छोटी वाली जीत' प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली। कोका-कोला इंडिया का लोकप्रिय देसी आम आधारित ड्रिंक माज़ा अब लेकर आया है एक खास एआई-पावर्ड डिजिटल प्लेटफॉर्म 'मेरी छोटी वाली जीत', जो ज़िंदगी की उन छोटी-छोटी खुशियों को सेलिब्रेट करता है जिन्हें अक्सर हम अनदेखा कर देते हैं। ओगिल्वी इंडिया द्वारा विकसित इस प्लेटफॉर्म पर यूज़र्स को बस अपनी एक फोटो अपलोड करनी होती है और अपनी 'छोटी वाली जीत' की एक छोटी-सी कहानी शेयर करनी होती है। इसके बदले में माज़ा की खास स्टाइल में एक पर्सनलाइज्ड एनीमेटेड वीडियो तैयार होता है, जो उन पलों को खास और यादगार बना देता है।

एक ऐसी दुनिया में, जहां बड़ी उपलब्धियों को ही अधिक अहमियत दी जाती है, माज़ा ने एक अलग सोच अपनाई है। चाहे वह कोई पुराना अधूरा काम पूरा करना हो, गिटार पर नया गाना सीखना हो या ऑफिस में अच्छा प्रेज़ेंटेशन देना माज़ा मानता है कि हर छोटी जीत भी सेलिब्रेशन की हकदार है। और जब वो पल आए... तो माज़ा हो जाए! कोका-कोला इंडिया और साउथ वेस्ट एशिया में न्यूट्रिशन कैटेगरी के मार्केटिंग डायरेक्टर अजय कोनाले ने कहा, "इस साल की शुरुआत में हमने माज़ा की नई पोजिशनिंग पेश की रोज़मर्रा की छोटी-छोटी जीतों के लिए, एक अनपेक्षित ट्रीट के रूप में। 'मेरी छोटी वाली जीत' प्लेटफॉर्म इसी सोच को आगे बढ़ाता है।"

प्रेमी-प्रेमिका की हत्या कर पेड़ से लटकाया

- युवक की पैंट और किशोरी के सिर पर चोट के थे निशान
- दोनों में था प्रेम संबंध, एक दूसरे के पड़ोसी है मृतक

अवधनामा ब्यूरो

राहुल की फाइल फोटो

घटना स्थल पर पहुंची पुलिस व फोरेंसिक टीम

कुशीनगर। तमकुहीराज क्षेत्र के परसौन गांव स्थित एक आम के बगीचे में बुधवार को सुबह एक युवक व एक किशोरी का शव संदिग्ध परिस्थिति में पेड़ से लटका देख गांव में हड़कंप मच गया। मृतकों की पहचान उक्त गांव निवासी राहुल निषाद (20) पुत्र अशर्फी निषाद तथा आशु (15) पुत्री रामदेव कुशवाहा के रूप में हुई है। दोनों एक-दूसरे के पड़ोसी थे, तीन साल से दोनों में चल रहा था प्रेम प्रसंग।

युवक की पैंट पर खून के निशान और किशोरी के सिर पर चोट के निशान मिले। मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है और किशोरी के स्वजन ने हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने विधिक कार्रवाई पूरी की। इंटरमीडिएट उत्तीर्ण राहुल तीन बहनों में अकेला भाई था। जबकि आठवीं कक्षा की छात्रा आशु तीन बहनों में सबसे छोटी थी।

मृतक राहुल की बहन सिंधु के अनुसार आशु व राहुल के बीच बातचीत को लेकर आशु के स्वजन नाराज रहते थे। कई बार झगड़ा और मारपीट भी हुआ था। आशु की भाभी अपने मोबाइल से बात कराती थी। मंगलवार की दोपहर तीन बजे से लापता थी, जबकि राहुल शाम तक घर पर मौजूद था। हत्या का आरोप लगाते हुए स्वजन ने कहा कि लड़की के दो चचेरे भाइयों व एक अन्य युवक ने साजिश पूर्वक वारदात को अंजाम दिया।

फंदा के लिए प्रयुक्त रस्सी विदेशी है और किशोरी का एक रिश्तेदार विदेश में रह रहा है, जिससे घटना की कड़ी जोड़ी जा रही है। सूचना पर पहुंचे एसएचओ सुशील कुमार शुक्ल ने बताया कि मामले की जांच सभी बिंदुओं पर की जा रही है। प्रथम दृष्टया घटना संदिग्ध प्रतीत हो रही है। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी, शीघ्र मामले का पर्दाफाश किया जाएगा।

परिषदीय विद्यालयों को मर्जर करने के फैसले का विरोध

- आम आदमी पार्टी ने प्रदर्शन कर डीएम को ज्ञापन सौंपा

अवधनामा संवाददाता

अमेठी/गौरीगंज। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से परिषदीय विद्यालयों को मर्जर करने के फैसले के विरोध में आम आदमी पार्टी ने आंदोलन शुरू कर दिया है। बुधवार को आम आदमी पार्टी ने नवीन कलेक्ट्रेट में विरोध प्रदर्शन कर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा।

बुधवार को प्रदेश सरकार द्वारा 27,000 प्राथमिक विद्यालयों को बंद किए जाने के विरोध में आम आदमी पार्टी ने नवीन जिला कलेक्ट्रेट गौरीगंज पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व जिलाध्यक्ष हरिशंकर जायसवाल ने किया। इस दौरान पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने महामहिम राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी को सौंपा।

प्रदर्शन के दौरान जिलाध्यक्ष हरिशंकर जायसवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों बच्चों की शिक्षा छीनने की यह कोशिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। प्रदर्शन में प्रमुख रूप से जिला महासचिव शिव प्रसाद कश्यप, धर्मेंद्र नाथ शुक्ला, महिला प्रकोष्ठ की जिला संगठन मंत्री पूजा वर्मा, व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सतीश श्रीवास्तव, संतोष यादव, चंद्रजीत यादव, डॉक्टर मलखान सिंह, धर्मेश मिश्रा, रमेश गुप्ता, मोहम्मद सरदार, जिला उपाध्यक्ष पवन कुमार फौजी सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।पार्टी कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने विद्यालयों को बंद करने का निर्णय वापस नहीं लिया, तो आगे और उग्र आंदोलन किया जाएगा।

नगर को हरा-भरा बनाने में पालिका प्रयासरत : अलका

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। देवरिया नगर के एमआरएफ सेंटर पर नगर पालिका परिषद देवरिया द्वारा एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया। वृक्षारोपण करने के पश्चात नगर पालिका अध्यक्ष अलका सिंह ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान एक अत्यंत भावनात्मक और पर्यावरणीय सरोकार से जुड़ी पहल है, जिसका उद्देश्य माँ के सम्मान में एक वृक्षारोपण करना है।

यह कार्यक्रम न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देता है, बल्कि माँ की ममता, त्याग और स्नेह के प्रतीक के रूप में एक वृक्ष को समर्पित करता है।अगर हम सभी प्रकृति को हरा भरा बनाना चाहते है तो एक पेड़ मां के नाम लगाना है।नगर को हरा भरा बनाने में नगर पालिका प्रयासरत पर इसमें नगरवासियो का सहयोग भी बढ़-चढ़ कर चाहिये। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर धरती की हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया है।

विभिन्न मांगों को लेकर तहसील पर गरजे सपाई

- दो दिवसीय पदयात्रा कर पहुंचे तहसील मुख्यालय किया प्रदर्शन

अवधनामा संवाददाता

तमकुहीराज तहसील में धरने पर बैठे सपाई

तमकुहीराज, कुशीनगर। स्थानीय तहसील क्षेत्र से जुड़े तेरह सूत्रीय मांगों को लेकर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सपा नेता मधुरश्याम राय की अगुवाई में दो दिवसीय पद यात्रा निकालने के बाद तमकुहीराज तहसील मुख्यालय पहुंच कर विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान उन्होंने भाजपा सरकार पर तमाम गंभीर आरोप लगाते हुए सपा सरकार के उपलब्धियों का गुणगान किया। एक घंटे तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद उन्होंने राज्यपाल को संबोधित पत्रक नायब तहसीलदार को देकर कारवाई की मांग की।

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत विधानसभा तमकुहीराज के सपा कार्यकर्ताओं ने वरिष्ठ नेता मधुर श्याम राय की अगुवाई में सपा सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्मदिन तहसील क्षेत्र के सिसवा नाहर में बीते मंगलवार को मनाया। उसके बाद कार्यकर्ताओं ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को लेकर दो दिवसीय पद यात्रा निकाला। पहले दिन मंगलवार को सपा कार्यकर्ताओं ने सिसवा नाहर से पद यात्रा की शुरुआत करके बेदूपार, दनियाडी, गोपालपुर, गड़हिया पाठक, तरया सुजान आदि गांव से गुजरते हुए भूलिया बाजार में रात्रि विश्राम किया। दूसरे दिन बुधवार को भूलिया बाजार से पद यात्रा की शुरुआत करके पिपरा अगरवा, चखनी, कोइनंदी बाजार होते हुए लगभग 24 किलोमीटर की पद यात्रा तमकुहीराज तहसील मुख्यालय पहुंचे। जहां उन्होंने एसडीएम कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान उन्होंने प्रदेश की योगी सरकार पर तमाम गंभीर आरोप लगाते हुए पूर्ववर्ती सपा सरकार के उपलब्धियों का बखान किया। विरोध प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ताओं ने तमकुहीराज में ट्रामा सेंटर का निर्माण करने, तमकुहीराज में शुगर फैक्ट्री का निर्माण करने, सलेमगढ़ से अहिरौलीदान तथा अहिरौली दान से अमवा खास तक स्टेट हाइवे का निर्माण कर जिला मुख्यालय से जोड़ने, अहिरौली दान, बीरवट, चैन पट्टी, अमवा दीगर मे पीले के पुल का निर्माण करने सहित तेरह सूत्रीय मांगों का राज्यपाल को संबोधित पत्रक नायब तहसीलदार को सौंप कारवाई की मांग की। इस दौरान पूर्व विधानसभा अध्यक्ष जाकिर हुसैन, शिबू यादव, शक्तिधर उपाध्याय आदि मौजूद रहे।

जीवनदायक होते है पौधे : पवन मिश्र

देवरिया। भाजपा किसान मोर्चा देवरिया द्वारा एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत पथरदेवा विधानसभा के गौरा गांव के उच्च प्राथमिक विद्यालय परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष पवन कुमार मिश्र ने कहा कि हम सभी को पौधों का महत्व समझकर अपने आस-पास खाली जगह पर पौधरोपण करना चाहिए।

पौधे प्रदूषण को कम करने के साथ-साथ हमे प्राण वायु आक्सीजन देते है, पृथ्वी पर पौधरोपण होने से प्रदूषित हवा शुद्ध होगी और ग्लोबल वार्मिंग को भी कम किया जा सकेगा। जिला उपाध्यक्ष मुकेश राय ने कहा कि पौधरोपण अभियान को गति देने के लिए सभी को जागरूक होना पड़ेगा, जिससे अधिक से अधिक पौधरोपण हो सके। कार्यक्रम में मुख्य रुप से संतोष राय, अरुण मिश्र, विजेंद्र चौहान, दीपा जायसवाल, राकेश यादव, यास्मीन फिरदौस सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कुशीनगर में फूड पॉइजनिंग : बासी मछली खाने से 10 लोगों की बिगड़ी तबियत

- छत का लिंटर होने के बाद शाम को था भोज, बचा खाना सुबह खाने से लोग हुए बीमार
- कप्तानगंज क्षेत्र के खोटही गांव का मामला, स्थिति में हो रहा सुधार

अवधनामा ब्यूरो

सीएचसी कप्तानगंज में भर्ती बच्चे

कुशीनगर। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के खोटही गांव में फूड पॉइजनिंग का मामला सामने आया है। बासी मछली खाने से 8 बच्चों सहित 10 लोग बीमार हो गए। सभी को कप्तानगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार देर शाम तक स्थिति में सुधार होने लगा।

बताया जा रहा है कि उक्त गांव के दिलीप गुप्ता के घर छत का लिंटर डालने की खुशी में भोज का आयोजन किया गया था। मंगलवार की शाम को ताजा खाना खाने वाले स्वस्थ रहे, लेकिन सुबह बचा हुआ खाना पड़ोसियों में बांट दिया गया। इसे खाने के बाद लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। पहले गांव में ही इलाज कराया गया। हालत में सुधार न होने पर सभी को एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। बीमार हुए लोगों में एक ही परिवार के चार बच्चे हैं। इनमें रूचि (11), राज (4), परिधि (6) और अनमोल (5) शामिल हैं। ये सभी उमापति गुप्ता के बच्चे हैं। विजयलाल गुप्ता के बच्चे प्रतिमा (4), अभिनव (9) और अंशिका (11) भी बीमार हुए हैं। इनके अलावा सुदर्शन की बेटी लाडली (5), मोती गुप्ता के बेटे अमरचंद (30) और पत्नी कमली देवी (50) भी प्रभावित हुई हैं। सीएचसी प्रभारी डॉक्टर सूर्यभान कुशवाहा ने बताया कि मछली खाने से फूड पॉइजनिंग हुआ है। सभी मरीजों की हालत अब स्थिर है और जल्द ही स्वस्थ होने की उम्मीद है।

पुलिस अधीक्षक के आदेश पर दो सप्ताह बाद दर्ज हुई पीड़ित महिला की रिपोर्ट

अवधनामा संवाददाता

- महिला पिछले दो सप्ताह से थाने, सीओ कार्यालय के चक्कर लगाती रही

अमेठी। कोतवाली अंतर्गत बालीपुर गांव में घूर और नाली के मामूली विवाद में हुई मारपीट की घटना की शिकार हुई दलित महिला की रिपोर्ट दो सप्ताह पुलिस अधीक्षक अर्पणा रजत कौशिक के आदेश पर दर्ज हुई। एस एच ओ रामराज कुशवाहा की भेदभावपूर्ण और दूषित कार्यप्रणाली के चलते महिला पिछले दो सप्ताह से थाने, सी ओ कार्यालय और पुलिस कार्यालय के चक्कर लगाती रही।

पिंकी कोरी के घर के पास कैलाश यादव ने जबरन घूर लगा लिया है। पिंकी ने एस डी एम आशीष सिंह को प्रार्थना पत्र दिया था। प्रार्थना पत्र पर एस डी एम ने एस एच ओ और राजस्व निरीक्षक को पक्षों को बुलाकर समुचित कार्रवाई और विवाद के निस्तारण के निर्देश दिए थे। 19जून की शाम पिंकी थाने पर दर्खास्त देकर वापस घर लौटी। पुलिस मामले की जांच करने गांव आई। मामले की जांच करके पुलिस कर्मी थाने वापस लौट गए। आरोप है कि पुलिस के जाने के बाद कैलाश यादव ने गाली गलौज शुरू कर दिया और पिंकी के घर पर लाठी डंडे से लैस होकर आ गये। मारपीट हो गई। कैलाश ने पिंकी का गला दबा कर जान लेने की कोशिश की, अपने बचाव में पिंकी ने कैलाश यादव पर डंडे से प्रहार कर दिया। मारपीट के बाद पुलिस ने कैलाश यादव का मेडिकल कराकर उसकी रिपोर्ट दर्ज कर ली, परंतु कई बार थाने जाने और सी ओ से फरियाद करने के बाद एस एच ओ ने रिपोर्ट नहीं दर्ज की। आनलाइन शिकायत के जबाब में पुलिस अधीक्षक को झूठी रिपोर्ट भेज दी। पिंकी ने अपर पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र दिया,एस एच ओ ने उनके आदेश को भी नहीं माना। जिला पंचायत राजेश अग्रहरि ने भी एस एच ओ को फोन करके महिला की रिपोर्ट दर्ज करने के लिए कहा,एस एच ओ ने उनकी भी बात नहीं सुनी।

उर्वरकों की ओवर रेटिंग और कालाबाजारी रोकने को बिक्री केंद्रों का निरीक्षण करते रहें अधिकारी

- उर्वरक समिति की बैठक हुई, डीएम ने की वितरण की स्थिति की समीक्षा

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। बुधवार को जिलाधिकारी संजय चौहान ने कलेक्ट्रेट सभागार में किसान बंधुओं को समय से उर्वरक उपलब्ध कराने तथा उर्वरकों की कालाबाजारी व ओवररेटिंग रोकने के उद्देश्य से सहकारिता, कृषि, पीसीएफ, इफको, नाबार्ड तथा जनपद के समस्त थोक/फुटकर उर्वरक विक्रेताओं के साथ जिला उर्वरक समिति की बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम एआर कोऑपरेटिव से उर्वरक वितरण के संबंध में संपूर्ण जानकारी ली तथा किसानों को उर्वरकों का समय से वितरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन-जिन समितियों पर ज्यादा उर्वरक की बिक्री होती है उनको चिन्हित कर लें और वहां पर पर्याप्त मात्रा में उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित कराएं, कहीं पर भी उर्वरक विक्रेताओं द्वारा निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर उर्वरक ना बेंचा जाए यदि किसी समिति पर खाद खत्म हो जाए तो तत्काल दूसरी समिति से खाद की आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही जनपद को जैसे ही उर्वरक की रैक प्राप्त हो उसे तत्काल समितियों पर भेजें। उन्होंने सहकारिता व कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि उर्वरक बिक्री केंद्रों का लगातार निरीक्षण करते रहे जहां पर भी उर्वरक की कमी सामने आए तो तत्काल दूसरी समिति के माध्यम से वहां पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराएं साथ ही समय से उर्वरक की डिमांड भेजें जिससे जनपद को उर्वरक की रैक समय से प्राप्त हो सके।

उन्होंने एआर कोऑपरेटिव व जिला कृषि अधिकारी को जनपद के बॉर्डर की दुकानों का सतत् निरीक्षण करने के निर्देश दिए पता कहा कि कहीं पर भी उर्वरकों की कालाबाजारी ना होने पाए और ना ही निर्धारित दर से अधिक दरों पर बिक्री की जाए। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी जोत के आधार पर उर्वरक दिया जाए जिससे सभी किसान बंधुओं को आसानी से उर्वरक मिल सके। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि किसानों को उर्वरक देते समय अन्य किसी भी प्रकार का उर्वरक देने की बाध्यता ना रखी जाए किसान जो उर्वरक की मांग करें उसे वही उर्वरक दिया जाए।

शिविर में 74 लोगों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

अहिरौली बाजार, कुशीनगर। कप्तानगंज विकास खण्ड क्षेत्र के महुअवा खुर्द में स्थित एन एम सेन्टर पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

सीएचओ सिंधु तिवारी के नेतृत्व में मरीजों के निःशुल्क स्वास्थ्य की जांच की। इस दौरान अधिकतर बुखार,खासी उल्टी, दस्त की भी जांच की गई। सीने में दर्द होना लगातार खांसी आने ऐसे मरीजों के निःशुल्क एक्स रे भी कराया गया तथा उनके बलगम का सैंपल लेकर जांच के लिए भेजा गया और कुछ मरीजों को उनके बीमारियों से संबंधित दवा भी दिया गया। मरीजों की जांच के दौरान सीएचओ सिंधु तिवारी ने बताया कि इस समय बीमारियों से बचने के लिए सभी को सावधानी रखने की आवश्यकता है। बरसात का मौसम चल रहा है।जिसमें बीमारियां हावी होने का प्रयास करती हैं। इस मौसम में सफाई का विशेष ध्यान रखें। ताजे भोजन के अलावा पानी उबाल कर सेवन करें। बच्चों को बीमारी से बचाने के लिए उन्हें फास्ट फूड से दूर रखें। शिविर में निःशुल्क दवाओं का वितरण भी किया गया।

सफल समर कैंप संचालन के लिए शिक्षा मित्र हुए सम्मानित

अवधनामा संवाददाता

बोदरवार, कुशीनगर। संविलयन विद्यालय मुंडेरा के प्रांगण में बुधवार को विद्यालय प्रबंध समिति की मासिक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें विद्यालय में कार्यरत दो शिक्षकों को सकुशल समर कैम्प संपन्न कराने के उपलक्ष में विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्री विनोद कुमार ओझा द्वारा अंग वस्त्र एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया।

शासन की मंशा के अनुसार दिनांक 21 मई से 10 जून तक दो वॉलिंटियर्स के द्वारा समर कैम्प का आयोजन किया जाना था। जिसमें कप्तानगंज बीआरसी के न्याय पंचायत पेमली के अंतर्गत कम्पोजिट विद्यालय मुडेरा में दो वॉलिंटियर्स श्री यागवेन्द्र मिश्र एवं ममता विश्वकर्मा के द्वारा समर कैंप के दौरान विद्यालय के छात्रों को शासन के द्वारा निर्धारित विभिन्न कार्यक्रम जैसे प्रतिदिन योगाभ्यास, खेल कूद, चित्रकारी, रंगोली, वृक्षारोपण, मेंहदी प्रतियोगिता सहित अन्य सभी कार्यक्रम आयोजित कराया गया, आज की एस एम सी बैठक में सभी अभिभावकों द्वारा छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु मिलजुलकर कार्य करने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया गया।

विद्यालय प्रबंध समिति के द्वारा विद्यालय के दोनों शिक्षकों को समर कैम्प के सफल संचालन हेतु धन्यवाद दिया गया एवं प्रधानाध्यापक द्वारा सभी अभिभावकों से विद्यालय में छात्र नामांकन बढ़ाने में सहयोग की अपेक्षा की गई।

गैर मान्यता संचालित विद्यालयों की जांच के लिए डीएम ने गठित किया टीम

अवधनामा ब्यूरो

- उपजिलाधिकारी तहसील क्षेत्र में चल रहे अमान्य विद्यालयों का निरीक्षण करें

कुशीनगर। जिले में गैर मान्यता प्रात विद्यालय संचालित करने वालों की अब खैर नहीं है। बिना मान्यता प्राप्त स्कूल चलाने वालों की जांच के लिए डीएम ने टीम गठित कर दिया हैं।

शिक्षा निदेशक बेसिक उप्र लखनऊ के जारी पत्र 22 सितम्बर 2023 के क्रम में बताया गया है कि बिंदु संख्या-5 में यह उल्लिखित किया गया है कि कोई भी व्यक्ति जो मान्यता प्रमाण पत्र प्राप्त किए बिना कोई विद्यालय स्थापित करता है या चलाता है या मान्यता वापस लेने के पश्चात विद्यालय चलाना जारी रखता है, जुर्माने से, जो एक लाख रूपये तक का हो सकेगा, और उल्लंघन जारी रहने की दशा में जुर्माने से जो ऐसे प्रत्येक दिन के लिए, जिसके दौरान ऐसा उल्लंघन जारी रहता है, दस हजार रूपये तक का हो सकेगा, उत्तरदाई होगा। जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि उक्त अधिनियम के प्राविधानों का राज्य सरकार द्वारा उप्र निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार नियमावली-2011 प्रख्यापित करते हुए लागू किया जा चुका है।

उक्त से स्पष्ट है कि बिना मान्यता प्राप्त किए कोई स्कूल न तो स्थापित किया जा सकता है और न ही संचालित किया जा सकता है। यदि कोई व्यक्ति बिना मान्यता प्राप्त किए कोई स्कूल संचालित करता है तो उसके विरूद्ध दण्ड का भी प्राविधान किया गया है। उन्होंने शिक्षा निदेशक (बेसिक) उप्र लखनऊ के आदेश के क्रम में जनपद कुशीनगर में बिना मान्यता प्राप्त किए संचालित हो रहे विद्यालयों एवं बिना मान्यता के अवैध रूप से कक्षाओं को संचालित कर रहे विद्यालयों की जॉच हेतु सम्बन्धित तहसील के उपजिलाधिकारी के अध्यक्षता में जांच समिति का गठन किया है। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है कि सम्बन्धित उपजिलाधिकारी अपनें तहसील क्षेत्र में संचालित हो रहे अमान्य विद्यालयों का समिति के सदस्यों के साथ सघन निरीक्षण सुनिश्चित करें, एवं यदि निरीक्षण में बिना मान्यता प्राप्त किए अथवा अमान्य कक्षाओं का संचालित करते हुए पाए जानें वाले सम्बन्धित विद्यालयों का संचालन बन्द कराते हुए उक्त विद्यालय के नामांकित छात्र/छात्राओं को निकटतम परिषदीय विद्यालय में नामांकन कराकर सम्बन्धित संस्था प्रबन्धक के विरूद्ध यथोचित कार्यवाही सुनिश्चित कर कृत कार्यवाही की आख्या अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध करावे, ताकि सम्बन्धित संस्था प्रबन्धक के विरुद्ध शिक्षा निदेशक बेसिक उप्र लखनऊ के पत्र के क्रम में नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही सुनिश्चित किया जा सके।

राजेश अग्रहरि ने की कूल्हे का इलाज कर रहे मरीज की मदद

अमेठी। जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि ने मंगलवार को कूल्हे का प्रत्यारोपण कराने के बाद पैसों की कमी से इंजेक्शन लगवाने में अक्षम एक युवक को पच्चीस पच्चीस हजार रुपए कीमत के तीन इंजेक्शन खरीद कर दिए हैं।

सचिन कश्यप पुत्र हीरालाल, निवासी टीकरमाफी के कूल्हे में 12वर्ष की उम्र में ही सड़न पैदा हो गई थी। काफी इलाज के बाद ठीक न होने से के जी एम सी लखनऊ में इन्होंने कूल्हे का प्रत्यारोपण कराया है। इलाज में आर्थिक कठिनाई आने पर सचिन अपनी मां के साथ जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि के पास पहुंचे। राजेश अग्रहरि ने उनकी समस्या का समाधान करते हुए पच्चीस -पच्चीस हजार रुपए कीमत के तीन इंजेक्शन प्रदान किए और आगे भी मदद का भरोसा दिया। राजेश अग्रहरि ने कहा कि व्यापार के लाभांश से गरीबों और जरुरत मंदों की सेवा का संस्कार उन्हें माता-पिता से मिला है।

कुशीनगर में सरकारी स्कूलों को मर्ज करने के विरोध में कलेक्ट्रेट पर पीस पार्टी ने किया प्रदर्शन

- राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन डीएम के हवाले कलेक्ट्रेट प्रभारी को सौंपा
- पूर्वी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. इस्लाम अंसारी की अगुवाई में जुटे कार्यकर्ता

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। पीस पार्टी के पूर्वी उत्तर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. इस्लाम अंसारी की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या में सरकारी स्कूलों को मर्ज करने के विरोध में बुधवार को कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन डीएम के हवाले कलेक्ट्रेट प्रभारी को सौंपकर कार्यवाही की मांग की।

प्रदेश अध्यक्ष डॉ. इस्लाम अंसारी ने कहा कि इस समय लाखों गरीब, किसान और मजदूर परिवारों के बच्चों की पीड़ा है। वर्तमान में लगभग 5000 स्कूल पेयरिंग की नीति के अंतर्गत विद्यार्थियों को उनके नजदीकी प्राथमिक विद्यालय से दूर के अन्य विद्यालयों में स्थानांतरित किया जा रहा है। इस कदम से ग्रामीण क्षेत्र के वे बच्चे सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं, जिनके पास न पर्याप्त संसाधन हैं और न सुरक्षित यातायात के साधन। इन बच्चों की कठिनाइयों को कोई नहीं देख रहा, जो नंगे पांव चलकर स्कूल आते हैं, आज शिक्षा से ही वंचित किए जा रहे हैं। शिक्षा जो उनका अधिकार है, अब उनके लिए एक दूरी बन गई है। पार्टी ने राज्यपाल से मांग की है कि स्कूल पेयरिंग नीति पर पुनर्विचार हो, यह नीति गरीब बच्चों पर अन्याय है। नजदीकी स्कूल में पढ़ाई का अधिकार छीनना तथा उन्हें शिक्षा से दूर करना है। कक्षा 8 तक आधार की अनिवार्यता समाप्त हो क्योंकि सभी परिवार आधार नामांकन की जटिल प्रक्रिया नहीं समझ पाते। शिक्षा मित्रों को समायोजित किया जाए जो वर्षों से सेवा दे रहे हैं। शिक्षा मित्रों को उचित वेतन और सम्मान मिलना चाहिए। शिक्षकों की समयबद्ध पदोन्नति सुनिश्चित हो, प्रमोशन में देरी से शिक्षक वर्ग हतोत्साहित हो रहा है। प्रत्येक विद्यालय में प्रधानाध्यापक की नियुक्ति हो, जिससे शैक्षिक संचालन में गुणवत्ता आए। सरप्लस के नाम पर शिक्षको का उत्पीड़न बंद हो। शिक्षकों से गैर-शैक्षणिक कार्य लेना रोका जाए, जिससे वे मानसिक तनाव और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बच सकें और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दे सकें। इस दौरान शाहबाज अली, फुल मुहम्मद, जहांगीर आलम, इम्तियाज अहमद, शहाबुद्दीन अंसारी, सलाउद्दीन मंसूरी, डॉ. शाहबाज अंसारी, सुहैल अख्तर, असगर अली, अरबाज अली आदि मौजूद रहे।

टेण्डर नहीं, टाइमपास हुआ !

■ नगर पालिका के खेल पर ठेकेदार बोले, अब सीएम से बात होगी

अवधनामा संवाददाता

बांदा। कभी बड़े नेताओं के राजदार रहे सफदर अली को क्या पता था कि नगर पालिका में एक टेंडर फॉर्म खरीदने के लिए उन्हें धक्के दर्शन करने पड़ेंगे। 30 जून को आखिरी तारीख थी, और सफदर अली सुबह से दोपहर तक पटल प्रभारी के पास चक्कर काटते रहे – जवाब एक ही थोड़ी देर बाद। लेकिन थोड़ी देर बाद कब समय समाप्त में बदल गई, उन्हें खुद पता नहीं चला।

फिक्सिंग का फॉर्मूला?: सफदर अली का आरोप साफ है – टेंडर की प्रक्रिया पहले से सेट थी, बाहर वालों के लिए सिर्फ टाइमपास। 1 जुलाई को जब बॉक्स खुलने की घड़ी आई, तो उन्हीं के फॉर्म अंदर थे जो पहले से तय थे। बोले, ये पूरा का पूरा टेंडर स्कैम है, सीएम योगी तक ये बात पहुंचाऊंगा!

अंदरखाने वही खेल, चेहरे नए: बांदा में टेंडर अप्रैल में 13 काम निकले – 12 काम एक ही खेमें में। जून में फिर 28 टेंडर, और वही कहानी दोहराई जा रही है। शहर में कानाफूसी है – जो आदत न बदले, वही ठेके का खिलाड़ी! नगरकोष भले सूख रहा हो, लेकिन 'सेटिंग विभाग' हमेशा लहलहा रहा है। ईओ की हाजिरजवाबी या कटाक्ष? मीडिया ने जब ईओ श्रीचंद्र चौधरी से पूछा – सर, टेंडर फॉर्म क्यों नहीं दिए गए? तो उनका जवाब था –आपको भी लेना है क्या?अब इसे मजाक कहिए या सरकारी ठसक, लेकिन ठेकेदारों को गुस्सा आ गया। ईओ का दूसरा तर्क था – शायद कोई लंच टाइम में चला गया होगा, जांच कराएंगे।इधर ठेकेदारों का कहना है – लंच से पहले ही डिनर हो गया! **बांदा में टेंडर**

स्कैम बना पहचान: नगर पालिका अब योजनाओं से ज़्यादा टेंडरों के लिए मशहूर हो रही है। हर टेंडर पर कोई न कोई विवाद। शिकायतें, घेराव, धरने – सब हो चुके हैं। लेकिन न तो प्रक्रिया बदली, न नियत।मुझे मतलब नहीं – अध्यक्षा प्रतिनिधि का जवाबजब सफदर अली ने अपनी पीड़ा पालिका अध्यक्षा के प्रतिनिधि तक पहुंचाई, तो जवाब मिला – मुझे पालिका के काम से मतलब नहीं है! फिर क्या था – सफदर ने ठान लिया – अब बात सीधे मुख्यमंत्री से होगी।

ठेकेदारों की मांग:ठेकेदारों की मांग है कि टेंडर प्रक्रिया को दोबारा शुरू किया जाए और इस बार पूरी पारदर्शिता से किया जाए। वरना जनता भी पूछेगी – क्या पारदर्शिता भी अब सेटिंग से पूछकर आती है?

शहतूत वृक्षारोपण के साथ सहफसली खेती से किसानों की आय में हुई बढ़ोतरी

अवधनामा संवाददाता

शाहजहाँपुर। प्रदेश में अधिकतर रेशम उत्पादक किसान सीमांत और लघु कृषक होते हैं। खाद्यान्न की आवश्यकता के दृष्टिगत किसानों ने खेतीबाड़ी की पुरानी परम्पराओं को अभी तक अपनाया हुआ हैं। रेशम उत्पादन की पद्धतियों को भी देखा जाय तो यही बात सामने आती है की अधिकतर किसान पुराने तरीकों को छोड़ने के लिए राजी नहीं होते है। इस लिए जरूरी है उनकी भूमि के एक भूखंड से ही कृषि कार्यों में विविधता लाकर आमदनी बढ़ाई जाय। इसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए प्रदेश सरकार ने शहतूत वृक्षारोपण का एक सहफसली प्रारूप केंद्रीय रेशम उत्पादन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान पांपोर, केंद्रीय रेशम बोर्ड द्वारा तकनीकी स्थानांतरण हेतु स्वीकृत किया है। किसान अपनी कृषि युक्त भूमि पर इस प्रकार से शहतूत वृक्षारोपण करते हैं कि परंपरागत कृषण कार्य भी चलता रहे और रेशम कीट पालन हेतु उसी खेत से उच्च गुणवत्ता युक्त शहतूत की पत्तियाँ भी प्राप्त हो रही है। केवल पहले वर्ष में नियमित पैदावार लगभग 20 प्रतिशत प्रभावित होगी, दूसरे वर्ष से इसी खेत से अतिरिक्त आय आनी शुरु हो जाती है। यदि कोई किसान अपने खेत में 300 शहतूत के पेड़ नयी पद्धति से लगा ले और केवल दो फसलों की पत्ती बेचने का काम करे तो भी वह दूसरे वर्ष में लगभग 05 हजार रूपये से 08 हजार रूपये एवं अगले 4-5 वर्षो से इसी खेत से वह लगभग 18 हजार रूपये से 25 हजार रूपये वार्षिक की अतिरिक्त आय कर केवल पत्ती बेच कर प्राप्त कर सकते है। किसान इसी शहतूत उद्यान से साल में दो फसल भी बाइवोल्टाईन रेशम कीटपालन कार्य करता है तो उचित उत्पादन के साथ वह दूसरे साल से 10 हजार रूपये का कोया उत्पादन कर सकता है और चौथी पाँचवी साल में वह 30-35 हजार मूल्य का रेशम कोया, 300 शहतूत पेड़ो की उचित रखरखाव और सफल कीटपालन से उत्पादित कर सकता है। अगर कोई किसान अपने खेत में गेहूं और मक्के की खेती कर रहा है और इसी खेत में शहतूत के पेड़ भी लगा देते हैं तो अगले 4-5 वर्षो में इसी खेत से किसान विशाल रेशम कीटपालन के साथ कुल आय दुगुनी कर सकता है। उचित लाभ प्राप्ति हेतु कम से कम 100 पेड भी स्थापित किए जा सकते है, पर 300 पेड़ का उद्यान स्थापित हो तो आर्थिक लाभ हेतु उत्तम रहता है। जितने अधिक पेड होंगे उसी अनुपात में पत्ती एवं तदनुसार रेशम कोया का उत्पादन अधिक होगा। यदि किसी किसान के पास जमीन कम है पर वह अधिक पेड लगाना चाहता है तथा रेशम कीटपालन से अधिक आय प्राप्त करना चाहता है, तो वह मेड़ के बाद खेत के बीच में सीधी कतार में पेड़ लगा सकता है, खेत की चौड़ाई के अनुसार कतार की संख्या निर्धारित होगी, क्योंकि दो कतारों के बीच में कम से कम 18 फीट की दूरी होनी चाहिए। इस प्रकार से एक खेत में परम्परागत खेती को प्रभावित किए बगैर किसान अपने लिए अतिरिक्त आय का एक सशक्त माध्यम कम से कम अगले 20-25 साल तक आसानी से कर सकता है। इस पद्धति से एक एकड़ जमीन में 300 शहतूत पेड़ लग सकते है। भूमि की उपलब्धता के आधार पर 100 पेड़ से 300 पेड़ तक का शहतूत उद्यान आसानी से स्थापित किया जा सकता है। प्रदेश के हजारो किसान सहफसली खेती कर खाद्यान्न के साथ-साथ रेशम के कोया उत्पादन कर अपनी अतिरिक्त आमदनी प्राप्त कर रहे हैं।

वन विभाग ने वन महोत्सव अन्तर्गत किया वृक्षारोपण

शाहजहांपुर। प्रभागीय वनाधिकारी विनोद कुमार के निर्देशन में तिलहर रेन्ज अन्तर्गत ग्राम कुण्डरा खण्डसार सम्पर्क मार्ग पर वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान खण्डसार दीपक यादव ने वृक्ष रोपित कर किया। क्षेत्रीय वनाधिकारी अनिल कुमार ने एक पेड़ माँ के नाम 2.0 को विशेष अभियान बताते हुये जन सहभागिता की अपील की तथा अधिक से अधिक वृक्ष रोपित करने हेतु प्रेरित किया। वृक्षारोपण अन्तर्गत छायादार व फलदार वृक्ष जैसे पीपल, कदम्ब, जामुन, बहेड़ा आदि प्रजातियों को रोपण किया। महोत्सव अन्तर्गत प्रभागीय कार्यालय में प्रभागीय वनाधिकारी विनोद कुमार व उप प्रभागीय वनाधिकारी डॉ0 सुशील कुमार ने उत्तर प्रदेश के राजकीय वृक्ष ''अशोक'' का रोपण किया। कार्यक्रम में विशेष सहयोग क्षेत्रीय वनाधिकारी शत्रुघ्न प्रसाद, जिला परियोजना अधिकारी डॉ0 विनय सक्सेना, उप क्षेत्रीय वनाधिकारी अजय सिंह राणा, उप क्षेत्रीय वनाधिकारी अमित शर्मा, उप क्षेत्रीय वनाधिकारी अजय सिंह, वन दरोगा सुशील कुमार, वन दरोगा पुष्पेन्द्र कुमार, वन दरोगा श्याम सिंह सहित वन विभाग के समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

ए.आर.टी.ओ. का स्कूली वाहनों के विरुद्ध विशेष चेकिंग अभियान

अवधनामा संवाददाता

शाहजहाँपुर। जनपद में उच्चाधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में जनपद में स्कूली वाहनों के विरुद्ध एक जून से 15.जून तक विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को परिवहन विभाग के ए.आर.टी.ओ. (प्रवर्तन) सर्वेश कुमार सिंह एवं पी.टी.ओ. आर.पी. गौतम द्वारा जनपद के विभिन्न मार्गो पर चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के अंतर्गत मानकों के विपरीत संचालित पाए गए 5 स्कूली वाहनों तथा 5 अन्य वाहनों सहित कुल 10 वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्यवाही की गई। उपरोक्त दोनों अधिकारियों के अतिरिक्त, कार्यालय के सम्भागीय निरीक्षक (प्राविधिक) विकास कुमार यादव द्वारा जनपद के विभिन्न विद्यालयों, जैसे कि रेयान इंटरनेशनल स्कूल, दून इंटरनेशनल स्कूल, सेठ एम.आर. जयपुरिया स्कूल, कर्नल एकेडमी, तक्षशिला पब्लिक स्कूल, स्वामी विवेकानंद स्कूल, एक ओंकार विद्यालय आदि में जाकर वाहनों की फिटनेस एवं दस्तावेजों की जांच की गई। जनपद के समस्त विद्यालय प्रबंधकों एवं स्कूली वाहन स्वामियों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने विद्यालयों में संचालित सभी वाहनों के प्रपत्र यथा फिटनेस, परमिट, बीमा, प्रदूषण आदि वैध कराकर ही वाहन संचालन सुनिश्चित करें। बिना मानक के वाहनों में स्कूली बच्चों का परिवहन कदापि न किया जाए।

पोक्सो एक्ट का वांछित पुलिस ने धरा

फिरोजाबाद। थाना नारखी पुलिस टीम ने पोक्सो एक्ट के वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद फिरोजाबाद के निर्देशन में महिला सम्बन्धी अपराधों में गिरफ्तारी हेतु चलाये चा रहे अभियान के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के पर्यवेक्षण में एवं क्षेत्राधिकारी टूण्डला के कुशल नेतृत्व में थाना नारखी पुलिस टीम द्वारा थाना नारखी पर पंजीकृत मु0अ0सं0 178/2025 धारा 65(1),137(2)/87 बीएनएस व 3/4(2) पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्त आकाश पुत्र सुभाष निवासी करथनी थाना सकरौली जनपद एटा को बेंदी की पुलिया थाना क्षेत्र नारखी जनपद फिरोजाबाद से गिरफ्तार किया गया। उपरोक्त अभियुक्त आकाश पुत्र सुभाष के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली थाना नारखी पुलिस टीम में थानाध्यक्ष राकेश कुमार गिरी, उ0नि0 सुरेश चन्द्र, मुख्य आरक्षी 44 मनोज कुमार, मुख्य आरक्षी 153 सुधीर कुमार थाना नारखी जनपद फिरोजाबाद सम्मिलित रहे।

डॉक्टर डे सम्मान समारोह का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

टूंडला। लायंस क्लब टूंडला द्वारा डॉक्टर डे एवं सीए डे के अवसर पर रेस्टोरेंट में एक भव्य एवं कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन समाज के उन नायकों को सम्मानित करने के उद्देश्य से किया गया, जो अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देकर समाज को निरंतर लाभान्वित कर रहे हैं।

कार्यक्रम में डॉ. संजीव जैन, डॉ. अविनाश एवं सीए जावेद का क्लब की ओर से सम्मान किया गया। उन्हें स्मृति चिन्ह, पौधे एवं उपहार भेंट किए गए। इस सम्मान के माध्यम से लायंस क्लब ने उनके समर्पण, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारियों को नमन किया। इस अवसर पर डॉ.अविनाश ने उपस्थित जनसमूह को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव देते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए तीन सफेद जहरदृचीनी, नमक और मैदा से दूरी बनाना बेहद आवश्यक है। उन्होंने यह भी सलाह दी कि फास्ट फूड से परहेज करें और हर व्यक्ति को सुबह के एक घंटे के भीतर हल्का व पौष्टिक नाश्ता अवश्य करना चाहिए, ताकि दिनभर शरीर ऊर्जावान और सक्रिय रह सके।

कार्यक्रम में सीए जावेद ने डिजिटल युग में बढ़ती ऑनलाइन धोखाधड़ी के प्रति सचेत करते हुए कहा कि ऑनलाइन लेन-देन करते समय अत्यंत सावधानी बरतें। किसी भी प्रकार के लिंक, ऑफर या कॉल से पहले उसकी प्रामाणिकता की जांच करें और लालच से बचें, क्योंकि वित्तीय सुरक्षा आज के समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। कार्यक्रम के दौरान लायंस क्लब टूंडला द्वारा आगामी सेवाकार्य योजनाओं एवं सामाजिक कार्यक्रमों पर भी गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। सभी सदस्यों ने अपने सुझाव, अनुभव और योजनाएं साझा कीं ताकि क्लब की सेवाएं अधिक प्रभाव शाली व दूरगामी बन सकें। इस मौके पर अध्यक्ष नीरज जैन, सचिव अंकित जैन, कोषाध्यक्ष अमित गुप्ता, अशोक गुप्ता, केएस यादव, डॉ. संजीव जैन, संदीप श्रीवास्तव, आलोक उपाध्याय, पुष्पेन्द्र उपाध्याय, प्रदीप शर्मा, मयंक शर्मा, संजीव गौतम, अंकुर जैन, सिद्धांत सागर जैन, नीतू श्रीवास्तव, अल्पना शर्मा आदि मौजूद रहे।

एटा रोड पर पालिका ने चलाया नालों की तलीझाड़ सफाई अभियान

टूंडला, अवधनामा संवाददाता। एटा रोड पर पालिका ने दुकानों के सामने नालों की तलीझाड़ अभियान चलाया। दुकानदारों द्वारा नालों पर अतिक्रमण न करने की चेतावनी दी। अधिशासी अधिकारी आशुतोष त्रिपाठी के निर्देश पर बुधवार को स्वच्छ भारत मिशन व अतिक्रमण प्रभारी अशोक कुमार शर्मा के नेतृत्व में वार्ड नं 16, 20, 22, एटा रोड से सुबह आठ बजे से पोकलेन मशीन व सफाई मित्रो के सहयोग से नाला सफाई अभियान चलाया गया। दुकानदारों द्वारा नालो को पक्की स्लिप डालकर पाट रखा कर अतिक्रमण कर लिया था। पालिकाकर्मियों ने स्लिपों को तोड़कर नालों की तलीझाड़ सफाई कराई। अतिक्रमण प्रभारी ने कहा कि सफाई अभियान लगतार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि दुकानदार नाले के ऊपर व आगे समान रखकर अतिक्रमण न करें। कोई भी ठेल फड़ वाले रोड पर अतिक्रमण न करें। इस दौरान रोड सफाई नायक रंजीत कुमार, पोकलेन मशीन ड्राइवर रविकांत पचौरी, सफाई नायक दिलासराम, सफाई नायक बिक्की बाबू, सूरज सैनी, सरजू, शेर बहादुर आदि उपस्थिर रहे।

भारतीय वैश्य महासभा की कार्यकारिणी गठित

शिकोहाबाद, अवधनामा संवाददाता। मंगलवार को भारतीय वैश्य महासभा की एक मीटिंग औद्योगिक क्षेत्र स्थित राजीव अग्रवाल की फैक्ट्री पर संपन्न हुई। जिसमें महासभा की कार्यकारिणी का विस्तार किया गया। मीटिंग में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रकाश अग्रवाल द्वारा राष्ट्रीय सचिव राजीव अग्रवाल की संस्तुति पर गगन कपूर को नगर अध्यक्ष, अतुल अग्रवाल को प्रधान महासचिव, अमित अग्रवाल को कोषाध्यक्ष एवं कृष्ण कुमार खंडेलवाल को पश्चिमी उत्तर प्रदेश का उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। इस अवसर पर आगरा महानगर उपाध्यक्ष विनोद कुमार मित्तल, अमृत गर्ग, सक्षम गर्ग, तरुण अग्रवाल आदि वैश्य साथी उपस्थित रहे।

आंदोलन करेगा प्राथमिक शिक्षक संघ, परिषदीय विद्यालयों के विलय का होगा विरोध

■ पेयरिंग के नाम पर प्रदेश के हजारों विद्यालय को बंद करने का प्लान: आनंद

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। प्रदेश के बंद किए जा रहे विद्यालय के विरोध में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने चरण बद्ध आंदोलन करने की घोषणा की है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय नेतृत्व के निर्णय के क्रम में जनपद बहराइच ने सभी ब्लॉक अध्यक्ष मंत्री को निर्देश जारी किए है। इसमें सभी जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन ,एक्स पर जागरूकता अभियान व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर एक दिवसीय धरना देने का निर्णय लिया गया है। संघ के जिलाध्यक्ष आनंद कुमार पाठक ने बताया कि पेयरिंग के नाम पर प्रदेश के हजारों विद्यालय को बंद किया जा रहा। प्रदेश के 150 से कम छात्र संख्या वाले प्राथमिक व 100 से कम छात्र संख्या वाले उच्च प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक को सरप्लस घोषित करके प्रधानाध्यापक के पद को समाप्त कर दिया गया है। इसके पहले प्राथमिक और उच्च प्राथमिक को मर्ज करके शिक्षकों और प्रधानाध्यापक के हजारों पद समाप्त किए जा चुके है।

प्रदेश के हजारों रसोइयाँ के नौकरी होगी समाप्तः विजय

संघ के जिलामंत्री विजय कुमार उपाध्याय ने बताया कि विद्यालय के विलय से बच्चों के लिए विद्यालय की दूरी अधिक होगी वही प्रदेश के हजारों रसोइयाँ के नौकरी समाप्त होगी खंड शिक्षा अधिकारी विद्यालय के प्रधानाध्यापक पर जबरन दबाव डाल कर विद्यालय के विलय के लिए सहमति पत्र लिखकर देने का दबाव बना रहे। जनपद के सभी ब्लॉक में विद्यालय 30 जून को मर्ज होने वाले सभी विद्यालय के ग्राम प्रधान, विद्यालय प्रबन्ध समिति, अभिभावकों व संगठन के पदाधिकारियों ने बैठक कर विद्यालय मर्ज किए जाने के विरोध में प्रस्ताव पारित किया है तथा विद्यालय बंद किए जाने का विरोध करने का निर्णय लिया है।

6 जुलाई को एक्स पर चलाया जाएगा जागरूकता अभियानः देवेन्द्र सिंह

संघ के कोषाध्यक्ष देवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि संगठन के निर्णय के अनुसार 3 व 4 जुलाई को अपने अपने क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को ग्राम प्रधान अभिभावकों व रसोइयों के साथ मिलकर ज्ञापन दिया जाएगा। 6 जुलाई को एक्स पर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा और 8 जुलाई को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर एक दिवसीय धरना देकर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया जाएगा। उसके बाद भी अगर विद्यालय मर्जर नहीं रुका तो प्रदेश नेतृत्व के निर्णय के अनुसार अगली घोषणा की जाएगी। वरिष्ठ उपाध्यक्ष बृजेश कुमार तिवारी व संयुक्त मंत्री मोहम्मद अदीब ने भी विद्यालय बंद किए जाने का विरोध किया। इसकी जानकारी विजय कुमार उपाध्याय जिलामंत्री प्राथमिक शिक्षक संघ बहराइच ने दी।

दो अभियुक्त किए जिला बदर

फिरोजाबाद। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद सौरभ दीक्षित द्वारा जनपद में अपराधियों के विरूद्ध चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों के तहत दो शातिर अभियुक्तों को 6 माह के लिए जिलाबदर किया गया है। थाना रामगढ़ पुलिस टीम द्वारा दोनों जिलाबदर अभियुक्तों इमरान पुत्र शमशुद्दीश कुरैशी निवासी छिदामुल नगर गली नंम-2 ताड़ो वाली बगिया थाना रामगढ़ जनपद फिरोजाबाद, अब्दुल रसीद पुत्र अब्दुल मजीत निवासी ताड़ो वाली बगिया बगदाद नगर फईम अख्तर के मकान (किराये पर) थाना रामगढ़ जनपद फिरोजाबाद को जिले की सीमा से बाहर जनपद आगरा की सीमा में छोड़ा गया है। जिलाबदर की शर्तो का उल्लंघन करने पर 6 माह जिलाबदर के दौरान जिले में पाए जाने पर विधिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। अभियुक्तों को 6 माह के लिए जिलाबदर के सम्बन्ध में अवगत कराते हुए जनपद की सीमा से बाहर छोड़ा गया है। अपराधियों की विरूद्ध फिरोजाबाद पुलिस की लगातार कार्यवाही जारी है। इमरान का अपराधिक इतिहास मु.अ.सं. 294/2021 धारा 3/5/8 गौवध अधि., मु.अ.सं. 359/2021 धारा -2/3 गैंगस्टर एक्ट, अब्दुल का आपराधिक इतिहास 160/2018 धारा 3/5/8 गौवध अधि0 व 11 पशु क्रूरता अधि., 164 /2018 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना रामगढ जनपद फिरोजाबाद रहा है।

क्राप कटिंग के लिए प्रशिक्षित किये गये राजस्व कार्मिक

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। मुख्य राजस्व अधिकारी देवेन्द्र पाल सिंह के निर्देशन से खरीफ 2025-26 1433 फसली के अन्तर्गत कलेक्ट्रेट सभागार में खरीफ क्राप कटिंग प्रशिक्षण सत्र 2025-26 का आयोजन किया गया। जिसमें वरिष्ठ सांख्यिकीय अधिकारी प्रत्युश रंजन द्विवेदी तथा अपर सांख्यिकीय अधिकारी महेन्द्र वर्मा, सहायक भू-लेख अधिकारी राजेश कुमार यादव द्वारा तहसीलों के राजस्व निरीक्षकों एवं रजिस्ट्रार कानूनगो को त्रुटि रहित क्राप कटिंग कराने एवं पोर्टल पर डाटा अपलोड करने के सम्बन्ध में व्यवहारिक एवं तकनीकी जानकारी प्रदान की गई।

मुख्य राजस्व अधिकारी ने बताया कि वर्तमान मौसम में क्राप कटिंग का शत-प्रतिशत कार्य भारत सरकार द्वारा विकसित किये गये सी.सी.ई. एग्री ऐप के माध्यम से किया जा रहा है। जिसके लिए राजस्व विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सी.सी.ई. एग्री ऐप डाउनलोड करके पूर्व में ही स्मार्ट फोन का वितरण किया गया है। क्राप कटिंग के पश्चात राजस्व अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा डाटा लोड करते ही सम्बन्धित डाटा ऐप के माध्यम से सीधे राजस्व परिषद को पहुँच जाता है। इससे लोगों में क्राप कटिंग के प्रति विश्वसनीयता बढ़ी है तथा इस कार्य में पारदर्शिता भी आयी है।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

वन्दे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी का मार्ग विस्तार

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन के लिए रेलवे द्वारा चलाई जा रही निम्नलिखित वन्दे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी सं. 22490 / 22489 मेरठ सिटी–लखनऊ–मेरठ सिटी का मार्ग विस्तार **वाराणसी** तक करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण एवं समय–सारणी निम्नानुसार हैः–

22490/22489 मेरठ सिटी-लखनऊ-मेरठ सिटी वन्दे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ी का वाराणसी तक विस्तार

रेलगाड़ी सं. 22490		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 22489	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	06:35	मेरठ सिटी	21:05	----
08:35	08:40	मुरादाबाद	18:50	18:55
10:04	10:06	बरेली	17:13	17:15
13:45	13:55	लखनऊ जं.	13:40	13:50
15:53	15:55	अयोध्या धाम जं.	11:40	11:42
18:25	---	वाराणसी जं.	---	09:10

चलने के दिनः 22490 मेरठ सिटी से और 22489 वाराणसी जं. से दिनांक 27.08.2025 से

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें
1999/2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

30 सितम्बर तक संचालित होगा राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान

बहराइच। अपर जिला जज/ सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बहराइच विराट शिरोमणि ने बताया कि मा. कार्यपालक अध्यक्ष, सर्वोच्च न्यायालय के तत्वाधान में सम्पूर्ण राष्ट्र में 01 जुलाई से 30 सितम्बर तक राष्ट्रीय मध्यस्थता अभियान चलाया जा रहा है।

सूचना

कुंवर सिंह पुत्र हरिकेश्वर सिंह, ग्राम - करौती पोस्ट - उदयराज गंज, जनपद सिद्धार्थनगर ने वर्ष -2008 अनुक्रमांक- 1913368 जनता विद्या मंदिर इंटर कालेज उदयराजगंज से हाई स्कूल परीक्षा उत्तीर्ण किया था। प्रार्थी के माता का नाम कालिंदी सिंह के स्थान पर कामिनी सिंह अंकित हो गया है। माता का नाम संशोधित करना अपेक्षित है।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना संख्या : ELS-SYH-REV-32-2024-25-02 दि. 30.06.2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वमंविइं (टीआरएस)/वि. लोको शेड/ सैदपुर भीतरी, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु "खुली" ई–निविदा आमंत्रित करते हैं।

क्र.सं. : 01, कार्य का नाम : पूर्वोत्तर रेलवे के सैदपुर इलेक्ट्रिक लोको शेड में 02 वर्षों के लिए इलेक्ट्रिक लोको के SLAM में डेटा एन्ट्री और तीन चरण के इंजनों के रिकॉर्ड अपडेट का कार्य, **टेंडर रिफरेंश नं. :** ELS-SYH-REV-32-2024-25-02, **कार्य का अनुमानित लागत :** रु. 33,22,175.20, **धरोहर राशि :** रु. 66,500/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य, **निविदा बन्द होने की तिथि एवं समय :** 22.07.2025 को 14:45 बजे तक, **कार्य पूरा करने की अवधि :** 24 माह।

• खुली ई–निविदा दिनांक 22.07.2025 को 14:45 बजे तक जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण जानने हेतु एवं निविदा की प्रस्तुति करने के लिए कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

वमंविइं (टीआरएस) वि. लोको शेड/ सैदपुर भीतरी
मुजाधि/विद्युत-75

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

कार्यालय जलकल विभाग नगर निगम फिरोजाबाद

पत्राँक : 988/जलकल/ई-निविदा सूचना/2025-26 दिनांक : 02/07/2025

-: ई-निविदा सूचना :-

नगर निगम फिरोजाबाद के जलकल विभाग द्वारा राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत 05 कार्य हेतु पंजीकृत/अपंजीकृत (सशर्त) अनुभवी फर्मो से ई-निविदा की अधिकृत बेबसाइट *www.etender.up.nic.in* पोर्टल के माध्यम से डबल बिड (तकनीकी एवं वित्तीय) में ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। यह निविदायें दिनांक 07.07.2025 से डाउनलोड किये जा सकेगी तथा दिनांक 27.07.2025 की अपरान्ह 2:00 बजे तक निविदायें उपरोक्त बेवसाइड पर अपलोड की जायेगी। तत्पश्चात् प्राप्त निविदाओं की तकनीकी बिड दिनांक 27.07.2025 की सांय 4:00 बजे महाप्रबन्धक कार्यालय में खोली जायेगी।

क्र.सं.	विवरण	तिथि व समय
1.	ई-निविदा डाउनलोड प्रारम्भ की तिथि/समय	07-07-2025 02:00 PM
2.	ई-निविदा अपलोड की प्रारम्भ तिथि/समय	07-07-2025 02:00 PM
3.	ई-निविदा अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	27-07-2025 02:00 PM
4.	तकनीकी निविदा खोली जाने की तिथि/समय	27-07-2025 04:00 PM

नोट- शेष नियम व शर्ते ई-निविदा अधिकृत वेबसाइट www.etender.up.nic.in पोर्टल पर देखी जा सकेगी।

सहायक अभियन्ता (जल)
नगर निगम फिरोजाबाद

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), **उत्तर रेलवे, लखनऊ** द्वारा निम्न लिखित कार्य हेतु **ई–निविदा** प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक **22.07.2025** को **15:00** बजे तक आमंत्रित की जाती है। **इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेगें** यदि कोई मैनुवल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

निविदा सुचना संख्या	07802025 दिनांक 30.06.2025		
निविदा संख्या	10-Sr.DEN-II-LKO/2025-26		
कार्य का नाम	सीनियर डीईएन–II/लखनऊ के अधीन एडीईएन/प्रतापगढ़ अनुभाग में स्थित स्टाफ क्वार्टरों, सेवा भवनों, लेवल क्रॉसिंग सड़कों, जलापूर्ति प्रतिष्ठानों एवं पुलों की विविध मरम्मत कार्य हेतु।		
अनुमानित लागत	₹ 4,49,57,205.02	धरोहर राशि	₹ 3,74,800.00
कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से 8 माह	निविदा डालने का प्रारम्भ	08.07.2025
निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	22.07.2025 को 15:00 बजे	वेबसाइट	www.ireps.gov.in

नोटः 1. निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध हैं।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1978/2025

जनपद इटावा में लड़कियों की पढ़ाई के लिए आर्थिक मदद करेगा इटावा फाउंडेशन

वहाज अली निहाल

इटावा। कहते हैं कि स्वर्ग से भी ऊंचा स्थान मातृभूमि का होता है आज हम बात करेंगे एक ऐसी महिला की जिसने विदेशी धरती पर रहकर भी देश की मिट्टी की खुशबू को हमेशा महसूस किया और संकल्प लिया अपने जीवन में 100 लड़कियों की पढ़ाई में मदद करेगी। पूर्व आईएएस ऑफिसर एवं इटावा फाउंडेशन संस्थापक डॉ विश्वपति त्रिवेदी ने बताया कि अमेरिका में रहने वाली विमलेश जी जो एक समृद्ध परिवार से थी उनकी शादी आईआईटी खड़गपुर के इंजीनियर महेंद्र मिश्रा से हुई 1972 में अपने बेटे और पति के साथ अमेरिका चली गई। लेकिन जब भी उन्हें मौका मिलता वह भारत आती जाती रहती थी। 2017 में दिल्ली की यात्रा के दौरान बीमार हुई और उनका निधन हो गया अब उनके उस सपने को पूरा करने के लिए अब उनके पति(महेंद्र मिश्रा)निरंतर काम कर रहे हैं। डॉ त्रिवेदी ने कहा की मैं व्यक्तिगत रूप से विमलेश जी से बहुत प्रभावित था और कहीं ना कहीं इटावा फाउंडेशन को बनाने का उद्देश्य है कि इटावा के लिए कुछ बेहतर करना और महेंद्र मिश्रा जी के साथ समन्वय स्थापित करते हुए जनपद की होनहार व प्रतिभावान लड़कियों को ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी करने के लिए हमने एक पहल शुरू की है जिसमें कुछ बच्चियों को मदद दी जा चुकी है और कुछ को मदद करने के लिए प्रस्तावित योजना भी तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि मैं मीडिया के माध्यम से कहना चाहूंगा जो लड़कियां पढ़ने में अच्छी है और आगे पढ़ाई करना चाहती हैं और उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है तो वह info.etawahfoundation@gmail.com पर अपनी सारी जानकारी शेयर करें। मिली जानकारी को सत्यापित करते हुए उन्हें आर्थिक मदद दी जाएगी और आगे बेहतर भविष्य के लिए मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा।

चकित्सकों व चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का किया सम्मान

अवधनामा संवाददाता

सोनभद्र/रेणुकूट। 1 जुलाई 2025 – लायंस क्लब रेणुकूट द्वारा विगत वर्षों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी नगर एवं क्षेत्र के प्रतिष्ठित डॉक्टरों एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स (सी.ए.) को डॉक्टर डे एवं सी.ए. डे के अवसर पर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस गरिमामयी अवसर पर हिण्डाल्को हॉस्पिटल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीलम त्रिपाठी को अंग वस्त्र पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर लायंस क्लब के अध्यक्ष लॉयन रोबिन श्रीवास्तव, लॉयन लेडी चारु श्रीवास्तव एवं शशि पांडे सहित सचिव लॉयन बृजेश जायसवाल, कोषाध्यक्ष लॉयन नवीन जोशी, लॉयन सुभाष राय, लॉयन सुनील दुबे, लॉयन सुनील अग्रवाल, लॉयन गोपाल सिंह, लॉयन विष्णु मोदी, लॉयन संजय कुमार, लॉयन संजय सक्सेना, लॉयन रूपेश कुमार, एवं लॉयन मुकुल श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से सम्मानित किया। इस अवसर पर हिण्डाल्को हॉस्पिटल के 23 डॉक्टरों को सामूहिक रूप से अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर लॉयंस क्लब द्वारा आभार व्यक्त किया गया। साथ ही सीए एवं क्लब के सक्रिय सदस्य लॉयन शशांक मित्तल को भी उनके सतत योगदान के लिए विशेष रूप से अंग वस्त्र पहनकर की स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया। नगर के अन्य प्रमुख चिकित्सकों में ग्रासिम हॉस्पिटल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल त्रिपाठी, डॉ. राजीव रंजन, डॉ. रवि त्रिपाठी एवं डॉ. अखिलेश गुप्ता को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया। लायंस क्लब द्वारा आयोजित यह समारोह सामाजिक सद्भाव, सेवा भावना एवं पेशेवर योगदान के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास रहा।

हमीरपुर में बनेगा भव्य क्लॉक टावर

रानी लक्ष्मीबाई तिराहा होगा और आकर्षक

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। जिला मुख्यालय हमीरपुर में जल्द ही एक नया लैंडमार्क स्थापित होने जा रहा है। रानी लक्ष्मीबाई तिराहे पर जेके सीमेंट के कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (ष्टस्क्र) पहल के तहत एक भव्य क्लॉक टावर का निर्माण किया जाएगा। यह क्लॉक टावर न केवल शहर की सुंदरता को बढ़ाएगा, बल्कि आधुनिक तकनीक और पारंपरिक स्थापत्य शैली के अनूठे मिश्रण के साथ हमीरपुर की पहचान को और मजबूत करेगा।जानकारी के अनुसार, यह क्लॉक टावर लगभग 30 मीटर ऊँचा होगा और इसमें आधुनिक घड़ी के साथ-साथ फसाड लाइट्स की सुविधा होगी, जो रात के समय इसे और भी आकर्षक बनाएगी। यह परियोजना जिला प्रशासन के अनुरोध पर शुरू की गई है, और इसके लिए जेके सीमेंट ने अपनी ष्टस्क्र गतिविधियों के तहत सहयोग प्रदान किया है।जिलाधिकारी घनश्याम मीणा और नगर पालिका अध्यक्ष ने हाल ही में निर्माण स्थल का दौरा किया और परियोजना की प्रगति का जायजा लिया। अधिकारियों का कहना है कि यह क्लॉक टावर शहर के लिए एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व का प्रतीक होगा।

यह न केवल समय बताने का एक साधन होगा, बल्कि पर्यटकों और स्थानीय निवासियों के लिए भी एक आकर्षण का केंद्र बनेगा। स्थानीय लोगों में इस परियोजना को लेकर खासा उत्साह है। उनका मानना है कि यह क्लॉक टावर हमीरपुर को एक नई पहचान देगा और शहर के सौंदर्यीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। निर्माण कार्य जल्द शुरू होने की उम्मीद है, और इसके पूरा होने पर रानी लक्ष्मीबाई तिराहा शहर का एक प्रमुख स्थल बन जाएगा।

सभी कक्षाओं में बच्चों के नामांकन को बढ़ाया जाए: डीएम

उच्च प्राथमिक विद्यालय अधियापुर कंपोजिट एवं आंगनवाड़ी केंद्र अधियापुर का डीएम ने किया औचक निरीक्षण

वहाज अली निहाल

इटावा। जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल द्वारा नवीन शैक्षिक सत्र 2025-26 के प्रारम्भ होने के दृष्टिगत विकास खण्ड जसवन्तनगर अंतर्गत संचालित उच्च प्राथमिक विद्यालय अधियापुर कंपोजिट एवं आंगनवाड़ी केंद्र अधियापुर का औचक निरीक्षण किया गया। जिसमें कक्षा 6 में 6 बच्चे थे, कक्षा 8 में 8, विद्यालय में कुल 8 अध्यापक में से 5 उपस्थित पाए गए एवं 3 अवकाश पर थे। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने बताया गया कि जर्जर भवन का तत्काल ध्वस्तीकरण कराया जाए एवं विद्यालय परिसर में अभियान चलाकर साफ-सफाई कराई जाए एवं सभी कक्षाओं में बच्चों के नामांकन को बढ़ाया जाए। उक्त के पश्चात आंगनवाड़ी केंद्र पर मात्र 4 बच्चे उपस्थित थे, जबकि कुल बच्चों की संख्या 40 है, जो केंद्र पर पंजीकृत हैं। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के द्वारा बच्चों को केंद्र पर ज्यादा से ज्यादा लाया जाए। स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं समस्त खण्ड शिक्षा अधिकारियों द्वारा सभी परिषदीय विद्यालयों का निरक्षण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान विद्यालय को छात्र-छात्राओं के नामांकन में वृद्धि एवं उनकी नियमित उपस्थित सुनिश्चित करने एवं मध्यान भोजन, एम.डी.एम.के प्रभावी संचालन तथा गुणवत्ता पूर्ण शिक्षक व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सम्बन्धित शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापकों को दिशा निर्देश दिए।

77 वें सीए डे पर इटावा में हुआ सेमीनार

सीए एसोसिएशन का भी हुआ गठन

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। देश की अर्थव्यवस्था में सर्वाधिक महत्व रखने और योगदान देने वाले चार्टर्ड एकाउन्टैंस अपने ज्ञान वर्धन एवं दायित्वों के निर्वहन में सजग रहें, इस उद्देश्य को लेकर सीए इंस्टीट्यूट के 77 वें स्थापना दिवस पर इटावा स्टडी सर्किल एवं फिरोजाबाद स्टडी सर्किल के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन होटल सागर ग्रांड में किया गया।

इस अवसर पर इटावा सीए एसोसिएशन का गठन भी हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन एव माँ सरस्वती की वंदना के साथ प्रारम्भ हुआ। सेमिनार के प्रथम सत्र में नोएडा से आए हुए सीनियर सीए गोपाल जी अग्रवाल ने एकाउंटिंग एंड ऑडिटिंग स्टैंडर्ड्स की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इन स्टैंडर्ड्स का पालन किया जाना प्रत्येक सीए के लिए अति आवश्यक है। सेमिनार के दूसरे सत्र में आगरा से आए वरिष्ठ सीए आलोक फ़रसैया ने जीएसटी के अंतर्गत निरीक्षण एंव सर्च और उसके प्रयोगात्मक पहलुओं की बारीकियों पर अपना अनुभव साझा किया और निरीक्षण एवं सर्च के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों पर चर्चा की। सेमिनार में टेली की तरफ से अत्रि दीक्षित व उनकी टीम के द्वारा टेली के द्वारा अकाउंटिंग की सुगमताओं के बारे में जानकारी दी गई। अपर्णा मिश्रा ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। सभी अतिथियों का स्वागत कार्यक्रम के संयोजक वरिष्ठ सीए संजीव अग्रवाल एवं सह संयोजक सीए प्रमोद कुमार गुप्ता के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन सीए मुकुल जैन ने किया। इस अवसर पर इटावा मैनपुरी आगरा व फ़िरोजाबाद के कई सम्मानित सीए मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान सीए एसोसिएशन इटावा का गठन भी किया गया जिसमें अध्यक्ष सीए मयंक मित्तल, उपाध्यक्ष सीए मोहित टंडन, सचिव सीए मुकुल जैन, संयुक्त सचिव सीए शरदअग्रवाल, महासचिव रोहित जैन, कोषाध्यक्ष सीए अमित अग्रवाल एवं कार्यकारी सदस्य श्यामकुमार शर्मा को बनाया गया। वरिष्ठ सीए संजीव अग्रवाल एवं प्रमोद कुमार गुप्ता जी को संरक्षक चुना गया। इस अवसर पर सीए राकेश गोयल, सीए संदीप अग्रवाल, सीए प्रवीण गर्ग, सीए राजीव चतुर्वेदी, सीए राजीव अग्रवाल, सीए राजीव शाह, सीए अजय गोयल, सीए आलोक अग्रवाल मनीष कुमार, सिद्धार्थ सक्सेना, कन्हैया अग्रवाल, गोपालजी अग्रवाल, आकाश द्विवेदी, उत्कर्ष सिंह एडवोकेट अवनीश कुमार इत्यादि ने अपने विचार रखे एवं सीए दिवस की शुभकामनाएं दीं।

डॉक्टर्स डे पर जायंट्स ग्रुप ने डॉक्टर्स को किया सम्मानित

इटावा। डॉक्टर्स डे पर जेके हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉक्टर मनोज यादव, डीएमसी हॉस्पिटल इटावा के डायरेक्टर डॉक्टर संजीव यादव बाल रोग विशेषज्ञ व उनकी पत्नी महिला चिकित्सक स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर तृप्ति यादव, श्री कृष्णा हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉक्टर देवेंद्र यादव को जायंट्स ग्रुप ऑफ़ दतावली डायमंड के अध्यक्ष सुभाष चंद्र, बृजेश यादव एवं समस्त पदाधिकारियों ने उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया। समाजसेवी सुभाष चंद्र ने कहा कि डॉक्टरों की स्वस्थ समाज में अहम भूमिका होती है, जिस देश में योग्य डॉक्टर होते हैं वह समाज व देश आर्थिक, सामाजिक राजनीतिक व धार्मिक क्षेत्र में बहुत तरक्की करता है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ मस्तिष्क में ही स्वस्थ विचार आते हैं और स्वस्थ विचारों से ही समाज को सही दिशा दी जा सकती है, इसलिए हमारे देश के विकास के लिए योग्य डॉक्टरों की महिती आवश्यकता है।

कुशल डॉक्टर हमारे समाज व देश को एक नई दिशा देने का कार्य करते हैं, पुरानी कहावत है कि डॉक्टर भगवान का दूसरा रूप होते हैं।

संक्षिप्त समाचार

जिला महिला इकाई का हुआ पुनर्गठन

इटावा,अवधनामा ब्यूरो। प्रदेश उपाध्यक्ष एवं इटावा जनपद प्रभारी श्री सर्वेश सिंह चौहान की उपस्थिति में उघोग व्यापार प्रतिनिधि मंडल जिला महिला इकाई के जिलाध्यक्ष आलोक दीक्षित ने सर्वसम्मति से पुनर्गठन किया। कमेटी में गुड्डी बाजपेई को महिला जिला अध्यक्ष का दायित्व दिया गया, बाजपेई प्रदेश कार्यकारिणी में मंत्री के पद पर भी बनी रहेंगी इसके अतिरिक्त वंदना वर्मा, सीता मिश्रा, सरला तौमर, शशी पांडेय, सुमन तिवारी, मीरा त्रिपाठी को जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई। जिला महामंत्री का दायित्व मंजू लता द्विवेदी, चित्रा परिहार, ममता दुबे, अंजू यादव को दिया गया , ज्योति पालीवाल को जिला संगठन मंत्री का दायित्व सौंपा गया। राखी कुमारी, सोनी तिवारी, रचना कुमारी को जिला मंत्री की जिम्मेदारी दी गई। पदमा कुशवाहा को लखना नगर अध्यक्ष बनाया गया है। इस अवसर पर जिला महामंत्री अभय टंडन, जिला कोषाध्यक्ष कामिल कुरैशी आदि उपस्थित रहे।

हिंडाल्को ने डॉक्टर्स-डे पर चिकित्सकों को किया सम्मानित

सोनभद्र/दुद्धी, अवधनामा संवाददाता। हिंडाल्को ने सीएचसी में चिकित्सकों को सम्मानित कर डॉक्टर्स-डे मनाया। दुद्धी सीएचसी में अधीक्षक डॉ शाह आलम अंसारी, डॉ विनोद सिंह, डॉ प्रकाश जायसवाल, डॉ राजेश सहित अन्य चिकित्सकों को सप्रेम भेंट कर हिंडाल्को के शिबा मोहापात्रा, अनिल झा रेनुकूट क्लस्टर सीएसआर हेड, सुभाशिष चक्रवर्ती व रमाकांत शर्मा रेनुकूट सीएसआर क्षेत्र अधिकारी ने डाक्टर्स डे की बधाई दी। इन लोगों ने डॉक्टरों से कहा कि अस्पताल में आने वाले मरीज के परिजनों को डाक्टर से काफी आशाएं होती हैं और वह कामना करती हैं कि डॉक्टर मरीजों की आशाओं पर खरा उतरे। इस अवसर पर दिनेश यादव, हरिहर यादव आदि मौजूद रहे।

वन महोत्सव 2025: राठ रेंज में ॠएक पेड़ माँ के नाम 2.0ॠ थीम पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

राठ, हमीरपुर, अवधनामा संवाददाता। शुरू हुए सप्ताह भर के वन महोत्सव के अवसर पर राठ रेंज, तहसील राठ के अंतर्गत बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के किनारे एक पेड़ माँ के नाम 2.0 थीम पर एक भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में चित्रकूटधाम मंडल, बांदा के आयुक्त श्री अजीत कुमार ने बट वृक्ष का रोपण कर कार्यक्रम की शुरुआत की।कार्यक्रम में बुंदेलखंड में जल पुरुष के नाम से प्रसिद्ध पद्मश्री उमाशंकर पाण्डेय ने पाकड़ प्रजाति के पौधे का रोपण किया। इसके साथ ही जिलाधिकारी हमीरपुर श्री घनश्याम मीना, मुख्य विकास अधिकारी चंद्रशेखर शुक्ला, उपायुक्त (श्रम रोजगार) राघवेंद्र सिंह, उपजिलाधिकारी राठ, पुलिस उपाधीक्षक राठ सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों ने भी एक-एक पौधा रोपित किया। इस अवसर पर कुल 100 पौधों का रोपण किया गया। मुख्य अतिथि अजीत कुमार ने अपने उद्बोधन में एक पेड़ माँ के नाम 2.0 अभियान के तहत प्रत्येक व्यक्ति से कम से कम एक पेड़ लगाने और उसके संरक्षण की जिम्मेदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

मातमी नोहाख्वानी के साथ निकला शिया समाज की सजैरी का जुलूस

इटावा। शिया समुदाय का सजैरी का जुलूस परम्परागत तरीके से मौलाना अनवारुल हसन जैदी इमामे जुमा के नेतृत्व और राहत अक़ील शक्कन की देखरेख में इमामबाड़ा व मदरसा मौला अली मोहल्ला शाह गदाली से नईम उद्दीन, अध्यक्ष इमामबाड़ा कमेटी जाने आलम व मुतावल्ली शाने आलम की व्यवस्था के बीच मातमी नोहा ख़्वानी के साथ उठा। सर्व प्रथम मौलाना अनवारुल हसन जैदी ने तक़रीर की। सजैरी का जुलूस चौहट्टा, कोतवाली चौराहा, आलमपुरा, शीश महल, तिकोनिया, पक्की सराये स्थित बड़ा इमामबाड़ा, नगर पालिका चौराहा, तहसील चौराहा, शरीफ मंजिल सैदबाड़ा, साबितगंज, नया शहर, उर्दू मोहल्ला, इस्लामिया कालेज, नोरंगबाद होकर इमामबाड़ा घटिया अज़मत अली पर सम्पन्न हुआ। रिज़वान अजमद, हसन जावेद, अर्शी इमाम, उर्फी हिशाम, हनफ़ी, हयान नईम, पूर्व चेयरमैन फुरकान अहमद आदि ने जुलूस का स्वागत कर लोगों को प्रसाद वितरित किया।

स्कूलों में लौटी रौनक, फूल-तिलक से हुआ बच्चों का स्वागत

अवधनामा संवाददाता

सोनभद्र/रेणुकूट। ग्रीष्म अवकाश के बाद बच्चों की छुट्टी खत्म हुई तो मंगलवार को बेसिक और माध्यमिक स्कूलों में रौनक भी लौट आई। पहले दिन स्कूलों में बच्चों की संख्या कम रही, लेकिन जो बच्चे पहुंचे उनका तरह-तरह से स्वागत किया गया। कहीं बच्चों को फूलमाला पहनाकर तो कहीं तिलक लगाकर स्वागत किया गया। बच्चे भी स्कूलों में अपने साथियों और शिक्षकों से मिलकर खुश नजर आए। कुछ जगह शिक्षकों ने गांव जाकर अभिभावकों को बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित भी किया। दुद्धी विकासखंड के नवागत खंड शिक्षाधिकारी प्रेम शंकर राम के कुशल मार्गदर्शन में प्राथमिक विद्यालय मालाढोढ़ा में इंचार्ज अल्का कौशिक एवं सहायक अध्यापक प्राची श्रीवास्तव ने स्कूल पहुंचे सभी बच्चों का तिलक लगाकर और फूल देकर व मिठाई खिलाकर स्वागत किया। इस दौरान बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय में उपस्थित रहने का संकल्प दिलाया गया। बच्चों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए पौधरोपण में भी सहयोग लिया गया। बच्चों के चेहरों पर छुट्टी के बाद स्कूल लौटने की खुशी और उत्साह स्पष्ट दिखाई दे रहा था। प्रधानाध्यापक ने सभी बच्चों से प्रतिदिन विद्यालय आने का आह्वान किया और नव प्रवेशी बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया।

लायंस क्लब ने राठ में आयोजित किया रक्तदान शिविर, 79 लोगों ने किया रक्तदान

अवधनामा संवाददाता

राठ (हमीरपुर) लायंस क्लब राठ, लायंस क्लब विराट और लायंस क्लब सम्राट के संयुक्त तत्वावधान में आज नगर के मां गौरी रिसोर्ट में एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 79 लोगों ने रक्तदान कर समाज सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक श्रीमती मनीषा अनुरागी ने कहा कि रक्तदान महादान है और इससे बड़ा कोई दान नहीं हो सकता। उन्होंने रक्तदाताओं की सराहना करते हुए इसे मानवता के लिए एक अनुकरणीय कार्य बताया। क्लब के सदस्य स्वदेश राजपूत ने बताया कि रक्तदान से न केवल जरूरतमंदों की जान बचती है, बल्कि रक्तदाता के शरीर से संक्रमित रक्त निकलकर नया रक्त बनता है, जिससे स्वास्थ्य में स्फूर्ति और अन्य लाभ मिलते हैं।शिविर का संचालन झांसी मेडिकल कॉलेज की टीम ने किया, जिसने रक्तदान प्रक्रिया को सुचारू और सफलतापूर्वक संपन्न कराया। कार्यक्रम में लायंस क्लब के अध्यक्ष रहमत वेग, सचिव शिवकुमार सोनी, संयोजक सत्यम गुप्ता, अवधेश पाठक (रक्तदान शिविर के अध्यक्ष), सचिन, वंदना मिश्रा, गिरीश बुधौलिया, नीतू भटनागर, भरत चौरसिया, भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष बृजेश गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि भरत अनुरागी, दीपू मुंशी, मुकेश गुप्ता, रामावतार साहू, रामजी अरजरिया, महेंद्र गांधी, अमित गुप्ता, अजय राजपूत, यशवर्धन शिवहरे, अमित अग्रवाल, राजेंद्र गुप्ता, प्रशांत सिंह, डॉ. आर.आर. गुप्ता, कामता प्रसाद बबेले सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।यह रक्तदान शिविर न केवल सामाजिक जागरूकता का प्रतीक बना, बल्कि जरूरतमंदों के लिए जीवन रक्षक साबित होने की उम्मीद है। लायंस क्लब के इस प्रयास की स्थानीय लोगों ने जमकर सराहना की।

आत्मनिर्भरता से हमारे अंदर आत्म-विश्वास की भावना जागृत होती है : आर पी सिंह

अवधनामा संवाददाता

सोनभद्र/अनपरा। हिण्डालको रेनुसागर ग्रामीण विकाश विभाग द्वारा 1जुलाई को स्थानीय प्रेक्षागृह में आयोजित स्वावलम्बन कार्यक्रम के तहत 75 ग्रामीणों को उपकरण वितरण कर जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभाविन्त किया गया।जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त 11 महिलाओ को सिलाई मसीन ,15 लाभार्थी को हाथ ठेला ,कृषि कार्य हेतु 5 समूह को स्प्रे मसीन,5 स्पोर्ट्स टीम को नेट,बालीबाल 5 विद्यालयों को दरी तथा गायन एवं वादन समिति को म्यूजिकल इस्ट्रूमेंट वितरण किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि अनपरा नगर पंचायत की अधिशाषी अधिकारी अपर्णा मिश्रा, हिण्डालको रेनुसागर के यूनिट हेड आर पी सिंह , संचालन विभाग के हेड मनीष जैन , एच आर हेड शैलेश विक्रम सिंह ,आशीष पांडेय एवं सुरक्षा प्रभारी सतनाम सिंह द्वारा संयुक्त रूप दीप प्रज्वलन कर किया।तत्पश्चात आदित्य विडला इंटरमीडिएट कालेज रेनुसागर के बच्चों द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत कर अतिथि का स्वागत किया।कार्यक्रम का संचालन कर रहे ग्रामीण विकाश विभाग के प्रभारी संजीव श्रीवास्तव ने आये हुए अतिथियों का स्वागत करते हुये ग्रामीण विकास विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यो पर प्रकाश डाला।तत्पश्चात यूनिट हेड एवं एच आर हेड ने मुख्य अतिथि एवं विशिष्ठ अतिथियों को बुके एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत अनपरा अपर्णा मिश्रा ने अपने सम्बोधन में कहा कि स्वावलम्बी समाज ही सशक्त राष्ट्र की नींव है। ईओ ने कहा कि मैं हिंडालको रेनुसागर के यूनिट हेड को इस प्रेरणादायक पहल के लिए बधाई देती हूँ,जो आत्मनिर्भर की दिशा में एक सशक्त पहल की है। हिंडालको रेनुसागर के यूनिट हेड आर पी सिंह ने अपने सम्बोधन में कहा कि आत्मनिर्भरता से हमारे अंदर आत्म-विश्वास की भावना जागृत होती है।उन्होंने कहा कि हम न केवल एक औद्योगिक इकाई हैं, बल्कि इस क्षेत्र के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास के भागीदार भी हैं।कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुये मानव संसाधन प्रभारी शैलेश विक्रम सिंह ने सीएसआर द्वारा चलाये जा रहे कार्यकर्मो की विस्तृत जानकारी देते हुये कहा कि ग्रामीणों के स्वास्थ्य, शिक्षा, आजीविका, सामाजिक सुधार एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में ग्रामीण विकाश विभाग रेनुसागर सकारात्मक प्रभाव पैदा किया है।

मंत्री ने हर्ष चिल्ड्रेन हॉस्पिटल का किया शुभारम्भ

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज शहर के उरमौरा में हर्ष चिल्ड्रेन हॉस्पिटल का भव्य शुभारम्भ प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव कुमार गौंड़, सदर विधायक भूपेश चौबे, भाजपा नेता रमेश मिश्रा व अशोक मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान पूर्वक पूजन अर्चन के पश्चात फीता काटकर किया। इस अवसर पर मुख्यअतिथि ने कहा कि इस तरह के आधुनिक अस्पतालों का खुलना एक महत्वपूर्ण कदम है। अस्पताल में अच्छे विशेषज्ञों की सेवाएं मिलेंगी, जिससे मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा मानवता के प्रति सबसे बड़ी सेवा है। इसी तर्ज पर आज इस हॉस्पिटल का शुभारम्भ हुआ है। इसके लिए उन्होंने हॉस्पिटल के पूरी टीम को बधाई दिया।डॉ प्रशांत कुमार पाण्डेय ने बताया कि उनका सपना क्षेत्रवासियों की सेवा करना है। कोरोना महामारी के दौरान क्षेत्र के लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के अभाव में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था। इसी समस्या को हल करने के उद्देश्य से राबर्ट्सगंज में यह बेहतरीन व आधुनिक सुविधाओं से लैश हर्ष चिल्ड्रेन हॉस्पिटल स्थापित किया गया है। इस मौके पर जेपी शुक्ला, रामविलास पाण्डेय, हृदय नरायण पाठक, डॉ. प्रशांत शुक्ला, डॉ. पीयूष श्रीवास्तव, नीतीश पाण्डेय, संजीव तिवारी, दीपक पाण्डेय, आदि रहे।

पुलिस ने महिलाओं और बालिकाओं के लिए चलाया जागरूकता अभियान

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-ङ्क के तहत जनपद हमीरपुर में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में एक व्यापक जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के अंतर्गत जनपद के सभी थानों पर तैनात महिला पुलिस कर्मियों और मिशन शक्ति टीम ने प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, धार्मिक स्थलों और अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर जाकर महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा और सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया।कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और बालिकाओं को आत्मरक्षा, गुड टच/बैड टच, और महिला संबंधी अपराधों से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से बताया गया। उन्हें सार्वजनिक स्थानों, बसों या रास्तों में छेड़खानी जैसी घटनाओं का सामना करने पर डरने के बजाय तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1090 (वीमेन पावर लाइन) या नजदीकी थाने पर जाकर एफआईआर दर्ज कराने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसके साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स जैसे व्हाट्सएप, ट्विटर, फेसबुक और इंस्टाग्राम का सावधानीपूर्वक उपयोग करने के लिए जागरूक किया गया।महिलाओं और बालिकाओं को यातायात नियमों का पालन करने और अपने परिवार व आसपास के लोगों को इसके प्रति जागरूक करने की सलाह दी गई। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई, जिनमें शामिल हैं:1076: मुख्यमंत्री हेल्पलाइन1090: वीमेन पावर लाइन181: वीमेन हेल्पलाइन 112: पुलिस आपातकालीन सेवा102: गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं के लिए एम्बुलेंस हेल्पलाइन108: एम्बुलेंस सेवा 1098: चाइल्ड लाइन101: अग्निशमन सेवा1930: साइबर हेल्पलाइनपुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में यह अभियान महिलाओं और बालिकाओं को सशक्त बनाने और समाज में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मिशन शक्ति टीम ने लोगों से अपील की कि वे इन हेल्पलाइन नंबरों का उपयोग करें और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत संपर्क करें।यह अभियान न केवल महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि समाज में जागरूकता फैलाकर एक सुरक्षित और समावेशी वातावरण बनाने की दिशा में भी योगदान दे रहा है।

1.18 करोड़ की अवैध ऑक्सीटोसिन जब्त, तीन गिरफ्तार

अवधनामा ब्यूरो

काकोरी लखनऊ। काकोरी में उत्तर प्रदेश एसटीएफ और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने एक बड़ी सफलता हासिल की है. उन्होंने अवैध ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन की तस्करी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह के तीन सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी मोहान रोड, शिवरी, थाना काकोरी क्षेत्र से की गई।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों के पास से लगभग 5,87,880 एमएल प्रतिबंधित ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन बरामद हुआ है, जिसकी बाजार कीमत लगभग 1.18 करोड़ रुपये बताई जा रही है। मौके से कुल 17 बोरी और 7 कार्टून अवैध ऑक्सीटोसिन, तीन मोबाइल फोन, एक छोटा हाथी डाला वाहन, और नमक भी जब्त किया गया है।

एसटीएफ द्वारा पकड़े गए अभियुक्तों में शामिल हैं: अनमोल पाल, निवासी मायापुरम, लखनऊ अवधेश पाल, निवासी बुद्धेश्वर मॉडल सिटी, लखनऊ खगेश्वर पुत्र सुकई, निवासी बसंत सिंह पुरवा, सीतापुर पूछताछ में उजागर हुआ गिरोह का नेटवर्कः एसटीएफ द्वारा की गई पूछताछ में अभियुक्तों ने खुलासा किया कि उनका एक संगठित गिरोह है, जो लखनऊ और आस-पास के जिलों में अवैध रूप से ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन की आपूर्ति करता है। वे बिहार राज्य से हाई डेन्सिटी ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन को ÷मिनरल वाटर÷ बताकर पार्सल के माध्यम से मंगवाते हैं. इसके बाद, वे अपनी जरूरत के अनुसार अलग-अलग साइज के एम्प्यूल में इसे पैक करते हैं और फिर सप्लाई करते हैं. इस अपराध का मुख्य उद्देश्य प्रतिबंधित दवा बेचकर पैसा कमाना था।

क्या होता है ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन?

यह इंजेक्शन मुख्य रूप से दूध निकालने के लिए पशुओं पर इस्तेमाल किया जाता है, और सब्जियों व फलों को कृत्रिम रूप से जल्दी पकाने और बड़ा दिखाने के लिए भी इसका उपयोग होता है। यह न सिर्फ पशुओं के स्वास्थ्य के लिए घातक है, बल्कि मानव स्वास्थ्य पर भी गंभीर दुष्प्रभाव डाल सकता है।

मुख्य सप्लायर की तलाश में एसटीएफ

एसटीएफ अब इस पूरे नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है। विशेष रूप से बिहार से इस प्रतिबंधित इंजेक्शन की सप्लाई करने वाले मुख्य स्रोत की जानकारी जुटाई जा रही है। टीम जल्द ही मुख्य सप्लायर और अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए भी छापेमारी करेगी। इस कार्रवाई को एसटीएफ की एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, क्योंकि इससे एक बड़े और खतरनाक तस्करी नेटवर्क का खुलासा हुआ है, जो आम जनता और पशु स्वास्थ्य दोनों के लिए एक गंभीर खतरा था।

इस सफल अभियान में दिलीप कुमार तिवारी, निरीक्षक, एसटीएफ, श्री कमलेश कुमार, अतिरिक्त निरीक्षक, काकोरी उप-निरीक्षक विनोद कुमार सिंह, एसटीएफ, उप-निरीक्षक मनीष कुमार सिंह, काकोरी, उप-निरीक्षक अशोक कुमार गुप्ता, एसटीएफ, उप-निरीक्षक अंशुमान कुमार, काकोरी, हेड कांस्टेबल राजेश मौर्या, एसटीएफ, हेड कांस्टेबल दयानंद तिवारी, काकोरी, हेड कांस्टेबल रुद्र नारायण, एसटीएफ, कांस्टेबल विवेक कुमार, काकोरी, हेड कांस्टेबल विजय वर्मा, एसटीएफ, हेड कांस्टेबल कौशलेन्द्र प्रताप सिंह, एसटीएफ, चालक विष्णु कुमार सिंह, एसटीएफ, औषधि निरीक्षक विवेक कुमार सिंह, औषधि विभाग शामिल टीम में शामिल थे।

पीडीए समाज के जननायक का जन्मदिन धूम धाम से मनाया : मिठाई लाल भारती

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। समाजवादी पार्टी बाबा साहब आंबेडकर वाहिनी के पदाधिकारी व कार्यकर्ताओ ने प्रदेश सहित पुरे देश में बड़े धूम धाम व हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में अपने नेता पीडीए समाज के जननायक दलित वंचितों पिछडो के हक़ व अधिकारों की पुरजोर आवाज उठाने सड़क से सांसद तक कमजोरो,असहाये की लड़ाई लड़ने वाले समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का 52वां जन्मदिन मनाया गया। आंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती ने अपने पदाधिकारी व कार्यकर्ताओ के साथ मिलकर यह संकल्प लिया की आने वाले 2027 के विधानसभा चुनावो में बहुजन समाज को एक जुट करके समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएंगे यही हमारे नेता पीडीए समाज के जननायक अखिलेश यादव के लिए गिफ्ट होगा।

भारती ने कहा कि आंबेडकर वाहिनी के पदाधिकारी व कार्यकर्ता ने अखिलेश यादव के जन्मदिन पर यह संकल्प लेते है की दलितों, वंचितों, पिछडो के बीच में जाकर जागरूक करेंगे। और भाजपा सरकार में किस तरह से पीडीए समाज खास कर दलितों पर अन्याय अत्याचार हो रहा है आंबेडकर वाहिनी के कार्यकर्ता गली मोहल्ले जाकर लोगो के बीच में भाजपा की पोल खोलेंगे। यह जानकारी सपा बाबा साहब आंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव राम बाबू सुदर्शन ने दी।

पुलिस पेंशनर्स कल्याण संस्थान की नव निर्वाचित कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

लखनऊ, अवधनामा ब्यूरो। आर0के0 चतुर्वेदी, पुलिस महानिरीक्षक (से0नि0)/अध्यक्ष, पुलिस पेंशनर्स कल्याण संस्थान, लखनऊ की अध्यक्षता में नव निर्वाचित कार्यकारिणी की बैठक पोलनेट भवन, पुलिस रेडियो मुख्यालय,में सम्पन्न हुई। इस बैठक में सर्वप्रथम कार्यकारिणी के सभी सदस्यों को उनके कर्तव्यों व उत्तरदायित्वों के संबंध में अध्यक्ष द्वारा ब्रीफ किया गया। बैठक के मध्य कुछ सदस्यों द्वारा पुलिस पेंशनर्स के परिचय पत्र लम्बित होने की समस्या से अवगत कराया गया, जिस पर त्वरित कार्यवाही हेतु अध्यक्ष द्वारा पुलिस महानिरीक्षक, लखनऊ परिक्षेत्र से फोन पर वार्ता कर लम्बित परिचय पत्रों को शीघ्र बनवाकर निर्गत कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया। कम्प्यूटर व अन्य कतिपय संसाधनों की आपूर्ति एवं कार्यालय के समुचित अनुरक्षण के संबंध में अध्यक्ष द्वारा पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय, लखनऊ से फोन पर वार्ता कर यथाशीघ्र इनके समाधान हेतु अनुरोध किया गया। बैठक के दौरान आये कतिपय पुलिस पेंशनर्स के लम्बित चिकित्सा प्रतिपूर्ति संबंधी मामलों के समय से निस्तारण हेतु बैठक में उपस्थित पुलिस कमिश्नरेट, लखनऊ के प्रधान लिपिक एवं संबंधित लिपिक को आवश्यक निर्देश दिये गये।

गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना के लिए 4.56 अरब रूपये मंजूर

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने वर्तमान वित्तीय वर्ष में गंगा एक्सप्रेसवे परियोजना (प्रयागराज से मेरठ) के तहत वृहत निर्माण कार्य के लिए निर्माणकर्ता कन्सेशनायरों को वीजीएफ राशि के लिए 45648.00 लाख रूपये की धनराशि मंजूर की है। यह एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास के साथ ही नागरिकों की आर्थिक उन्नति के लिए मददगार साबित होगा। इस संबंध में औद्योगिक विकास विभाग द्वारा जारी आवश्यक आदेश के अनुसार यूपीडा द्वारा स्वीकृत धनराशि तात्कालिक आवश्यकता के अनुसार आहरित की जायेगी और किसी भी वित्तीय अनियमितता के लिए यूपीडा जिम्मेदार होगा।

वृक्षारोपण महा अभियान 2025 में प्रदेश का पौधारोपण लक्ष्य 35 करोड़

- वृक्षारोपण महा अभियान-2025 की तैयारियों की समीक्षा
- हर खेत पर मेड़, हर मेड़ पर पेड़ का प्रचार-प्रसार कराया जाए
- रोपित पौधों की सुरक्षा एवं संरक्षण पर बल दिया जायेः डा0 अरूण कुमार सक्सेना

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। वन एवं वन्यजीव विभाग मुख्यालय स्थित पारिजात सभागार में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतन्त्र प्रभार),डॉ अरुण कुमार सक्सेना, पंचायतीराज मंत्री श्री ओम प्रकाश राजभर, पशु पालन मंत्री श्री धर्म पाल सिंह, लोक निर्माण राज्यमंत्री श्री बृजेश सिंह, माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गुलाब देवी, उद्यान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह ने वृक्षारोपण महा अभियान-2025 की तैयारियों की समीक्षा कर 35 करोड़ वृक्षारोपण के सफल क्रियान्वयन हेतु दिशा निर्देश दिये। वर्ष 2025-26 के वर्षाकाल में प्रदेश के 26 शासकीय विभागों तथा जन सामान्य के सहयोग से वन भूमि, सामुदायिक भूमि, व् अन्य राजकीय भूमि, कृषि एवं अन्य निजी भूमि पर वृहद स्तर पर रोपण कराया जा रहा है। प्रदेश में गत वर्षो में वृहद स्तर पर वृक्षारोपण एवं वन सुरक्षा के परिणाम स्वरूप भारतीय वन सर्वेक्षण देहरादून द्वारा निर्गत वन स्थिति रिपोर्ट 2023 के अनुसार प्रदेश के वनावरण व वृक्षावरण में लगभग 1.38 लाख एकड़ की वृद्धि हुई है, जो भारत में द्वितीय सर्वाधिक वृद्धि है। वृक्षारोपण महा अभियान 2025 में प्रदेश का पौधारोपण लक्ष्य 35 करोड़ है जिसमें पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग का लक्ष्य 12.60 करोड़ तथा अन्य विभागों वा लक्ष्य 22.4 करोड़ है।

01 से 07 जुलाई (वन महोत्सव) के बीच जन्में नवजात शिशुओं को ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट के साथ एक पौधा भेंट के रूप में उनके अभिभावकों को दिया जाएगा तथा पौधों की देखभाल के लिए प्रेरित किया जायेगा। उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले में 'अटल वन', 'एकता वन', 'एकलव्य वन' और 'शौर्य वन' विकसित किए जा रहे है, ये वन पर्यावरण संरक्षण के साथ साथ सामाजिक और सांस्कृतिक गौरव के प्रति सम्मान की भावना जगाने में मदद करेंगे। इसके अतिरिक्त नगर निगम और नगर पालिका क्षेत्रों में स्थानीय प्रजातियों के संरक्षण के 'आक्सी वन' भी स्थापित किये जा रहे हैं।

आवागम के संसाधन भी बेहतर कर रही है प्रदेश सरकारः असीम अरुण

- मंत्री ने पांच नई बसों को किया रवाना, जल्द मिलेंगी 18 नई बसें
- डिपो के बेड़े में शामिल होंगी 5 नई वातानुकूलित बसें

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश सरकार नागरिकों के लिए लगातार आधारभूत सुविधाओं को विकसित कर रही है। सड़क के साथ आवागम के साधन को और बेहतर कर सरकार नई बसों का संचालन भी कर रही है। यह बातें प्रदेश के समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री असीम अरुण ने रोडवेज बस स्टैंड सरायमीरा, कन्नौज से ग्रामीण सेवा की बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते समय कहीं।

श्री असीम अरुण ने इस अवसर पर कहा कि बेड़े में जो नई बसें शामिल होंगी, उसमें से पांच वातानुकूलित बसें होंगी। यही प्रधानमंत्री जी के विकसित भारत का संकल्प है, जिसमें समाज के हर वर्ग को समानता का अवसर प्राप्त होगा।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जनपद वासियों के लिए बहुत ही खुशी का दिन है कि अब ग्रामीण क्षेत्रों से होकर भी प्रदेश के अलग अलग जनपदों में लोग यात्रा कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि आज कन्नौज से 5 साधारण नई बसो का संचालन शुरू किया गया है। यह बसे कन्नौज, फर्रूखाबाद, बरेली, हरदोई, शाहजहांपुर, सीतापुर, इटावा आदि जनपदों के लिए संचालित की गई हैं। आगामी दिवस में कन्नौज डिपो को 18 नई बसें प्राप्त होंगी, इनमें पांच वातानुकूलित बसें शामिल होंगी।

भाषा विवि को BCI से मिली बी.ए.एलएल.बी. और एलएल.बी. पाठ्यक्रमों की मान्यता

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ को बार काउंसिल ऑफ इंडिया (BCI) से बी.ए.एलएल.बी. और एलएल.बी. पाठ्यक्रमों के लिए मान्यता प्राप्त हो गई है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा के मार्गदर्शन में हासिल हुई है। विश्वविद्यालय में वर्ष 2023 से विधि (लॉ) पाठ्यक्रमों की पढ़ाई कराई जा रही है, जबकि एलएल.एम. पाठ्यक्रम वर्ष 2021 से संचालित हो रहा है। कुलपति प्रोफेसर अजय तनेजा ने इस अवसर पर कहा, ÷यह विश्वविद्यालय परिवार के लिए गर्व का क्षण है। विधि शिक्षा के क्षेत्र में हमारा उद्देश्य छात्रों को न केवल सैद्धांतिक ज्ञान देना है बल्कि उन्हें व्यावहारिक दृष्टिकोण और नैतिक मूल्यों से भी संपन्न करना है, ताकि वे समाज में न्याय और समानता के पक्षधर बन सकें।

साथ ही इस गौरवमयी क्षण के अवसर पर रजिस्ट्रार डॉ. महेश कुमार ने कहा कि ÷बार काउंसिल ऑफ इंडिया से मान्यता मिलना हमारे शैक्षणिक और प्रशासनिक प्रयासों की सफलता का प्रतीक है। हम विधि शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। विधि संकाय के डीन प्रोफेसर मसूद आलम ने बताया कि हाल ही में विभाग में आठ सहायक प्रोफेसरों की नियुक्ति की गई है और एक सहयोगी (एसोसिएट) प्रोफेसर की तैनाती हुई है। इससे विधि संकाय की शैक्षणिक और शोध गतिविधियां और अधिक सशक्त होंगी। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय की विधि शिक्षा को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में मील का पत्थर साबित होगी।

अज़ादारों ने अली अकबर (अ.स) का पुरसा पेश किया

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। कर्बला के मैदान में हजरत अली अकबर (अ.स) अपने वालिद हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) से मैदाने जंग में जाने की इजाजत मांग रहे थे। इमाम ने कहा मैं तुम्हे कैसे इजाजत दूं तुम तो हम शक्ले पयम्बर हो। छह मोहर्रम का दिन 18 साल के बेटे अली अकबर (अ.स.) से मंसूब है। अजादारों ने उनका ताबूत उठाकर इमाम (अ.स.) को उनके बेटे का पुरसा पेश किया।

मदरसा-ए-नाजमिया बजाजा में मौलाना हमीदुल हसन ने मजलिस को खिताब करते हुए कहा कि दुनिया में कोई मजहब ऐसा नहीं है जो दुआ पर यकीन न रखता हो। मकसदे दुआ एक ही है। जब परेशान हो तो मजहब का सहारा लेकर किसी से दुआ करो।

इमामबाड़ा गुफरानमाब चौक में मजलिस को खिताब करते हुए मौलाना कल्बे जव्वाद ने विलायते अली (अ.स) की अज़्मत बयान की और आयाए बल्लिग़ की रौशनी में कहा की इस आयात के दो रुख हैं, एक ख़िताब रसूल अल्लाह (स) से है कि अगर विलायते अली (अ.स) का हुक्म नहीं पहुंचाया तो गोया अपने कुछ नहीं किया और दूसरा ख़िताब मुसलमानों से है कि अगर विलायते अली (अ.स) को नहीं माना तो कुछ नहीं माना। विलायते अली (अ.स) दीन का सतून है।

इमामबाड़ा जन्नतमाब तकी साहब चौक में मौलाना सैफ अब्बास ने कहा कि लोगों को गुमराही और ज़िल्लत से निकालकर निजात के रास्ते पर लाने के लिए सबसे पहले रसूल-ए-खुदा ने सादाकत और अमानत की तालीम दी। इस्लाम का आखिरी हुक्म था गदीर में विलायत अली (अ.स.) का ऐलान करता। इसी लिए अहलेबैत की मुहब्बत को जरूरी करार दिया गया, ताकि उनकी विलायत को मानते जाओ और निजात हासिल करते जाओ।

इमामबाड़ा कसरे हुसैनी बिल्लौचपुरा में मौलाना मोहम्मद मियां आब्दी ने कहा कि कर्बला सिर्फ शहादतों का संग्रह नहीं बल्कि विलायते इलाही की रौशन तस्वीर है। उन्होंने कहा कि विलायत सिर्फ मर्दों का मैदान नहीं है बल्कि महिलाओं ने भी इसे मुकम्मल किया।

इमामबाड़ा उम्मुल बनीन मंसूर नगर में मौलाना रजा अब्बास ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) दीने इस्लाम को बचाने के लिए अपने खानदान,असहाब और चाहने वालों के साथ, जिनकी तादाद बहत्तर थी, सब सर जमीने कर्बला पर पहुंचे और तपते रेगिस्तान में अपना पूरा भरा घर लुटाकर इस्लाम को कयामत तक के लिए महफूज कर दिया।

कर्बला अजमतुद्दौला बहादर मेंहदीगंज में मजलिस को खिताब करते हुए मौलाना हसन अस्करी मुबारकपुरी ने कहा कि कर्बला की जंग हक और बातिल की थी जहां हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) ने हक और इंसानियत को बचाने के लिए अपनी व अपने 71 सथियों की शहादत देकर इस्लाम को नया जीवन दान दिया।

इमामबाड़ा आगा बाकर चौक में मजलिस को खिताब करते हुए कहा कि मौलाना मीसम जैदी ने कहा कि जो लोग जंग के मैदान में दिफा-ए-दीन करते हुए हक की जानिब से लड़ते हुए दूश्मन की तलवार से कत्ल हो जाये वह दुनिया में भी शहीद और आखिरत में भी शहीद।

हुसैनी इमाम बारगाह अलीगंज में मौलाना सैयद साजिद हुसैन रिजवी ने कहा कि कुरान हिदायत का बेहतरीन जरिया है इंसान को यह तलाश करना चाहिये की वह कुरान से कितना करीब है। अगर हम अपनी जिन्दगी को कुरान के मुताबिक ढालते जायेगे तो हमारी जिन्दगी और सामाज बेहतर होता चला जायेगा। कयामत के रोज हमारा पास शिफाअत के लिए कुछ होगा।

...मुझे जवान के लाशे पे ले चलो अब्बास

इमामबाड़ा नाजिम साहब में मजलिस में डा.काजी असद ने नसीम अमरोही का लिखा मर्सिया अपने मखसूस अंदाज में पढ़ा- रिवायतों में लिखा है ये हाले सिब्त-ए-नबी...कभी ज़मीन पे गिरे और उठ के दौड़े कभी...कभी तड़प के कहा ऐन अंता या वलदी कभी पुकारे कि दरिया से जल्द आओ अख़ी। मैं नातवां हूँ, मेरा हाथ थाम लो अब्बास,मुझे जवान के लाशे पे ले चलो अब्बास। कल की मजलिस में फैज़ बाक़िर मर्सिये पढ़ेंगे।

यौमे अली असगर मनाया

इमामबाड़ा गुफरामाआब में हजरत इमाम हुसैन के छह माह के मासूम बेटे हजरत अली असगर की याद में यौमे अली असगर मनाया गया। मजलिस को ख़्वाहर फातिमा जवाद नकवी ने ख़िताब किया। यौमे अली असग़र (अ.स) में ख़्वातीन ने अपने शीरख़्वार बच्चों को हजरत अली असग़र (अ.स) की शहादत की याद में मखसूस लिबास पहना कर हजरत अली असग़र (अ.स) की क़ुर्बानी को याद किया।

आसिफी इमामबाड़े में हुआ दहकती आग पर मातम

अंजुमने सोगवाराने हुसैन की ओर से आसिफी इमामबाड़े में आग पर मातम किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में अजादारों ने शिरकत करके इमाम हुसैन (अ.स.) और उनके साथियों को नजराने अकीदत पेश की। तकरीर के बाद इमामबाड़ा परिसर में आग के दहकते अंगारों पर दर्जनों मातमी दस्ते हाथों में अलम लिए या हुसैन या हुसैन कहते हुए गुजर गये। मातम में शियों के साथ अन्य धर्मो के लोग भी शामिल थे।

मलका जहां में करायी झूले की जियारत

इमामबाड़ा मलका जहां जामा मस्जिद, तहसीनगंज से मस्जिद इमामिया हाता मिर्जा अली खां तक हजरत अली असगर (अ.स.) के झूले की जियारत करायी गयी। यहां मौलाना फरहत हुसैन ने मजलिस को खिताब किया। इसके बाद शहर की अंजुमनों ने नौहाख्वानी व छुरी का मातम भी किया। कार्यक्रम का आयोजन अंजुमन नय्यारूल इस्लाम ने किया था।

शाही मेंहदी का जुलूस आज

हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) के भतीजे और हजरत इमाम हसन (अ.स.) के बेटे हजरत कासिम (अ.व.) की याद में बृहस्पतिवार को हुसैनाबाद ट्रस्ट की ओर से आसिफी इमामबाड़े से ऐतिहासिक शाही मेंहदी का जुलूस निकाला जायेगा। रात नौ बजे निकलने वाला जुलस रूमीगेट, कुलिया घाट और घंटाघर होते हुए छोटे इमामबाड़े पहुंचेगा। कश्मीरी मोहल्ला स्थित मस्जिद शर्गा पार्क में भी हजरत कासिम (अ.स.) की मेंहदी की जियारत दोपहर 1.30 बजे करायी जायेगी। इसी क्रम में शाहगंज स्थित मस्जिद मुनसरी में भी मेंहदी की जियारता करायी जायेगा।

शादी जनाबे कासिम का दिल सोज मंजर आज

हजरत इमाम हुसैन (अ.स.) के भतीजे हजरत कासिम (अ.स.) की याद में जन्नत माब सोसाइटी द्वारा इस वर्ष भी इमामबाड़ा तकी साहब चौक में बृहस्पतिवार सुबह दस बजे शादी जनाबे कासिम का दिल सोज मंजर पेश किया जायेगा। मजलिस को मौलाना सैफ अब्बास खिताब करेंगे। इसी तरह कर्बला दियानुतद्दौला में यौम-ए-हजरत कासिम शाम 4 बजे मनाया जायेगा। मजलिस के बाद शबीह-ए-ताबूत,मेहदी की जियारत करायी जायेगी।